सम-सामयिक घटना चक्र

इस अंक के साथ
निःशुल्क

मासिक करेन्ट नोट्स एवं सामयिक आलेख

मार्च - अप्रैल, 2017

भारत निर्वाचन आयोग ELECTION COMMISSION OF INDIA

Website : http//www.ssgcp.com/
https://www.facebook.com/ssgcpl
https://www.facebook.com/ssgc.gs.qa
https://plus.google.com./+Ssgcpssgcp
https://twitter.com/SamsamyikGhatna

विधान सभा चुनाव, 2017

₹ 42/-

समारंभ

5 राज्यों के विधान सभा चुनाव परिणाम क्या संकेत करते हैं? क्या ये सत्ता विरोधी रुझान प्रदर्शित करते हैं? हां, क्योंकि किसी भी राज्य में सत्ताधारी पार्टी पुनः सरकार नहीं बना पाई। नहीं, क्योंकि मणिपुर में सत्ताधारी पार्टी ने सर्वाधिक सीटें जीती हैं। क्या ये चुनाव परिणाम केंद्र सरकार की नीतियों के प्रति जनता के समर्थन की अभिव्यक्ति हैं? हां, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी को इन चुनावों में भारी जन-समर्थन प्राप्त हुआ है। नहीं, क्योंकि पंजाब एवं गोवा में भाजपा की सीटों एवं मत प्रतिशत दोनों में ही पिछले चुनाव की तुलना में गिरावट आई है। क्या विजेता दलों के मतों की प्रतिशतता एवं उनके द्वारा जीती गई सीटों में सीधा संबंध है? हां, क्योंकि उ.प्र., उत्तराखंड एवं पंजाब में ऐसा ही हुआ है। नहीं, क्योंकि मणिपुर एवं गोवा में भारतीय जनता पार्टी के मतों की प्रतिशतता अधिक होने के बावजूद विजित सीटों की संख्या कम है। क्या मतदान प्रतिशतता में वृद्धि हुई है? हां, क्योंकि उत्तर प्रदेश एवं मणिपुर में वर्ष 2012 के विधान सभा चुनावों की तुलना में मत प्रतिशत में वृद्धि हुई है। नहीं, क्योंकि पंजाब, उत्तराखंड एवं गोवा में गत विधान सभा चुनावों की तुलना में मतदान प्रतिशत में कमी आई है। वस्तुतः हकीकत यह है कि भिन्न-भिन्न अंचलों में अवस्थित 5 राज्यों के चुनाव परिणामों का विश्लेषण किसी समान आधार पर संभव नहीं है। सांस्कृतिक वैविध्य से परिपूर्ण भारत के राज्यों के अपने-अपने विश्लेषण हैं। वर्तमान चुनाव परिणामों को भी इसी दृष्टिकोण से देखने की जरूरत है। सांस्कृतिक विविधता लोकतांत्रिक निर्णयों को भी परिचालित करती है। इसका ताजा उदाहरण है-जहां गुजरात में भारतीय जनता पार्टी के मुख्यमंत्री ने गोहत्या के लिए मृत्युदंड का कानून लागू किया है, वहीं नगालैंड एवं मिजोरम के भाजपा प्रमुखों ने कहा है कि 'यदि भारतीय जनता पार्टी मेघालय, नगालैंड एवं मिजोरम में सत्ता में आती है, तो गोवध (Cow Slaughter) पर प्रतिबंध इन राज्यों में नहीं लागू किया जाएगा।' उल्लेखनीय है इन राज्यों की जनसंख्या ईसाई बहुल है और इनकी विधान सभाओं के चुनाव अगले वर्ष होने जा रहे हैं। कहने का अर्थ यह है कि भिन्न-भिन्न राज्यों के लिए न तो नीतियां एक हो सकती हैं न ही इनके चुनाव परिणामों के आधार एक हो सकते हैं। ऐसा भी नहीं है कि राज्यों में कहीं साम्यता नहीं है। इन सभी राज्यों के चुनावों में अमीर उम्मीदवारों को अधिक सफलता मिली है, शिक्षित उम्मीदवार ज्यादा सफल रहे हैं और राजनीति में बाहुबलियों का कद बढ़ा है। इस अंक के आवरण आलेख में सभी 5 राज्यों के विधान सभा चुनाव परिणामों का विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है।

स्वास्थ्य पर सार्वजनिक खर्च (Public Spending) की दृष्टि से भारत विश्व के सर्वाधिक न्यून व्यय करने वाले देशों में से एक है। वैश्विक औसत GDP के 5.99 प्रतिशत की तुलना में भारत में मात्र GDP का 1.15 प्रतिशत स्वास्थ्य पर व्यय किया जाता है। 15 मार्च, 2017 को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित 'राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2017' में स्वास्थ्य क्षेत्र पर खर्च सकल घरेलू उत्पाद के वर्तमान 1.15 प्रतिशत से बढ़ाकर वर्ष 2025 तक 2.5 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है। इस नीति में स्वास्थ्य क्षेत्र के अन्य बहुत से लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। इस अंक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति पर आलेख प्रस्तुत किया गया है।

बैंक द्वारा व्यापारियों से क्रेडिट/डेबिट कार्ड से भुगतान प्राप्ति की स्थिति में जो शुल्क वसूला जाता है, उसे एम.डी.आर. (Merchant Discount Rate) कहा जाता है। एम.डी.आर. की दरों को युक्तिसंगत बनाने को लेकर व्यापक विमर्श जारी है। इसी विषय पर आलेख इस अंक में प्रस्तुत किया गया है।

संदर्भ स्तंभ के तहत वर्षांत समीक्षा, 2016 का द्वितीय खंड प्रस्तुत किया गया है।

इस अंक के साथ म.प्र.पी.सी.एस., प्रारंभिक परीक्षा, 2017 का हल प्रश्न-पत्र निःशुल्क प्रदान किया गया है।

पाठक अंक पर अपनी प्रतिक्रिया अवश्य भेजें।

विधान सभा चुनाव, 2017

'प्रजा के सुख में ही राजा को अपना सुख और प्रजा के हित में अपना हित समझना चाहिए।' आत्मप्रियता में राजा का हित नहीं है, प्रजा की प्रियता में ही राजा का हित है। महान भारतीय राजनीतिक चिंतक चाणक्य का यह कथन जितना तत्कालीन परिस्थितियों में राजतंत्र के लिए उपयुक्त था, उतना ही वर्तमान समय में लोकतंत्र के लिए भी है।

वस्तुतः लोकतंत्र में प्रजा (शासित) ही राजा (शासक) की निर्धारक है। यहां आम सहमति का सिद्धांत व्यवहृत है। किसी भी राष्ट्र/राज्य में अनेक हित समूह होते हैं। किसी एक हित समूह के लिए अकेले यह संभव नहीं है कि वह अपनी आकांक्षा के अनुरूप सरकार का गठन कराने में कामयाब हो जाए। इसीलिए लोकतंत्र में कई हित समूह आम सहमति के आधार पर मिलकर सरकार के गठन में भूमिका निभाते हैं। राजनीतिक दल भी हित समूहों के वृहत्तर गठबंधन के लिए प्रयासरत रहते हैं। पिछली सरकार के दौरान असंतुष्ट एवं वंचित हित समूह प्रतिपक्ष को सत्ता में लाने में महती भूमिका निभाते हैं। लोकतंत्र में दीर्घकालिक सफलता के लिए यह सर्वमान्य सिद्धांत है कि भले ही सत्ता असंतुष्ट हित समूहों के गठबंधन का समर्थन प्राप्त करके हासिल की गई हो, नए असंतुष्ट गुट पनपकर किसी बड़े गठबंधन का सृजन करने की ओर अग्रसर न हों।

फरवरी-मार्च, 2017 में संपन्न 5 राज्यों की विधान सभाओं के चुनाव परिणामों के पश्चात यह सामान्य निष्कर्ष है कि इन राज्यों में सत्तारूढ़ सरकारें अपनी जनता के बड़े समूहों को संतुष्ट नहीं रख सकीं। इन हित समूहों में किसान, छात्र, व्यवसायी, नौकरीपेशा सभी शामिल हैं।

❑ निर्वाचन कार्यक्रम

निवर्तमान विधान सभा का कार्यकाल समाप्त होने के पूर्व नई विधान सभा के गठन के लिए चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराए जाने की संवैधानिक अनिवार्यता के दृष्टिगत फरवरी-मार्च, 2017 में देश के पांच राज्यों में विधान सभा चुनाव संपन्न हुए। इन राज्यों में से गोवा, मणिपुर एवं पंजाब की विधान सभा का कार्यकाल 18 मार्च, 2017 को समाप्त हो रहा था जबकि उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश की विधान सभाओं के कार्यकाल की समाप्ति तिथि क्रमशः 26 मार्च, 2017 और 27 मई, 2017 निर्धारित थी। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा पंजाब एवं गोवा की विधान सभा का चुनाव 4 फरवरी को और उत्तराखंड की विधान सभा का चुनाव 15 फरवरी को एक ही चरण में कराया गया। मणिपुर की विधान सभा के चुनाव 4 मार्च एवं 8 मार्च, 2017 को दो चरणों में और उत्तर प्रदेश की विधान सभा के चुनाव 11 फरवरी से 8 मार्च, 2017 के मध्य सात चरणों में संपन्न कराए गए। सभी पांचों राज्यों के विधान सभा चुनाव के परिणाम 11 मार्च, 2017 को मतगणना के पश्चात जारी किए गए।

❑ चुनाव परिणाम एवं निष्कर्ष

सभी 5 राज्यों की विधान सभा चुनाव परिणामों में सत्ता विरोधी रुझान की प्रबलता दिखाई पड़ी। यह अलग बात है कि सत्ता विरोधी लहर कहीं कम रही तो कहीं ज्यादा। सभी दल जो सत्ता में थे, उनके लिए परिणाम विपरीत रहे। सत्ता विरोधी रुझान बड़े राज्यों उ.प्र., उत्तराखंड एवं पंजाब में ज्यादा था जबकि छोटे राज्यों गोवा एवं मणिपुर में कम। उ.प्र. में समाजवादी पार्टी एवं कांग्रेस को गठबंधन करने के बावजूद भाजपा के हाथों करारी हार झेलनी पड़ी। भाजपा के हाथों इसी प्रकार की हार कांग्रेस को उत्तराखंड में मिली। यहां के मुख्यमंत्री हरीश रावत अपनी दोनों ही सीटों से हार गए। पंजाब में अकाली दल-भाजपा गठबंधन सरकार को कांग्रेस के हाथों जबरदस्त हार का सामना करना पड़ा। यहां सत्तारूढ़ गठबंधन तीसरे स्थान पर चला गया और उसे मुख्य प्रतिपक्षी दल की भूमिका भी नसीब नहीं हुई। मणिपुर में कांग्रेस पूर्ण बहुमत से सबसे बड़ी पार्टी में तब्दील हो गई। गोवा में सत्तारूढ़ भाजपा दूसरे स्थान पर खिसक गई। गोवा एक मात्र ऐसा प्रदेश रहा जहां सत्तारूढ़ दल (भाजपा) पुनः सरकार बनाने में सफल रहा। इसका कारण जनता का समर्थन नहीं बल्कि इसके नेतृत्व का कुशल (?) प्रबंधन था। पांच राज्यों में संपन्न विधान सभा चुनाव से संबंधित मुद्दों, चुनाव परिणामों एवं सरकार के गठन का सम्यक् विवेचन आगे प्रस्तुत है।

❑ उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश जनसंख्या की दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा तथा क्षेत्रफल की दृष्टि से चौथा सबसे बड़ा राज्य है। 80 लोक सभा एवं 404 विधान सभा सदस्यों (403 विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र + 1 नामित एंग्लो-इंडियन सदस्य) वाला यह राज्य राष्ट्रीय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। उत्तर प्रदेश के 403 विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों में से 84 सीटें अनुसूचित जाति एवं 2 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। राज्य की 16वीं विधान सभा का कार्यकाल 27 मई, 2017 को समाप्त हो रहा था। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा राज्य में 17वीं विधान सभा के गठन के लिए सात चरणों यथा 11, 15, 19, 23 एवं 27 फरवरी, 2017 और 4 एवं 8 मार्च, 2017 को चुनाव कराए गए।

राज्य में विधान सभा चुनाव के दृष्टिगत यदि मुद्दों की बात की जाए, तो इस चुनाव के प्रमुख मुद्दों में शामिल थे- बेरोजगारी, बिजली का संकट, भ्रष्टाचार, नोटबंदी, स्वास्थ्य, शिक्षा, जातीय एवं सामाजिक विभेद, गन्ना किसानों का भुगतान, असमान विकास आदि।

उत्तर प्रदेश में रोजगार के अवसरों की उपलब्धता एक बड़ा चुनावी मुद्दा था। उत्तर प्रदेश जनसंख्या की दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा राज्य है। इसी कारण यहां कार्यकारी आबादी भी अधिक है। निम्नस्तरीय शिक्षा व्यवस्था, कौशल प्रशिक्षण की कमी, उद्योगों का अभाव, निजी निवेश की कमी, ग्रामीण एवं कुटीर उद्योगों का क्षरण आदि ऐसे कारण हैं जिनकी वजह से राज्य में बेरोजगारों की संख्या में वृद्धि हुई है।

उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य पर सार्वजनिक औसत खर्च भारतीय औसत खर्च का 70 प्रतिशत है। स्वास्थ्य पर कम खर्च के कारण स्वास्थ्य संस्थानों में डॉक्टरों, नर्सों एवं सहयोगी स्टाफ की कमी जैसी समस्याएं व्याप्त हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश सर्वाधिक शिशु मृत्यु दर के मामले में देश भर में तीसरे और मातृ मृत्यु दर के मामले में दूसरे स्थान पर है।

यद्यपि उत्तर प्रदेश में प्राथमिक विद्यालयों में लगभग सार्वभौमिक नामांकन है, किंतु विद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव, शिक्षा की गुणवत्ता, उच्च अनुपस्थिति दर आदि शिक्षा क्षेत्र की बड़ी चुनौतियां हैं। राज्य में अपर्याप्त बिजली की आपूर्ति भी एक प्रमुख समस्या है। महाराष्ट्र एवं गुजरात के पश्चात कोयला आधारित सर्वाधिक बिजली उत्पादन क्षमता होने के बावजूद उत्तर

प्रदेश के आधे से अधिक ग्रामीण परिवार बिजली की पहुंच से दूर हैं। बिजली की अपर्याप्त आपूर्ति राज्य के औद्योगिक विकास के मार्ग में एक प्रमुख बाधा है।

उत्तर प्रदेश की एक अन्य प्रमुख समस्या है असमान क्षेत्रीय विकास। एक तरफ जहां पश्चिमी उत्तर प्रदेश विकसित दिखाई देता है, तो दूसरी तरफ बुंदेलखंड क्षेत्र विकास की दौड़ में पीछे है। इसका प्रमुख कारण था- विगत सरकारों द्वारा विकास के लिए एकीकृत नियोजन को लागू नहीं करना।

उपर्युक्त मुद्दों के अतिरिक्त कानून व्यवस्था, महिला सुरक्षा एवं सशक्तीकरण आदि मुद्दे भी राज्य में व्याप्त थे।

राज्य के इन प्रमुख मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारतीय जनता पार्टी ने अपने घोषणा-पत्र को **'लोक कल्याण संकल्प-पत्र'** नाम दिया था, जिसमें मुफ्त शिक्षा, लैपटॉप एवं प्रत्येक परिवार को एलपीजी कनेक्शन का वादा किया गया था। इसके अतिरिक्त 24 घंटे अबाधित बिजली आपूर्ति, गांवों को मिनी बस सेवा से जोड़ना, गरीब परिवार में जन्मी प्रत्येक बालिका शिशु को 5,000 रुपये देना, विधवाओं को 1,000 रु. पेंशन, किसानों की कर्जमाफी, पूर्वांचल एवं बुंदेलखंड विकास बोर्ड का गठन आदि वादों को शामिल किया गया था।

जबकि विगत पांच वर्षों से राज्य में सत्तासीन समाजवादी पार्टी ने अपने घोषणा-पत्र में छात्रों को स्मार्टफोन देने, एक करोड़ महिलाओं को 1,000 रुपये की मासिक पेंशन, महिलाओं को सरकारी बसों में किराए में 50 प्रतिशत छूट, कालीन एवं हथकरघा उद्योग का लक्षित विकास, लखनऊ हवाई अड्डे पर एयर एम्बुलेंस, ग्रामीण क्षेत्रों में 24 घंटे बिजली की आपूर्ति आदि वादों को शामिल किया गया था।

11 मार्च को जारी किए गए चुनाव परिणामों में भारतीय जनता पार्टी ने शानदार सफलता प्राप्त की। इस चुनाव में जहां भाजपा को 39.7 प्रतिशत मत के साथ 312 सीटें हासिल हुईं, वहीं उसके सहयोगी दलों [अपना दल (सोने लाल) एवं सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी] ने भी कुल 13 सीटों पर जीत हासिल की। वर्ष 2012 के विधान सभा चुनाव में भाजपा को मात्र 47 सीटें ही मिली थीं।

उत्तर प्रदेश के विधान सभा चुनाव, 2017 में अब तक की सर्वाधिक संख्या (38) में महिलाओं ने चुनाव जीता है। भारतीय जनता पार्टी से सर्वाधिक 32 महिलाएं निर्वाचित हुईं हैं। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी से क्रमशः दो-दो महिलाएं निवार्चित हुईं जबकि समाजवादी पार्टी तथा अपना दल से क्रमशः एक-एक महिलाओं ने चुनाव जीता। वर्ष 2017 के विधान सभा चुनाव में सर्वाधिक मतों के अंतर से और न्यूनतम मतों के अंतर से चुनाव जीतने वाले उम्मीदवार भारतीय जनता पार्टी के हैं। साहिबाबाद विधान सभा क्षेत्र से भाजपा के उम्मीदवार सुनील कुमार शर्मा ने कांग्रेस के अमरपाल को 1,50,685 मतों से हराकर सर्वाधिक मतों के अंतर से चुनाव जीता। डुमरियागंज से भाजपा के उम्मीदवार राघवेन्द्र प्रताप सिंह मात्र 171 मतों के अंतर से बसपा की सैयदा खातून को हराकर विजयी हुए। बिजनौर से चुनाव जीतने वाली भाजपा की सुचि चौधरी (27 वर्ष) सबसे युवा महिला विधायक हैं जबकि बदायूं जिले के बिसौली निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए भाजपा के कुशाग्र सागर (25 वर्ष) 17वीं विधान सभा में सबसे युवा विधायक हैं।

वर्ष 2017 के उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव परिणाम से स्पष्ट होता है कि राज्य की जनता ने भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन देने एवं 'सबका साथ, सबका विकास' का मंत्र लेकर चुनाव में उतरी भारतीय जनता पार्टी के दावों में विश्वास किया। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1951 एवं 1977 के चुनावों से इतर अब तक कोई भी पार्टी राज्य में इतनी बड़ी जीत नहीं दर्ज कर सकी थी। यहां तक कि

वर्ष 1991 में राम मंदिर मुद्दे पर चुनाव में उतरी स्वयं भाजपा भी उस समय 221 सीटें ही प्राप्त कर सकी थी।

हृदय नारायण दीक्षित

30 मार्च, 2017 को भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता हृदय नारायण दीक्षित को उत्तर प्रदेश की 17वीं विधान सभा का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। वर्ष 2017 के चुनाव में वह उन्नाव जिले के भगवंत नगर विधान सभा क्षेत्र से निर्वाचित हुए। ये उत्तर प्रदेश के पंचायतीराज एवं संसदीय मामलों के मंत्री भी रह चुके हैं। वह पहली बार वर्ष 1985 में राज्य विधान सभा के लिए निर्वाचित हुए थे।

15 वर्ष बाद उत्तर प्रदेश की सत्ता पुनः हासिल करने वाली भारतीय जनता पार्टी के विधायक दल के नेता योगी आदित्यनाथ को राज्य के राज्यपाल राम नाईक ने 19 मार्च, 2017 को स्मृति उपवन में मुख्यमंत्री पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। केशव प्रसाद मौर्या और दिनेश शर्मा ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इसके अतिरिक्त 22 कैबिनेट मंत्रियों, 9 राज्य मंत्रियों (स्वतंत्र प्रभार) और 13 राज्य मंत्रियों ने भी शपथ ग्रहण किया।

राज्य की कानून व्यवस्था, जातिवाद एवं भ्रष्टाचार जैसी परंपरागत चुनौतियों के अतिरिक्त भाजपा के घोषणा-पत्र में किए गए वादों जैसे लघु एवं सीमांत किसानों की कर्जमाफी, किसानों को उनकी उपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य दिलाना, फसलों का बीमा कराना, महिलाओं की सुरक्षा हेतु एंटी रोमियो दल का गठन, 1.50 लाख पुलिसकर्मियों की भर्ती, एंटी भू-माफिया टास्क फोर्स का गठन आदि को पूरा करने की चुनौती भी योगी सरकार के समक्ष होगी। नवनियुक्त मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एंटी रोमियो दल का गठन एवं अवैध बूचड़खानों पर प्रतिबंध लगाकर भाजपा के घोषणा-पत्र पर अमल भी प्रारंभ कर दिया है।

उत्तर प्रदेश : दलीय स्थिति

राजनीतिक दल	प्राप्त सीटें	मत प्रतिशत
भारतीय जनता पार्टी	312	39.7
समाजवादी पार्टी	47	21.8
बहुजन समाज पार्टी	19	22.2
अपना दल (सोने लाल)	9	1.0
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	7	6.2
सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी	4	0.7
राष्ट्रीय लोकदल	1	1.8
निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल	1	0.6
निर्दलीय	3	2.6

योगी आदित्यनाथ

उत्तर प्रदेश के पद क्रमानुसार 32वें और व्यक्ति के रूप में 21वें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ (अजय सिंह बिष्ट) का जन्म 5 जून, 1972 को उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले में हुआ था। 22 वर्ष की अवस्था में ही इन्होंने सांसारिक जीवन त्यागकर संन्यास ग्रहण कर लिया। फरवरी, 1994 में गोरक्षपीठाधीश्वर महंत अवैद्यनाथ जी महराज ने इन्हें अपना उत्तराधिकारी नियुक्त किया था। उत्तराखंड के एच.एन.बी. गढ़वाल विश्वविद्यालय से विज्ञान में स्नातक की उपाधि प्राप्त करने वाले योगी आदित्यनाथ मात्र 26 वर्ष की आयु में वर्ष 1998 में 12वीं लोक सभा के लिए गोरखपुर से सबसे युवा सांसद निर्वाचित हुए। इसके पश्चात 1999, 2004, 2009 एवं 2014 में भी गोरखपुर संसदीय क्षेत्र से लोक सभा के लिए निर्वाचित हुए। लगातार 5 बार लोक सभा के सांसद निर्वाचित होने वाले योगी आदित्यनाथ ने कई पुस्तकें लिखी हैं जिनमें शामिल हैं- 'यौगिक षट्कर्म', 'हठयोग : स्वरूप एवं साधना', 'हिंदू राष्ट्र नेपाल : अतीत, वर्तमान एवं भविष्य' और 'राजयोग : स्वरूप एवं साधना'। 19 मार्च, 2017 को वह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने।

❑ पंजाब

'पांच नदियों की भूमि' (नामतः ब्यास, झेलम, चेनाब, रावी एवं सतलज) के नाम से प्रसिद्ध पंजाब की 14वीं विधान सभा का कार्यकाल 18 मार्च, 2017 को समाप्त हो रहा था। राज्य में 15वीं विधान सभा के गठन के लिए 4 फरवरी, 2017 को मतदान संपन्न हुआ। चुनाव में कुल 78.62 प्रतिशत मतदान हुआ। गौरतलब है कि पंजाब के 117 विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों में 34 सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं जबकि अनुसूचित जनजाति के लिए विधान सभा में कोई सीट आरक्षित नहीं है।

पंजाब कृषि प्रधान राज्य है। यहां की आधे से अधिक आबादी कृषि पर निर्भर है। किंतु विगत वर्षों में यह राज्य किसानों की आत्महत्या के मामलों के कारण चर्चा में रहा है। रिपोर्टों के अनुसार, किसानों की आत्महत्या के मामले में देश में महाराष्ट्र के पश्चात पंजाब का दूसरा स्थान है। फसलों का उचित मूल्य न मिलना, कृषि प्रसंस्करण-इकाइयों का अभाव और बढ़ता हुआ कर्ज आदि ऐसे कारण थे जिन्होंने किसानों को आत्महत्या के लिए प्रेरित किया। इसके अतिरिक्त बेरोजगारी एवं कौशल प्रशिक्षण की कमी, भ्रष्टाचार, बढ़ता अपराधीकरण, दलितों के प्रति बढ़ती हिंसा आदि राज्य के प्रमुख मुद्दे हैं।

पंजाब में विधान सभा चुनाव के मद्देनजर राज्य के इन प्रमुख मुद्दों को सभी राजनीतिक दलों ने अपने घोषणा-पत्रों में स्थान दिया था।

11 मार्च, 2017 को जारी किए गए चुनाव परिणामों में सत्तारूढ़ शिरोमणि अकाली दल एवं भारतीय जनता पार्टी गठबंधन को जबरदस्त सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ा। राज्य में विगत 10 वर्षों से सत्तासीन अकाली-भाजपा गठबंधन को मात्र 18 सीटें ही प्राप्त हुईं। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 38.5 प्रतिशत मत के साथ 77 सीटें जीतने में सफल रही। आम आदमी पार्टी को 20 सीटें प्राप्त हुईं।

पंजाब में 10 वर्ष पश्चात पुनः सत्तासीन होने वाली भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विधायक दल के नेता कैप्टन अमरिंदर सिंह को राज्यपाल वी.पी. सिंह बदनौर ने 16 मार्च, 2017 को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई।

दूसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में पदासीन होने वाले कैप्टन अमरिंदर सिंह के समक्ष राज्य में धीमी आर्थिक वृद्धि, युवाओं में व्याप्त बेरोजगारी, बड़ी संख्या में युवाओं का नशे का आदी होना, सेकेंडरी स्कूल से पहले बड़ी संख्या में छात्रों के पढ़ाई छोड़ने जैसी कई चुनौतियां हैं। नए मुख्यमंत्री के लिए जर्जर अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाना, राज्य पर बढ़ते कर्ज का बोझ घटाना और लोक-लुभावनी योजनाओं का क्रियान्वयन आसान नहीं होगा। इसके अतिरिक्त किसानों की आत्महत्या, खेती का संकट, सतलज नदी के जल का बंटवारा आदि कई ज्वलंत समस्याएं नए मुख्यमंत्री के सामने होंगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि कैप्टन अमरिंदर सिंह का मुख्यमंत्री के रूप में पुराना अनुभव इन चुनौतियों से मुकाबला करने में काम आएगा।

पंजाब : दलीय स्थिति

राजनीतिक दल	प्राप्त सीटें	मत प्रतिशत
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	77	38.5
आम आदमी पार्टी	20	23.7
शिरोमणि अकाली दल	15	25.2
भारतीय जनता पार्टी	3	5.4
लोक इंसाफ पार्टी	2	1.2

कैप्टन अमरिंदर सिंह

पंजाब के नवनियुक्त मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह का जन्म 11 मार्च, 1942 को पटियाला के शाही परिवार में हुआ था। वह वर्ष 1963 में भारतीय सेना में शामिल हुए। उन्होंने वर्ष 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में भाग लिया। उन्होंने वर्ष 1980 में पहली बार लोक सभा चुनाव कांग्रेस पार्टी के टिकट पर जीता। पंजाब के मुख्यमंत्री के रूप में इनका पहला कार्यकाल वर्ष 2002 से 2007 तक रहा।

❑ उत्तराखंड

'देवभूमि' के नाम से प्रसिद्ध उत्तराखंड की तीसरी विधान सभा का कार्यकाल 26 मार्च, 2017 को समाप्त हो रहा था और राज्य में चौथी विधान सभा के गठन के लिए एकल चरण में 15 फरवरी, 2017 को चुनाव कराए गए। ध्यातव्य है कि उत्तराखंड के 70 विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों में 13 सीटें अनुसूचित जाति और 2 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं।

वर्ष 2017 के विधान सभा चुनाव के पूर्व उत्तराखंड में विभिन्न ज्वलंत मुद्दे थे जिनमें शामिल हैं- पलायन, बेरोजगारी, महिला एवं बाल स्वास्थ्य, प्राकृतिक आपदाएं, पर्यटन एवं परंपरागत कृषि में गिरावट, जल संरक्षण, मनुष्यों और वन्य जीवों के मध्य होने वाला टकराव, अवैध वन्य जीव व्यापार, जंगलों में लगने वाली आग, वन संरक्षण आदि।

उत्तराखंड को हरियाली से युक्त पहाड़ों और प्राकृतिक सुंदरता का पर्याय माना जाता है। पहाड़ी राज्य होने के कारण राज्य सरकार से निर्वहनीय विकास किए जाने की अपेक्षा की जाती है लेकिन, राज्य में जलविद्युत परियोजनाओं, बड़े बांधों एवं जलाशयों से पहाड़ का संतुलन बिगड़ रहा है। यद्यपि उत्तराखंड कई बड़ी नदियों का उद्गम स्थल है फिर भी, यह राज्य जल संकट से जूझ रहा है। सिंचाई हेतु जल के साथ ही स्वच्छ पेयजल की कमी भी एक बड़ा मुद्दा है। वन संपदा के अनियंत्रित उठान, वृक्षों की अंधाधुंध कटाई आदि के कारण जंगल तेजी से खत्म हो रहे हैं। औषधीय पौधों एवं वन्य जीवों के अंगों के अवैध व्यापार के कारण औषधीय पादपों एवं वन्य जीवों की कई प्रजातियों के अस्तित्व का संकट उत्पन्न हो गया। सिकुड़ते जंगल के कारण मनुष्य एवं वन्य जीवों में टकराव बढ़ा है।

उत्तराखंड के उपर्युक्त मुद्दों के आलोक में राजनीतिक दलों द्वारा जारी घोषणा- पत्रों का परीक्षण किया जाना आवश्यक है। सत्ताधारी पार्टी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने राज्य की मुख्य समस्या पलायन को ध्यान में रखते हुए अपने संकल्प-पत्र में पलायन एवं रोजगार को प्रमुखता दी। साथ ही राज्य की सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण, 10 लाख लोगों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रदेश में नए जिले बनाने, आपदा प्रबंधन, बुनियादी संरचना विकास, महिलाओं का आर्थिक सशक्तीकरण आदि वादों को शामिल किया। भारतीय जनता पार्टी ने भी युवा रोजगार एवं पलायन जैसे मुद्दों को प्रमुखता दी। इसके अतिरिक्त पार्टी ने अपने घोषणा-पत्र में छः माह में रिक्त पदों पर भर्तियां करने, भ्रष्टाचार पर रोक लगाने हेतु लोकायुक्त अधिनियम लागू करने, वर्ष 2019 तक प्रत्येक गांव में सड़क बनाने, 24 घंटे बिजली एवं पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने, गरीबी रेखा से नीचे के लोगों को विशेष स्वास्थ्य कार्ड देने, जैविक कृषि को प्रोत्साहन देने आदि बातों को भी शामिल किया।

उत्तराखंड राज्य के 70 विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की 69 सीटों का परिणाम 11 मार्च, 2017 को घोषित किया गया जबकि लोहाघाट विधान सभा क्षेत्र के एक मतदान स्थल पर 15 मार्च को पुनर्मतदान के कारण परिणाम बाद में घोषित किया गया। सत्ताधारी पार्टी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को राज्य में जबरदस्त सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ा। दो विधान सभा क्षेत्रों (हरिद्वार ग्रामीण एवं किच्छा) से उम्मीदवार मुख्यमंत्री हरीश रावत दोनों निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव हार गए। इस चुनाव में कांग्रेस पार्टी 33.5 प्रतिशत मतों के साथ मात्र 11 सीटें ही जीत सकी। दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी 57 सीटें जीतने में सफल रही।

उत्तराखंड के राज्यपाल के.के. पॉल ने 18 मार्च, 2017 को भारतीय जनता पार्टी के विधायक दल के नेता त्रिवेंद्र सिंह रावत को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई।

उत्तराखंड के 8वें (व्यक्ति के रूप में) मुख्यमंत्री के रूप में सत्ता संभालने वाले त्रिवेंद्र सिंह रावत के समक्ष इस अहम जिम्मेदारी के साथ ही असमान एवं अनियंत्रित विकास की त्रासदी झेल रहे उत्तराखंड को पटरी पर लाने की चुनौती है। पलायन, बेरोजगारी, पारदर्शी, स्वच्छ एवं भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन, बदहाल स्वास्थ्य तंत्र, शिक्षा की चरमराती व्यवस्था को दुरुस्त करने के साथ ही ढांचागत विकास को लेकर जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने की चुनौती मुख्यमंत्री के समक्ष होगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि राज्य की नई सरकार जनता की इन उम्मीदों को पूरा करने में सक्षम होगी।

उत्तराखंड : दलीय स्थिति

राजनीतिक दल	प्राप्त सीटें	मत प्रतिशत
भारतीय जनता पार्टी	57	46.5
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	11	33.5
निर्दलीय	2	10

त्रिवेंद्र सिंह रावत

18 मार्च, 2017 को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले त्रिवेंद्र सिंह रावत का जन्म दिसंबर, 1960 में पौड़ी गढ़वाल जिले में हुआ था। उत्तराखंड को अलग राज्य बनाने हेतु चलाए गए आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले रावत पहली बार वर्ष 2002 में डोईवाला विधान सभा क्षेत्र से राज्य विधान सभा के लिए निर्वाचित हुए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक रहे रावत वर्ष 2007 में राज्य के कृषि मंत्री बने थे। वर्ष 2017 में वह पुनः डोईवाला विधान सभा क्षेत्र से निर्वाचित हुए और राज्य के मुख्यमंत्री बने।

❑ मणिपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'अष्टलक्ष्मी' की संज्ञा से विभूषित पूर्वोत्तर भारत के आठ राज्यों में से एक 'मणिपुर' का शाब्दिक अर्थ है- 'आभूषणों की भूमि'। मणिपुर की 10वीं विधान सभा का कार्यकाल 18 मार्च, 2017 को समाप्त हो रहा था। 11वीं विधान सभा के गठन के लिए राज्य में 4 मार्च और 8 मार्च, 2017 को दो चरणों में चुनाव कराए गए। गौरतलब है कि मणिपुर के 60 विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों में से 19 सीटें अनुसूचित जनजातियों और 1 सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है।

मणिपुर में 60 सदस्यीय नई विधान सभा के गठन के लिए संपन्न चुनाव के परिणाम 11 मार्च, 2017 को जारी किए गए। राज्य में सत्तासीन भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को सर्वाधिक 28 सीटें प्राप्त हुईं, जो बहुमत से तीन कम थीं। भारतीय जनता पार्टी ने राज्य में सशक्त उपस्थिति दर्ज कराते हुए 21 सीटों पर जीत हासिल की। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2012 के चुनाव में भाजपा राज्य में एक भी सीट नहीं जीत सकी थी। राज्य में पहली बार चुनाव में भाग लेने वाली प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्त्री इरोम चानू शर्मिला की 'पीपुल्स रीसर्जेंस एंड जस्टिस एलायंस' (PRJA) पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली। यहां तक कि थौबल (Thoubal) विधान सभा से उम्मीदवार इरोम शर्मिला को मात्र 90 मत ही प्राप्त हुए। अपनी पराजय स्वीकार करते हुए इरोम शर्मिला ने राजनीति से संन्यास ले लिया।

राज्य में किसी भी दल को बहुमत प्राप्त न होने की स्थिति में भारतीय जनता पार्टी ने अन्य छोटी पार्टियों के समर्थन से राज्यपाल नजमा हेपतुल्ला के समक्ष सरकार बनाने का दावा पेश किया। राज्यपाल ने 15 मार्च, 2017 को भाजपा के नोंगथोम्बम बीरेन सिंह को राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई।

नेशनल पीपुल्स पार्टी (NPP) के वाई. जॉयकुमार सिंह ने उपमुख्यमंत्री के पद की शपथ ली। मणिपुर में सरकार गठन के साथ ही पूर्वोत्तर के आठ राज्यों में से चार राज्यों (सिक्किम, मेघालय, त्रिपुरा एवं मिजोरम) को छोड़कर शेष

चार राज्यों (असम, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड तथा मणिपुर) में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। जहां असम, अरुणाचल प्रदेश एवं मणिपुर में भाजपा की सरकार है, वहीं नगालैंड में वह सरकार में भागीदार है।

मणिपुर : दलीय स्थिति

राजनीतिक दल	प्राप्त सीटें	मत प्रतिशत
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	28	35.1
भारतीय जनता पार्टी	21	36.3
नगा पीपुल्स फ्रंट	4	7.2
नेशनल पीपुल्स पार्टी	4	5.1
ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस	1	1.4
लोक जनशक्ति पार्टी	1	2.5
निर्दलीय	1	5.1

नोंगथोम्बम बीरेन सिंह

फुटबॉल खिलाड़ी के रूप में राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध नोंगथोम्बम बीरेन सिंह का जन्म 1 जनवरी, 1961 को मणिपुर में हुआ था। वह वर्ष 1981 में डूरंड कप जीतने वाली 'सीमा सुरक्षा बल' (BSF) की फुटबॉल टीम के सदस्य थे। बीएसएफ से त्यागपत्र देने के पश्चात उन्होंने क्षेत्रीय समाचार-पत्र नहरोलगी थौदंग' (Naharolgi Thoudang) प्रारंभ किया। वर्ष 2002 में हेईगांग (Heigang) विधान सभा सीट से वह 'डेमोक्रेटिक रिवोल्यूशनरी पीपुल्स पार्टी' के टिकट पर मणिपुर विधान सभा के लिए निर्वाचित हुए। वर्ष 2003 में वह तत्कालीन मुख्यमंत्री ओकराम इबोबी सिंह की सरकार में मंत्री बने। अक्टूबर, 2016 में नोंगथोम्बम बीरेन सिंह औपचारिक रूप से भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए और 15 मार्च, 2017 को राज्य के मुख्यमंत्री बने।

❑ गोवा

गोवा राज्य की छठीं विधान सभा का कार्यकाल 18 मार्च, 2017 को समाप्त हो रहा था। 7वीं विधान सभा के गठन के लिए राज्य में एक ही चरण में 4 फरवरी, 2017 को मतदान संपन्न हुआ। उल्लेखनीय है कि 40 सदस्यीय गोवा विधान सभा में 1 सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है जबकि अनुसूचित जनजाति के लिए कोई सीट आरक्षित नहीं है।

अक्टूबर, 2016 में ब्रिक्स (BRICS) शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने वाले गोवा राज्य में चुनाव पूर्व कई मुद्दे थे जिनमें प्रमुख थे- अंग्रेजी माध्यम के शिक्षण संस्थानों को सरकारी मदद बंद करना, कैसिनो (Casino) का संचालन बंद करना, खनन उद्योग को सुधारना, पर्यटकों की सुरक्षा, बेरोजगारी आदि। गौरतलब है कि वर्ष 2012 में उच्चतम न्यायालय द्वारा गोवा में खनन गतिविधियों पर रोक लगाने के पहले गोवा भारत का सर्वाधिक लौह-अयस्क निर्यात करने वाला राज्य था। वर्ष 2014 में उच्चतम न्यायालय द्वारा कठोर शर्तों के तहत खनन पर से प्रतिबंध हटाने के बावजूद राज्य में खनन गतिविधियों में वृद्धि नहीं हुई जिसके फलस्वरूप खनन क्षेत्र में रोजगार के अवसरों में कमी आने के कारण बेरोजगारी में वृद्धि हुई।

उपर्युक्त मुद्दों के आलोक में सत्ताधारी दल भारतीय जनता पार्टी ने अपने घोषणा-पत्र में आगामी पांच वर्षों में गोवा को बेरोजगारी से मुक्त करने, पर्यावरण को उद्योग का दर्जा देने, राज्य को निवेशक अनुकूल बनाने आदि वादों को शामिल किया। जबकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अपने घोषणा-पत्र में सभी कैसिनो पर प्रतिबंध लगाने, खनन को बहाल करने, गोवा विधान सभा में अनुसूचित जनजातियों को आरक्षण देने आदि बातें शामिल की थीं।

40 सदस्यीय गोवा विधान सभा के चुनाव परिणाम 11 मार्च, 2017 को घोषित किए गए। इन परिणामों से पता चलता है कि सत्तारूढ़

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ा। मुख्यमंत्री लक्ष्मीकांत पार्सेकर और छः अन्य मंत्री चुनाव हार गए। राज्य में भाजपा केवल 13 सीटें ही प्राप्त कर सकी। वहीं प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने 28.4 प्रतिशत मत प्राप्त कर राज्य में सर्वाधिक 17 सीटों पर विजय हासिल की।

गोवा में सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद कांग्रेस सरकार बनाने में असफल रही, वहीं दूसरा स्थान प्राप्त करने वाली भारतीय जनता पार्टी ने महाराष्ट्रवादी गोमांतक, गोवा फॉरवर्ड पार्टी और निर्दलियों के समर्थन से सरकार का गठन किया। गोवा की राज्यपाल मृदुला सिन्हा ने 14 मार्च, 2017 को मनोहर परिकर को राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई।

गोवा : दलीय स्थिति

राजनीतिक दल	प्राप्त सीटें	मत प्रतिशत
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	17	28.4
भारतीय जनता पार्टी	13	32.5
महाराष्ट्रवादी गोमांतक	3	11.3
गोवा फॉरवर्ड पार्टी	3	3.5
राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी	1	2.3
निर्दलीय	3	11.1

मनोहर पर्रिकर

गोवा के चौथी बार मुख्यमंत्री बनने वाले मनोहर गोपालकृष्ण प्रभु पर्रिकर का जन्म 13 दिसंबर, 1955 को उत्तरी गोवा में हुआ था। आईआईटी बॉम्बे से बी.टेक. डिग्री प्राप्त मनोहर पर्रिकर पहली बार वर्ष 1994 में विधायक बने थे। 14 मार्च, 2017 को गोवा के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करने से पूर्व वह तीन बार राज्य के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। इसके अतिरिक्त वह 9 नवंबर, 2014 से 13 मार्च, 2017 तक भारत सरकार के रक्षा मंत्री रहे। वह उत्तर प्रदेश से राज्य सभा के लिए निर्वाचित हुए थे।

सत्ता विरोधी लहर में पराजय के बावजूद भले ही भारतीय जनता पार्टी ने गोवा में सरकार बना ली हो किंतु, नवगठित मनोहर परिकर सरकार के समक्ष कई चुनौतियां हैं। भाषाई विवाद को सुलझाना, खनन क्षेत्र को बढ़ावा देना, रोजगार सृजन, कैसिनो को बंद करना, बढ़ते ड्रग व्यापार को रोकना आदि ऐसी चुनौतियां हैं जिनका सामना नई सरकार को करना है।

फरवरी-मार्च, 2017 में संपन्न पांच राज्यों के विधान सभा चुनावों से कई बातें स्पष्ट होती हैं। इन पांच राज्यों में से उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड में भारतीय जनता पार्टी की जीत और मणिपुर एवं गोवा में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरने को एक 'विजन' की जीत कहा जा सकता है। अपने चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनता के समक्ष 'भारत : एक ठोस विजन' पेश किया था जिसे इन राज्यों की जनता ने खुलकर समर्थन दिया।

वस्तुतः अब असल चुनौती चुनाव के दौरान किए गए वायदों पर अमल की होगी। इस हेतु तीव्र जनदबाव भी होगा। लोकतंत्र में सरकारें जनदबाव के साथ-साथ संविधान से भी बद्ध हैं। पंजाब में जलविवाद, उ.प्र. में अल्पसंख्यकों से संबंधित मुद्दे, मणिपुर में मेतेई-नगा संबंधों पर नई सरकारों के समक्ष ऐसा प्रशासन देने की चुनौती होगी जिससे किसी भी समूह या राज्य के प्रति विभेद परिलक्षित न हो और किसी भी प्रशासनिक कदम को संविधान की रंचमात्र भी अवज्ञा के रूप में न देखा जाय।

प्रशासन के अभिरूप और संविधान में निहित तत्वों के बीच गहरा संबंध होता है। प्रशासन का तौर-तरीका संविधान की भावना के अनुरूप ठीक उसी रूप में होना चाहिए। प्रशासन के स्वरूप में बदलाव करके, संविधान के तत्वों को बिना बदले इसकी भावना के विपरीत व्यवहार करने में सरकारें कुशल होती हैं। वोट बैंक के दबाव में नई सरकारें यदि इस ओर उन्मुख होंगी तो यह लोकतंत्र की हार होगी। ■■■

भारत में चुनाव व्यवस्था : ज्वलंत प्रश्न

✍ नीरज ओझा

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव ही वह आधारभूत पहिए होते हैं जिस पर प्रजातंत्र रूपी रथ निरंतर गतिमान रहता है। केवल चुनाव का संपन्न होना मात्र ही महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि उससे अधिक महत्वपूर्ण है- निष्पक्ष रूप से चुनाव प्रक्रिया, मतदान, चुनाव परिणाम एवं सरकार का गठन होना। वर्ष 2017 की प्रथम तिमाही में पांच राज्यों में विधान सभा चुनाव संपन्न हुए। उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड के विधान सभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को अप्रत्याशित जीत मिली। भाजपा की इस जीत को विपक्षी दलों द्वारा 'इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन' (EVM) में गड़बड़ी का नतीजा बताया गया। गोवा एवं मणिपुर में सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को सरकार बनाने के लिए राज्यपाल द्वारा आमंत्रित नहीं किया गया। विपक्षी दलों द्वारा राज्यपाल के इस कृत्य को संविधान के उल्लंघन एवं जनमत की अवज्ञा के रूप में देखा गया। साथ ही अलग-अलग समय पर होने वाले राज्यों की विधान सभाओं और लोक सभा के चुनावों से सरकारी व्यय में वृद्धि के कारण विधान सभा एवं लोक सभा चुनाव संयुक्त रूप से संपन्न कराए जाने की मांग भी की जा रही है। पांच राज्यों में विधान सभा चुनाव के पश्चात उत्पन्न उपर्युक्त प्रश्नों एवं संबंधित समाधानों का सम्यक् विवेचन आगे प्रस्तुत है।

❑ त्रिशंकु विधान सभा में राज्यपाल की भूमिका

फरवरी-मार्च, 2017 में पांच राज्यों यथा उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, मणिपुर एवं गोवा में विधान सभा चुनाव संपन्न हुए। इन राज्यों में से उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड में भारतीय जनता पार्टी को प्रचंड बहुमत मिला जबकि पंजाब में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को पूर्ण बहुमत प्राप्त हुआ। मणिपुर एवं गोवा में किसी पार्टी को बहुमत नहीं मिला। मणिपुर में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 28 सीटें एवं भारतीय जनता पार्टी को 21 सीटें प्राप्त हुईं जबकि गोवा में उपर्युक्त दोनों पार्टियों को क्रमशः 17 एवं 13 सीटें प्राप्त हुईं। त्रिशंकु विधान सभा की स्थिति में इन दोनों राज्यों के राज्यपालों द्वारा इन राज्यों में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी द्वारा चुनाव पश्चात किए गए गठबंधन को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया गया, क्योंकि दोनों राज्यों में भारतीय जनता पार्टी ने अन्य पार्टियों एवं निर्दलियों के समर्थन से सरकार बनाने का दावा पेश किया था जबकि दोनों राज्यों में सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने सरकार बनाने का दावा पेश नहीं किया और राज्यपालों के इस कदम को असंवैधानिक बताया। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अनुसार, गोवा एवं मणिपुर में सबसे

बड़ी पार्टी को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित न कर राज्यपाल ने लोकतंत्र की हत्या की है। इससे भी एक कदम आगे जाकर कांग्रेस ने गोवा में मनोहर पर्रिकर सरकार के शपथ ग्रहण को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दे दी। माननीय उच्चतम न्यायालय ने पर्रिकर सरकार के शपथ ग्रहण पर रोक लगाने से इनकार करते हुए राज्यपाल द्वारा बहुमत साबित करने के लिए दिए गए 15 दिन के समय को घटाकर 16 मार्च, 2017 को ही विधान सभा में बहुमत साबित करने का आदेश दिया। पर्रिकर सरकार ने निर्धारित तिथि को सदन में बहुमत (22-16 से) साबित कर दिया।

यदि अतीत में झांके तो ऐसे कई उदाहरण हैं जब राज्य के राज्यपाल द्वारा सबसे बड़ी पार्टी को दरकिनार कर दूसरी सबसे बड़ी पार्टी द्वारा चुनाव बाद किए गए गठबंधन को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया गया। वर्ष 2002 में जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस की 28 सीटें होने के बावजूद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (20 सीट) और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (16 सीट) के चुनाव बाद हुए गठबंधन को राज्यपाल द्वारा सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया गया। इसी तरह वर्ष 2005 में झारखंड में भारतीय जनता पार्टी के सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद झारखंड मुक्ति मोर्चा (17 सीट) को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया गया। इसके अतिरिक्त वर्ष 2013 में दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (31 सीट) के सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद आम आदमी पार्टी (28 सीट) को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया गया था।

अब यहां यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि त्रिशंकु विधान सभा की स्थिति में राज्यपाल की भूमिका क्या होनी चाहिए? इस संबंध में संवैधानिक प्रावधान क्या है?

उपर्युक्त प्रश्नों के संदर्भ में यदि संवैधानिक प्रावधान का उल्लेख किया जाए, तो मुख्यमंत्री की नियुक्ति और उसके निर्वाचन के लिए संविधान में कोई विशेष व्यवस्था नहीं है। अनुच्छेद 164 में कहा गया है कि मुख्यमंत्री की नियुक्ति राज्यपाल करेगा। इसका अर्थ यह नहीं है कि राज्यपाल किसी भी व्यक्ति को मुख्यमंत्री नियुक्त करने के लिए स्वतंत्र है। भारत की संसदीय व्यवस्था में राज्यपाल, राज्य विधान सभा में बहुमत प्राप्त दल के नेता को ही मुख्यमंत्री नियुक्त करता है। किंतु, यदि किसी दल को स्पष्ट बहुमत प्राप्त न हो, तो राज्यपाल, मुख्यमंत्री की नियुक्ति में अपने विवेकाधिकार का प्रयोग कर सकता है। ऐसी परिस्थिति में राज्यपाल सबसे बड़े दल या दलों के समूह के नेता को मुख्यमंत्री नियुक्त करता है। यही वह स्थिति है जहां राज्यपाल के निर्णय की राजनीतिक दलों द्वारा आलोचना की जाती रही है।

त्रिशंकु विधान सभा की स्थिति में एम.एम. पुंछी आयोग द्वारा की गईं सिफारिशें निम्नलिखित हैं–

➡ पार्टी या गठबंधन जिसे विधान सभा चुनाव में बहुमत प्राप्त हो, उसे राज्यपाल द्वारा सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

➡ यदि कोई चुनाव पूर्व गठबंधन है, तो उसे एक राजनीतिक दल माना जाएगा और यदि यह गठबंधन विधान सभा चुनाव में बहुमत प्राप्त होता है, तो राज्यपाल उसे सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करेगा।

➡ यदि चुनाव में किसी पार्टी या चुनाव पूर्व गठबंधन को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलता है, तो राज्यपाल द्वारा नीचे दी गई प्राथमिकताओं के आधार पर सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया जाएगा–

1. दलों का समूह जिसने चुनाव पूर्व गठबंधन किया हो और उसे चुनाव में सर्वाधिक सीटें प्राप्त हों।

2. चुनाव जीतने वाला सबसे बड़ा दल जो अन्य दलों के सहयोग से सरकार बनाने का दावा करे।
3. चुनाव बाद हुआ गठबंधन जिसके सभी भागीदार सरकार में शामिल हों।
4. चुनाव के बाद हुआ गठबंधन जिसके भागीदार दल सरकार में शामिल हों और निर्दलीय बाहर से समर्थन दें।

उपर्युक्त सिफारिशों से यह स्पष्ट है कि इसमें राज्यपाल से निष्पक्ष होकर राज्य में सरकार के गठन हेतु राजनीतिक दलों या गठबंधन को आमंत्रित किए जाने की अपेक्षा की गई है।

❑ ईवीएम (EVM) पर विवाद

हाल ही में संपन्न पांच राज्यों के विधान सभा चुनावों के परिणामों की घोषणा के पश्चात राजनीतिक दलों द्वारा 'इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन' (EVM) की विश्वसनीयता के खिलाफ आवाज उठाते हुए इन चुनावों के दौरान ईवीएम में छेड़-छाड़ का आरोप लगाया गया है। इस संबंध में 11 मार्च, 2017 को बहुजन समाज पार्टी (BSP) के राष्ट्रीय महासचिव द्वारा भारत निर्वाचन आयोग में एक ज्ञापन दिया गया था। हालांकि आयोग द्वारा उसी दिन ज्ञापन को विस्तृत उत्तर के साथ खारिज कर दिया गया।

ईवीएम का उपयोग प्रारंभ किए जाने के पश्चात इन मशीनों से कथित छेड़छाड़ के संबंध में इस तरह की चिंताएं पहले भी व्यक्त की जा चुकी हैं। उच्च न्यायालय/उच्चतम न्यायालय में भी इस तरह की चिंताएं जताई जा चुकी हैं जिन्हें माननीय न्यायालयों द्वारा अस्वीकार कर दिया गया था।

मत-पत्रों के उपयोग से जुड़ी कुछ विशेष समस्याओं से निजात पाने और प्रौद्योगिकी के विकास का लाभ उठाने के उद्देश्य से भारत निर्वाचन आयोग ने दिसंबर, 1977 में ईवीएम का विचार सामने रखा था, जिससे मतदाता बिना किसी संशय के मतदान कर सकें और अवैध मतों की संभावना को पूर्णतया समाप्त किया जा सके। संसद द्वारा जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 में संशोधन करते हुए एक नई धारा 61ए जोड़ी गई जिसके तहत ईवीएम के उपयोग के लिए निर्वाचन आयोग को अधिकार दिया गया। वर्ष 2000 के बाद से ईवीएम का उपयोग राज्य विधान सभाओं के लिए हुए 107 चुनावों और वर्ष 2004, 2009 और 2014 के लोक सभा चुनावों में किया जा चुका है।

वर्ष 2001 के बाद से ईवीएम में संभावित छेड़-छाड़ के मामले को विभिन्न उच्च न्यायालयों में उठाया जाता रहा है, जिनमें शामिल हैं- मद्रास उच्च न्यायालय, 2001; केरल उच्च न्यायालय, 2002 एवं वर्ष 2004 में दिल्ली उच्च न्यायालय, कर्नाटक उच्च न्यायालय तथा बॉम्बे उच्च न्यायालय (नागपुर बेंच)। इन उच्च न्यायालयों ने भारत में हुए चुनावों में ईवीएम में निहित तकनीकी सुदृढ़ता और प्रशासनिक पहलुओं पर गौर करने के पश्चात यह पाया है कि भारत में ईवीएम विश्वसनीय, भरोसेमंद एवं छेड़-छाड़ से मुक्त है। इनमें से कुछ मामलों में उच्च न्यायालय के निर्णयों के खिलाफ अपीलों को उच्चतम न्यायालय द्वारा भी खारिज किया जा चुका है।

निर्वाचन आयोग द्वारा ईवीएम को तकनीकी रूप से सुरक्षित करने के लिए विविध उपाय किए गए हैं। इन मशीनों में उपयोग किए गए सॉफ्टवेयर को वन टाइम प्रोग्राम/मास्कड चिप का रूप दिया गया है जिससे इसमें किसी भी तरह का फेरबदल संभव न हो सके। इसके अतिरिक्त इन मशीनों की न तो किसी तार अथवा बेतार तरीके से किसी अन्य मशीन या प्रणाली से नेटवर्किंग की जाती है। अतः इसके डाटा में फेरबदल की कोई संभावना नहीं रहती है। ईवीएम के सॉफ्टवेयर

को **भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड** (रक्षा मंत्रालय का उपक्रम) और **इलेक्ट्रॉनिक्स कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड** (परमाणु ऊर्जा मंत्रालय का उपक्रम) के इंजीनियरों के एक चयनित समूह द्वारा स्वतंत्र रूप से एक-दूसरे से बिल्कुल अलग विकसित किया जाता है और इस सॉफ्टवेयर का परीक्षण एवं आकलन स्वतंत्र परीक्षण समूह द्वारा किया जाता है। ईवीएम के सोर्स कोड को सदैव नियंत्रित स्थितियों में संग्रहीत करके रखा जाता है और इन तक केवल अधिकृत व्यक्तियों की ही पहुंच होती है। वर्ष 2006 में ईवीएम में कुछ अतिरिक्त विशेषताएं शामिल की गईं जिनमें शामिल हैं- बैलट यूनिट (BU) एवं कंट्रोल यूनिट (CU) के मध्य डाइनेमिक कोडिंग, रियल टाइम क्लॉक (Real-time clock) लगाना, पूर्ण डिस्प्ले सिस्टम लगाना और ईवीएम में हर बार बटन को दबाने पर तारीख एवं समय का अंकित होना।

निर्वाचन आयोग द्वारा ईवीएम के लिए सुरक्षा उपायों की एक विस्तृत प्रशासनिक प्रणाली और प्रक्रियात्मक निगरानी की पुख्ता व्यवस्था की गई है। प्रत्येक चुनाव के पहले राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में ईवीएम बनाने वाली कंपनियों के इंजीनियरों द्वारा चुनाव में उपयोग में लाई जाने वाली प्रत्येक ईवीएम की प्रथम स्तरीय जांच की जाती है। इस दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि स्वयं द्वारा चुनी गई 5 प्रतिशत ईवीएम से कम-से-कम एक हजार मत डालते हैं जिसका प्रिंट आउट उन्हें दिखाया जाता है। ईवीएम मशीनें उम्मीदवारों या उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में मतदान केंद्रों के लिए भेजी जाती हैं। मतदान के दिन प्रत्येक मतदान केंद्र पर उम्मीदवारों के प्रतिनिधियों/पोलिंग एजेंटों की उपस्थिति में कम-से-कम 50 मतों का कृत्रिम मतदान (Mock Poll) संपन्न कराया जाता है जिसके पश्चात ईवीएम मशीनें धागे और हरे कागज से सील की जाती हैं जिससे मतदान के लिए आवश्यक बटनों के अतिरिक्त अन्य बटनों तक पहुंच को रोका जा सके। मतदान संपन्न होने के पश्चात पोलिंग एजेंटों की उपस्थिति में पीठासीन अधिकारी 'क्लोज' बटन दबाते हैं जिसके पश्चात ईवीएम सील कर कड़ी सुरक्षा में स्ट्रांग रूम में रख दी जाती हैं।

निर्वाचन आयोग द्वारा पारदर्शिता बढ़ाने की दृष्टि से 'मतदाता सत्यापन योग्य पेपर ऑडिट ट्रेल' (VVPAT) का उपयोग वर्ष 2013 में नगालैंड उपचुनाव में किया गया। वर्ष 2017 में संपन्न पांच राज्यों के विधान सभा चुनाव में आयोग द्वारा 52000 वीवीपीएटी तैनात की गईं थीं जिसमें गोवा चुनाव में सभी 40 विधान सभा क्षेत्रों में वीवीपीएटी का प्रयोग किया गया था। वीवीपीएटी लागू करने के पीछे उद्देश्य यह है कि नियंत्रण इकाई (CU) में मत की रिकॉर्डिंग के साथ उम्मीदवार के नाम और चुनाव चिह्न वाली कागजी पर्ची निकाली जा सके जिससे किसी भी विवाद के समय ईवीएम में दिखाए जा रहे परिणाम की पुष्टि कागजी पर्ची निकालकर की जा सके। इस संबंध में जून, 2014 में आयोग द्वारा वर्ष 2019 में होने वाले लोक सभा आम चुनाव में प्रत्येक मतदान केंद्र पर वीवीपीएटी लागू करने का प्रस्ताव करते हुए केंद्र सरकार से 3174 करोड़ रुपये की राशि की मांग की गई है।

जहां तक बात विश्व के अन्य देशों में वोटिंग मशीनों से मतदान पर रोक लगाने की है, तो इस संबंध में भारत निर्वाचन आयोग का कहना है कि विश्व के अन्य देशों में उपयोग किए जाने वाले अधिकांश सिस्टम इंटरनेट कनेक्टिविटी से युक्त कंप्यूटर आधारित हैं जिससे इन सिस्टमों को हैक किए जाने का खतरा बना रहता है जबकि भारत में प्रयोग की जाने वाली ईवीएम

विभिन्न देशों में अपनाई गई वोटिंग मशीनों और प्रक्रियाओं से बुनियादी तौर पर बिल्कुल भिन्न है।

उपर्युक्त विवेचन से स्पष्ट है कि निर्वाचन आयोग ने चुनाव में ईवीएम का दोषमुक्त तरीके से प्रयोग सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तकनीकी और प्रशासनिक प्रणाली की व्यवस्था की है। अतः राजनीतिक दलों से आम आदमी की यह अपेक्षा है कि चुनाव हारने पर ईवीएम को दोष देने के बजाय अपने शासनकाल के दौरान किए गए कार्यों एवं निर्मित नीतियों की समीक्षा करनी चाहिए और उसमें निहित कमियों को दूर करने के संकल्प के साथ जनता के बीच जाना चाहिए।

❑ संयुक्त चुनाव की मांग

चुनाव, जनादेश हासिल करने का लोकतांत्रिक माध्यम है। चुनाव के माध्यम से मिले जनादेश के पश्चात गठित सरकारें अपनी नीतियों से लोक कल्याण की योजनाओं को धरातल पर अधिक से अधिक लाएं, यह उद्देश्य है। सरकार का अधिकाधिक समय एवं संसाधन लोक कल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों पर खर्च हो, इस उद्देश्य की प्राप्ति के दृष्टिगत लोक सभा एवं विधान सभा चुनाव संयुक्त रूप से कराने की मांग की जा रही है। इससे होने वाले निम्नलिखित लाभ परिलक्षित होते हैं–

- लोक सभा एवं विधान सभा चुनाव संयुक्त रूप से होने से सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि सरकारी धन की बचत के साथ ही राजनीतिक दलों के धन की भी बचत होगी।
- पूरे देश में केवल एक ही मतदाता सूची होगी। अभी लोक सभा, विधान सभा एवं स्थानीय निकायों की अलग-अलग मतदाता सूचियां हैं।
- चुनावी हिंसा, सांप्रदायिक विभाजन, जाति भेद आदि पर रोक लगाने में मदद मिलेगी।
- देश को प्रति वर्ष होने वाले चुनाव से राहत मिलेगी।
- आचार संहिता लागू होने के कारण नीतियां, कार्यक्रम, एवं विकास के कार्य प्रभावित नहीं होंगे।
- प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं अन्य कर्मचारियों को बार-बार चुनावी ड्यूटी से राहत मिलेगी।

दूसरी ओर संयुक्त चुनाव आयोजित करने के विपक्ष में तर्क यह है कि इससे क्षेत्रीय दलों के जीतने के अवसर कम हो जाएंगे। सीएसडीएस (CSDS : Centre for the Study of Developing Societies) के एक अध्ययन के अनुसार, 1989 से 2014 के मध्य लोक सभा चुनावों के साथ 31 विधान सभा चुनाव संपन्न हुए जिनमें से 24 अवसरों पर बड़ी राजनीतिक पार्टियों के पक्ष में लोक सभा एवं विधान सभा दोनों चुनावों में समान अनुपात में मतदान हुआ जबकि मात्र 7 अवसरों पर ही मतदाताओं ने दोनों चुनावों में अलग-अलग विकल्पों (पार्टियों) को चुना।

बहरहाल हालिया संपन्न पांच राज्यों की विधान सभा चुनावों एवं परिणामों के विवेचन से यह बात स्पष्ट हो जाती है कि भारत में लोकतंत्र की जड़ें मजबूत करने और संसदीय लोकतंत्र में जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए कुछ अनिवार्य कदम उठाए जाने अपेक्षित हैं। राज्य के राज्यपालों को संवैधानिक प्रावधानों के तहत कार्य करना चाहिए जिससे उन पर केंद्र का एजेंट होने का आरोप न लग सके। निर्वाचन आयोग को भी ईवीएम की विश्वसनीयता को बनाए रखने के अधिकाधिक उपाय करने चाहिए। अंत में सभी चुनावों को संयुक्त रूप से कराए जाने की व्यवहार्यता को ध्यान में रखते हुए इसे कार्यरूप में परिणत करने का प्रयास किया जाना चाहिए। ■■■

राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति-2017

✍ सौरभ मेहरोत्रा

'सहस्राब्दि विकास लक्ष्यों' (MDGs) के स्थान पर 1 जनवरी, 2016 से वर्ष 2016-2030 की अवधि के लिए प्रभावी 17 'सतत विकास लक्ष्यों' (Sustainable Development Goals : SDGs) में जीवन के प्रत्येक चरण में सभी के लिए स्वस्थ जीवन एवं कल्याण को सुनिश्चित करने संबंधी लक्ष्य (Goal-3) को भी शामिल किया गया है। इस लक्ष्य में प्रजनन; मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य; संचारी, गैर-संचारी एवं पर्यावरणीय रोगों; सार्वजनिक स्वास्थ्य कवरेज; सुरक्षित, प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण तथा वहनीय औषधियों एवं टीकों तक सभी की पहुंच जैसी स्वास्थ्य प्राथमिकताओं पर प्रमुखता से ध्यान केंद्रित किया गया है। स्वास्थ्य संबंधी इन लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु वर्ष 2030 तक की समय-सीमा निर्धारित की गई है। स्वास्थ्य संबंधी सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में हुई प्रगति के मूल्यांकन के उद्देश्य से प्रतिष्ठित मेडिकल जर्नल 'द लैंसेट' (The Lancet) द्वारा सितंबर, 2016 में जारी की गई एक रिपोर्ट में भारत के संबंध में चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र महासभा में एक विशेष समारोह के दौरान जारी की गई 'सतत विकास लक्ष्यों की इस पहली वार्षिक मूल्यांकन रिपोर्ट' में विभिन्न स्वास्थ्य संकेतकों पर देशों द्वारा की गई प्रगति के मामले में भारत को विश्व के **188 देशों में 143वां** स्थान प्राप्त हुआ है। तीव्र आर्थिक विकास के बावजूद स्वास्थ्य के मामले में भारत की रैंक 'कोमोरोस' एवं 'घाना' जैसे देशों से भी नीचे है। स्वच्छता, वायु प्रदूषण, मृत्यु दर जैसे संकेतकों में खराब प्रदर्शन ने भारत को रैंकिंग में भूटान, बोत्सवाना, सीरिया और श्रीलंका से भी नीचे लाकर खड़ा कर दिया है जो कि बेहद असंतोषजनक है।

❑ भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति

भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से ही सरकारी नीतियों में स्वास्थ्य को अपेक्षित महत्व नहीं मिला, नतीजतन इस मोर्चे पर देश पिछड़ी अवस्था में है। देश में सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल व्यवस्था इतनी लचर है कि इलाज के लिए निजी अस्पतालों पर निर्भरता बढ़ती चली गई है। इसकी वजह से एक तो स्वास्थ्य सेवाएं गरीबों से दूर हुईं हैं, दूसरी तरफ उपचार संबंधी कई विकृतियां भी उभरी हैं। मसलन निजी अस्पतालों द्वारा मरीजों की गैर-जरूरी जांच तथा अनावश्यक दवाएं देने की शिकायतें बढ़ी हैं। इसे विडंबना ही कहेंगे कि वर्तमान में भारत की रैंक स्वास्थ्य पर सबसे कम खर्च करने वाले देशों की सूची में बहुत ऊपर है। वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं पर औसत खर्च सकल घरेलू उत्पाद (GDP) का 6 प्रतिशत है। ब्रिक्स देशों में ब्राजील अपनी जीडीपी का 3.8 प्रतिशत, रूस 3.7 प्रतिशत और चीन 3.1 प्रतिशत सार्वजनिक स्वास्थ्य पर खर्च करते हैं, जबकि वर्तमान में इस मद में भारत का खर्च जीडीपी का 1.15 प्रतिशत ही है। इसके अतिरिक्त भारत विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित 'डॉक्टर-मरीज के न्यूनतम अनुपात' (Minimum doctor to-patient ratio) को हासिल

करने में भी बहुत पीछे है। डब्ल्यूएचओ के मानकों के अनुसार, प्रति एक हजार मरीजों पर न्यूनतम एक डॉक्टर होना चाहिए। लेकिन, भारत में प्रति एक हजार मरीजों पर केवल 0.7 डॉक्टर ही उपलब्ध हैं। वर्तमान में देश के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में लगभग 15,000 डॉक्टरों के पद रिक्त हैं। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, विश्व में मातृ मृत्यु (Maternal Deaths) तथा स्टिल बर्थ (Still Birth अर्थात मृत शिशुओं के जन्म) की संख्या भारत में सर्वाधिक है। देश में प्रति एक लाख जनसंख्या में से 682 लोग गैर-संचारी रोगों के कारण काल के ग्रास में समा जाते हैं जबकि वैश्विक स्तर पर यह आंकड़ा 539 ही है। कुल मिलाकर कहें, तो आबादी के हिसाब से दुनिया के दूसरे सबसे बड़े देश भारत में स्वास्थ्य सेवाएं भयावह रूप से विसंगति एवं विषमता से भरी हैं और यह लगभग अराजकता की स्थिति में पहुंच चुकी हैं। इन चुनौतीपूर्ण स्थितियों के बीच केंद्र सरकार द्वारा नई स्वास्थ्य नीति को अनुमोदित किया जाना निश्चय ही स्वागत योग्य है।

❑ नई स्वास्थ्य नीति की आवश्यकता

अभी तक भारत में दो स्वास्थ्य नीतियां ही लागू हो सकी हैं। वर्तमान में देश में 'राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2002' लागू है, जबकि इसके पूर्व वर्ष 1983 में भी राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति तैयार की गई थी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2002 के लागू होने के लगभग 15 वर्षों बाद आज देश में विकास और स्वास्थ्य के संदर्भ में चार प्रमुख बदलाव देखे जा सकते हैं। पहला यह कि, अब समय के साथ देश की स्वास्थ्य प्राथमिकताओं में बदलाव हो रहा है, जहां एक ओर पिछले कुछ वर्षों के दौरान लक्ष्यों पर केंद्रित कार्यक्रम चलाए जाने से मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में तेजी से कमी आई है, तो दूसरी ओर गैर-संचारी रोगों एवं कुछ संक्रामक रोगों के मामलों में वृद्धि भी दर्ज की गई है। दूसरा प्रमुख बदलाव यह है कि, देश में एक विशाल स्वास्थ्य देखभाल उद्योग पनपा है जो 15 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ रहा है। तीसरा, स्वास्थ्य सुविधा लागत के कारण 'आपातिक व्यय' (Catastrophic Expenditure) के मामलों में बढ़ोत्तरी हो रही है और इसे देश में गरीबी बढ़ने का एक प्रमुख कारण माना जाने लगा है। स्वास्थ्य सेवा लागत में बढ़ोत्तरी परिवार की बढ़ती हुई आय को तो निष्प्रभावी कर ही रही है, साथ ही इसके कारण देश में सरकार द्वारा गरीबी कम करने हेतु किए जा रहे तमाम उपाय बेअसर साबित हो रहे हैं। चौथा और अंतिम बदलाव यह है कि, बढ़ते आर्थिक विकास के कारण राजकोषीय क्षमता में वृद्धि हुई है और इसी के अनुरूप स्वास्थ्य पर सरकार के बजट में भी बढ़ोत्तरी की जरूरत है। अतः देश को एक ऐसी नवीन स्वास्थ्य नीति की आवश्यकता है, जो इन प्रासंगिक परिवर्तनों के प्रति संवेदनशील एवं उत्तरदायी हो।

❑ नई स्वास्थ्य नीति को अनुमोदन

15 मार्च, 2017 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में 'राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2017' (National Health Policy, 2017) को अनुमोदित कर दिया गया। यह नीति सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज प्राप्त करने तथा वहनीय लागत पर सभी को गुणवत्तायुक्त स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु लक्ष्यित है।

भारत सरकार द्वारा इस नीति के निर्माण हेतु अत्यधिक सहभागितापूर्ण और परामर्शी दृष्टिकोण को अपनाया गया। सर्वप्रथम राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति का मसौदा तैयार कर उसे 30 दिसंबर, 2014 को पब्लिक डोमेन (Public Domain) पर डाला गया जिसके फलस्वरूप 5000 से अधिक सुझाव प्राप्त हुए। इसके बाद नीति को और अधिक कारगर बनाने के लिए राज्य सरकारों एवं अन्य हितधारकों के साथ विचार-विमर्श किया

गया। तत्पश्चात इस नीति को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण परिषद (शीर्ष नीति निर्माण निकाय) के समक्ष प्रस्तुत किया गया जिसने सर्वसम्मति से इसकी पुष्टि कर दी।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2017 का उद्देश्य सभी लोगों, विशेषकर अल्पसेवित एवं उपेक्षित लोगों को सुनिश्चित स्वास्थ्य देखभाल उपलब्ध कराना है। इस नीति के व्यापक सिद्धांत व्यावसायिकता, सत्यनिष्ठा एवं नैतिकता, निष्पक्षता, सामर्थ्य, सार्वभौमिकता, रोगी केंद्रित तथा परिचर्या गुणवत्ता (Quality of Nursing), जवाबदेही एवं बहुलवाद पर आधारित हैं। नीति में रोग की रोकथाम एवं स्वास्थ्य संवर्धन पर बल देते हुए रुग्ण-देखभाल (Sick-Care) की बजाय आरोग्यता (Wellness) पर ध्यान केंद्रित करने की अपेक्षा की गई है। जहां एक ओर यह नीति जन स्वास्थ्य प्रणालियों की दिशा बदलने और उन्हें सुदृढ़ करने का आह्वान करती है, तो वहीं दूसरी ओर इसमें राष्ट्रीय स्वास्थ्य लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु निजी क्षेत्र की शक्तियों का लाभ उठाने की भी अपेक्षा की गई है।

एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में, इस नीति में सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय को समयबद्ध रूप से सकल घरेलू उत्पाद के 2.5 प्रतिशत तक बढ़ाने का प्रस्ताव किया गया है। इसमें प्राथमिक परिचर्या (Primary Care) के लिए दो-तिहाई या अधिक संसाधनों को आवंटित करने की हिमायत की गई है। इस नीति में उपलब्धता एवं वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सभी सार्वजनिक अस्पतालों में निःशुल्क दवाएं, निःशुल्क जांच तथा निःशुल्क आपात एवं अनिवार्य स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करने का प्रस्ताव किया गया है। इस नीति में गैर-संचारी रोगों की उभरती चुनौतियों से निपटने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है। इस नीति में व्यावसायिक चिकित्सा शिक्षा के विनियमन से संबंधित प्रावधान भी किए गए हैं। यह नीति 6 व्यावसायिक परिषदों (चिकित्सा, आयुर्वेद यूनानी एवं सिद्ध, होमियोपैथी, नर्सिंग, दंत तथा फॉर्मेसी) की सदस्यता का विस्तार संतुलित रूप से तीन प्रमुख हितधारकों यथा डॉक्टर, मरीज तथा सोसायटी के मध्य किए जाने के माध्यम से इन परिषदों के सुदृढ़ीकरण का समर्थन करती है। इस नीति में स्वास्थ्य क्षेत्र के सभी संबद्ध पेशेवरों को विनियमित एवं सुव्यवस्थित करने तथा गुणवत्तायुक्त मानकों को सुनिश्चित करने हेतु **'राष्ट्रीय संबद्ध व्यावसायिक परिषद'** (National Allied Professional Council) के गठन का प्रस्ताव भी किया गया है। इस नीति में चिकित्सा सेवा के स्तर, सेवाओं के मूल्य, उपेक्षा/लापरवाही तथा अनुचित कार्यप्रणाली संबंधी शिकायतों/विवादों के शीघ्र समाधान हेतु एक पृथक एवं सशक्त **'चिकित्सीय न्यायाधिकरण'** (Medical Tribunal) की स्थापना की सिफारिश भी की गई है।

स्वास्थ्य देखभाल आपूर्ति क्षेत्र में प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए एक **'राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य प्राधिकरण'** (NDHA : National Digital Health Authority) का गठन किया जाएगा जो डिजिटल स्वास्थ्य प्रणालियों को विनियमित, विकसित एवं तैनात करने का कार्य करेगा।

❑ नीति के प्रमुख लक्ष्य

राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2017 में कुछ विशिष्ट मात्रात्मक लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं जिनका उद्देश्य निम्न 3 व्यापक घटकों के अंतर्गत रोगों के प्रसार में कमी लाना है–(i) स्वास्थ्य स्थिति एवं कार्यक्रम प्रभाव, (ii) स्वास्थ्य प्रणाली निष्पादन एवं (iii) स्वास्थ्य प्रणालियों का सुदृढ़ीकरण।

नीति में जिन प्रमुख लक्ष्यों को प्राप्त करने की अपेक्षा की गई है, वे निम्नलिखित हैं :

1. जीवन प्रत्याशा एवं स्वस्थ जीवन

(i) जन्म के समय जीवन प्रत्याशा (Life Expectancy) को 67.5 से बढ़ाकर वर्ष 2025 तक 70 करना।

(ii) प्रमुख वर्गों में रोगों की व्याप्तता तथा इसके रुझान को मापने के लिए वर्ष 2022 तक 'विकलांगता समायोजित आयु वर्ष' (Disability Adjusted Life Years : DALY) सूचकांक की नियमित निगरानी प्रणाली स्थापित करना।

(iii) वर्ष 2025 तक राष्ट्रीय एवं उप-राष्ट्रीय स्तर पर 'कुल प्रजनन दर' (TFR) को घटाकर 2.1 तक लाना।

2. आयु और/या कारणों द्वारा मृत्यु दर

(i) पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर को कम कर वर्ष 2025 तक 23 तक लाना तथा मातृ मृत्यु दर (MMR) को वर्तमान स्तर से घटाकर वर्ष 2020 तक 100 के स्तर पर लाना।

(ii) 'नवजात शिशु मृत्यु दर' (Infant Mortality Rate) को वर्ष 2019 तक घटाकर 28 करना।

(iii) मृत जन्म लेने वाले बच्चों की दर (Still Birth Rate) को वर्ष 2025 तक घटाकर 'एक अंक' में लाना।

3. रोगों की व्याप्तता/घटनाओं में कमी

(i) वर्ष 2020 तक एचआईवी/एड्स के लिए 90:90:90 के वैश्विक लक्ष्य को प्राप्त करना अर्थात वर्ष 2020 तक 90 प्रतिशत एचआईवी संक्रमित लोगों को अपनी एचआईवी स्थिति के बारे में पता हो, एचआईवी संक्रमित 90 प्रतिशत व्यक्तियों को स्थायी एंटी-रेट्रोवायरल चिकित्सा प्राप्त हो और एंटी-रेट्रोवायरल चिकित्सा प्राप्त करने वाले 90 प्रतिशत लोगों में विषाणु की रोकथाम सुनिश्चित हो।

(ii) वर्ष 2018 तक कुष्ठ रोग, वर्ष 2017 तक कालाजार तथा स्थानिकमारी वाले क्षेत्रों (Endemic Pockets) में वर्ष 2017 तक हाथीपांव (Lymphatic Filariasis) का उन्मूलन करना तथा इस स्थिति को बनाए रखना।

(iii) क्षय रोग (TB) के नए मामलों में 85 प्रतिशत से अधिक की रोग-मुक्ति दर (Cure Rate) प्राप्त करना एवं उसे बनाए रखना, नए मामलों की व्याप्तता में कमी लाना, ताकि वर्ष 2025 तक इस रोग का उन्मूलन किया जा सके।

(iv) वर्ष 2025 तक दृष्टिहीनता की व्याप्तता को घटाकर प्रति 1000 दर 0.25 के स्तर तक लाना तथा इससे ग्रस्त रोगियों की संख्या को वर्तमान स्तर से घटाकर एक-तिहाई करना।

(v) हृदयवाहिका रोगों (Cardiovascular Diseases), कैंसर, मधुमेह या श्वांस संबंधी जीर्ण रोगों से होने वाली अकाल मृत्यु के मामलों में वर्ष 2025 तक 25 प्रतिशत तक की कमी लाना।

4. स्वास्थ्य सुविधाओं की कवरेज

(i) सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के उपयोग में वर्तमान स्तर की तुलना में वर्ष 2025 तक 50 प्रतिशत की वृद्धि करना।

(ii) वर्ष 2025 तक एक वर्ष तक के 90 प्रतिशत से अधिक नवजात शिशुओं का पूर्णतः प्रतिरक्षण सुनिश्चित करना।

(iii) वर्ष 2025 तक राष्ट्रीय एवं उप-राष्ट्रीय स्तर पर परिवार नियोजन की 90 प्रतिशत से अधिक आवश्यकताओं की पूर्ति करना।

5. स्वास्थ्य से संबंधित पार-क्षेत्रीय लक्ष्य

(i) तंबाकू उपयोग के मामलों में वर्तमान स्तर की तुलना में वर्ष 2020 तक 15 प्रतिशत की तथा वर्ष 2025 तक 30 प्रतिशत तक की कमी लाना।

(ii) वर्ष 2020 तक सभी के लिए सुरक्षित जल एवं स्वच्छता तक पहुंच को सुनिश्चित करना।

6. स्वास्थ्य वित्त (Health Finance)

(i) सरकार द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र पर खर्च को 'सकल घरेलू उत्पाद' (GDP) के वर्तमान 1.15 प्रतिशत से बढ़ाकर वर्ष 2025 तक 2.5 प्रतिशत करना।

(ii) राज्यों के स्वास्थ्य क्षेत्र पर व्यय को बढ़ाकर वर्ष 2020 तक उनके बजट का 8 प्रतिशत से अधिक करना।

(iii) 'आपातिक स्वास्थ्य व्यय' (Catastrophic Health Expenditure) की स्थिति का सामना करने वाले परिवारों की संख्या में वर्तमान स्तर की तुलना में वर्ष 2025 तक 25 प्रतिशत तक की कमी लाना।

7. स्वास्थ्य अवसंरचना एवं मानव संसाधन

(i) वर्ष 2020 तक उच्च प्राथमिकता वाले जिलों में 'भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य मानक' (IPHS : Indian Public Health Standard) के मानदंडों के अनुरूप नर्सों एवं डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित करना।

(iii) वर्ष 2025 तक उच्च प्राथमिकता वाले जिलों में IPHS मानदंडों के अनुरूप सामुदायिक स्वास्थ्य स्वयंसेवियों–जनसंख्या अनुपात में वृद्धि करना।

8. स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना

(i) वर्ष 2020 तक स्वास्थ्य निगरानी प्रणाली को सुदृढ़ करना तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण रोगों की पंजीकरण प्रणाली स्थापित करना।

(ii) वर्ष 2025 तक संघबद्ध एकीकृत स्वास्थ्य सूचना आर्किटेक्चर, स्वास्थ्य सूचना एक्सचेंज तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य सूचना नेटवर्क स्थापित करना।

❑ निष्कर्ष

केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2017 को मंजूरी प्रदान किए जाने के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा ने संसद में दिए गए अपने वक्तव्य में कहा कि नई स्वास्थ्य नीति में मरीजों के हित को केंद्रीय स्थान दिया गया है। उन्होंने अस्पतालों की जवाबदेही तय करने और मरीजों की शिकायतों पर गौर करने के लिए पंचाट के गठन की बात भी कही। जाहिर है इन बातों से देश के आम लोगों में नई उम्मीदें जगेंगी। नीति में सार्वजनिक स्वास्थ्य सुनिश्चित करने, मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने, सभी सार्वजनिक अस्पतालों में दवाओं एवं आवश्यक स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं को मुफ्त करने जैसे लक्ष्य रखे गए हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में इस प्रकार के व्यवस्थागत सुधार की मांग बहुप्रतीक्षित थी। नीति में सार्वजनिक स्वास्थ्य खर्च को सकल घरेलू उत्पाद के 1.15 प्रतिशत से बढ़ाकर 2.5 प्रतिशत करने का प्रस्ताव स्वागतयोग्य है। हालांकि विश्व के अन्य किसी देश की तुलना में भारत के सामने स्वास्थ्य से संबंधित चुनौतियां कहीं बड़ी हैं और इन चुनौतियों के मद्देनजर स्वास्थ्य के लिए जीडीपी की 2.5 प्रतिशत राशि अब भी बहुत कम है। फिर भी कहना होगा कि केंद्र सरकार ने एक कदम आगे की ओर जरूर बढ़ाया है। सरकार की मंशा एवं मानसिकता में बदलाव अच्छे संकेत दे रहे हैं। लेकिन नीतियां सिर्फ इरादे को उजागर करने का साधन मात्र हैं। असली चुनौती उनके क्रियान्वयन की होती है। यह नीति तभी कारगर हो पाएगी जब राज्य सरकार इसे गंभीरता से लें। उल्लेखनीय है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य राज्य-सूची का विषय है और स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं को उपलब्ध कराने की प्राथमिक जिम्मेदारी राज्य सरकारों पर ही है। ऐसे में इस नीति का सफल होना राज्य सरकारों के उत्साह और उनकी गंभीरता पर निर्भर है। योजना आयोग के भंग होने, केंद्र प्रायोजित योजनाओं में कटौती और विकास मद के अधिक हिस्से का राज्यों को हस्तांतरण होने की नई व्यवस्था अस्तित्व में आने के बाद स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में राज्यों की भूमिका और अहम हो गई है। आशा है, केंद्र सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में सार्वजनिक क्षेत्र की भूमिका बढ़ाने पर राज्य सरकारों के साथ उपयुक्त सहमति तैयार करेगी। इस बारे में साझा योजना और पहल से ही नई स्वास्थ्य नीति को सफल बनाया जा सकता है। ■■■

एमडीआर : एक आवश्यक बुराई?

✍ विकास कुमार शुक्ल

'यूटोपिया' अर्थात राम राज्य को कई तरीकों से परिभाषित किया गया है। उनमें से एक नागरिक अधिकारों के संरक्षण तथा नागरिकों को उच्च गुणवत्तापूर्ण सेवाओं की प्रदायगी से भी संदर्भित है। आधुनिक वैश्वीकरण के दौर में जब लोकतांत्रिक एवं व्यक्तिवादी मूल्यों का बोलबाला है, ये प्राचल (पैरामीटर) और भी महत्वपूर्ण हो जाते हैं। परंतु, आधुनिक समाजों की लगभग स्थायी विशेषता बन चुका भ्रष्टाचार राम राज्य की प्राप्ति में एक प्रमुख अवरोधक है, क्योंकि इसका प्रभाव बहुआयामी होता है। भ्रष्टाचार जहां एक ओर अयोग्य का पोषण करता है, तो वहीं दूसरी ओर योग्य के अधिकारों का अतिक्रमण भी इसकी प्रमुख विशेषता है। आज के आर्थिक युग में जहां सभी सुविधाओं को धन में आंका जाता हो, भ्रष्टाचार और भी घातक हो जाता है तथा समाज पर गुणक प्रभाव डालता है।

भ्रष्टाचार विहीन व्यवस्था की प्राप्ति हेतु नकद रहित प्रणाली की राह को ही सर्वत्र अधिमान दिया जा रहा है। भारत में भी नकद रहित अर्थव्यवस्था की मांग यदा-कदा उठती रही है। परंतु, नवंबर, 2016 (विमुद्रीकरण के बाद से) से इस पर काफी जोर दिया जा रहा है। तरह-तरह की योजनाओं एवं प्रोत्साहनों के माध्यम से लोगों को नकद रहित संव्यवहार अपनाने हेतु प्रोत्साहित भी किया जा रहा है। परंतु, इन प्रोत्साहनों के बावजूद अभी भी कुछ ऐसे संरचनात्मक तत्व हैं, जो नकद रहित लेन-देन को बाधित कर रहे हैं। इनमें से एक है एमडीआर अर्थात मर्चेंट डिस्कांउट रेट (MDR : Merchant Discount Rate)। वर्ष 2017 की शुरुआत से ही एमडीआर सुर्खियों में बना हुआ है तथा इस पर व्यापक बौद्धिक विमर्श भी जारी है।

❑ क्या है एमडीआर?

बैंक द्वारा व्यापारियों से क्रेडिट/डेबिट कार्ड से भुगतान प्राप्ति की स्थिति में जो शुल्क वसूला जाता है, उसे ही एमडीआर कहा जाता है। डिजिटल लेन-देन हेतु व्यापारियों को पीओएस (Point of Sale) प्रणाली लगवाना होता है तथा उन्हें बैंक में एक खाता (मर्चेंट एकाउंट) खोलना होता है। इसी खाते में ग्राहकों से प्राप्त धन जमा होता है। व्यापारियों को बैंक की इस आधार संरचना का उपयोग करने के बदले भुगतान करना होता है। इसे ही एमडीआर कहा जाता है। यह भुगतान राशि के प्रतिशत के रूप में होता है। इसका एक हिस्सा बैंकों को तथा दूसरा हिस्सा क्रेडिट/डेबिट कार्ड सेवा प्रदाता संस्थाओं को जाता है। उल्लेखनीय है कि एमडीआर क्रेडिट एवं डेबिट कार्ड पर अलग-अलग दर से वसूला जाता है, क्योंकि दोनों का स्वरूप अलग-अलग है। जहां एक ओर क्रेडिट कार्ड में जोखिम (बैंक को धन वापस मिलने के संदर्भ में) का स्तर काफी उच्च होता है, तो दूसरी ओर डेबिट कार्ड से किया गया भुगतान जोखिम रहित (बैंक के दृष्टिकोण से) है।

भारत में डेबिट कार्ड के संदर्भ में एमडीआर का विनियमन किया गया है। डेबिट कार्ड से भुगतान पर एमडीआर की दर को राशिवार तीन श्रेणियों में बांटा गया है–

वर्तमान में एमडीआर शुल्क		
क्र. सं.	**भुगतान राशि**	**दर** (भुगतान राशि का प्रतिशत)
1.	1000 रुपये तक	0.25 प्रतिशत
2.	1001-2000 रुपये	0.50 प्रतिशत
3.	2000 रुपये से अधिक	1.00 प्रतिशत

❑ सुर्खियों में क्यों?

हाल ही में पेट्रोल वितरकों द्वारा एमडीआर के विरोध के कारण यह चर्चा में आया। इसके पूर्व भी एमडीआर का भुगतान होता था परंतु, व्यापारियों द्वारा आम तौर पर इसे ग्राहकों पर थोप दिया जाता था। विमुद्रीकरण के बाद डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सरकार ने 30 दिसंबर, 2016 तक ऐसे सभी शुल्कों पर रोक लगा दी थी। 1 जनवरी, 2017 से ही बैंकों ने इस शुल्क का बोझ पेट्रोल वितरकों पर डाल दिया क्योंकि, सरकार की तरफ से स्पष्ट निर्देश था कि ग्राहकों तक इसका बोझ नहीं जाना चाहिए। पेट्रोल पंप डीलरों ने इसका विरोध करते हुए डेबिट व क्रेडिट कार्ड स्वीकार नहीं करने की चेतावनी तक दे डाली। बाद में सरकार के हस्तक्षेप से मामले को सुलझाया गया। इसके तहत अब एमडीआर के भार से ग्राहकों और पेट्रोल वितरकों को छूट दी गई है तथा इसका भार तेल वितरण कंपनियों ने 31 मार्च, 2017 तक के लिए अस्थायी रूप से अपने ऊपर लिया है। उल्लेखनीय है कि केवल राज्य द्वारा संचालित कंपनियां (IOC, HPCl, BPCL) ही केवल डेबिट कार्ड से हुए भुगतान पर एमडीआर का वहन करेंगी।

❑ एमडीआर का औचित्य

एमडीआर पर उत्पन्न विवादों ने इसके औचित्य पर विमर्श को जन्म दिया है। जहां एक ओर उपभोक्ताओं एवं व्यापारियों सहित एक बड़ा बौद्धिक वर्ग इसकी समाप्ति की इच्छा रखते हैं, तो वहीं दूसरी ओर बैंकों एवं कार्ड प्रदाता संस्थाओं द्वारा इसे बनाए रखने हेतु भी अनेक सार्थक तर्क दिए जा रहे हैं। इसे समाप्त करने के पक्षधर एमडीआर को लागत बढ़ाने वाला, वित्तीय समावेशन में अवरोधक, नकद संस्कृति को पोषित करने वाला तथा कालेधन एवं कर चोरी का प्रमुख कारण मानते हैं। इसे एक उदाहरण द्वारा भी समझा जा सकता है। चूंकि एमडीआर व्यापारी के लाभ में से घटता है। अतः वे ग्राहकों से आग्रह (दबाव भी) करते हैं कि वे या तो एमडीआर का भार अपने ऊपर लें या नकद भुगतान करें। नकद भुगतान से कर चोरी की संभावना बनी रहती है। इसके अतिरिक्त भले ही देखने में एमडीआर की दर 1-1.5 प्रतिशत हो परंतु, यह व्यापारियों के लाभ को 20-40 प्रतिशत तक कम कर देता है। अतः व्यापारी इसकी उपेक्षा नहीं कर पाते हैं।

दूसरी ओर एमडीआर को बनाए रखने के पक्षधरों का तर्क है कि यदि इसे समाप्त किया गया या इसकी दर में कमी की गई, तो यह बैंकों तथा कार्ड प्रदाता कंपनियों के डिजिटल भुगतान आधार संरचना में हुए निवेश के प्रतिफल को प्रभावित करेगा तथा भविष्य में इस दिशा में निवेश को बढ़ने से रोकेगा। इससे वित्तीय समावेशन और नकद रहित अर्थव्यवस्था का लक्ष्य जाता रहेगा। अतः उनका तर्क है कि वर्तमान दोषों के बावजूद एमडीआर को बनाए रखा जाए।

❑ रिजर्व बैंक का रुख

रिजर्व बैंक एमडीआर को निम्न स्तर पर रखने का पक्षधर है, क्योंकि इसकी उच्च दर की स्थिति में व्यापारी इसे ग्राहकों पर स्थानांतरित करने का प्रयास करते हैं। RBI नकद रहित

संव्यवहार के आधार (Base) को बढ़ाकर इस क्षेत्र के निवेशकों के निवेश पर प्रतिफल को बढ़ाने का पक्षधर है, न कि एमडीआर की दर को बढ़ाकर। इसी संदर्भ में एमडीआर को अधिक व्यवहार्य एवं युक्तिसंगत बनाने हेतु RBI ने 28 जून, 2012 को दिशा-निर्देश जारी कर डेबिट कार्ड एवं क्रेडिट कार्ड में विभेद करते हुए डेबिट कार्ड से भुगतान पर एमडीआर की अधिकतम सीमा निर्धारित की। इसके अंतर्गत डेबिट कार्ड से किए गए 2000 रुपये तक के भुगतान पर अधिकतम 0.75 प्रतिशत (भुगतान राशि का) जबकि 2000 रुपये से अधिक के भुगतान पर अधिकतम 1 प्रतिशत एमडीआर निर्धारित किया गया। विमुद्रीकरण की पृष्ठभूमि में नकद लेन-देन को बढ़ावा देने हेतु 16 दिसंबर, 2016 को पुनः एमडीआर की अधिकतम सीमा में संशोधन किया गया। इसके तहत 1 जनवरी से 31 मार्च, 2017 के मध्य डेबिट कार्ड से किए गए 1000 तक के भुगतान पर 0.25 प्रतिशत, 1001 से 2000 तक के भुगतान पर 0.5 प्रतिशत जबकि इससे ऊपर के भुगतान पर 1 प्रतिशत एमडीआर की अधिकतम सीमा निर्धारित की गई।

एमडीआर पर विवाद की पृष्ठभूमि में इसे युक्तिसंगत बनाने हेतु 16 फरवरी, 2017 को रिजर्व बैंक ने इस संदर्भ में एक मसौदा परिपत्र जारी किया। नए नियमों के निर्माण हेतु इस मसौदा परिपत्र के माध्यम से लोगों की सलाह मांगी गई है। इस मसौदा परिपत्र में विभेदीकृत एमडीआर को अपनाने का प्रस्ताव है। अब एमडीआर के लिए वर्तमान मूल्य आधारित स्लैब-रेट के स्थान पर एमडीआर को व्यापारियों के कारोबार (Turn Over) के आधार पर वसूलने का प्रस्ताव किया गया है। इस परिपत्र में व्यापारियों को चार श्रेणियों में बांट कर उनके लिए अलग-अलग एमडीआर निर्धारित किया गया है। साथ

मसौदा परिपत्र में एमडीआर के संदर्भ में प्रस्ताव

व्यापारियों की श्रेणी	डेबिट कार्ड से भुगतान पर एमडीआर (कुल लेन-देन मूल्य के प्रतिशत में)	
	स्वाइप मशीन	डिजिटल भुगतान
I. छोटे व्यापारी (20 लाख रुपये से कम का वार्षिक कारोबार)	≤ 0.40 प्रतिशत	≤ 0.30 प्रतिशत
II. विशेष श्रेणी के व्यापारी [विद्युत, जल, शिक्षा, अस्पताल (केवल सरकारी), कृषि संबंधी संस्थान, बीमा, सेना कैंटीन, सस्ते गल्ले की दुकानें आदि]	≤ 0.40 प्रशित	≤ 0.30 प्रतिशत
III. सरकार को छोड़कर अन्य श्रेणी के व्यापारी (20 लाख रुपये से अधिक का वार्षिक कारोबार)	≤ 0.95 प्रतिशत	≤ 0.85 प्रतिशत
IV. सरकारी भुगतान (कर एवं शुल्क, वीजा एवं पासपोर्ट शुल्क, रेलवे किराया आदि)	● 1-1000 रुपये तक के भुगतान पर एकमुश्त 5 रुपया। ● 1001-2000 रुपये तक के भुगतान पर एकमुश्त 10 रुपया। ● 2000 से अधिक के भुगतान पर कुल भुगतान मूल्य के 0.50 प्रतिशत तक या एकमुश्त 250 रुपये, जो कम हो।	

ही इस मसौदा परिपत्र में यह शर्त भी रखी गई है कि व्यापारियों को अपने प्रतिष्ठान के सामने एक बोर्ड लगाना होगा जिस पर स्पष्ट शब्दों में ''ग्राहकों से कोई भी सुविधा शुल्क या सेवा कर नहीं वसूला जाता'' लिखा होना चाहिए।

❑ निष्कर्ष

केंद्रीय बजट 2017-18 के एजेंडे में स्वच्छ (भ्रष्टाचार एवं कालेधन से मुक्त तथा पारदर्शी) अर्थव्यवस्था का लक्ष्य रखा गया है जिसे नकद रहित प्रणाली के मार्ग से ही प्राप्त किया जा सकेगा। परंतु, नकद रहित प्रणाली हेतु आवश्यक आधार संरचना की अपर्याप्तता के आलोक में इस क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहन देना भी आवश्यक है। ऐसे में एमडीआर एक प्रोत्साहक की भूमिका अदा करता है। अतः एमडीआर की समाप्ति अभी दूर की कौड़ी नजर आती है। भले ही यह एक बुराई हो परंतु, इसे आवश्यक रूप से बनाए रखना होगा। हां, आवश्यकता इसकी दर को युक्तिसंगत बनाने की है तथा इसके आधार को बढ़ाकर इस पर हुए निवेश के प्रतिफल को बढ़ाना होगा। इसके अतिरिक्त सरकार को स्वदेशी भुगतान प्रणाली की क्षमता में विस्तार के साथ-साथ ग्राहकों को साइबर अपराधों से भी बचाना होगा। डिजिटल भुगतान पर उच्च स्तर की पारदर्शिता, व्यक्तिगत आंकड़ों का संरक्षण, मशीनी त्रुटि आदि की स्थिति में ग्राहकों के हितों का संरक्षण भी नीति के केंद्र में होना चाहिए। शासन स्तर पर एक नवीन भुगतान नियामक के सृजन पर भी विचार किया जाना चाहिए जिससे कि उच्च स्तर की सेवाएं प्रदान की जा सकें।

एमडीआर को युक्तिसंगत बनाने हेतु RBI भी प्रयासरत है। निकट भविष्य में इस संदर्भ में नवीन नियम लागू होना है। ऐसे में शासन एवं RBI के स्तर पर एक स्पष्ट दिशा-निर्देश अपेक्षित है जिससे कि नकद रहित भुगतान को प्रोत्साहन मिले, उपभोक्ताओं के लिए पारदर्शी एवं सुविधा-जनक माहौल का सृजन हो तथा कार्ड प्रदाताओं, बैंकों एवं व्यापारियों के लाभ-हितों का संरक्षण हो।

■■■

राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय, वैज्ञानिक एवं आर्थिक क्षेत्र के प्रमुख मुद्दे

आईएनएस विराट सेवामुक्त

● विमानवाहक पोत

विमानवाहक पोत (Aircraft Carrier) ऐसे युद्धपोत होते हैं जो कई लड़ाकू वायुयानों को लेकर तैर सकते हैं और इस कारण इनका आकार अन्य किसी भी युद्धपोत की तुलना में विशाल होता है। ऐसे पोतों पर एक रन-वे (उड़ान-पट्टी) भी होता है जहां से वायुयान उड़ान भर सकते हैं अथवा लैंड कर सकते हैं।

● आईएनएस विराट : भारतीय नौसेना का दूसरा विमानवाहक पोत

वर्ष 1957 में ब्रिटेन से खरीदा गया 'एचएमएस हरक्यूलिस' (HMS Hercules) भारतीय नौसेना में शामिल होने वाला पहला विमानवाहक पोत था। इसे वर्ष 1961 में 'आईएनएस विक्रांत' के नाम से भारतीय नौसेना में तैनात किया गया था। 1980 के दशक के पूर्वार्द्ध में भारतीय नौसेना द्वारा दूसरे विमानवाहक पोत की आवश्यकता भी महसूस की गई, ऐसा इसलिए क्योंकि आईएनएस विक्रांत की सेवा-अवधि समाप्त होने वाली थी (अंततः जनवरी, 1997 में सेवामुक्त)। भारतीय नौसेना की इस आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए संसद में 24 अप्रैल, 1986 को 63 मिलियन पाउंड की लागत से ब्रिटिश विमानवाहक पोत **'एचएमएस हर्मीज'** (HMS Hermes) की खरीद की घोषणा की गई। ब्रिटिश रॉयल नेवी से खरीदे गए एचएमएस हर्मीज को ही 12 मई, 1987 को आईएनएस विराट के नाम से भारतीय नौसेना में शामिल किया गया था।

● एचएमएस हर्मीज

सेंटॉर श्रेणी (Centaur Class) के विमानवाहक पोत एचएमएस हर्मीज को वर्ष 1959 में ब्रिटिश रॉयल नेवी में तैनात किया गया था। वर्ष 1982 में फॉकलैंड द्वीप (Falkland Islands) विवाद को लेकर ब्रिटेन और अर्जेंटीना के बीच हुए युद्ध में रॉयल नेवी की ओर से इस पोत ने अग्रणी भूमिका निभाई थी। रॉयल नेवी से सेवामुक्त होने के बाद इस पोत को नवीनीकरण एवं मरम्मत आदि कार्यों के पश्चात भारत को सौंप दिया गया था।

● आईएनएस विराट : प्रमुख विशेषताएं

आईएनएस विराट की लंबाई 226.9 मीटर तथा चौड़ाई 48.78 मीटर है। इस पोत की मानक जल विस्थापन क्षमता 23,900 टन तथा पूर्ण भार (Full Load) पर जल विस्थापन क्षमता 28,700 टन है। इस पोत का ध्येय वाक्य (Motto) **''जलमेव यस्य बलमेव तस्य''** है, अर्थात जिसका समुद्र पर अधिकार है, वही सबसे बलवान है। इस पोत से लड़ाकू विमान 'सी हैरियर' (Sea Harrier, लोकप्रिय नाम वाइट टाइगर), पनडुब्बी-

रोधी हेलिकॉप्टरों सीकिंग मार्क 42-बी (Sea King Mk-42B, अन्य नाम हार्पून), कमांडो वाहक हेलिकॉप्टरों सीकिंग 42-सी (Seaking 42C) तथा बचाव एवं राहत हेलिकॉप्टरों 'चेतक' को संचालित किया जा सकता था।

● **प्रमुख मिशन एवं अभियान**

जुलाई, 1989 में श्रीलंका में भारत के 'शांति स्थापना अभियान' (Peacekeeping Operations) के दौरान 'आईएनएस विराट' ने **'ऑपरेशन जुपिटर'** (Operation Jupiter) में प्रमुख भूमिका निभाई थी। इसने वर्ष 2001 में भारतीय संसद पर हुए आतंकी हमले के पश्चात चलाए गए **'ऑपरेशन पराक्रम'** में भी भाग लिया था। इसके अतिरिक्त इस पोत ने भारत के विभिन्न अंतरराष्ट्रीय 'संयुक्त अभ्यासों' (Joint exercises) जैसे मालाबार (अमेरिकी नौसेना के साथ), वरुण (फ्रांसीसी नौसेना के साथ), नसीम-अल-बहर (ओमान की नौसेना के साथ) आदि में भी भाग लिया है। इसकी अंतिम आधिकारिक तैनाती फरवरी, 2016 में विशाखापत्तनम में आयोजित **'अंतरराष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा'** (International Fleet Review) में की गई थी।

● **गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में शामिल**

'सबसे पुराने सेवारत विमानवाहक पोत' (Oldest Aircraft Carrier in Service) के रूप में आईएनएस विराट का नाम 'गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड्स' में दर्ज है। भारतीय नौसेना में लगभग 30 वर्ष तक सेवा देने से पूर्व यह ब्रिटिश रॉयल नेवी में भी 27 वर्षों तक तैनात था। भारतीय नौसेना में तैनाती के दौरान इस पोत ने लगभग 2252 दिन समुद्री यात्रा में व्यतीत किए और इस अवधि में 5,88,287 समुद्री मील (10,94,215 किमी.) की दूरी तय की। दूसरे शब्दों में कहें तो आईएनएस विराट ने लगभग 6 वर्ष जितना समय समुद्र में बिताया और 27 बार पृथ्वी का चक्कर लगाने जितनी दूरी तय की।

● **अंततः सेवामुक्त**

प्रारंभिक आकलनों के तहत भारतीय नौसेना द्वारा आईएनएस विराट के 5 वर्ष या अधिक से अधिक 10 वर्षों तक परिचालन की योजना थी, लेकिन इस पोत ने 30 वर्षों तक अपनी सेवाएं दीं। बहरहाल 6 मार्च, 2017 को मुंबई स्थित नौसैनिक पोतगाह में आयोजित एक भव्य समारोह में आईएनएस विराट को सेवामुक्त कर दिया गया।

● **निष्कर्ष**

आईएनएस विराट के सेवामुक्त होने के बाद अब भारतीय नौसेना में **'आईएनएस विक्रमादित्य'** के रूप में केवल एक विमानवाहक पोत ही तैनात है। उल्लेखनीय है कि आईएनएस विक्रमादित्य 'कीव श्रेणी' (Kiev-Class) के 44,500 टन वजनी रूसी विमानवाहक पोत **'एडमिरल गोर्शकोव'** का भारतीय संस्करण है जिसे 16 नवंबर, 2013 को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया था। इसके अतिरिक्त भारत का पहला स्वदेशी विमानवाहक युद्धपोत 'आईएनएस विक्रांत' भी वर्तमान में कोच्चि शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा निर्माणाधीन है जिसे अगले कुछ वर्षों में भारतीय नौसेना में शामिल कर लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि भारतीय नौसेना में शामिल होने वाले पहले विमानवाहक पोत 'आईएनएस विक्रांत' से जुड़ी नौसेना की सुनहरी यादों और स्मृतियों को आने वाले कई दशकों तक जिंदा रखने के लिए भारत के पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत को भी यही नाम दिया गया है।

सं. सौरभ मेहरोत्रा

शाहपुर कंडी बांध परियोजना

● **पृष्ठभूमि**

1970 के दशक के अंत में पंजाब सरकार द्वारा जल संचयन एवं पनबिजली उत्पादन (Hydro Power Generation) के उद्देश्य से रावी नदी पर 'रंजीत सागर बांध' के निर्माण की योजना तैयार की गई थी। इस बांध के जम्मू एवं कश्मीर के थीन गांव (Thein Village) के निकट स्थित होने के कारण इसे थीन बांध परियोजना के नाम से भी जाना जाता है। इस बांध का बायां किनारा (Left Flank) पंजाब में तथा दायां किनारा (Right Flank) जम्मू एवं कश्मीर में स्थित है। इस बांध की स्थिति इस प्रकार है कि पंजाब और जम्मू एवं कश्मीर दोनों ही राज्य रावी नदी के जल संसाधनों का उपयोग सिंचाई एवं विद्युत उत्पादन के लिए कर सकते हैं।

● **पंजाब और जम्मू एवं कश्मीर के मध्य समझौता (वर्ष 1979)**

रंजीत सागर बांध के निर्माण हेतु जनवरी, 1979 में पंजाब और जम्मू एवं कश्मीर सरकार के मध्य एक समझौता हस्ताक्षरित हुआ। चूंकि रंजीत सागर बांध का 60 प्रतिशत क्षेत्र जम्मू एवं कश्मीर के कठुआ जिले की बसोहली तहसील के अंतर्गत आता है। अतः समझौते के तहत इस बांध के निर्माण के बदले पंजाब सरकार द्वारा जम्मू एवं कश्मीर को इस परियोजना द्वारा उत्पादित कुल विद्युत का 20 प्रतिशत हिस्सा उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया गया। इसके अतिरिक्त परियोजना के निर्माण एवं परिचालन के लिए आवश्यक कुल कर्मचारियों में से 15 प्रतिशत की नियुक्ति जम्मू एवं कश्मीर से तथा जम्मू एवं कश्मीर को 1150 क्यूसेक जल की आपूर्ति जैसी शर्तें भी समझौते में शामिल थीं। उल्लेखनीय है कि जनवरी, 1955 में भारत सरकार के तत्वावधान में 'रावी एवं व्यास नदियों के जल के उपयोग एवं विकास पर आयोजित अंतर-राज्यीय कॉन्फ्रेंस' में लिए गए निर्णय के अनुसार, रावी नदी के जल में जम्मू एवं कश्मीर राज्य का हिस्सा 1150 क्यूसेक निर्धारित है, जो कि कश्मीर नहर (Kashmir Canal) के माध्यम से पहले से ही प्राप्त जल के अतिरिक्त होगा।

● **शाहपुर कंडी परियोजना**

शाहपुर कंडी बांध परियोजना थीन बांध परियोजना का ही एक भाग है। वर्ष 1979 में हुए समझौते के तहत पंजाब सरकार द्वारा रंजीत सागर बांध से लगभग 11 किमी. नीचे की ओर (Down Stream) शाहपुर कंडी बांध का निर्माण किया जाना है जिससे जम्मू एवं कश्मीर को उसके अधिकृत हिस्से (Mandated Share) के रूप में रावी नदी का 1150 क्यूसेक जल गुरुत्व (Gravity) द्वारा प्राप्त हो सके। वर्ष 1999 में रंजीत सागर बांध का निर्माण कार्य पूर्ण होने के पश्चात शाहपुर कंडी परियोजना का कार्य आरंभ हुआ, परंतु पंजाब तथा जम्मू एवं कश्मीर के मध्य विवाद के चलते वर्ष 2014 में निर्माण कार्य रोक दिया गया।

● **पंजाब-जम्मू एवं कश्मीर विवाद**

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2004 में पंजाब द्वारा 'पंजाब जल समझौता समापन अधिनियम, 2004'

(Punjab Termination of Water Agreements Act, 2004) लागू कर कई राज्यों के साथ रावी एवं ब्यास नदियों के जल साझा करने संबंधी समझौतों को रद्द कर दिया गया जिसके चलते शाहपुर कंडी परियोजना से बिजली, जल एवं अन्य आर्थिक लाभों को साझा करने संबंधी पंजाब की प्रतिबद्धता को लेकर जम्मू एवं कश्मीर सरकार के समक्ष अनिश्चितता की स्थिति उत्पन्न हो गई और शाहपुर कंडी बांध परियोजना का निर्माण कार्य रोक दिया गया। हालांकि पंजाब सरकार द्वारा जम्मू एवं कश्मीर को आश्वस्त किया गया कि जल समझौता समापन अधिनियम के माध्यम से केवल हरियाणा, हिमाचल प्रदेश एवं राजस्थान के साथ हुए समझौतों को ही रद्द किया गया है और यह अधिनियम जम्मू एवं कश्मीर राज्य पर लागू नहीं होता, फिर भी जम्मू एवं कश्मीर सरकार ने केंद्र सरकार की मध्यस्थता में दोनों राज्यों के मध्य एक नए समझौते की मांग रखी।

- **नवीन समझौता**

शाहपुर कंडी बांध परियोजना से जुड़े विभिन्न लंबित मुद्दों के समाधान के लिए 3 मार्च, 2017 को केंद्र सरकार (जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय) की मध्यस्थता में पंजाब तथा जम्मू एवं कश्मीर सरकार के मध्य एक नए समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता नई दिल्ली में केंद्रीय जल संसाधन सचिव डॉ. अमरजीत सिंह की उपस्थिति में पंजाब सरकार के सिंचाई सचिव के.एस. पन्नू और जम्मू एवं कश्मीर के सिंचाई सचिव सौरभ भगत द्वारा हस्ताक्षरित हुआ। इस समझौते के बाद अब शाहपुर कंडी बांध परियोजना का निर्माण कार्य पुनः आरंभ हो सकेगा।

- **समझौते के प्रावधान**

नवीन समझौते के तहत शाहपुर कंडी बांध परियोजना का कार्यान्वयन पंजाब सरकार ही करेगी, लेकिन तीन महीने में एक बार (या जब भी आवश्यक हो) परियोजना की निगरानी हेतु 'केंद्रीय जल आयोग' (CWC) के सदस्य की अध्यक्षता में एक त्रि-सदस्यीय दल का गठन किया जाएगा। इस दल में दोनों राज्यों के मुख्य अभियंता भी शामिल होंगे। इसका उद्देश्य समझौते के अनुरूप परियोजना के निर्माण को सुनिश्चित करना है। नवीन समझौते के तहत ही पंजाब सरकार थीन बांध परियोजना द्वारा उत्पादित 20 प्रतिशत विद्युत 3.50 रु. प्रति यूनिट की दर से जम्मू एवं कश्मीर को तत्काल उपलब्ध कराएगी।

- **अन्य महत्वपूर्ण तथ्य**

55.5 मीटर ऊंचा शाहपुर कंडी बांध पंजाब के गुरदासपुर जिले में रावी नदी पर बनाया जाएगा। इस परियोजना की अनुमानित लागत (अप्रैल, 2008 के मूल्य स्तर पर) 2285.81 करोड़ रुपये है। उल्लेखनीय है कि फरवरी, 2008 में भारत सरकार द्वारा शाहपुर कंडी बांध परियोजना को '**राष्ट्रीय परियोजना**' (National Project) घोषित किया गया था और राष्ट्रीय परियोजना के दिशा-निर्देशों के अनुरूप भारत सरकार इस परियोजना के सिंचाई घटक की 90 प्रतिशत लागत केंद्रीय सहायता के रूप में उपलब्ध कराएगी जबकि शेष 10 प्रतिशत का योगदान पंजाब सरकार द्वारा किया जाएगा। परियोजना के ऊर्जा घटक (Power Component) के लिए राशि 'पंजाब राज्य ऊर्जा निगम लिमिटेड' द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। इस परियोजना की कुल संस्थापित क्षमता 206 मेगावॉट है और ये 37173 हेक्टेयर (पंजाब में 5000 हेक्टेयर और जम्मू एवं कश्मीर में 32173 हेक्टेयर) की सिंचाई क्षमता का सृजन करेगी।

सं. सौरभ मेहरोत्रा

भ्रष्टाचार बोध सूचकांक, 2016

● **सार्वजनिक क्षेत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार का मापक**

'भ्रष्टाचार बोध सूचकांक' वैश्विक स्तर पर विश्व के विभिन्न देशों में सार्वजनिक क्षेत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार के स्तरों के तुलनात्मक आकलन हेतु एक महत्वपूर्ण मानक है, जो संबंधित देशों के भीतर एवं बाहर उद्यमियों एवं विश्लेषकों से प्रश्न पूछकर सर्वेक्षण विधि द्वारा तैयार किया जाता है।

● **जारीकर्ता संस्थान**

अंतरराष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठन 'ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल' (Transparency International) जिसका सचिवालय बर्लिन, जर्मनी में है, के द्वारा वर्ष 1995 से प्रति वर्ष 'भ्रष्टाचार बोध सूचकांक' (Corruption Perceptions Index-CPI) जारी किया जा रहा है।

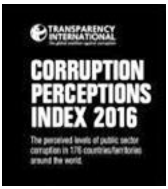

● **वर्तमान परिप्रेक्ष्य**

➡ ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल द्वारा 25 जनवरी, 2017 को 22वां वार्षिक 'भ्रष्टाचार बोध सूचकांक, 2016' (CPI-2016) जारी किया गया।

➲ इस सूचकांक में कुल 176 देशों को रैंकिंग प्रदान की गई है।

➲ यह सूचकांक 0 से 100 अंकों तक विस्तारित है जिसमें 0 का अर्थ 'सर्वाधिक भ्रष्ट' (Highly Corrupt) और 100 का अर्थ 'सर्वाधिक ईमानदार' (Very Clean) होने से है।

➡ इस सूचकांक में शामिल 176 देशों में से 69 प्रतिशत देशों ने 50 अंक से कम का स्कोर प्राप्त किया है, जो इन देशों में सार्वजनिक भ्रष्टाचार की व्यापकता को प्रदर्शित करता है।

➡ इस सूचकांक में किसी भी देश को पूर्णतः भ्रष्टाचार मुक्त होने जैसा स्कोर नहीं मिला है अर्थात कोई भी देश भ्रष्टाचार बोध सूचकांक में 100 अंक का स्कोर अर्जित नहीं कर सका है।

➲ इस सूचकांक में डेनमार्क और न्यूजीलैंड दोनों ही 90 अंकों के साथ संयुक्त रूप से प्रथम स्थान पर हैं।

सबसे कम भ्रष्टाचार वाले 5 देश		सर्वाधिक भ्रष्टाचार वाले देश	
देश	स्कोर 2016 (रैंक)	देश	स्कोर 2016 (रैंक)
डेनमार्क	90 (1)	सोमालिया	10 (176)
न्यूजीलैंड	90 (1)	दक्षिणी सूडान	11 (175)
फिनलैंड	89 (3)	उत्तर कोरिया	12 (174)
स्वीडन	88 (4)	सीरिया	13 (173)
स्विट्जरलैंड	86 (5)	यमन, सूडान एवं लीबिया	14(170)

➡ इस सूचकांक में सर्वाधिक 10 अंकों की कमी कतर के स्कोर में आई है अर्थात इस देश में भ्रष्टाचार बढ़ा है जबकि सूचकांक में सर्वाधिक 9 अंकों की वृद्धि सूरीनाम में हुई है जो इस बात का सूचक है कि इस देश में भ्रष्टाचार घटा है।

➡ इस सूचकांक में भारत को चीन, ब्राजील एवं बेलारूस के साथ संयुक्त रूप से 79वीं रैंक हासिल हुई है। इन सभी 4 देशों का सूचकांक स्कोर 40 है।

➲ उल्लेखनीय है कि गत वर्ष के सूचकांक में भारत 38 के स्कोर के साथ बोस्निया एवं हर्जेगोविना, बुर्किना फासो, थाईलैंड, ट्यूनीशिया, जाम्बिया एवं ब्राजील के साथ संयुक्त रूप से 76वें स्थान पर था।

➡ भारत व पड़ोसी देशों की स्थिति–

देश	स्कोर 2016	रैंक
भूटान	65	27
श्रीलंका	36	95
मालदीव	36	95
भारत	40	79
पाकिस्तान	32	116
बांग्लादेश	26	145
अफगानिस्तान	15	169
चीन	40	79
नेपाल	29	131
म्यांमार	28	136

सं. शिवशंकर कुमार तिवारी

साइबर स्वच्छता केंद्र

● **परिचय**

विभिन्न क्षेत्रों में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की बढ़ती भूमिका एवं इंटरनेट के जरिए लेन-देन एवं डाटा के आदान-प्रदान में हो रही वृद्धि के परिप्रेक्ष्य में साइबर सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता वाले विषय के रूप में उभरा है। साइबर सुरक्षा के अभाव में महत्वपूर्ण राजनीतिक, आर्थिक, प्रशासनिक, सामरिक एवं कूटनीतिक जानकारी हैकिंग द्वारा अवांछित व्यक्तियों तक पहुंच सकती है। ऐसे में साइबर सुरक्षा की अपरिहार्यता को देखते हुए भारत सरकार ने 'स्वच्छ भारत अभियान' का दायरा भौतिक स्वच्छता से बढ़ाकर 'वर्चुअल स्वच्छता' तक विस्तारित कर दिया है। 22 फरवरी, 2017 को इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने नेटवर्क एवं इंटरनेट प्रणालियों को मालवेयर एवं बॉटनेट से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से 'साइबर स्वच्छता केंद्र-बॉटनेट क्लीनिंग एंड मालवेयर एनालिसिस सेंटर' का शुभारंभ किया।

● **विशेषताएं**

➡ यह उपक्रम इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के डिजिटल इंडिया अभियान का हिस्सा है जिसका उद्देश्य सुरक्षित साइबर स्पेस का सृजन करना है।

➡ साइबर स्वच्छता केंद्र बॉटनेट संक्रमण का पता लगाकर उपयोगकर्ताओं की प्रणालियों (Systems) को सुरक्षित रखेगा ताकि संक्रमण फैलने से रोका जा सके।

➲ इस केंद्र का परिचालन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम-इंडिया (CERT-In) द्वारा किया जा रहा है।

➡ **साइबर स्वच्छता केंद्र**-बॉटनेट क्लीनिंग एंड मालवेयर एनालिसिस सेंटर द्वारा नागरिकों के लिए कुछ उपकरण (टूल्स) जारी किए गए हैं। ये उपकरण हैं–

➲ **यूएसबी प्रतिरोध**-यह एक डेस्कटॉप सिक्योरिटी सॉल्यूशन है, जो यूएसबी उपकरणों के खतरों से रक्षा करता है।

➲ **एपसंविद**-यह एक डेस्कटॉप सॉल्यूशन है, जो व्हाइट लिस्टिंग के जरिए वास्तविक एप्लीकेशन को इंस्टॉल करने की सुविधा देकर प्रणालियों की रक्षा करता है। इससे द्वेषपूर्ण एप्लीकेशन (Malicious Applications) से होने वाले खतरों की रोकथाम करने में भी मदद मिलती है।

➲ **एम-कवच**-यह स्वदेश में ही विकसित किया गया एक साधन है, जो मोबाइल में उभरने वाले सुरक्षा संबंधी खतरों का निवारण करता है।

● **कार्य प्रणाली**

➡ यह केंद्र इंटरनेट सेवा प्रदाता कंपनियों एवं एंटी वायरस कंपनियों के साथ मिलकर काम करेगा।

➡ किसी कंप्यूटर प्रणाली के मालवेयर (Malware) तथा बॉटनेट (Botnet) से संदूषित होने का पता चलने पर यह केंद्र इंटरनेट सेवा प्रदान करने वाले इंटरनेट सेवा प्रदाता को सूचित करेगा जो पुनः संबंधित कंप्यूटर के प्रयोक्ता को इस संबंध में सचेत करेगा।

➡ यह केंद्र बैंकों को नेटवर्क सुरक्षा संबंधी सुझाव भी देगा।

➡ उल्लेखनीय है कि मालवेयर, स्पाईवेयर, आदि एक प्रकार के द्वेषपूर्ण सॉफ्टवेयर होते हैं जिनका इस्तेमाल हैकर कंप्यूटर से निजी डाटा चोरी करने हेतु करते हैं।

➲ इसी प्रकार बॉटनेट मालवेयर से प्रभावित कंप्यूटरों का एक नेटवर्क होता है जिसे

साइबर अपराधी बिना उपयोगकर्ता की जानकारी के नियंत्रित करते हैं। यह रोबोट (Robot) और नेटवर्क (Network) शब्द से मिलकर बना है।

- **लाभ एवं महत्व**

➡ साइबर स्वच्छता केंद्र की स्थापना नेटवर्क सुरक्षा संबंधी एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे न केवल लोगों का डिजिटल व्यवस्था में विश्वास बढ़ेगा बल्कि डिजिटल ढांचे की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। साइबर सुरक्षा वर्तमान समय में सभी राष्ट्रों के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है। पिछले वर्ष संपन्न हुए अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में आशंकित साइबर हमला और उससे उत्पन्न विश्वसनीयता का संकट साइबर सुरक्षा के महत्व को रेखांकित करता है। भारत भी साइबर हमलों से अछूता नहीं है। अक्टूबर, 2016 में भारतीय स्टेट बैंक के 32 लाख एटीएम कार्ड हैक होने की सूचना से पूरे देश में इस बैंक के ग्राहक प्रभावित हुए थे। अतः नेटवर्क आधारित डाटा को सुरक्षित रखना न केवल सरकार की जिम्मेदारी है बल्कि सभी संगठनों का भी दायित्व है। इसके लिए साइबर स्वच्छता केंद्र सरकार एवं विभिन्न संगठनों के मध्य समन्वय पर बल देता है, साथ ही साइबर खतरों से समस्त नागरिकों को सचेत करने एवं व्यापक जागरूकता कार्यक्रम के संचालन को प्रस्तावित करता है। साइबर स्वच्छता केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रविशंकर प्रसाद ने राज्य स्तर पर कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम गठित करने एवं साइबर सुरक्षा क्षेत्र में पहल करने वाले स्टार्ट-अप्स को फीस में 50 प्रतिशत छूट देने की घोषणा की। यह डिजिटल सुरक्षा ढांचे को व्यापक बनाने में मददगार होगा। कुल मिलाकर सूचना प्रौद्योगिकी एवं डिजिटलीकरण के वर्तमान युग में साइबर सुरक्षा केंद्र का निर्माण अत्यंत सामयिक एवं महत्वपूर्ण कदम है।

सं. मनीष पाण्डेय

ट्रैपिस्ट-1 : जीवन की संभावना वाला एक नया सौरमंडल

● **ट्रैपिस्ट-1**

नासा के स्पिट्ज़र अंतरिक्ष टेलीस्कोप द्वारा नव अन्वेषित एक सौरमंडल (Exoplanet System) है जिसका नाम चिली में स्थित रोबोटिक टेलिस्कोप 'ट्रैपिस्ट' (The Transiting Planets and Planetesimals Small Telescope-TRAPPIST) के नाम पर TRAPPIST-1 रखा गया है। उल्लेखनीय है कि ट्रैपिस्ट दूरबीन की मदद से ही शोधकर्ताओं ने मई, 2016 में इस प्रणाली के 3 ग्रहों की खोज की थी जबकि शेष ग्रहों की खोज स्पिट्ज़र दूरबीन द्वारा की गई।

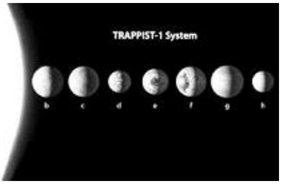

● **अवस्थिति**

यह पृथ्वी से लगभग 40 प्रकाश वर्ष (235 ट्रिलियन मील) दूर कुंभ तारामंडल (Aquarius Constellation) में स्थित है।

● **विशेषताएं**

➡ इस सौरमंडल में पृथ्वी सदृश कुल सात चट्टानी ग्रह एक तारे (सूर्य) की परिक्रमा कर रहे हैं।

➲ इस ग्रहीय प्रणाली (Planetary System) के सूर्य का वजन पृथ्वी के सूर्य के वजन के आठवें हिस्से के बराबर तथा आकार बृहस्पति ग्रह से थोड़ा बड़ा है।

➲ इस प्रणाली के सूर्य को ट्रैपिस्ट-1ए नाम दिया गया है जबकि सभी सात ग्रहों को ट्रैपिस्ट-1बी,सी,डी,ई,एफ,जी,एच के रूप में चिह्नित किया गया है।

➲ इनमें से तीन ग्रहों (ट्रैपिस्ट-1 ई, 1 एफ तथा 1जी) पर जीवन की प्रबल संभावनाएं हैं क्योंकि ये हैबिटेबल या गोल्डीलॉक जोन में स्थित हैं।

➲ गोल्डीलॉक जोन तारे/सूर्य से वह निश्चित दूरी होती है जहां स्थित ग्रहों का तापमान जीवन के लिए उपयुक्त होता है।

➡ उल्लेखनीय है कि हमारी सौर प्रणाली के बाहर हैबिटेबल जोन (Habitable Zone) में स्थित यह ग्रहों की सर्वाधिक संख्या है जो किसी एक तारे की परिक्रमा कर रहे हैं।

➡ ट्रैपिस्ट-1 प्रणाली के सूर्य (ट्रैपिस्ट-1ए) को 'अत्यधिक ठंडे बौने तारे' (Ultra Cool Dwarf) के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

➲ ट्रैपिस्ट-1ए इतना ठंडा है कि इसके बहुत निकट परिक्रमा करने वाले ग्रहों में जल तरल अवस्था में उपस्थित हो सकता है।

➲ सातों ग्रह एक-दूसरे के इतने निकट स्थित हैं कि कोई व्यक्ति एक ग्रह पर खड़े होकर अपने पड़ोसी ग्रह के बादलों को आसानी से देख सकता है।

➡ ट्रैपिस्ट-1 प्रणाली से संबंधित यह शोध प्रतिष्ठित विज्ञान जर्नल 'नेचर' (Nature) में 23 फरवरी, 2017 को प्रकाशित हुआ था।

● **अन्य महत्वपूर्ण तथ्य**

➡ नासा अक्टूबर, 2018 में जेम्स वेब टेलीस्कोप अंतरिक्ष में भेजेगा जो अंतरिक्ष में उपस्थित स्पिट्ज़र, केप्लर और हबल टेलीस्कोप के साथ मिलकर ट्रैपिस्ट-1 की गहन पड़ताल करेगा।

➲ जेम्स वेब टेलीस्कोप पानी के रासायनिक फिंगरप्रिंट, मीथेन, ऑक्सीजन, ओजोन और ग्रहों के वायुमंडल के अन्य घटकों का पता लगाने में सक्षम होगा।

➲ यह टेलीस्कोप आवास क्षमता के आकलन हेतु महत्वपूर्ण कारकों यथा ग्रहों के तापमान एवं सतह के दबावों का भी विश्लेषण करेगा।

सं. अम्बरीश कुमार तिवारी

पांच गैर-संचारी रोगों के नियंत्रण हेतु कार्यक्रम

● **गैर-संचारी रोग**

➡ गैर-संचारी रोग (NCD) आम-तौर पर लंबी अवधि तक चलने वाली (Chronic) और धीमी गति से बढ़ने वाली चिकित्सा स्थितियों एवं बीमारियों को कहा जाता है जिनका प्रसार एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं होता है।

➡ विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की गैर-संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण करने हेतु वैश्विक कार्रवाई योजना में चार मुख्य गैर-संचारी रोग शामिल किए गए हैं।

➲ ये गैर-संचारी रोग हैं : (i) हृदयवाहिनी बीमारियां (Cardiovascular Diseases) जैसे-हार्ट अटैक एवं स्ट्रोक, (ii) कैंसर, (iii) दीर्घकालिक श्वांस संबंधी बीमारियां (Chronic Respiratory Diseases) जैसे दीर्घकालिक प्रतिरोधी फेफड़े का रोग (Chronic Obstructive Pulmonary Diseases) एवं दमा और (iv) चपापचयी स्थितियां विशेष तौर पर मधुमेह (Diabetes)।

● **भारत में गैर-संचारी रोग**

➡ भारत में 60 प्रतिशत से अधिक मृत्यु का कारण गैर-संचारी रोग हैं जिसमें से 55 प्रतिशत मृत्यु असामयिक होती है।

➲ विश्व आर्थिक मंच (WEF) के अनुसार, भारत को गैर-संचारी रोगों के कारण वर्ष 2012 से 2030 के मध्य 4.58 ट्रिलियन डॉलर (311.94 ट्रिलियन रुपये) की हानि होगी।

● **गैर-संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम**

➡ केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत 5 सामान्य गैर-संचारी रोगों हेतु जनसंख्या आधारित रोकथाम, जांच और नियंत्रण कार्यक्रम प्रारंभ किया जा रहा है।

➲ इन रोगों में शामिल हैं-उच्च रक्तचाप (Hypertension), मधुमेह, मुख का कैंसर, स्तन कैंसर और गर्भाशय ग्रीवा (Cervix) कैंसर।

➲ यह कार्यक्रम विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर 4 फरवरी, 2017 को प्रारंभ किया जाना था किंतु फरवरी-मार्च, 2017 में पांच राज्यों में विधान सभा चुनावों के कारण इसका औपचारिक शुभारंभ टाल दिया गया।

➡ उल्लेखनीय है कि कैंसर, मधुमेह, हृदयवाहिनी बीमारियों तथा स्ट्रोक की रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु एक राष्ट्रीय कार्यक्रम (NPCDCS) भारत सरकार द्वारा पहले से ही कार्यान्वित किया जा रहा है।

● **प्रावधान**

➡ पहले चरण में कार्यक्रम के जनसंख्या आधारित जांच घटक को 32 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के 100 जिलों में शुरू किया जाएगा।

➲ कार्यक्रम के तहत आशा (Asha) और एएनएम (ANM) कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

➲ कार्यक्रम के आगामी चरणों में दीर्घकालिक श्वांस संबंधी बीमारियों को शामिल किया जाएगा और कार्यक्रम को अन्य जिलों में विस्तारित किया जाएगा।

➲ सामुदायिक स्वास्थ्य संवर्धन एवं रोकथाम के प्रयासों, परामर्श और उपचार के लिए राज्यों को सहायता दी जाएगी।

● **उद्देश्य**

➡ व्यवहार और जीवनशैली में परिवर्तन के माध्यम से नियंत्रण एवं रोकथाम करना।

➡ शीघ्र उपचार एवं प्रबंधन उपलब्ध कराना।

➲ सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था के अंतर्गत मानव संसाधन को प्रशिक्षित करना।

सं. नीरज ओझा

हिमाचल प्रदेश की दूसरी राजधानी

● **धर्मशाला**

भारत के संविधान के अनुच्छेद 154(1) के तहत प्रदत्त कार्यकारी शक्तियों का प्रयोग करते हुए हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने 3 मार्च, 2017 को धर्मशाला (जिला-कांगड़ा) को राज्य की दूसरी राजधानी के रूप में अधिसूचित कर दिया। उल्लेखनीय है कि प्रदेश की पहली राजधानी शिमला है।

● **अवस्थिति**

धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले का मुख्यालय है। इसकी शिमला से दूरी लगभग 250 किमी. है। समुद्र तल से लगभग 1220 मीटर की ऊंचाई पर स्थित धर्मशाला कस्बा दो भागों, ऊपरी धर्मशाला तथा निचला धर्मशाला में विभाजित है।

● **क्यों बनी राजधानी?**

हिमालय की धौलाधार श्रेणी में स्थित धर्मशाला न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व में धार्मिक, प्राकृतिक व साहसिक पर्यटन के लिए प्रसिद्ध है। इसके अतिरिक्त धर्मशाला, कांगड़ा समेत निचले क्षेत्र के जिलों, विशेषकर चंबा, हमीरपुर और ऊना के लगभग केंद्र में स्थित है। इस क्षेत्र के निवासियों की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को पूर्ण करने तथा प्रशासनिक सुविधा की दृष्टि से भी इसे राजधानी बनाना आवश्यक था।

● **अन्य प्रमुख तथ्य**

➡ दिसंबर, 2005 में पहली बार प्रदेश विधान सभा का शीतकालीन सत्र शिमला से बाहर धर्मशाला में आयोजित किया गया था।

➡ एक विधान सभा भवन तपोवन (धर्मशाला) में पहले से ही विद्यमान है, जिसकी नींव वर्ष 2006 में रखी गई थी।

➲ उल्लेखनीय है कि धर्मशाला में अब तक विधान सभा के 12 शीतकालीन सत्रों का आयोजन किया जा चुका है।

➲ हिमाचल प्रदेश के अलावा जम्मू एवं कश्मीर तथा महाराष्ट्र राज्यों की भी दो राजधानियां हैं। जम्मू एवं कश्मीर की शीतकालीन राजधानी जम्मू तथा ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर है। महाराष्ट्र की ग्रीष्मकालीन राजधानी मुंबई तथा शीतकालीन राजधानी नागपुर है।

➲ मई, 2016 में स्मार्ट सिटी मिशन के तहत घोषित 13 शहरों की सूची में हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला को भी स्थान प्राप्त हुआ था।

● **निर्वासित तिब्बती सरकार की राजधानी**

धर्मशाला नगरपालिका के अंतर्गत स्थित 'मैक्लोडगंज' (Mcleodganj) में निर्वासित तिब्बती सरकार का मुख्यालय है। वर्ष 1960 से ही यहां से तिब्बती धर्मगुरु दलाईलामा निर्वासित तिब्बती सरकार चला रहे हैं। तिब्बतियों की अधिक जनसंख्या के कारण इसे लघु ल्हासा (Little Lhasa) भी कहा जाता है।

● **निष्कर्ष**

आम-तौर पर प्रशासनिक सुविधा की दृष्टि से दो राजधानियों का निर्माण किया जाता रहा है। धर्मशाला को हिमाचल प्रदेश की राजधानी बनाने से निचले क्षेत्र के निवासियों को सहूलियत मिलने के साथ-साथ इस क्षेत्र में आधारभूत संरचना का भी विकास होगा। हालांकि वर्ष 2017 के अंत में होने वाले विधान सभा चुनाव की भी इस निर्णय के पीछे महती भूमिका है। कांगड़ा, जनसंख्या के आधार पर राज्य का सबसे बड़ा जिला है तथा विधान सभा की 68 सीटों में से लगभग 25 सीटें निचले क्षेत्र के जिलों (कांगड़ा, हमीरपुर एवं ऊना) से ही आती हैं। आने वाले विधान सभा चुनावों में उक्त निर्णय महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

सं. काली शंकर 'शारदेय'

भारतीय प्रबंध संस्थान विधेयक, 2017

● **पृष्ठभूमि**

'भारतीय प्रबंध संस्थान' (IIM) प्रबंधन में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने वाले देश के प्रमुख संस्थान हैं, जो प्रबंधन में शिक्षा और प्रशिक्षण की प्रक्रिया के विश्वस्तरीय बेंचमार्क हैं। देश में सबसे पहले आईआईएम वर्ष 1961 में कलकत्ता (अब कोलकाता) एवं अहमदाबाद में स्थापित किए गए थे। देश भर में वर्तमान में कुल 20 आईआईएम हैं।

● **विधेयक की आवश्यकता क्यों?**

सभी भारतीय प्रबंध संस्थान, सोसायटी अधिनियम के तहत पंजीकृत अलग-अलग स्वायत्त निकाय हैं। सोसायटी निकाय होने के कारण, आईआईएम डिग्री प्रदान करने के लिए अधिकृत नहीं है। वे प्रबंधन में क्रमशः स्नातकोत्तर डिप्लोमा और अध्येता कार्यक्रम (Fellow Programme) संचालित करते हैं जिन्हें क्रमशः एमबीए एवं पीएच. डी. के समकक्ष ही समझा जाता है, हालांकि यह तुल्यता हर जगह स्वीकार्य नहीं है (विशेष रूप से अध्येता कार्यक्रम के लिए)। चूंकि भारतीय प्रबंध संस्थानों ने विश्वव्यापी संस्थानों का रूप ले लिया है, इसलिए यह आवश्यकता महसूस की गई कि इन संस्थानों को डिग्री प्रदान करने हेतु समर्थ बनाया जाए। इस उद्देश्य से जनवरी, 2017 में केंद्र सरकार ने भारतीय प्रबंध संस्थान विधेयक, 2017 को मंजूरी प्रदान की।

● **भारतीय प्रबंध संस्थान विधेयक, 2017**

9 फरवरी, 2017 को मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने भारतीय प्रबंध संस्थान विधेयक, 2017 को लोक सभा में पेश किया।

● **उद्देश्य**

इस विधेयक का उद्देश्य, प्रबंधन, प्रबंधन अनुसंधान और ज्ञान से संबद्ध क्षेत्रों में उत्कृष्टता के वैश्विक मानकों को प्राप्त करने के लिए भारतीय प्रबंध संस्थानों को सशक्त बनाने की दृष्टि से राष्ट्रीय महत्व की संस्थाओं के रूप में घोषित करना तथा इन संस्थानों द्वारा चलाए गए शिक्षा संबंधी पाठ्यक्रमों में छात्रों को डिग्रियां प्रदान करने हेतु उन्हें समर्थ बनाना है।

● **विधेयक की मुख्य विशेषताएं**

(i) ये संस्थान अपने छात्रों को डिग्री प्रदान कर सकेंगे।

(ii) इस विधेयक द्वारा संस्थानों को राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित किया जाएगा।

(iii) प्रत्येक संस्थान का शासक बोर्ड, उस संस्थान का प्रधान कार्यपालक निकाय होगा।

(iv) विधेयक में समय-समय पर स्वतंत्र एजेंसियों द्वारा इन संस्थानों की कार्य-प्रणाली की समीक्षा का भी प्रावधान किया गया है।

(v) बोर्ड में महिलाओं और अनुसूचित जाति/जनजाति के सदस्यों को शामिल करने के लिए भी प्रावधान किया गया है।

(vi) प्रत्येक संस्थान के लेखाओं की संपरीक्षा भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा की जाएगी तथा संपरीक्षा रिपोर्ट संसद में प्रस्तुत की जाएगी।

(vii) एक सलाहकार निकाय के रूप में सभी संस्थानों के लिए समन्वय मंच की स्थापना का भी प्रावधान किया गया है।

● **निष्कर्ष**

वैश्विक स्तर पर मिल रही कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए भारतीय प्रबंध संस्थानों को भी वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाया जाना अपेक्षित है। उम्मीद है कि इस अधिनियम के लागू होने के बाद ये संस्थान, विशेषकर प्रबंध संबंधी अनुसंधान में विश्वव्यापी उत्कृष्टता के मानकों को प्राप्त करने में सक्षम होंगे।

भारत के प्रबंध संस्थान-एक नज़र में

संस्थान		स्थापना वर्ष	राज्य
(1)	आईआईएम, अहमदाबाद	1961	गुजरात
(2)	आईआईएम, कोलकाता	1961	प. बंगाल
(3)	आईआईएम, बंगलुरू	1973	कर्नाटक
(4)	आईआईएम, लखनऊ	1984	उत्तर प्रदेश
(5)	आईआईएम, इंदौर	1996	मध्य प्रदेश
(6)	आईआईएम, कोझीकोड	1997	केरल
(7)	आईआईएम, शिलांग	2008	मेघालय
(8)	आईआईएम, रोहतक	2010	हरियाणा
(9)	आईआईएम, रायपुर	2010	छत्तीसगढ़
(10)	आईआईएम, रांची	2010	झारखंड
(11)	आईआईएम, काशीपुर	2011	उत्तराखंड
(12)	आईआईएम, तिरुचिरापल्ली	2011	तमिलनाडु
(13)	आईआईएम, उदयपुर	2011	राजस्थान
(14)	आईआईएम, नागपुर	2015	महाराष्ट्र
(15)	आईआईएम, विशाखापत्तनम	2015	आंध्र प्रदेश
(16)	आईआईएम, बोध गया	2015	बिहार
(17)	आईआईएम, अमृतसर	2015	पंजाब
(18)	आईआईएम, संबलपुर	2015	ओडिशा
(19)	आईआईएम, सिरमौर	2015	हिमाचल प्रदेश
(20)	आईआईएम, जम्मू	2016	जम्मू-कश्मीर

सं. राकेश कुमार मिश्र

गुजरात : छात्र स्टार्ट-अप और नवाचार नीति

● भूमिका

नवाचार (Innovation) प्रत्येक अर्थव्यवस्था के विकास की कुंजी है और समाज के प्रत्येक स्तर पर नवाचार होता है। भारत सरकार द्वारा प्रत्येक भारतीय की रचनात्मक क्षमता के विकास के लिए '2010-20' के दशक को नवाचार का दशक (Decade of Innovation) घोषित किया गया है। भारत सरकार ने 'अटल नवाचार मिशन' और 'स्टार्ट-अप इंडिया, स्टैंड-अप इंडिया' मिशन भी प्रारंभ किया है।

● छात्र स्टार्ट-अप

स्टार्ट-अप एक इकाई है जो उत्पाद नवाचार या सेवा नवाचार के आधार पर एक व्यवसाय मॉडल का विकास करती है। जबकि छात्र स्टार्ट-अप किसी छात्र के नेतृत्व वाला नवाचार आधारित स्टार्ट-अप है जो किसी विश्वविद्यालय/शिक्षा संस्थान की सहायता अथवा बिना सहायता से एक या एक से अधिक छात्रों या पूर्व छात्रों (Alumni) द्वारा स्थापित किया जाता है।

● नवाचार एवं स्टार्ट-अप हेतु गुजरात सरकार के प्रयास

केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं यथा मेक इन इंडिया, स्टार्ट-अप इंडिया, अटल नवाचार मिशन, राष्ट्रीय नवाचार परिषद आदि के अनुसरण में गुजरात सरकार ने भी रचनात्मकता, नवाचार तथा उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई कदम उठाए हैं। वर्ष 2013 में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में 'राज्य नवाचार परिषद' गठित की गई।

औद्योगिक नीति, 2015 के भाग के रूप में 'स्टार्ट-अप एवं नवाचार सहायता योजना' प्रारंभ की गई थी। वर्ष 2016 में राज्य के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 'इलेक्ट्रॉनिक्स एंड आईटी/आईटीईएस स्टार्ट-अप पॉलिसी' जारी की गई थी।

● छात्र स्टार्ट-अप और नवाचार नीति

➡ 8 जनवरी, 2017 को गांधीनगर में गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रुपानी ने 'छात्र स्टार्ट-अप और नवाचार नीति' जारी की।

- 'छात्र स्टार्ट-अप और नवाचार नीति' जारी करने वाला गुजरात भारत का पहला राज्य है।
- इस पहल के तहत 'राज्य नवाचार कोष' के रूप में 29.3 मिलियन डॉलर (200 करोड़ रु.) की राशि अगले पांच वर्षों के दौरान छात्रों को प्रदान की जाएगी।
- नीति का लक्ष्य युवा छात्रों के नवाचारी विचारों का समर्थन करने के लिए एकीकृत, राज्यव्यापी, विश्वविद्यालय आधारित नवाचार पारितंत्र का निर्माण करना है।

● मुख्य लक्ष्य

➡ छात्रों के लिए 'इनोवेशन एंड प्री-इनक्यूबेशन पारितंत्र सहयोग' (IPIES) की स्थापना एवं निष्पादन हेतु सभी विश्वविद्यालयों को सशक्त बनाना।

➡ ऐसे वातावरण का निर्माण जो कम से कम 1 प्रतिशत स्नातकों को नवाचार एवं संबद्ध माध्यमों द्वारा रोजगार प्रदाताओं में परिवर्तित कर सके।

- प्रति वर्ष छात्र-छात्राओं के न्यूनतम 1000 नवाचारों को समर्थन देना और राज्य में विश्वविद्यालयों से न्यूनतम 1000 पेटेंट आवेदन करना।
- आगामी 5 वर्षों में 500 छात्र स्टार्ट-अप्स को प्रारंभ करना।
- आगामी पांच वर्षों में राज्य में न्यूनतम 200 शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना।

सं. नीरज ओझा

क्योटो प्रोटोकॉल : द्वितीय प्रतिबद्धता अवधि

● **क्योटो प्रोटोकॉल**

➡ क्योटो प्रोटोकॉल जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (UNFCCC) से संबंधित एक अंतरराष्ट्रीय समझौता है जिसमें शामिल भागीदार देश ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कटौती लक्ष्यों के प्रति अंतरराष्ट्रीय रूप से बाध्य होते हैं।

➲ 11 दिसंबर, 1997 को क्योटो, जापान में 'क्योटो प्रोटोकॉल' को स्वीकार किया गया और यह 16 फरवरी, 2005 को प्रभावी हुआ।

➲ क्योटो प्रोटोकॉल को लागू करने से संबंधित विस्तृत नियमों को वर्ष 2001 में माराकेश (Marrakesh), मोरक्को में आयोजित कोप-7 (COP-7) में स्वीकार किया गया और इसे 'मारकेश समझौता' कहा जाता है।

➲ क्योटो प्रोटोकॉल की पहली प्रतिबद्धता अवधि (Commitment Period) वर्ष 2008 में प्रारंभ हुई थी और वर्ष 2012 में समाप्त हुई थी।

● **क्योटो प्रोटोकॉल की द्वितीय प्रतिबद्धता अवधि**

➡ 8 दिसंबर, 2012 को दोहा, कतर में 'क्योटो प्रोटोकॉल के दोहा संशोधन' को अपनाया गया था।

➲ संशोधन के तहत क्योटो प्रोटोकॉल के एनेक्स-1 (विकसित देशों) में शामिल देशों के लिए नई प्रतिबद्धताओं को शामिल किया गया।

➲ ये देश क्योटो प्रोटोकॉल की द्वितीय प्रतिबद्धता अवधि (1 जनवरी, 2013 से 31 दिसंबर, 2020) में शामिल प्रतिबद्धताओं को पूरा करने पर सहमत हुए हैं।

● **प्रथम प्रतिबद्धता अवधि बनाम द्वितीय प्रतिबद्धता अवधि**

➡ क्योटो प्रोटोकॉल की प्रथम प्रतिबद्धता अवधि के दौरान 37 औद्योगिकीकृत देशों और यूरोपीय समुदाय ने 'हरित गृह गैसों' (GHG) के उत्सर्जन में वर्ष 1990 के स्तर से औसतन 5 प्रतिशत की कटौती की प्रतिबद्धता व्यक्त की थी जबकि द्वितीय प्रतिबद्धता अवधि के दौरान पक्षकारों ने हरित गृह गैस उत्सर्जनों में वर्ष 1990 के स्तर से न्यूनतम 18 प्रतिशत की कटौती की प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

● **भारत द्वारा द्वितीय प्रतिबद्धता अवधि के अनुसमर्थन को मंजूरी**

➡ 24 जनवरी, 2017 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा क्योटो प्रोटोकॉल की द्वितीय प्रतिबद्धता अवधि के अनुसमर्थन को स्वीकृति प्रदान की गई।

➲ 3 अप्रैल, 2017 तक 76 देशों ने क्योटो प्रोटोकॉल की द्वितीय प्रतिबद्धता अवधि का अनुमोदन किया है।

➲ इस प्रतिबद्धता अवधि के दौरान सतत विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप 'स्वच्छ विकास प्रक्रिया' (CDM) परियोजनाओं के क्रियान्वयन से भारत में निवेश आकर्षित करने में मदद मिलेगी।

➲ भारत द्वारा द्वितीय प्रतिबद्धता अवधि की पुष्टि अन्य देशों को भी यह कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

➲ सारांशतः जलवायु परिवर्तन के मुद्दों पर अंतरराष्ट्रीय आम सहमति को हासिल करने में भारत द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका के मद्देनजर यह निर्णय पर्यावरण की रक्षा और जलवायु न्याय के वैश्विक उद्देश्य पर प्रतिबद्ध राष्ट्रों के समुदाय में भारत के नेतृत्व को रेखांकित करता है।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली में 'आधार' की अनिवार्यता

- **आधार की आवश्यकता क्यों?**

केंद्र सरकार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) में आधार को अनिवार्य बनाकर देश में राशन की सभी दुकानों का पूरी तरह से डिजिटलीकरण करने, सार्वजनिक वितरण प्रणाली में पारदर्शिता लाने तथा खाद्य सुरक्षा कानून के तहत दी जा रही सब्सिडी को पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

➡ सेवाओं, लाभों या सब्सिडी की आपूर्ति हेतु पहचान के एक दस्तावेज के रूप में 'आधार' के उपयोग से सरकारी अंतरण प्रक्रिया (Government Delivery Processes) में सरलता, पारदर्शिता एवं कार्यकुशलता बढ़ेगी तथा लाभार्थियों को लाभ सुविधाजनक और आसान तरीके से प्राप्त होंगे।

➡ 'आधार' के उपयोग से किसी व्यक्ति को अपनी पहचान सिद्ध करने के लिए एक से अधिक दस्तावेज प्रस्तुत करने की आवश्यकता भी नहीं होगी।

- **प्रावधान**

➡ केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने आधार अधिनियम के अंतर्गत 8 फरवरी, 2017 को एक अधिसूचना जारी की है, जिसके तहत-

- राशन कार्ड धारक लाभार्थियों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 (NFSA) के अंतर्गत सब्सिडी (खाद्यान्नों की खरीद पर छूट या खाद्य सब्सिडी के नकद अंतरण) प्राप्ति के लिए आधार संख्या होने का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।
- यह शर्त सभी नए लाभार्थियों पर भी लागू होगी।
- यह अधिसूचना असम, मेघालय और जम्मू-कश्मीर राज्य को छोड़कर सभी राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों में 8 फरवरी, 2017 से प्रभावी है।
- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA) के तहत ऐसे लाभार्थी जिनके पास आधार संख्या नहीं है या जिन्होंने आधार के लिए नामांकन नहीं कराया है, परंतु वे NFSA के अंतर्गत सब्सिडी का लाभ प्राप्त करने के इच्छुक हैं, उन्हें 30 जून, 2017 तक आधार नामांकन के लिए आवेदन करना होगा।
- NFSA के तहत सब्सिडी प्राप्त करने वाले ऐसे लाभार्थियों को आधार संख्या जारी किए जाने तक उनकी पात्रता का खाद्यान्न राशन कार्ड और आधार नामांकन पर्ची की प्रति प्रस्तुत करने पर ही जारी किया जाएगा।
- इसके अलावा 8 अन्य दस्तावेजों को भी राशन कार्ड के साथ प्रस्तुत करने पर खाद्यान्न जारी किया जा सकेगा। ये दस्तावेज हैं-मतदाता पहचान-पत्र, पैन कार्ड, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, सरकारी लेटर हेड पर राजपत्रित अधिकारी/तहसीलदार द्वारा जारी फोटो युक्त पहचान-पत्र, डाक विभाग द्वारा जारी नाम और फोटोयुक्त पता कार्ड, किसान फोटो पासबुक तथा राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों द्वारा निर्दिष्ट कोई अन्य दस्तावेज।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली की आवश्यकता

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 47 में यह उपबंध है कि राज्य का यह प्राथमिक कर्तव्य होगा कि वह लोगों के स्वास्थ्य, पोषण और जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए प्रयास करे। संविधान में यह भी स्पष्ट किया गया है कि खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करके लोगों को पोषण स्तर सुधारने के लिए सरकार हर आवश्यक कदम उठाएगी।

इसी के मद्देनजर भारत सरकार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के जरिए यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि लोगों को उनकी स्थिति और आय के अनुरूप न्यूनतम मूल्य पर खाद्यान्न की आवश्यक मात्रा की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।

- यदि राशन कार्ड में उल्लिखित परिवार के सदस्यों को आधार संख्या नहीं दिया गया है और यदि उस परिवार का कोई एक सदस्य पहचान की शर्त पूरी करता है, तो उसे राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत सब्सिडी प्राप्त खाद्यान्नों की संपूर्ण मात्रा अथवा खाद्य सब्सिडी का नकद अंतरण प्राप्त करने की पात्रता होगी।

● सरकारी प्रयास

➡ योजना के अंतर्गत आधार की आवश्यकता के बारे में लाभार्थियों को जागरूक करने हेतु राज्य सरकारें/संघ राज्य क्षेत्र के खाद्य विभाग जिला खाद्य आपूर्ति कार्यालय अथवा उचित दर दुकानों के जरिये मीडिया तथा व्यक्तिगत सूचनाओं के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार करेंगे, परामर्श देंगे तथा आधार नामांकन केंद्रों की सूची उपलब्ध कराएंगे।

- राज्य सरकारें भी लाभार्थियों के लिए नामांकन सुविधा प्रदान करेंगी। संबंधित ब्लॉक या तालुका या तहसील में आधार नामांकन केंद्र उपलब्ध न होने की स्थिति में राज्य/संघ राज्य सरकारें यूआईडीएआई (UIDAI) अथवा UIDAI के मौजूदा रजिस्ट्रारों के साथ समन्वय करते हुए या स्वयं UIDAI रजिस्ट्रार बनकर सुविधाजनक स्थानों पर नामांकन सुविधा प्रदान करेंगी।
- राज्य/संघ सरकारें लाभार्थी का आधार संख्या प्राप्त होने पर 30 दिन के अंदर खाद्य सब्सिडी के नकद अंतरण के लिए इसे राशन कार्ड या बैंक खाते से जोड़ेगी।

● NFSA, 2013

➡ राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून जो 10 सितंबर, 2013 को अधिसूचित किया गया था, के तहत पात्र लोगों को प्रति व्यक्ति प्रतिमाह पांच किग्रा. अनाज (चावल/गेहूं/मोटे अनाज) क्रमशः 3, 2 तथा 1 रुपये प्रति किग्रा. की दर से उपलब्ध कराया जाता है।

सं. शिवशंकर कुमार तिवारी

सांख्यिकीय संग्रहण संशोधन विधेयक, 2017

● पृष्ठभूमि

7 जनवरी, 2009 को राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलने के बाद 'सांख्यिकीय संग्रहण अधिनियम, 2008' (The Collection of Statistics Act, 2008) 9 जनवरी, 2009 को भारत के राजपत्र में अधिसूचित किया गया था। एक अन्य अधिसूचना द्वारा इस अधिनियम को 11 जून, 2010 से लागू किया गया। इस अधिनियम के तहत नियमों को भी सांख्यिकीय संग्रहण नियमावली, 2011 के नाम से 16 मई, 2011 को अधिसूचित किया जा चुका है। इस अधिनियम का क्षेत्राधिकार (Jurisdiction), जम्मू-कश्मीर राज्य तक नहीं था।

● वर्तमान परिप्रेक्ष्य

15 फरवरी, 2017 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'सांख्यिकीय संग्रहण अधिनियम, 2008' की अधिकारिता में जम्मू-कश्मीर को भी शामिल करने के लिए इस अधिनियम में संशोधन को मंजूरी प्रदान की थी।

● विधेयक

20 मार्च, 2017 को सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री डी.वी. सदानंद गौड़ा ने लोक सभा में सांख्यिकीय संग्रहण संशोधन विधेयक, 2017 पेश किया। इसके माध्यम से सांख्यिकीय संग्रहण अधिनियम, 2008 में संशोधन किया जाना प्रस्तावित है।

● क्यों?

'सांख्यिकीय संग्रहण अधिनियम, 2008' के माध्यम से आर्थिक, भौगोलिक, सामाजिक, वैज्ञानिक और पर्यावरण से संबंधित आंकड़ों के संग्रह का विनियमन किया जाता है। यह कानून जम्मू-कश्मीर को छोड़ कर पूरे भारत में लागू है।

23 अक्टूबर, 2010 को जम्मू-कश्मीर की राज्य विधायिका द्वारा 'जम्मू-कश्मीर आंकड़ा संग्रहण अधिनियम, 2010' अधिनियमित किया गया। यह कानून केंद्रीय अधिनियम के ही समान था, परंतु, 'संविधान (जम्मू-कश्मीर में लागू) आदेश, 1954 के अनुसार, उपर्युक्त दोनों कानून, (जम्मू-कश्मीर में) भारतीय संविधान की अनुसूची-सात की संघीय सूची में आने वाले सांख्यिकीय/आंकड़ा संबंधित विषयों पर लागू नहीं होते। इसके अतिरिक्त 'सांख्यिकीय संग्रहण अधिनियम, 2008' में, भारत सरकार द्वारा समवर्ती क्षेत्राधिकार/अधिकारिता के प्रयोग का भी प्रावधान नहीं था। इस प्रकार जम्मू-कश्मीर के आंकड़ों के संग्रह के संबंध में भारत सरकार की अधिकारिता शून्य थी। इस शून्यता को भरने के लिए 'सांख्यिकीय संग्रहण अधिनियम, 2008' में संशोधन का निर्णय लिया गया।

● संशोधन के बिंदु

➡ संविधान (जम्मू-कश्मीर में लागू) आदेश, 1954 के अनुसार, राज्य के लिए गैर- आरक्षित मामलों के संबंध में 'सांख्यिकीय संग्रहण संशोधन विधेयक, 2017 के अधिकार क्षेत्र का जम्मू-कश्मीर राज्य तक विस्तार।

➡ प्रभावी ढंग से डाटा संग्रहण गतिविधियों में समन्वय स्थापित करने के लिए केंद्र एवं प्रत्येक राज्य/संघ शासित क्षेत्र में एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति का प्रावधान।

● निष्कर्ष

सरकार की सामाजिक-आर्थिक नीतियों तथा विकास कार्यक्रमों की समुचित निगरानी और मूल्यांकन के लिए बेहतर आंकड़ों की आवश्यकता होती है, ताकि नीति निर्माण की पारदर्शिता और जवाबदेही में सुधार लाने के अलावा बुनियादी सेवाओं की कारगर प्रदायगी सुनिश्चित की जा सके। इसी परिप्रेक्ष्य में पूरे देश से आंकड़ों के संग्रहण में आ रही समस्याओं के समाधान तथा आंकड़ा संग्रहण के संबंध में सांख्यिकीय संग्रहण अधिनियम, 2008 की अधिकारिता को जम्मू-कश्मीर तक विस्तारित करने हेतु संसद में सांख्यिकीय संग्रहण संशोधन विधेयक, 2017 को पेश किया गया है। इसके माध्यम से आंकड़ों के संग्रहण तंत्र को मजबूती मिलेगी।

सं. श्याम सुंदर यादव

मजदूरी संदाय (संशोधन) अधिनियम-2017

● **अधिनियम**

28 दिसंबर, 2016 को राष्ट्रपति द्वारा 'मजदूरी संदाय (संशोधन) अध्यादेश, 2016' प्रख्यापित किया गया था। इस अध्यादेश को प्रतिस्थापित करने हेतु 'मजदूरी संदाय (संशोधन) अधिनियम, 2017' [Payment of Wages (Amendment) Act, 2017] को राष्ट्रपति द्वारा 15 फरवरी, 2017 को स्वीकृति प्रदान की गई। यह अधिनियम 28 दिसंबर, 2016 से ही लागू हुआ समझा जाएगा।

● **पृष्ठभूमि**

8 नवंबर, 2016 को हुई नोटबंदी के बाद वैतनिक-कर्मचारियों के वेतन-भुगतान को सुविधाजनक बनाने के लिए श्रम एवं रोजगार मंत्री बंडारू दत्तात्रेय द्वारा 15 दिसंबर, 2016 को लोक सभा में पहली बार मजदूरी संदाय (संशोधन) विधेयक पेश किया गया था। लोक सभा के स्थगित हो जाने के कारण यह विधेयक पारित नहीं हो सका था। इस विधेयक के प्रावधानों को प्रवर्तित कराने हेतु राष्ट्रपति द्वारा अध्यादेश प्रख्यापित किया गया था।

● **पूर्व में मजदूरी भुगतान के प्रावधान**

मजदूरी संदाय अधिनियम, 1936 की धारा 6 के अनुसार, सभी प्रकार के वेतन को या तो प्राधिकृत सिक्कों या करेंसी नोटों या दोनों में चुकाए जाने का प्रावधान था, हालांकि कर्मचारी की लिखित अनुमति प्राप्त करने के बाद नियोक्ता, वेतन को चेक द्वारा या सीधे कर्मचारी के खाते में जमा कर सकता था।

● **वर्तमान परिप्रेक्ष्य**

अल्फ्रेड टेनिसन (Alfred Tennyson) की एक कविता की कुछ पंक्तियां इस प्रकार हैं—'The Old Order Changeth, Yielding place to new......' जिसका अर्थ है कि कोई पुराना एवं अच्छा प्रावधान समाज में विकृति उत्पन्न करे, इसके पूर्व ही उसे नए नियमों के द्वारा प्रतिस्थापित कर दिया जाना चाहिए।

अब तक मुख्यतः नकदी आधारित व्यवस्था पर चलने वाली भारतीय अर्थव्यवस्था में कालाधन एवं भ्रष्टाचार ने अपनी जड़ें जमा ली हैं। कर-चोरी, गैर-कानूनी तरीके से आय सृजन, न्यूनतम मजदूरी असंदाय या निर्धारित मजदूरी से कम संदाय की समस्याएं बढ़ने लगीं हैं। इन समस्याओं के बेहतर निवारण के लिए एवं पारदर्शी तरलता प्रवाह प्रणाली की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार द्वारा अर्थव्यवस्था के डिजिटलीकरण का प्रयास किया जा रहा है। इसी दिशा में प्रयास के रूप में मजदूरी संदाय (संशोधन) विधेयक, 2017 संसद द्वारा (7 फरवरी, 2017 को लोक सभा और 8 फरवरी, 2017 को राज्य सभा द्वारा) पारित किया गया।

● **मजदूरी संदाय (संशोधन) अधिनियम, 2017 के प्रावधान**

यह अधिनियम मजदूरी संदाय अधिनियम, 1936 की धारा 6 में संशोधन करते हुए कर्मचारियों के मजदूरी भुगतान के लिए निम्नलिखित तरीकों की अनुमति प्रदान करता है—

(1) प्राधिकृत सिक्कों या करेंसी नोटों में या

(2) चेक द्वारा या

(3) कर्मचारी के खाते में जमा करके।

यह अधिनियम इस शर्त को हटाता है कि वेतन का भुगतान चेक द्वारा करने या सीधे कर्मचारी के खाते में जमा करने के लिए

नियोक्ता को कर्मचारी की लिखित अनुमति प्राप्त करनी होगी। हालांकि संबंधित केंद्र या राज्य सरकार कुछ विशिष्ट औद्योगिक या अन्य प्रतिष्ठानों को यह निर्देश दे सकती है कि उनके नियोक्ताओं को अपने कर्मचारियों को केवल चेक द्वारा या कर्मचारी के बैंक खाते में जमा करके वेतन चुकाना होगा। आंध्र प्रदेश/तेलंगाना, उत्तराखंड, पंजाब, केरल और हरियाणा की राज्य सरकारों ने संबंधित राज्य कानूनों में संशोधन करके नियोजित व्यक्तियों को मजदूरी का भुगतान बैंकिंग प्रणाली के जरिए करने संबंधी उपबंध कर दिए हैं।

● अधिनियम से लाभ

यह भारतीय अर्थव्यवस्था के डिजिटलीकरण को प्रोत्साहित करता है। वर्तमान में नियोजित व्यक्तियों के एक बड़े हिस्से के पास अपना बैंक खाता है। चेक के माध्यम से मजदूरी का भुगतान होने या सीधे कर्मचारियों के बैंक खाते में वेतन जमा होने से विनियामक संस्थाओं द्वारा अर्थव्यवस्था के तरलता प्रवाह की बेहतर निगरानी की जा सकेगी।

कर-चोरी, न्यूनतम मजदूरी के असंदाय या उससे कम संदाय की शिकायतों का पारदर्शी एवं निष्पक्ष रूप से निवारण किया जा सकेगा।

● निष्कर्ष

बदलते सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य के अनुरूप कानूनों में बदलाव करना और सुधार लाना अत्यंत आवश्यक होता है। इसी परिप्रेक्ष्य में मजदूरी संदाय अधिनियम, 1936 में संशोधन किया गया है। पिछले कई वर्षों से इस संबंध में मजदूर संगठनों द्वारा मांग की जा रही थी। हालांकि अभी भी कुछ कामगारों का बैंक खाते नहीं होना तथा ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग व्यवस्था का सुदृढ़ न होना जैसी कुछ चुनौतियां हैं, जिन पर सरकार को विशेष ध्यान देना होगा।

सं. श्याम सुन्दर यादव

जलवायु परिवर्तन पर माराकेश सम्मेलन

● **कॉप-22**

➡ 7-18 नवंबर, 2016 के मध्य बाब इघली, माराकेश, मोरक्को में 'जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क अभिसमय' (UNF-CCC) के पक्षकारों के वार्षिक सम्मेलन के 22वें सत्र (CoP-22) का आयोजन हुआ।

➡ क्योटो प्रोटोकॉल के पक्षकारों की बैठक का 12वां सत्र (CMP-12) और पेरिस समझौते के पक्षकारों की बैठक का प्रथम सत्र (CMA-1) भी आयोजित हुआ।

- कॉप-22 की अध्यक्षता मोरक्को के विदेश मंत्री सलाहेद्दीन मेजोउर (Salaheddine Mezouar) ने की।
- कॉप-22 में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अनिल माधव दवे ने किया।
- कॉप-22 के आयोजन के दौरान ही 15 नवंबर, 2016 से 'अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन' (ISA) फ्रेमवर्क समझौते पर हस्ताक्षर प्रारंभ हुए।
- अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन एक विधिक निकाय (Legal Entity) है जो 15 देशों द्वारा इस फ्रेमवर्क समझौते का अनुसमर्थन (Ratify) किए जाने के बाद अस्तित्व में आ जाएगा।
- ISA एक संधि-आधारित अंतर-सरकारी संगठन होगा जिसका **मुख्यालय गुरुग्राम** में स्थित होगा।
- सम्मेलन में 'हमारी जलवायु और सतत विकास के लिए माराकेश कार्यवाही उद्घोषणा' जारी की गई।
- गौरतलब है कि 4 नवंबर, 2016 को पेरिस जलवायु समझौते के प्रभावी होने के पश्चात आयोजित होने वाला यह पहला सम्मेलन था।

➡ वर्ष 2017 में CoP-23/CMP-13/CMA 1.2 का आयोजन बॉन, जर्मनी में फिजी की अध्यक्षता में किया जाएगा।

● **आयोजन क्यों?**

जलवायु परिवर्तन की समस्या एक वैश्विक समस्या है। अनुत्तरदायी मानवीय गतिविधियों ने इस समस्या को विकराल बना दिया है। इस समस्या के निवारणार्थ सम्मेलनों की जो श्रृंखला स्टॉकहोम सम्मेलन, 1972 से आरंभ हुई थी वह पृथ्वी सम्मेलन, 1992 के आयोजन, क्योटो प्रोटोकॉल के निर्माण से होते हुए, आज पेरिस समझौते तक आ पहुंची है। इन्हीं पूर्ववर्ती प्रयासों को प्रगति देने हेतु माराकेश में इस सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में पेरिस समझौते के क्रियान्वयन हेतु ठोस नींव के निर्माण हेतु विचार विमर्श हुआ।

● **माराकेश सम्मेलन की महत्वपूर्ण उपलब्धियां**

विकासशील देशों द्वारा निर्धारित अभीष्ट राष्ट्रीय निर्धारित अंशदान (Intended Nationally Determined Contributions) को प्राप्त करने हेतु आवश्यक **वित्तीय सहायता** इस सम्मेलन की कार्यसूची के मुख्य विषयों में शामिल थी।

➡ जलवायु परिवर्तन के प्रति अतिसंवेदनशील, 40 देशों के मंच (Climate Vulnerable Forum) ने यह संकल्प लिया कि वर्ष 2050 तक वे अपनी **100 प्रतिशत ऊर्जा नवीकरणीय स्रोतों** से प्राप्त करेंगे। इन देशों में, बांग्लादेश, दक्षिणी सूडान तथा इथियोपिया जैसे देश भी शामिल हैं।

➡ 6 महाद्वीपों एवं 33 देशों में विस्तृत 167 उप-राष्ट्रीय सरकारों के समूह (जैसे- शहर, राज्य एवं प्रांत की सरकारें) ने **'अंडर-2 गठबंधन'** (UNDER 2 Coalition) नामक समूह बनाया है। इस समूह ने घोषणा की कि ये अपनी उत्सर्जन सीमा में (वर्ष 1990 के स्तर की तुलना में) 80-95 प्रतिशत की कटौती करेंगे।

- पुनः विकसित राष्ट्रों ने वर्ष 2020 तक 100

पेरिस समझौता

- इस समझौते के अनुसार, 21वीं सदी के औसत तापमान में, औद्योगीकरण के पूर्व के वैश्विक तापमान के स्तर की तुलना में, 2^oC से अधिक की वृद्धि नहीं होने दी जाएगी। इसके साथ ही सदस्यों द्वारा यह प्रयास किया जाएगा कि वैश्विक औसत तापमान में वृद्धि को 1.5^oC तक सीमित रखा जाए।
- उल्लेखनीय है कि पेरिस समझौता **4 नवंबर, 2016 से लागू** हो गया है।

बिलियन यू.एस. डॉलर एकत्रित करने के लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता दिखाई।

➲ उल्लेखनीय है कि वर्ष 2013 में जलवायु परिवर्तन से संबंधित नुकसान व क्षतिपूर्ति हेतु वॉरसा अंतरराष्ट्रीय क्रियाविधि (Warsaw International Mechanism) निर्धारित की गई थी। इस संबंध में पांच वर्षीय आवर्ती कार्य-योजना के ढांचे को इस सम्मेलन में स्वीकृति प्रदान की गई।

- **चुनौतियां**

अमेरिका द्वारा अपने राष्ट्रीय निर्धारित योगदान (Nationally Determined Contributions) पर कार्य करने से मना कर देने के पश्चात सम्मेलन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करना चुनौतीपूर्ण हो गया है। वहीं दूसरी ओर यूएनईपी उत्सर्जन अंतराल (UNEP Emission Gap), 2016 रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक तापन को रोकने हेतु पेरिस प्रतिबद्धता अपर्याप्त है।

- **निष्कर्ष**

जलवायु परिवर्तन पर माराकेश सम्मेलन, पेरिस समझौते के क्रियान्वयन हेतु आधार तय करेगा। अमेरिका के असहयोगात्मक रवैये के बावजूद इस सम्मेलन ने स्पष्ट संदेश दिया कि जलवायु परिवर्तन के प्रति विभिन्न राष्ट्रों का प्रयास अनवरत जारी रहेगा।

सं. गोपाल कृष्ण पाण्डेय

विजाग-चेन्नई औद्योगिक गलियारा

● **विजाग-चेन्नई औद्योगिक गलियारा (VCIC)**

➡ 800 किमी. लंबा विशाखापत्तनम (विजाग)-चेन्नई औद्योगिक गलियारा अपनी तटीय अवस्थिति एवं रणनीतिक पत्तनों की उपस्थिति के कारण न केवल निर्यात संवर्धन हेतु कई अंतरराष्ट्रीय गेटवे उपलब्ध करवाता है, बल्कि भारत के उत्पादों को दक्षिणी-पूर्वी एवं पूर्वी एशिया की वैश्विक मूल्य श्रृंखला से भी जोड़ता है। यह 2500 किमी. लंबे प्रस्तावित पूर्वी तटीय आर्थिक गलियारे (ECEC : East Coast Economic Corridor) का प्रथम चरण है। इस गलियारे के अंतर्गत चार इकोनॉमिक नोड्स (Economic Nodes)- विशाखापत्तनम (विजाग), काकीनाडा, गन्नावरम-कन्किपडु एवं श्रीकलाहस्ती-येरपेडु तथा 9 इंडस्ट्रियल कलस्टर्स (Industrial Clusters)– पिडीभीमावरम, भीमूनिपत्तनम, अत्चुतापुरम, नक्कापल्ली, काकीनाडा, गन्नावरम-कन्किपडु, श्रीकलाहस्ती-येरपेडु एवं श्रीसिटी का विकास किया जाएगा।

● **ऋण समझौता**

➡ 23 फरवरी, 2017 को भारत सरकार और एशियाई विकास बैंक के मध्य विशाखापत्तनम (विजाग)-चेन्नई औद्योगिक गलियारे के विकास हेतु 375 मिलियन डॉलर का ऋण एवं अनुदान समझौता किया गया। इस ऋण समझौते में 245 मिलियन डॉलर उच्चस्तरीय आंतरिक अवसंरचना के निर्माण हेतु, 125 मिलियन डॉलर गलियारे से संबंधित संस्थानों के क्षमता-विकास हेतु जबकि 5 मिलियन डॉलर की अनुदान राशि जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में लचीली आधार संरचना के विकास हेतु दी जाएगी।

➡ उल्लेखनीय है कि सितंबर, 2016 में एडीबी द्वारा इस गलियारे हेतु 631 मिलियन डॉलर के ऋण एवं अनुदान को मंजूरी प्रदान की गई थी। यह ऋण एवं अनुदान एडीबी द्वारा **लिबोर** (LIBOR) उधारी सुविधा के अंतर्गत प्रदान किए गए हैं। यह ऋण 25 वर्ष के लिए है, जिसमें 5 वर्ष की अतिरिक्त छूट शामिल है।

● **लिबोर उधारी सुविधा**

➡ एडीबी के अधिकांश नए ऋण लिबोर (LIBOR-London Interbank Offered Rate) उधारी सुविधा पर ही आधारित होते हैं। यह उधारी-सुविधा ऋण-प्राप्तकर्ताओं को निम्न सुविधाएं प्रदान करती हैं-

- ➲ ब्याज दर आधार एवं मुद्रा के चयन की स्वतंत्रता।
- ➲ उधारी-चुकता करने की शर्तों में विविधता।
- ➲ ऋण परिचालन अवधि के दौरान ही मूल ऋण की शर्तों में परिवर्तनीयता।

● **पूर्वी तटीय आर्थिक गलियारा**

➡ यह आर्थिक गलियारा भारत का पहला तटीय आर्थिक गलियारा है, जो कोलकाता को तूतीकोरिन से जोड़ता है। यह घरेलू बाजार का विस्तार, पत्तन-उन्मुख औद्योगीकरण, एक्ट ईस्ट पॉलिसी और घरेलू कंपनियों को दक्षिणी-पूर्वी एवं पूर्वी एशिया की वैश्विक मूल्य श्रृंखला (GVC) में शामिल कराने जैसे राष्ट्रीय उद्देश्यों का संरेखण करता है।

- ➲ ईसीईसी का मुख्य उद्देश्य पूर्वी तटीय राज्यों में व्यापार-वाणिज्य एवं उद्योग के विकास हेतु प्रतिस्पर्धी माहौल का सृजन करना है, ताकि उत्पादन एवं रोजगार के सृजन के द्वारा जनांकिकीय लाभांश का लाभ उठाया जा सके।

➡ पूर्वी तट पर तीन पत्तन समूह उभर रहे हैं, जो गलियारे के लिए विश्वस्तरीय पत्तन-सुविधा प्रदान करते हैं–

(1) **ऊपरी पूर्वी तट :** कोलकाता, हल्दिया, धामरा, एवं प्रस्तावित 'सागर' (उच्च-सागरीय) पत्तन।

(2) **मध्य पूर्वी तट :** विशाखापत्तनम, गंगावरम एवं काकीनाडा।

(3) **निचला पूर्वी तट :** कृष्णपत्तनम, कटुपल्ली,

इकोनॉमिक नोड्स (Economic Nodes)

आर्थिक गांठ नियोजित विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) एवं औद्योगिक पार्कों का समन्वित समूह है, जहां उपभोक्ताओं एवं उत्पादकों को प्रतिस्पर्धी बाजार उपलब्ध कराया जाता है।

इंडस्ट्रियल कलस्टर्स (Industrial Clusters)

औद्योगिक गुच्छ ऐसे भौगोलिक क्षेत्र हैं, जहां विशिष्ट उद्योगों का पोषण किया जाता है, क्योंकि ये क्षेत्र इन विशिष्ट उद्योगों के उत्पादन में दक्ष होते हैं।

औद्योगिक गलियारा (Industrial Corridor)

औद्योगिक गलियारा एक विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र के लिए औद्योगीकरण के अनुरूप आवंटित बुनियादी ढांचे का पैकेज है। इसमें सुगम भूमि अधिग्रहण, कच्चे माल की आपूर्ति, आसान ऋण शर्तें, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, सस्ता श्रम आदि की उपलब्धता सुनिश्चित की जाती है। इसका उद्देश्य औद्योगिक उत्पादन को बढ़ावा देना है।

आर्थिक गलियारा (Economic Corridor)

आर्थिक गलियारा एक व्यापक संकल्पना है। यह एक भौगोलिक क्षेत्र के भीतर अवसंरचना का समन्वित नेटवर्क है जो आर्थिक विकास को प्रेरित करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसके अंतर्गत उच्च उत्पादन हेतु आवश्यक अवसंरचना का निर्माण कर उत्पादों को प्रतिस्पर्धी बाजार तक पहुंचाने के लिए परिवहन सुविधा तथा उच्च स्तर की सामाजिक संरचना का विकास किया जाता है।

आर्थिक गलियारे की संरचना

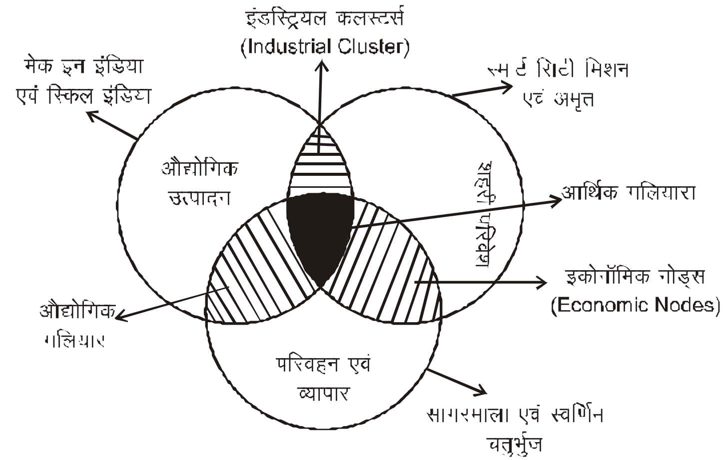

चेन्नई, तूतीकोरिन एवं नियोजित दुर्गा-राजपत्तनम पत्तन।

● **महत्व**

भारत, क्रय-शक्ति समता के आधार पर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के बावजूद मानव विकास सूचको के संदर्भ में काफी पीछे है। इसका प्रमुख कारण विकास का अत्यधिक केंद्रीकरण है। वर्तमान में भारत अपने आर्थिक विकास को जनोन्मुख बनाने के लिए विनिर्माण एवं पत्तन-आधारित औद्योगीकरण को बढ़ावा दे रहा है।

ऐसे में आर्थिक गलियारा विकास हेतु एक बेहतर रणनीति है। इस रणनीति के माध्यम से न केवल आंतरिक विकास को प्रोत्साहन दिया जा सकता है अपितु अंतरराष्ट्रीय आर्थिक निहितार्थों को भी साधा जा सकता है।

तेजस्विनी : किशोरियों एवं युवा महिलाओं के सशक्तीकरण हेतु परियोजना

झारखंड में किशोरियों एवं युवा महिलाओं को शिक्षा, प्रशिक्षण एवं रोजगार के क्षेत्र में विविध अवरोधों का सामना करना पड़ता है, जिसके परिणामस्वरूप राज्य में 15-24 वर्ष आयु समूह की आधे से अधिक युवा महिलाएं न तो शिक्षा के और न ही रोजगार या प्रशिक्षण के क्षेत्र में संलग्न हैं। कौशल विकास के माध्यम से इन किशोरियों एवं महिलाओं का सशक्तीकरण कर उन्हें शिक्षा, प्रशिक्षण एवं रोजगार प्राप्त करने में मदद करने हेतु झारखंड सरकार द्वारा तेजस्विनी परियोजना आरंभ की गई है।

झारखण्ड सरकार

➡ 23 फरवरी, 2017 को नई दिल्ली में भारत सरकार, झारखंड सरकार तथा विश्व बैंक के मध्य तेजस्विनी परियोजना हेतु 63 मिलियन डॉलर के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

- उल्लेखनीय है कि तेजस्विनी 'किशोरियों एवं युवा महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक सशक्तीकरण' (Socio-Economic Empowerment of Adolescent Girls & Young Women) हेतु झारखंड सरकार द्वारा प्रारंभ की गई परियोजना है।
- यह परियोजना 14-24 वर्ष आयु समूह की किशोरियों एवं युवा महिलाओं को उनकी माध्यमिक स्तरीय शिक्षा पूर्ण करने तथा रोजगार हेतु प्रासंगिक कौशल प्राप्त करने में मदद करेगी।
- इस परियोजना की कुल लागत 90 मिलियन डॉलर है।

➡ यह भारत में विश्व बैंक समर्थित **पहली ऐसी परियोजना** है जो पूरी तरह झारखंड की किशोरियों एवं युवा महिलाओं के सामाजिक, शैक्षिक एवं आर्थिक सशक्तीकरण पर केंद्रित है।

➡ यह परियोजना झारखंड के 17 जिलों में कार्यान्वित की जाएगी।

- जबकि झारखंड के शेष 7 जिलों में पहले से ही 'सबला योजना' (SABLA Scheme) लागू है जो किशोरियों के सशक्तीकरण हेतु केंद्र सरकार की एक अन्य योजना है।

➡ परियोजना से झारखंड के इन 17 जिलों की लगभग 6,80,000 किशोरियों एवं युवा महिलाओं के लाभान्वित होने की संभावना है।

- इन 17 जिलों में 14-24 वर्ष आयु समूह की लगभग 21 लाख किशोरियां एवं युवा महिलाएं हैं, जिसमें से 13 प्रतिशत अनुसूचित जाति तथा 25 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति से संबंधित हैं।

➡ तेजस्विनी परियोजना के तीन मुख्य घटक हैं:–

(i) सामाजिक, शैक्षिक एवं आर्थिक अवसरों का विस्तार

(ii) तीव्र सेवा आपूर्ति

(iii) राज्य क्षमता-निर्माण एवं कार्यान्वयन सहयोग।

तेजस्विनी परियोजना की कार्यान्वयन संरचना		
चरण	**कुल जिले**	**जिलों के नाम**
चरण-I (2016-17)	4	रामगढ़, दुमका, चतरा और खूंटी
चरण-II (2017-18)	9 (अतिरिक्त 5)	देवघर, बोकारो, धनबाद, पलामू एवं गोड्डा
चरण-III (2018-19)	17 (अतिरिक्त 8)	लातेहार, कोडरमा, जामताड़ा, लोहरदगा, सरायकेला -खरसवां, सिमडेगा, पूर्वी सिंहभूम एवं पाकुड़

डिजिटल इंडिया पुरस्कार, 2016

डिजिटल इंडिया भारत सरकार की एक पहल है जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बिना कागज के प्रयोग के सरकारी सेवाएं इलेक्ट्रॉनिक रूप से जनता तक पहुंच सकें। भारत सरकार ने अपने विज़न 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन' को ध्यान में रखते हुए डिजिटल इंडिया पहल की शुरुआत की है। इस पहल के अंतर्गत ही विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों को उनके द्वारा नवीन ई-शासन पहलों को प्रोत्साहित करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा डिजिटल इंडिया पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।

➡ वर्ष 2016 के 'डिजिटल इंडिया पुरस्कार' 19 दिसंबर, 2016 को वितरित किए गए।

➡ वर्ष 2016 के 'डिजिटल इंडिया पुरस्कार' के तहत निम्न 8 श्रेणियों में प्लेटिनम, गोल्ड तथा सिल्वर पदक प्रदान किए गए-

i. **वेब रत्न - मंत्रालय/विभाग**
   प्लेटिनम - मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   गोल्ड - स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
   सिल्वर - विदेश मंत्रालय

ii. **वेब रत्न - राज्य/केंद्र शासित राज्य सरकार**
   प्लेटिनम - राजस्थान
   स्वर्ण - तमिलनाडु
   रजत - हरियाणा

iii. **वेब रत्न-जिला**
   प्लेटिनम - उत्तरी गोवा, कलेक्ट्रेट वेबसाइट
   स्वर्ण - कुपवाड़ा जिला, जम्मू-कश्मीर की ई-गवर्नेंस अनुकूल वेबसाइट व पहल
   रजत - जिला प्रशासन ऊधमसिंह नगर वेबसाइट, उत्तराखंड

iv. **ओपन डाटा चैंपियन**
   प्लेटिनम - भारत का महापंजीयक कार्यालय
   स्वर्ण - स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय
   रजत - राज्य सभा तथा राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो

v. **सर्वोत्तम मोबाइल ऐप**
   प्लेटिनम - सिटिजन कॉप मोबाइल ऐप, छत्तीसगढ़
   स्वर्ण - मिड डे मील मोबाइल ऐप, हिमाचल प्रदेश
   रजत - 'गर्व' (GARV)- ग्रामीण विद्युतीकरण ऐप, ऊर्जा मंत्रालय

vi. **अनुकरणीय ऑनलाइन सेवा**
   प्लेटिनम - 'व्यास' (VYAS)–वर्नीज याकर ऑटोमेशन सिस्टम, वाणिज्य कर विभाग, उत्तर प्रदेश
   स्वर्ण - ई-परमिट, वाणिज्य कर विभाग, गुजरात
   रजत - वन स्टॉप क्लियरेंस सिस्टम, पंजाब ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रमोशन

vii. **स्थानीय निकाय द्वारा उत्कृष्ट डिजिटल पहल**
   प्लेटिनम - सूरत नगर निगम
   स्वर्ण - ग्रेटर विशाखापत्तनम नगर निगम
   रजत - वेब और मोबाइल आधारित एकीकृत शिकायत संलेखन (Logging) और समाधान ट्रैकिंग प्रणाली, मदुरै निगम

ज्यूरी च्वॉइस - ई-नगर सेवा उ.प्र.

viii.सर्वाधिक अभिनव नागरिक वचनबद्धता

प्लेटिनम - माई जीओवी (MyGov.)

स्वर्ण - प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के लिए ऑनलाइन प्रबंधन, निगरानी और लेखा प्रणाली (OMMAS)

रजत - कोयंबटूर शहर नगर निगम

ज्यूरी च्वॉइस - सिंहस्थ कुंभ, उज्जैन की सूचना प्रौद्योगिकी पहलें

➡ उल्लेखनीय है कि डिजिटल इंडिया पुरस्कारों को पहले वेब रत्न पुरस्कार के नाम से जाना जाता था।

➲ इन पुरस्कारों की स्थापना 'भारत के राष्ट्रीय पोर्टल' (National Portal of India) की परिधि के तहत की गई है।

तमिलनाडु : मनरेगा कार्य दिवस में वृद्धि

देश के ग्रामीण क्षेत्रों में परिवारों की आजीविका सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु 'राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, 2005' के तहत राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना का शुभारंभ आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले से 2 फरवरी, 2006 को किया गया था। 2 अक्टूबर, 2009 को नरेगा का नाम परिवर्तित कर 'मनरेगा' (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना) कर दिया गया। इस योजना के तहत प्रत्येक ग्रामीण परिवार के अकुशल श्रम करने के इच्छुक वयस्क सदस्य को प्रत्येक वित्तीय वर्ष में न्यूनतम 100 दिनों के रोजगार की गारंटी दी जाती है। हाल ही में तमिलनाडु राज्य में मनरेगा के तहत कार्य दिवस में वृद्धि की गई है।

➡ हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा तमिलनाडु राज्य में मनरेगा के तहत कार्य दिवसों में वृद्धि कर उसे 100 से बढ़ाकर 150 कार्य दिवस किए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई।

➡ राज्य में सूखे की स्थिति को देखते हुए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के. पलानीस्वामी द्वारा केंद्र सरकार से ऐसा अनुरोध किया गया था।

➲ इस निर्णय से तमिलनाडु के लगभग 1.23 करोड़ मजदूर लाभान्वित होंगे।

➡ वित्त वर्ष 2016-17 के दौरान राज्य में 33.43 करोड़ कार्य दिवसों का सृजन किया गया तथा 4655 करोड़ रुपये कर्मकारों को वेतन के रूप में प्रदान किए गए।

➲ उपर्युक्त निर्णय से तमिलनाडु राज्य में कार्य दिवसों की संख्या में 3 करोड़ की वृद्धि होगी।

➲ प्रतिदिन रोजगार प्राप्त करने वाले कर्मकारों की संख्या 12 लाख से बढ़कर 18 लाख होने की संभावना है।

➡ उल्लेखनीय है कि तमिलनाडु के सभी 32 जिले वर्तमान में सूखे से प्रभावित हैं।

➡ इससे पूर्व वर्ष 2014 में जंगली क्षेत्रों में अनुसूचित जनजातियों के लिए मनरेगा के तहत 50 कार्य दिवसों की वृद्धि की गई थी।

बिहार नव गंगा सेतु परियोजना

बिहार राज्य के उत्तरी एवं दक्षिणी भाग के मध्य परिवहन संपर्क में सुधार लाने की आवश्यकता को देखते हुए 'बिहार नव गंगा सेतु परियोजना' के तहत एक नए सेतु का निर्माण किया जा रहा है जो उत्तर में वैशाली जिले के बिदुपुर को दक्षिण में पटना के कच्ची दरगाह नामक स्थान से जोड़ेगा। साथ ही यह राघोपुर दियारा नदी द्वीप के लगभग 2.5 लाख निवासियों की परिवहन की समस्या का भी स्थायी हल होगा। इस सेतु का निर्माण कार्य 31 जनवरी, 2016 से प्रारंभ किया गया है।

➡ इस नए सेतु की लंबाई लगभग 9.8 किमी. होगी।

- यह भारत में स्थित सबसे लंबा नदी सेतु (Longest river bridge) होगा।
- वर्तमान में बिहार में गंगा नदी पर स्थित महात्मा गांधी सेतु (5.75 किमी.) भारत का सबसे लंबा नदी सेतु है।
- यह पुल छः लेन वाला होगा।
- परियोजना के अंतर्गत 9.8 किमी. सेतु सहित 22 किमी. सड़क मार्ग आदि का निर्माण किया जाएगा।
- परियोजना की कुल लागत 715 मिलियन डॉलर है। इसमें से 500 मिलियन डॉलर एशियाई विकास बैंक, ऋण के माध्यम से उपलब्ध कराएगा, जबकि 215 मिलियन डॉलर बिहार सरकार उपलब्ध कराएगी।

➡ भारत सरकार ने एशियाई विकास बैंक के साथ ऋण संबंधी दस्तावेज पर 15 नवंबर, 2016 को हस्ताक्षर किए।

- समझौते के तहत ऋण के अलावा सेतु के संचालन और प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए 9 लाख डॉलर की तकनीकी सहायता भी प्रदान की जाएगी।

➡ सेतु का निर्माण भारत की कंपनी लार्सन एंड टूब्रो (L&T) द्वारा अपने संयुक्त उद्यम साझेदार दक्षिण कोरिया की डेवू इंजीनियरिंग (Daewoo Engineering) के साथ किया जाएगा।

- निर्माण हेतु जारी निविदा के लिए इन्होंने सबसे कम बोली (3115 करोड़ रु.) लगाई।
- परियोजना को चार वर्षों में (दिसंबर, 2020 तक) पूरा करने का लक्ष्य है।

➡ वर्ष 2012 के आंकड़ों के अनुसार, बिहार राज्य के दक्षिणी जिलों में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद उत्तरी जिलों की अपेक्षा 40 प्रतिशत अधिक था।

- इसके अलावा राज्य के 10 समृद्धतम जिलों में से 7 दक्षिणी जिले हैं और 10 निर्धनतम जिलों में से 7 उत्तरी जिले हैं।
- अतः इस सेतु के बन जाने से विकास असंतुलन व क्षेत्रीय असमानता को दूर करने में मदद मिलेगी।
- इस पुल के माध्यम से पड़ोसी देश नेपाल तक सड़क संपर्क आसान हो जाएगा।
- कुल मिलाकर लगभग 9 लाख लोग इससे लाभान्वित होंगे और समग्र रूप से यह बेहतर संपर्क सुविधा उपलब्ध कराकर शिक्षा, चिकित्सा, व्यापार और पर्यटन पर सकारात्मक असर डालेगा।
- उल्लेखनीय है कि पूर्वोत्तर भारत में ब्रह्मपुत्र नदी पर 9.15 किमी. लंबे ढोला-सदिया सेतु का निर्माण किया जा रहा है, जिसके वर्ष 2017 के मध्य में पूर्ण होने की संभावना है।

राजस्थान : राहत चिकित्सा कार्यक्रम

भारतीय जनसंख्या का एक बड़ा भाग गंभीर बीमारी से नहीं बल्कि त्वरित चिकित्सा की अनुपलब्धता से काल का ग्रास बनता है। इस तरह की चिकित्सीय अनुपलब्धता को कम करने का प्रयास राजस्थान के जयपुर स्थित एक निजी चिकित्सा संस्थान ने किया है, जिसका नाम 'एटरनल हार्ट केयर सेंटर' (Eternal Heart Care Center) है।

Rajasthan Heart Attack Treatment Programme

➡ एटरनल हार्ट केयर सेंटर द्वारा चलाए गए कार्यक्रम का नाम राहत (RAHAT-Rajasthan Heart Attack Treatment Programme) है।

➡ इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे द्वारा 25 फरवरी, 2017 को किया गया।

- 'राहत' एक टेलीमेडिसिन कार्यक्रम (दूर

चिकित्सा) है' जिसके तहत राजधानी जयपुर के 100 किलोमीटर के दायरे में हार्ट अटैक के मरीजों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

- ➲ इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं दूर-दराज के क्षेत्रों में हार्ट अटैक के मरीजों को अतिशीघ्र चिकित्सा उपलब्ध कराना है।
- ➲ मरीज को एम्बुलेंस से नजदीकी अस्पताल तक ले जाते समय जो भी उपचार दिया जाएगा वह टेलीकंसल्टेशन के जरिए विशेषज्ञों के साथ साझा किया जाएगा।
- ➲ इससे पहले भी राजस्थान में स्वास्थ्य संबंधी कुछ परियोजनाएं शुरू की गईं, जिसमें 'आरोग्य राजस्थान' एवं 'भामाशाह स्वास्थ्य बीमा योजना' शामिल हैं।
- ➲ निष्कर्षत: राजस्थान के निजी चिकित्सा संस्थान ने जिस तरह का प्रयास हार्ट अटैक के मरीजों के लिए किया है, वह प्रशंसनीय है। अगर इसी प्रकार से भारत के और भी राज्य इस तरह की राहत परियोजनाओं को लागू करें, तो भारत के एक बड़े क्षेत्र में हार्ट अटैक से मरने वालों की संख्या में कमी आएगी।

यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम, 2017

युवा-पीढ़ी किसी भी देश के विकास का सशक्त आधार होती है, परंतु युवा शक्ति को सकारात्मकता की ओर मोड़ना भी एक चुनौती है। इसी को ध्यान में रखते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 1985 को 'अंतरराष्ट्रीय युवा वर्ष 'घोषित किया गया था। इसके अलावा 12 अगस्त, 2010 से 11 अगस्त, 2011 तक अंतरराष्ट्रीय युवा वर्ष के रूप में मनाया गया। भारत को भी युवाओं का देश कहा जाता है। यहां 35 वर्ष तक की आयु के लगभग 65 करोड़ युवा हैं। इन युवाओं में सामुदायिक सेवा और मजबूत सामाजिक मूल्यों की भावना के विकास हेतु हाल ही में भारत सरकार द्वारा 'यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम, 2017' आयोजित किया गया है।

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
Department of
Youth Affairs

➡ 23 फरवरी, 2017 को केंद्रीय युवा मामले और खेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) विजय गोयल ने नई दिल्ली में नेहरू युवा केंद्र संगठन के अंतर्गत 9वें जनजातीय यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम (9th Tribal Youth Exchange Programme) का उद्‌घाटन किया।

- ➲ इस कार्यक्रम के आयोजन में भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने सहयोग प्रदान किया।

➡ इस एक्सचेंज प्रोग्राम के अंतर्गत झारखंड और छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्रों के युवाओं ने राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया और यहां की संस्कृति और जीवन-शैली के बारे में जानकारी प्राप्त की।

➡ इस कार्यक्रम के मुख्य लक्ष्य निम्न हैं–

(i) युवाओं को सशक्त बनाना और भारत को एक वैश्विक ताकत प्रदान करना।

(ii) युवाओं में सामुदायिक सेवा और मजबूत सामाजिक मूल्यों की भावना का विकास करना।

(iii) शिक्षा के क्षेत्र में एक उपयोगी कार्यबल, बेहतर रोजगार के लिए कौशल विकास और उद्यमिता प्रशिक्षण पर बल।

➡ जनजातीय युवा विनिमय कार्यक्रम 10 स्थानों यथा- हैदराबाद, जयपुर, दिल्ली, बंगलुरू, वडोदरा, पुणे, चेन्नई, जम्मू, लखनऊ एवं शिमला में आयोजित किए गए।

➡ ज्ञातव्य हो कि नेहरू युवा केंद्र संगठन पहले भी 8 राज्यों में सफल यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम का आयोजन कर चुका है।

➡ ध्यातव्य है कि वर्तमान में स्वच्छ भारत अभियान से लेकर स्टॉर्ट-अप-इंडिया तक, सरकार की अनेक ऐसी पहलें हैं, जिनसे युवा लाभान्वित हो रहे हैं।

जम्मू एवं कश्मीर : विवाह में अपव्यय पर प्रतिबंध

परिवार के मूल के रूप में 'विवाह', समाज की एक महत्वपूर्ण प्रथा है, जिसे मानव जाति के सातत्य को बनाए रखने का मुख्य साधन माना जाता है। प्राचीन ग्रंथों में 'विवाह' को लेकर चाहे जितने आदर्श वचन कहे गए हों, लेकिन वर्तमान में यह आर्थिक शक्ति के प्रदर्शन का जरिया बन गया है। संभवतः सामंती दौर में इसने ऐसा रूप ग्रहण किया होगा। फिलहाल 'विवाह' एवं अन्य समारोहों से जुड़ी तमाम चीजों पर बेतहाशा खर्च बढ़ता जा रहा है। हाल ही में इस प्रवृत्ति पर रोक लगाने हेतु जम्मू एवं कश्मीर सरकार द्वारा आदेश जारी किया गया।

Government of Jammu & Kashmir

➡ 20 फरवरी, 2017 को जम्मू एवं कश्मीर सरकार के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा सामाजिक/सरकारी/निजी समारोहों में अनिवार्य सामग्री के विवेकहीन उपयोग एवं असाधारण व्यय पर प्रतिबंध लगाने हेतु आदेश जारी किया गया।

➡ सरकार द्वारा जारी आदेश में शामिल प्रमुख बिंदु हैं–

(i) किसी व्यक्ति द्वारा रिश्तेदारों, मित्रों, अतिथियों, आमंत्रितों आदि को निमंत्रण कार्ड के साथ मेवे/मिठाई के पैकेट आदि भेजने पर पूर्ण प्रतिबंध होगा।

(ii) किसी भी सरकारी या निजी सामाजिक समारोह में ऐसे एम्प्लिफायर/लाउडस्पीकर/पटाखों के प्रयोग पर पूर्ण प्रतिबंध होगा, जो मनुष्य की श्रवण क्षमता से अधिक आवाज करते हैं।

(iii) पुत्री के विवाह में आमंत्रित किए जाने वाले मेहमानों की संख्या अधिकतम 500, पुत्र के विवाह में अधिकतम 400 और छोटे समारोहों जैसे पुत्र-पुत्री की सगाई और अन्य छोटे समारोहों में मेहमानों की अधिकतम संख्या 100 तक सीमित होनी चाहिए।

(iv) ऐसे समारोहों में पकाए जाने वाले शाकाहारी/गैर-शाकाहारी व्यंजनों की संख्या 7 तक तथा मिठाई अथवा फलों को दो स्टॉलों तक सीमित होना चाहिए।

(v) यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि ऐसे समारोहों के दौरान पकाए हुए या न पकाए हुए खाद्य पदार्थों का किसी भी तरह से अपव्यय न हो। यहां तक कि अगर कुछ अतिरिक्त खाद्य पदार्थ (पकाए हुए) हैं, तो उसे कूड़ेदान में न फेंककर उसे संरक्षित/पैकेजिंग करके जरूरतमंद लोगों/वृद्धाश्रमों में उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

(vi) खुले मैदान में कोई भी प्लास्टिक/गैर-अपघटित पदार्थ फेंकने की बजाए उन्हें अलग-अलग कूड़ेदान में एकत्र किया जाएगा तथा मेजबान/आयोजक द्वारा उसका सही तरीके से निपटान किया जाएगा।

➡ जम्मू एवं कश्मीर सरकार द्वारा जारी यह आदेश 1 अप्रैल, 2017 से प्रभावी हो गया।

➡ ध्यातव्य है कि वर्ष 2004 में जम्मू एवं कश्मीर उच्च न्यायालय द्वारा राज्य सरकार के मेहमान नियंत्रण आदेश (Guest Control Order) पर रोक लगा दी गई थी।

➡ उल्लेखनीय है कि इसी तर्ज पर हाल ही में कांग्रेस सांसद रंजीत रंजन द्वारा विवाह (अनिवार्य पंजीकरण और फिजूलखर्च रोकथाम) विधेयक, 2016 [The Marriages (Compulsory Registration & Prevention of Wasteful Expenditure) Bill, 2016] को लोक सभा में पेश किया गया है।

पुर्तगाल के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा

भारत और पुर्तगाल के मध्य राजनयिक संबंधों की स्थापना वर्ष 1949 में हुई थी। हालांकि वर्ष 1950 के बाद पुर्तगाल द्वारा भारत के पश्चिमी तट पर गोवा, दमन एवं दीव और दादरा एवं नगर हवेली के अपने अधिकार वाले अंतःक्षेत्रों (Enclaves) को छोड़ने से मना करने के पश्चात दोनों देशों के मध्य संबंध तनावपूर्ण हो गए। वर्ष 1955 तक दोनों देशों के राजनयिक संबंध पूर्णतः समाप्त हो गए। दिसंबर, 1974 में नई दिल्ली में एक संधि पर हस्ताक्षर होने के पश्चात दोनों देशों के मध्य नए राजनयिक संबंधों की शुरुआत हुई।

➡ भारतीय प्रधानमंत्री के निमंत्रण पर पुर्तगाल के प्रधानमंत्री एंटोनियो कोस्टा 7-12 जनवरी, 2017 के दौरान भारत की राजकीय यात्रा पर रहे।

➡ पुर्तगाली प्रधानमंत्री बंगलुरू में आयोजित 14वें प्रवासी दिवस समागम (7-9 जनवरी, 2017) में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

- ➲ उन्होंने 10 जनवरी, 2017 को गांधीनगर में आयोजित 'वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट' में भी भाग लिया।
- ➲ पीआईओ (Person of Indian Origin : PIO) कार्डधारक कोस्टा भारतीय मूल के हैं और उन्होंने 11-12 जनवरी, 2017 के मध्य गोवा की यात्रा भी की।

➡ 7 जनवरी, 2017 को दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच आधिकारिक वार्ता संपन्न हुई।

- ➲ दोनों नेताओं द्वारा क्षेत्र-विशेष में व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त आर्थिक कमेटी के चौथे दौर की बैठक 11-12 अप्रैल, 2017 के बीच लिस्बन (पुर्तगाल) में आयोजित करने का निर्णय लिया गया।
- ➲ इसके अतिरिक्त नई अनुसंधान परियोजनाओं एवं कार्यक्रमों को संयुक्त रूप से क्रियान्वित करने के लिए संयुक्त विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कमेटी के पांचवें दौर की बैठक का आयोजन भी 13-14 मार्च, 2017 को पुर्तगाल में किया गया।

➡ दोनों प्रधानमंत्रियों की उपस्थिति में निम्नलिखित सात समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए–

(1) सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में समझौता-ज्ञापन।
(2) कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में समझौता-ज्ञापन।
(3) अक्षय-ऊर्जा पर समझौता-ज्ञापन।
(4) समुद्री अनुसंधान और संसाधनों पर समझौता-ज्ञापन।
(5) रक्षा पर समझौता-ज्ञापन।
(6) लिस्बन विश्वविद्यालय में भारतीय अध्ययन के एक भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद की एक पीठ की स्थापना पर समझौता-ज्ञापन।
(7) राजनयिक पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा छूट पर करार।

➡ इसके अतिरिक्त भारत के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय तथा पुर्तगाल के संस्कृति मंत्रालय द्वारा फिल्म क्षेत्र में संयुक्त-उत्पादन पर समझौते को अंतिम रूप देने के लिए सहमति व्यक्त की गई।

➡ ज्ञातव्य है कि पीआईओ कार्ड अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, चीन, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका के नागरिकों को छोड़कर, ऐसे व्यक्तियों को जारी किया जाता है, जो भारतीय मूल के हों।

- ➲ पीआईओ कार्ड स्कीम वर्ष 1999 में शुरू की गई थी, जिसे वर्ष 2002 में संशोधित किया गया था।
- ➲ 9 जनवरी, 2015 में इस स्कीम का 'प्रवासी भारतीय नागरिक' (Overseas Citizen of India) कार्ड योजना में विलय कर दिया गया।

विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट, 2017

*जुलाई, 2011 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने एक ऐतिहासिक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें सदस्य देशों को अपने नागरिकों की प्रसन्नता के स्तर को मापने तथा इसके परिणामों का उपयोग लोक-नीतियों के निर्माण में करने हेतु निर्देशित किया गया था। इस प्रस्ताव के अनुपालन में अप्रैल, 2012 में भूटान के तत्कालीन प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में 'प्रसन्नता एवं अच्छे रहन-सहन' (Happiness & Well-Being) विषय पर संयुक्त राष्ट्र उच्चस्तरीय सम्मेलन आहूत किया गया था। इस सम्मेलन से प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 2012 में पहली बार 'विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट' (World Happiness Report) जारी की गई। हाल ही में इस रिपोर्ट का **पांचवां संस्करण** जारी किया गया, जिसके महत्वपूर्ण बिंदु निम्नवत हैं:-*

➡ संयुक्त राष्ट्र महासभा के नेतृत्व में 'संयुक्त राष्ट्र निर्वहनीय विकास समाधान नेटवर्क' (UN Sustainable Development Solutions Network-SDSN) द्वारा 'अंतरराष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस' के अवसर पर 20 मार्च, 2017 को न्यूयॉर्क में पांचवीं 'विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट, 2017' जारी की गई।

- इस रिपोर्ट में 155 देशों को उनकी प्रसन्नता के स्तर के अनुसार, रैंकिंग प्रदान की गई है।
- रैंकिंग के अतिरिक्त इस वर्ष की रिपोर्ट में कार्यस्थल पर प्रसन्नता के स्तर का विश्लेषण भी प्रस्तुत किया गया है जिससे प्रसन्नता को प्रभावित करने में रोजगार एवं बेरोजगारी की भूमिका को समझा जा सके।

➡ इस रिपोर्ट में **155 देशों** को प्रदत्त रैंकिंग वर्ष 2014-2016 के दौरान इन देशों में हुए सर्वेक्षण पर आधारित है। रैंकिंग देशों को प्राप्त 0-8 अंकों के आधार पर प्रदान की गई है।

➡ वर्ष 2017 की रिपोर्ट के अनुसार, डेनमार्क को पीछे छोड़ते हुए **नॉर्वे** विश्व के सर्वाधिक प्रसन्न देशों की सूची में **पहले स्थान पर** (7.537 अंक) पहुंच गया है।

- उल्लेखनीय है कि इस रिपोर्ट के पिछले चार संस्करणों में से तीन बार डेनमार्क को विश्व का सर्वाधिक प्रसन्न देश घोषित किया गया था और पिछले वर्ष भी वह रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर था।
- तेल कीमतों में हालिया गिरावट के बावजूद, तेल समृद्ध देश नॉर्वे को रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल हुआ है जिससे यह स्पष्ट होता है कि प्रसन्नता केवल आय पर ही निर्भर न होकर अन्य साधनों से भी प्रभावित होती है।

➡ रिपोर्ट में विश्व के शीर्ष 10 प्रसन्न देशों में नॉर्वे के बाद क्रमागत रूप से डेनमार्क, आइसलैंड, स्विट्जरलैंड, फिनलैंड, नीदरलैंड्स, कनाडा, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया एवं स्वीडन शामिल हैं।

- ➲ उल्लेखनीय है कि शीर्ष 10 देशों में कोई भी एशियाई देश शामिल नहीं है।
- ➲ गत वर्ष की तुलना में संयुक्त राज्य अमेरिका की रैंकिंग में एक स्थान की गिरावट दर्ज की गई है और वह 14वें स्थान पर है।

➡ भारत के दृष्टिकोण से यह रिपोर्ट संतोषजनक नहीं कही जा सकती, क्योंकि रैंकिंग में भारत पिछले वर्ष (118वें स्थान) की तुलना में चार स्थानों की गिरावट के साथ 122वें स्थान (4.315 अंक) पर आ गया है।

➡ विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट, 2017 में भारत के अतिरिक्त सार्क के शेष देशों की स्थिति है:— अफगानिस्तान (141वां स्थान), बांग्लादेश (110वां स्थान), भूटान (97वां स्थान), नेपाल (99वां स्थान), पाकिस्तान (80वां स्थान) तथा श्रीलंका (120वां स्थान)।

- ➲ मालदीव को इस वर्ष की रिपोर्ट में स्थान नहीं दिया गया है।

➡ विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट, 2017 में भारत के अतिरिक्त ब्रिक्स के शेष देशों की स्थिति :— ब्राजील (22वां स्थान), रूस (49वां स्थान), चीन (79वां स्थान) तथा दक्षिण अफ्रीका (101वां स्थान)।

➡ इस रिपोर्ट में मध्य अफ्रीकी गणराज्य को विश्व का सबसे दुखी देश घोषित किया गया है और वह रैंकिंग में अंतिम (155वें) स्थान पर है।

- ➲ मध्य अफ्रीकी गणराज्य के अतिरिक्त रैंकिंग में अंतिम पांच स्थानों पर रहे देशों की स्थिति इस प्रकार है :—
  बुरुंडी (154वां स्थान), तंजानिया (153वां स्थान), सीरिया (152वां स्थान) तथा रवांडा (151वां स्थान-2.693 अंक)।

2017 : भारत-ब्रिटेन संस्कृति वर्ष

भारत और ब्रिटेन के बीच सांस्कृतिक सहलग्नताएं (Cultural Linkages) गहरी एवं व्यापक हैं जो दोनों देशों के बीच साझे इतिहास से उत्पन्न हुई हैं। ब्रिटेन में अनेक भारतीय सांस्कृतिक संगठन स्थापित हैं जो भारतीय प्रवासियों (Indian Diaspora), ब्रिटिश संगठनों एवं लोगों को शामिल कर भारतीय संस्कृति का सक्रियता से प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। नेहरू केंद्र (Nehru Centre) ब्रिटेन में भारतीय उच्चायोग का सांस्कृतिक प्रकोष्ठ (Cultural Wing) है। वर्ष 1992 में स्थापित यह केंद्र विदेश में 'भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद' (ICCR) के प्रमुख सांस्कृतिक केंद्रों में से एक है। सांस्कृतिक सहयोग पर भारत और ब्रिटेन के मध्य अक्टूबर, 2014 में एक समझौता-ज्ञापन (MoU) पर भी हस्ताक्षर किए गए थे, जो अक्टूबर, 2019 के अंत तक प्रभावी है।

➡ वर्ष 2017 को 'भारत-ब्रिटेन संस्कृति वर्ष' (India-UK Year of Culture) के रूप में मनाया जा रहा है।

- ➲ उल्लेखनीय है कि नवंबर, 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ब्रिटेन यात्रा के दौरान दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने यह घोषणा की थी कि गहरे सांस्कृतिक द्विपक्षीय संबंधों तथा भारत की स्वतंत्रता की 70वीं वर्षगांठ का जश्न मनाने के लिए वर्ष 2017 को 'भारत-ब्रिटेन संस्कृति वर्ष' के रूप में मनाया जाएगा।

➡ भारत-ब्रिटेन संस्कृति वर्ष के उपलक्ष्य में वर्ष भर चलने वाले समारोहों की शुरुआत करने के उद्देश्य से 27 फरवरी, 2017 को लंदन स्थित बकिंघम पैलेस में महारानी एलिजाबेथ द्वितीय द्वारा एक विशेष स्वागत कार्यक्रम (Reception) का आयोजन किया गया।

- ➲ इस समारोह में भारत सरकार का प्रतिनिधित्व वित्त मंत्री अरुण जेटली के नेतृत्व में एक

प्रतिनिधिमंडल द्वारा किया गया।

➲ संस्कृति वर्ष, 2017 में दोनों देशों के वैविध्यपूर्ण सांस्कृतिक अतीत का उत्सव मनाने के लिए ब्रिटेन और भारत में विभिन्न कार्यक्रमों एवं प्रदर्शनियों का आयोजन ब्रिटिश काउंसिल, भारतीय उच्चायोग (लंदन) और ब्रिटिश एवं भारतीय संस्थानों की भागीदारी से किया जाएगा।

➡ भारत-ब्रिटेन संस्कृति वर्ष के उपलक्ष्य में अक्टूबर, 2017 में 61वें लंदन फिल्म फेस्टिवल के दौरान भारत, ब्रिटेन एवं जर्मनी द्वारा संयुक्त रूप से वर्ष 1928 में निर्मित मूक फिल्म **'शिराज'** (Shiraz) का प्रदर्शन सितार वादक अनुष्का शंकर के संगीत के मध्य किया जाएगा।

➲ यह फिल्म मुगल शासक शाहजहां एवं मुमताज महल की प्रेम कहानी पर आधारित है।

➲ वर्ष के अंत में यह फिल्म भारत में भी सिनेमाघरों एवं विभिन्न महोत्सवों में प्रदर्शित की जाएगी।

➡ अप्रैल-दिसंबर, 2017 तक ब्रिटिश फिल्म इंस्टीट्यूट (BFI) 'इंडिया ऑन फिल्म' (India on Film) कार्यक्रम आयोजित करेगा।

➡ 'फिल्म लंदन' के माइक्रोवेव कार्यक्रम तथा भारतीय प्रोडक्शन हाउस 'सिनेस्तान' (Cines-taan) की भागीदारी में एक नई फिल्म 'द हंग्री' (The Hungry) का निर्माण किया गया है।

➲ विलियम शेक्सपियर के नाटक 'टाइटस एंड्रॉनिकस' (Titus Andronicus) पर आधारित इस फिल्म की लेखिका एवं निर्देशिका बॉर्निला चटर्जी हैं।

जीआईसीएनटी के कार्यान्वयन एवं मूल्यांकन समूह की बैठक

21वीं सदी के वैश्विक परिदृश्य में 'आतंकवाद' की समस्या अत्यंत गंभीर है। परमाणु हथियारों तक आतंकवादी समूहों की पहुंच की आशंका ने इस भय को और अधिक बढ़ा दिया है। परमाणु हथियारों के विध्वंसकारी प्रयोग को नियंत्रित करने के लिए वर्ष 2006 में स्थापित 'परमाणु आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए वैश्विक पहल' (Global Initiative to Combat Nuclear Terrorism) 86 देशों और 5 अंतरराष्ट्रीय संगठनों की स्वैच्छिक अंतरराष्ट्रीय साझेदारी है। अमेरिका एवं रूस इसके सह अध्यक्ष हैं।

➡ 8-10 फरवरी, 2017 के मध्य जीआईसीएनटी (GICNT) के कार्यान्वयन एवं मूल्यांकन समूह (Implementation and Assessment Group) की बैठक का आयोजन **नई दिल्ली** में किया गया।

➡ इस बैठक का आयोजन भारत सरकार के **विदेश मंत्रालय** एवं भारतीय **परमाणु ऊर्जा विभाग** के सहयोग से किया गया।

➲ इस बैठक में जीआईसीएनटी के 41 सदस्य देशों एवं 4 पर्यवेक्षक अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के 152 तकनीकी विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया।

➲ बैठक में जटिल एवं उभरती हुई परमाणु सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए सदस्य देशों की क्षमता को और अधिक बढ़ाने के लिए भविष्य में जीआईसीएनटी द्वारा किए जाने वाले प्रयासों पर चर्चा की गई।

➲ बैठक में 'इंटरनेशनल कन्वेंशन ऑन सप्रेशन ऑफ एक्ट्स ऑफ न्यूक्लियर टेररिज्म' (International Convention on Suppression of Acts of Nuclear Terrorism), कन्वेंशन ऑन फिजिकल प्रोटेक्शन ऑफ न्यूक्लियर मैटेरियल्स (Convention on Physical Protection of Nuclear Materials) और रेडियोएक्टिव तत्व के स्रोतों की सुरक्षा चर्चा के केंद्र में थी।

➡ इस सम्मेलन का आयोजन भारत की NSG सदस्यता हेतु लाभदायक माना जा रहा है।

➡ यह संगठन परमाणु आतंक के खतरों का पता लगाने, उन्हें रोकने एवं प्रतिक्रिया देने में सक्षम वैश्विक क्षमता के निर्माण एवं उसे और अधिक मजबूत बनाने के लिए तत्पर है।

➡ संगठन के बेहतर कार्य-संचालन के लिए इसमें चार वर्किंग ग्रुप बनाए गए हैं-

(i) कार्यान्वयन एवं मूल्यांकन वर्किंग ग्रुप
(ii) न्यूक्लियर डिटेक्शन वर्किंग ग्रुप
(iii) न्यूक्लियर फॉरेन्सिक वर्किंग ग्रुप
(iv) रिस्पांस एंड मिटिगेशन वर्किंग ग्रुप।

➡ GICNT की 10वीं पूर्ण बैठक का आयोजन (Plenary Meeting) 1-2 जून, 2017 के मध्य टोक्यो, जापान में किया जाएगा।

संगठन के 5 पर्यवेक्षक अंतरराष्ट्रीय संस्थान

1. यूरोपियन यूनियन (EU),
2. इंटरपोल; इंटरनेशनल क्रिमिनल पोलिस ऑर्गेनाइजेशन,
3. यूएन ऑफिस ऑन ड्रग्स एंड क्राइम (UNODC),
4. इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (IAEA)
5. यूएन इंटर-रीजनल क्राइम एंड जस्टिस रिसर्च इंस्टीट्यूट (UNICRI)।

विश्व का सबसे ऊंचा पुल

मानव प्रकृति के ज़र्रे-ज़र्रे से संपर्क स्थापित करना चाहता है, लेकिन इस संपर्क में कई बार विशाल समुद्र, नदियां, घाटियां एवं पर्वत-पहाड़ आदि अवरोध पैदा करते हैं। ऐसे में मानव ने पुल-निर्माण तकनीकी का विकास किया। पुल-निर्माण इंजीनियरिंग को एक चमत्कार माना जाता है। हाल ही में चीन ने विश्व के सबसे ऊंचे एवं लंबे कांच के पुल के बाद विश्व के सबसे ऊंचे सड़क पुल का निर्माण करके इस चमत्कारिक तकनीकी से एक नया आश्चर्य पैदा किया है।

➡ 30 दिसंबर, 2016 को चीन की बेईपान नदी पर निर्मित अपनी तरह के विश्व के सबसे ऊंचे सड़क पुल को यातायात के लिए खोल दिया गया।

➡ इस पुल का नाम बेईपानजियांग पुल (Beipanjiang Bridge) है।

- ➲ यह पुल दक्षिणी-पश्चिमी पहाड़ी प्रांत यून्नान और गुइझोऊ को जोड़ता है।
- ➲ इसकी ऊंचाई 565 मीटर (1,854 फीट) है।
- ➲ इस पुल की निर्माण लागत राशि 144 मिलियन अमेरिकी डॉलर से भी अधिक है।

➡ 1341 मीटर लंबे इस पुल का निर्माण कार्य वर्ष 2013 में प्रारंभ हुआ था जो सितंबर, 2016 में पूरा हुआ।

- ➲ गहरे नदी गार्ज (Gorge) के कारण इस पुल को यह ऊंचाई प्राप्त हुई है।

➡ इससे पूर्व चीन के हूबेई प्रांत में बना 'सी डू रिवर ब्रिज' (Si Du River Bridge) किसी नदी पर बना विश्व का सबसे ऊंचा (Highest) पुल था।

- ➲ ध्यातव्य है कि यह पुल दुनिया का सबसे ऊंचा (Tallest) पुल नहीं है।
- ➲ फ्रांस का मिलाओ वॉयडक्ट (1125 फीट) पुल दुनिया का सबसे ऊंचा (Tallest) पुल माना जाता है।

➡ ज्ञातव्य हो कि किसी पुल की ऊंचाई दो आधारों पर मापी जाती है। एक में जलीय या स्थलीय सतह से पुल की डेक (वह सतह जिस पर सड़क, रेल पथ या अन्य परिवहन साध्य निर्मित हैं) तक की ऊंचाई को सम्मिलित किया जाता है जबकि दूसरे में सतह से पुल की संपूर्ण संरचनात्मक ऊंचाई (पुल पर निर्मित खंभे या

अन्य किसी संरचना की ऊंचाई को शामिल करते हुए) को शामिल किया जाता है।

➡ इस प्रकार प्रथम दृष्टि से विश्व का सबसे ऊंचा (Tallest) पुल मिलाओ वॉयडक्ट (फ्रांस) है जबकि दूसरी दृष्टि से हाल ही में निर्मित बेईपानजियांग पुल (चीन) विश्व का सबसे ऊंचा (Highest) पुल है।

➲ उल्लेखनीय है कि भारत में चिनाब नदी पर प्रस्तावित मेहराबदार पुल (Arc Bridge) विश्व का सबसे ऊंचा मेहराबदार पुल होगा। यह विश्व का सबसे ऊंचा रेल पुल भी होगा।

➲ इस पुल की ऊंचा चिनाब नदी की सतह से 1,178 फीट है।

➲ वर्तमान में चीन के गुइझोऊ प्रांत स्थित नजीहे रेल पुल विश्व का सबसे ऊंचा (Highest) रेल पुल एवं मेहराबदार पुल है।

विश्व के सबसे लंबे पुल

➡ चीन का डनयांग कुलशान ग्रैंड ब्रिज (164.8 किमी.) किसी भी प्रकृति का सबसे लंबा पुल है। यह **रेल पुल** स्थल पर निर्मित है।

➲ विश्व का सबसे लंबा **सड़क पुल** थाइलैंड स्थित **बांगना एक्सप्रेसवे** है।

➡ जलीय सतह पर विश्व का सबसे लंबा पुल (समग्र लंबाई) जिआओझू खाड़ी (Jiaozhou Bay), चीन पर निर्मित सड़क पुल है। यही विश्व का सबसे लंबा समुद्र पुल है।

➡ भारत का सबसे लंबा नदी पुल गंगा नदी पर निर्मित महात्मा गांधी सेतु (बिहार) है। गंगा नदी पर महात्मा गांधी सेतु के बगल में एक नया 9.8 किमी. लंबा पुल बनाया जा रहा है जो निर्माण के बाद भारत का सबसे लंबा नदी पुल होगा।

अंतरराष्ट्रीय शस्त्र हस्तांतरण प्रवृत्तियां, 2016

स्वीडन की संसद द्वारा वर्ष 1966 में स्थापित 'स्टॉकहोम अंतरराष्ट्रीय शांति अनुसंधान संस्थान' (Stockholm International Peace Research Institute : SIPRI) संघर्षों, शस्त्रीकरण, शस्त्र नियंत्रण और निःशस्त्रीकरण के संदर्भ में अनुसंधान हेतु समर्पित एक स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय संस्थान है। यह संस्थान नीति-निर्माताओं, अनुसंधानकर्ताओं, मीडिया एवं इच्छुक जनता को खुले स्रोतों पर आधारित आंकड़े, विश्लेषण और अनुशंसाएं उपलब्ध कराता है।

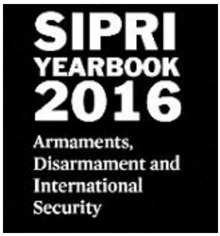

SIPRI द्वारा प्रति 5 वर्षों के ग्रुप में आंकड़े जारी किए जाते हैं, ताकि प्रवृत्तियों का अपेक्षाकृत स्थिर मापन हो सके।

➡ 20 फरवरी, 2017 को SIPRI द्वारा विश्व में पारंपरिक आयुधों के हस्तांतरण की स्थिति पर वास्तविक रिपोर्ट '**अंतरराष्ट्रीय शस्त्र हस्तांतरण प्रवृत्तियां', 2016** (Trends in International Arms Transfers, 2016)' जारी की गई।

➡ रिपोर्ट के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख आयुधों के हस्तांतरण की मात्रा वर्ष 2007-11 की तुलना में वर्ष **2012-16 में 8.4 प्रतिशत अधिक** रही।

➲ वर्ष 2012-16 की अवधि में विश्व के शीर्ष पांच शस्त्र आपूर्तिकर्ता देश (तथा उनका विश्व के कुल शस्त्र निर्यात में हिस्सा) इस प्रकार हैं-1. **अमेरिका (33%)**, 2. **रूस (23%)**, 3. चीन (6.2%), 4. फ्रांस (6.0%) तथा 5. जर्मनी (5.6)।

➡ वर्ष 2012-16 की अवधि में विश्व के शीर्ष

पांच शस्त्र आयातक देश (तथा उनका विश्व के शस्त्र आयात में हिस्सा) इस प्रकार हैं- 1. **भारत (13%)**, 2. **सऊदी अरब (8.2%)**, 3. संयुक्त अरब अमीरात (4.6%), 4. चीन (4.5%) तथा 5. अल्जीरिया (3.7%)।

- शीर्ष 5 देशों के संदर्भ में वर्ष 2007-11 की तुलना में सर्वाधिक प्रतिशत वृद्धि सऊदी अरब के आयात में हुई है।
- चीन द्वारा आयुध आयात में कमी आई है। इसका कारण चीन द्वारा उन्नत आयुधों के स्वदेश में ही निर्माण की क्षमता हासिल करना है।
- भारत द्वारा वर्ष 2012-16 के मध्य किया गया शस्त्र आयात, वर्ष 2007-11 के दौरान किए गए शस्त्र आयात से 43 प्रतिशत अधिक है।
- वर्ष 2012-16 की अवधि में भारत को शस्त्रों के प्रमुख आपूर्तिकर्ता देश हैं- 1. रूस (कुल आयात का 68%), 2. अमेरिका (कुल आयात का 14%) तथा 3. इस्राइल (कुल आयात का 7.2%)।

➡ वर्ष 2007-2011 एवं 2012-16 के मध्य एशिया एवं प्रशांत के देशों द्वारा शस्त्र आयातों में 7.7 प्रतिशत तथा मध्य-पूर्व के देशों के शस्त्र आयातों में 86 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

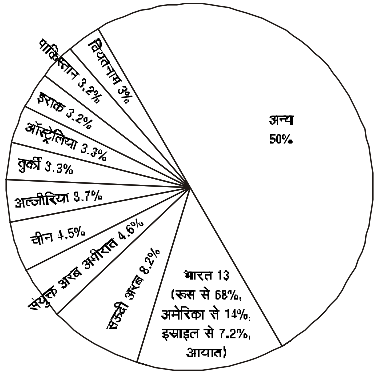

शीर्ष आयुध आयातक 2012-16

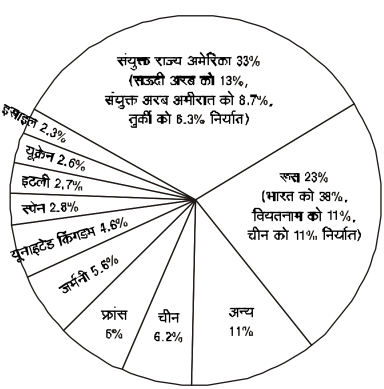

शीर्ष आयुध निर्यातक 2012-16

पाक जलडमरूमध्य मत्स्ययन विवाद पर वार्ता

भारत-श्रीलंका के मध्य अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (International Maritime Boundary Line-IMBL) ***पाक जलडमरूमध्य*** *(Palk Strait),* ***पाक खाड़ी*** *(Palk Bay),* ***मन्नार की खाड़ी*** *(Gulf of Mannar) एवं* ***बंगाल की खाड़ी*** *(Bay of Bengal) में निर्धारित है। पाक जलडमरूमध्य भारत के पूर्व तटीय राज्य तमिलनाडु एवं श्रीलंका के उत्तर में स्थित मन्नार जिले के मध्य स्थित है। इस जल क्षेत्र में दोनों ही देशों के मछुआरों द्वारा मत्स्ययन किए जाने के कारण एक-दूसरे की अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा*

के उल्लंघन की घटनाएं आम हैं। सीमा पार करने वाले मछुआरे दोनों ही देशों में गिरफ्तार किए गए हैं। इस क्षेत्र में मत्स्ययन एवं मछुआरों की गिरफ्तारी के मसले को हल करने हेतु भारत-श्रीलंका मंत्रिस्तरीय वार्ता का आयोजन किया गया।

➡ 2 जनवरी, 2017 को भारत और श्रीलंका के बीच कोलंबो में मछुआरों एवं मत्स्ययन के मुद्दे पर मंत्रिस्तरीय वार्ता का आयोजन किया गया।

➡ भारत के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री राधा मोहन सिंह ने श्रीलंका के मत्स्यपालन और जलीय संसाधन विकास मंत्री महिंदा अमरावीरा से मुलाकात की।

➲ यह वार्ता 31 दिसंबर, 2016 को नई दिल्ली में मत्स्यपालन पर संयुक्त कार्य समूह (JWG) की प्रथम बैठक के बाद आयोजित की गई।

➡ सहमति के बिंदु

(i) वर्तमान में हिरासत में लिए गए मछुआरों की तत्काल रिहाई की घोषणा।

(ii) एक-दूसरे द्वारा हिरासत में ली गई मछली पकड़ने वाली नौकाओं को छोड़ने के मुद्दे पर वार्ता।

(iii) दोनों देशों के तटरक्षकों के मध्य हॉटलाइन परिचालन हेतु संयुक्त कार्य समूह (JWG) के प्रयास।

(iv) पाक खाड़ी क्षेत्र में बाटम-ट्रालिंग (समुद्र की गहरी सतह में महाजाल से मत्स्ययन) या ऐसे अन्य विनाशकारी मछली पकड़ने के तौर-तरीकों, जिनसे समुद्री-पर्यावरण एवं जैव-विविधता को क्षति होती हो, पर रोक लगाने पर सहमति।

➡ संयुक्त कार्य समूह की अगली बैठक में मछुआरों से जुड़े मुद्दों के समाधान में हुई प्रगति की समीक्षा की जाएगी।

➲ उल्लेखनीय है कि भारतीय मछुआरों के लिए गहरे समुद्र का 'कच्चातिवू द्वीप' सबसे संकट वाला बना हुआ है।

कच्चातिवू द्वीप

- रामेश्वरम से तकरीबन 10 मील दूर भारत और श्रीलंका के बीच पाक जलडमरूमध्य में स्थित 280 एकड़ का मानव रहित बंजर द्वीप है, कच्चातिवू द्वीप।
- एक समय यह भारतीय क्षेत्र का हिस्सा था।
- वर्ष 1974 में तत्कालीन श्रीलंकाई प्रधानमंत्री श्रीमावो भंडारनायके एवं भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बीच हुए समझौते के उपरांत इसे श्रीलंका को सौंप दिया गया।
- इस समझौते में यह भी प्रावधान था कि इस द्वीप पर भारतीय मछुआरे आराम कर सकते हैं एवं अपने जाल सुखा सकते हैं।
- इन क्षेत्रों में भारतीय मछुआरों को मत्स्ययन की अनुमति नहीं प्रदान की गई है।
- वर्ष 1976 में समुद्री सीमा तय करने हेतु एक और समझौता हुआ।
- इसमें यह प्रावधान था कि श्रीलंका में समुद्र के विशेष आर्थिक क्षेत्र में भारतीय मछुआरों को मछली पकड़ने की अनुमति नहीं होगी।
- तमिलनाडु के राजनीतिक दलों ने कच्चातिवू द्वीप श्रीलंका के अधिकार में देने की आलोचना की है। दिवंगत मुख्यमंत्री जयललिता ने इस हेतु सर्वोच्च न्यायालय में वाद भी दायर किया था।

सजावटी मत्स्य-पालन क्षेत्र के विकास हेतु प्रायोगिक परियोजना

सजावटी मत्स्य-पालन क्षेत्र (Ornamental Fisheries) मत्स्य-पालन (Fisheries) का एक उप-क्षेत्र है जो ताजे पानी (Fresh Water) तथा समुद्री जल (Marine Water) दोनों में पाई जाने वाली रंग-बिरंगी मछलियों के प्रजनन एवं उनके पालन-पोषण से संबंधित है। यद्यपि इस क्षेत्र का खाद्य एवं पौषणिक सुरक्षा (Nutritional Security) में कोई प्रत्यक्ष योगदान नहीं है, तथापि यह ग्रामीण एवं 'परि-नगरीय जनसंख्या' (Peri-urban population) के लिए आजीविका एवं आय का एक महत्वपूर्ण साधन है। कम उत्पादन लागत तथा अल्प समय में अधिक मुनाफे के अतिरिक्त घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सजावटी मत्स्य की लगातार बढ़ती मांग के चलते इस क्षेत्र में विकास की अत्यधिक संभावनाएं हैं।

➡ सजावटी मत्स्य-पालन क्षेत्र में विद्यमान अपार संभावनाओं एवं अवसरों को देखते हुए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य-पालन विभाग द्वारा इस क्षेत्र के विकास हेतु एक प्रायोगिक परियोजना को लांच करने की योजना बनाई गई है।

➡ इस परियोजना हेतु कुल परिव्यय 61.89 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है।

➡ सजावटी मत्स्य-पालन परियोजना मुख्यतः इस क्षेत्र के टिकाऊ एवं सर्वांगीण विकास के लिए एक सशक्त वातावरण के निर्माण पर केंद्रित है जिससे इस क्षेत्र में संलग्न लोगों के सामाजिक-आर्थिक विकास के साथ-साथ सजावटी मछलियों के निर्यात को भी बढ़ावा दिया जा सके।

➡ इस प्रायोगिक परियोजना के मुख्य उद्देश्य निम्नवत हैं :–

(i) क्लस्टर आधारित दृष्टिकोण के साथ सजावटी मत्स्य-पालन को प्रोत्साहन।

(ii) सजावटी मत्स्य-पालन व्यापार एवं निर्यात आय का संवर्धन।

(iii) ग्रामीण एवं परि-नगरीय जनसंख्या के लिए रोजगार के अवसरों का सृजन।

(iv) सजावटी मत्स्य-पालन को एक उन्नतिशील व्यवसाय बनाने के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकी एवं नवाचार का प्रयोग।

➡ इस प्रायोगिक परियोजना के कार्यान्वयन के उद्देश्य से कुल 8 राज्यों यथा असम, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु एवं केरल को चिह्नित किया गया है।

➡ सजावटी मत्स्य-पालन पर इस प्रायोगिक परियोजना का कार्यान्वयन '**राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड**' (National Fisheries Development Board-NFDB) द्वारा राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मत्स्य-पालन विभागों के माध्यम से किया जाएगा।

➡ उल्लेखनीय है कि देश के विभिन्न भागों में समुद्री सजावटी मछलियों की लगभग 400 प्रजातियां तथा ताजे पानी में पाई जाने वाली सजावटी मछलियों की लगभग 375 प्रजातियां पाई जाती हैं।

मिशन फिंगरलिंग

देश में मत्स्य उत्पादन में बढ़ोत्तरी हेतु केंद्र सरकार द्वारा 'नीली क्रांति' (Blue Revolution) नामक कार्यक्रम की परिकल्पना की गई है। इस कार्यक्रम के तहत मत्स्य उत्पादन को वर्ष 2014-15 के 10.79 मिलियन मीट्रिक टन से बढ़ाकर वर्ष 2020-21 तक 15 मिलियन मीट्रिक टन किए जाने का लक्ष्य है। इस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु केंद्र सरकार द्वारा मार्च, 2017 में 'मिशन फिंगरलिंग' (Mission Fingerling) को प्रारंभ करने की घोषणा की गई। इस मिशन के तहत 426 करोड़ मत्स्य फिंगरलिंग का उत्पादन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लगभग 52000 लाख रुपये के कुल व्यय से हैचरी (Hatcheries) तथा फिंगरलिंग संवर्धन जलाशयों की स्थापना की जाएगी। इससे प्रति वर्ष 20 लाख टन मछलियों के उत्पादन में मदद मिलेगी और लगभग 40 लाख परिवार लाभान्वित हो सकेंगे। उल्लेखनीय है कि संग्रहण तालों में संवर्धन हेतु मत्स्य बीज (Fish Seed) को मछलियों की विभिन्न विकासशील अवस्थाओं के अनुसार निम्न रूप से वर्गीकृत किया जाता है :–

(i) **जलांडक** (Spawn)–यह शब्द विकासशील निषेचित अंडों के लिए प्रयुक्त होता है।

(ii) **अंडजोत्पत्तिक** (Hatchlings) :– यह अंडजोत्पत्ति के तुरंत बाद की अवस्था है।

(iii) **पुट पोना** (Sac Fry) :– यह पीतक झिल्ली सहित नया अंडजोत्पत्तिक लार्वा है।

(iv) **पोना** (Fry) : – पीतक झिल्ली अवशोषित होने के बाद युवा लार्वा पोना बनाते हैं। पोना 15-20 mm आकार तक का होता है।

(v) **तरुण** (Juveniles) :– प्रौढ़ मछलियों से मिलते-जुलते युवा।

(vi) **आंगुलिक** (Fingerlings) :–प्रौढ़ मछलियों से मिलते-जुलते; बड़ी मछलियों के युवा। इनका आकार सामान्यतः 80-100 mm तक होता है।

(viii) **वार्षिक** (Yearlings) :– युवा जो एक वर्ष के होते हैं।

विश्व रोजगार एवं सामाजिक दृष्टिकोण : प्रवृत्ति, 2017

उत्पादन के पांच आधार स्तंभों (भूमि, श्रम, पूंजी, प्रबंधन एवं साहस) में से एक होने के बावजूद विडंबना यह है कि आज भी श्रम हांसिए पर पड़ा हुआ नजर आता है। यह बहिष्कार (Exclusion) न केवल वितरण को लेकर है, अपितु कार्य-दशाओं की गुणवत्ता के संदर्भ में भी देखा जाता है। इसी संदर्भ में, विकसित, उदीयमान एवं विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में श्रम-बाजार की वर्तमान स्थिति, रोजगार अवसरों के आकलन और बेरोजगारी स्तर के अनुमान के लिए 'अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन' (ILO), 'विश्व रोजगार एवं सामाजिक दृष्टिकोण' (World Employment and Social Outlook) नामक रिपोर्ट का प्रकाशन करता है।

➡ 12 जनवरी, 2017 को अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) द्वारा 'विश्व रोजगार एवं सामाजिक दृष्टिकोण: प्रवृत्ति, 2017' नामक रिपोर्ट का प्रकाशन किया गया।

➡ इस रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान वैश्विक अर्थव्यवस्था की संवृद्धि ढ़लान पर है।

➲ वर्ष 2016 में वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 3.1 प्रतिशत रही, जो पिछले 6 वर्षों में न्यूनतम है।

➲ इसके लिए दो कारण विशेष रूप से उत्तरदायी हैं-(1) अल्प उत्पादकता एवं सुस्त निवेश का एक-दूसरे को मजबूत करना

बेरोजगारी, सुभेद्य रोजगार और कामगार-गरीबी की प्रवृत्तियां एवं अनुमान, 2016-18

समूह	बेरोजगारी दर (%)			बेरोजगार संख्या (मिलियन)		
	2016	2017	2018	2016	2017	2018
विश्व	5.7	5.8	5.8	197.7	201.1	203.8
विकसित देश	6.3	6.2	6.2	38.6	37.9	38.0
उभरती अर्थव्यवस्थाएं	5.6	5.7	5.7	143.4	147.0	149.2
विकासशील देश	5.6	5.5	5.5	15.7	16.1	16.6
भारत	3.5	3.4	3.4	17.7	17.8	18.0

समूह	सुभेद्य रोजगार दर (%)			सुभेद्य रोजगार संख्या (मिलियन)		
	2016	2017	2018	2016	2017	2018
विश्व	42.9	42.8	42.7	1396.3	1407.9	1419.2
विकसित देश	10.1	10.1	10.0	58.1	58.2	58.1
उभरती अर्थव्यवस्थाएं	46.8	46.5	46.2	1128.4	1133.6	1138.8
विकासशील देश	78.9	78.7	78.5	209.9	216.1	222.3

समूह	चरम/मध्यम कामगार गरीबी दर (%)			चरम/मध्यम कामगार गरीबी संख्या (मिलियन)		
	2016	2017	2018	2016	2017	2018
उभरती अर्थव्यवस्थाएं	25.0	24.3	23.7	599.3	589.9	580.3
विकासशील देश	69.0	67.9	66.7	183.6	186.3	189.0

एवं (2) व्यापार में मंदी।

➡ वैश्विक मंदी के कारण अर्थव्यवस्थाएं दो चुनौतियों का सामना कर रही हैं-(1) मंदी से उत्पन्न हानियों की क्षतिपूर्ति एवं (2) श्रम बाजार में आगंतुक नवप्रवेशियों के लिए गुणवत्तायुक्त रोजगार का सृजन।

➡ वर्ष 2017 में वैश्विक बेरोजगारी दर के 5.7 प्रतिशत से बढ़कर 5.8 प्रतिशत तक पहुंचने की संभावना है जिससे 34 लाख नए बेरोजगार बढ़ जाएंगे।

- वर्ष 2018 में भी 27 लाख नए बेरोजगारों के बढ़ने की संभावना व्यक्त की गई है।

➡ कुल वैश्विक रोजगार में सुभेद्य रोजगार का हिस्सा लगभग 42 प्रतिशत है।

- ध्यातव्य है कि, सुभेद्य रोजगार ऐसे रोजगार अवसर हैं जिसमें स्वयं एवं परिवार के व्यक्ति कार्यरत होते हैं।
- इस प्रकार के कामगारों की वृद्धि प्रति वर्ष 11 मिलियन अनुमानित है।
- सुभेद्य रोजगार की स्थिति विकासशील एवं उभरती अर्थव्यवस्थाओं में काफी गंभीर है। जहां उभरती अर्थव्यवस्थाओ में हर दो में से एक व्यक्ति (लगभग 46%) सुभेद्य रोजगार में है, तो वहीं दूसरी ओर विकासशील देशों में प्रत्येक पांच में से चार व्यक्ति (लगभग 78%) सुभेद्य रोजगार में हैं।

➡ इस तरह रोजगार के क्षेत्र में वर्तमान में तीन प्रमुख चुनौतियां हैं-1. पर्याप्त रोजगार अवसरों का सृजन, (2) रोजगार की गुणवत्ता में सुधार तथा (3) लाभ का समावेशी वितरण।

- रिपोर्ट में इन चुनौतियों से निपटने हेतु अंतरराष्ट्रीय सहयोग को आवश्यक माना गया है।

समावेशी विकास सूचकांक, 2017

*भले ही आज वैश्विक स्तर पर 'समावेशी विकास' को अर्थव्यवस्थाओं के लिए प्राथमिक लक्ष्य मान लिया गया हो, तथापि यह विडंबना ही है कि आज तक समावेशी विकास के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु किसी व्यावहारिक ढांचे का विकास नहीं हो पाया है। अभी तक किसी अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन को मापने के लिए प्रति व्यक्ति जीडीपी **(Per Capita GDP)** का ही प्रयोग किया जा रहा है। इस दिशा में 'विश्व आर्थिक मंच' **(World Economic Forum)** द्वारा एक पहल की गई है जिसके तहत विकास को मापने हेतु समावेशी विकास को आधार बनाया गया है।*

➡ 16 जनवरी, 2017 को विश्व आर्थिक मंच (WEF) द्वारा 'समावेशी संवृद्धि एवं विकास रिपोर्ट' (Inclusive Growth and Development Report), 2017 का प्रकाशन किया गया।

➡ रिपोर्ट में 30 विकसित एवं 79 विकासशील अर्थव्यवस्थाओं (कुल 109 देशों) को समावेशी विकास सूचकांक के अनुसार क्रमबद्ध किया गया है।

- उल्लेखनीय है कि विकासशील एवं विकसित देशों में गरीबी-निर्धारण के अलग-अलग मानक होने के कारण समावेशी विकास सूचकांक में इनके लिए अलग-अलग सूची का निर्माण किया गया है।
- सूचकांक के निर्माण हेतु 3 प्रमुख प्राचालों (Parameters)- (i) संवृद्धि एवं विकास (Growth and Development), (ii) समावेशन (Inclusion) और (iii) अंतरपीढ़ीय समता एवं निरंतरता (Intergenerational Equity and Sustainability) के अंतर्गत 12 संकेतकों का प्रयोग किया गया है।
- इन 12 संकेतकों में किए गए प्रदर्शन के आधार पर अर्थव्यवस्थाओं को 1-7 तक अंक प्रदान किए गए हैं।

➡ विकसित देशों में प्रथम पांच स्थान प्राप्त करने वाले देश एवं उनके अंक इस प्रकार हैं–1. नॉर्वे (6.02), 2. लक्जमबर्ग (5.86), 3. स्विट्जरलैंड (5.75), 4. आइसलैंड (5.48) एवं 5. डेनमार्क (5.31)।

➡ विकासशील देशों की सूची में प्रथम पांच स्थान प्राप्त करने वाले देश एवं उनके अंक इस प्रकार हैं-1. लिथुआनिया (4.73), 2. अजरबैजान (4.73), 3. हंगरी (4.57), 4. पोलैंड (4.57) एवं 5. रोमानिया (4.53)।

➡ समावेशी विकास सूचकांक के विकासशील देशों की सूची में भारत 3.38 अंकों के साथ 60वें स्थान पर है।

- भारत के पड़ोसी देशों में नेपाल 27वें (4.24), बांग्लादेश 36वें (4.03), श्रीलंका 39वें (4.01) तथा पाकिस्तान 52वें (3.56) स्थान पर है।
- ब्रिक्स देशों में रूस 13वें, चीन 15वें, ब्राजील 30वें तथा दक्षिण अफ्रीका 70वें स्थान पर है।
- ज्ञातव्य है कि आंकड़ों की अनुपलब्धता के कारण विकसित देशों की सूची में सिंगापुर तथा विकासशील देशों की सूची में अल्जीरिया को कोई रैंक प्रदान नहीं की गई है।

आर्थिक स्वतंत्रता सूचकांक, 2017

*स्कॉटिश अर्थशास्त्री एडम स्मिथ ने अपनी पुस्तक **'वेल्थ ऑफ नेशंस'** (Wealth of Nations) में आर्थिक स्वतंत्रता को विकास की कुंजी बताया है। आर्थिक स्वतंत्रता, परंपरागत रूप से मुक्त बाजार और निजी स्वामित्व पर जोर देने वाले उदारवादी दृष्टिकोण के रूप में परिभाषित की जाती है। इसमें प्रत्येक*

व्यक्ति को वैयक्तिक आधार पर आर्थिक कार्य करने की स्वतंत्रता प्राप्त होती है। आर्थिक स्वतंत्रता के मापन हेतु प्रसिद्ध अमेरिकी थिंक टैंक 'द हेरिटेज फाउंडेशन' (The Heritage Foundation) एवं 'द वाल स्ट्रीट जर्नल' द्वारा प्रतिवर्ष आर्थिक स्वतंत्रता सूचकांक का प्रतिपादन किया जाता है। यह सूचकांक विश्व के विभिन्न राष्ट्रों की आर्थिक स्वतंत्रताओं का तुलनात्मक अध्ययन करने का बहुआयामी सूचकांक है।

➡ 15 फरवरी, 2017 को 23वें 'आर्थिक स्वतंत्रता सूचकांक' (EFI : Economic Freedom Index), 2017 का प्रतिपादन किया गया।

- वर्ष 1995 से जारी किए जाने वाले इस सूचकांक के वर्ष 2017 के संस्करण में कुल 180 देशों को रैंकिंग प्रदान की गई है।
- यद्यपि इस सूचकांक में 186 देशों को शामिल किया गया है, परंतु इराक, लीबिया, लिचटेंस्टीन सोमालिया, सीरिया और यमन को कोई रैंकिंग प्रदान नहीं की गई है।

➡ सूचकांक का निर्माण 4 प्रमुख श्रेणियों के अंतर्गत 12 स्वतंत्रता सूचकों के आधार पर किया गया है। ये निम्नवत हैं:–

(a) कानून का शासन

- संपत्ति का अधिकार (Property Rights)
- न्यायिक प्रभावशीलता (Judicial Effectiveness)
- सरकार में ईमानदारी (Government Integrity)

(b) सरकार का आकार

- कर का भार (Tax Burden)
- सरकारी व्यय (Government Spending)
- राजकोषीय स्थिति (Fiscal Health)

(c) नियामिकीय दक्षता

- व्यवसाय स्वतंत्रता (Business Freedom)
- श्रम स्वतंत्रता (Labour Freedom)
- मुद्रा स्वतंत्रता (Money Freedom)

(d) बाजार का खुलापन

- व्यापार की स्वतंत्रता (Trade Freedom)
- निवेश की स्वतंत्रता (Investment Freedom)
- वित्तीय स्वतंत्रता (Financial Freedom)

➡ सूचकांक में इन चारों वर्गों को समान भारांश प्रदान किया जाता है।

➡ इस सूचकांक में 180 देशों का वर्गीकरण निम्न श्रेणियों में किया गया है–

(i) **स्वतंत्र** (Free)–80 या उससे अधिक अंक पाने वाले देश। इसमें पांच देश क्रमशः हांगकांग, सिंगापुर, न्यूजीलैंड, स्विट्जरलैंड तथा ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। ये सूचकांक में क्रम से शीर्ष पांच रैंक वाले देश भी हैं।

(ii) **प्रायः स्वतंत्र** (Mostly Free)- 70 से 79.9 के बीच अंक। 29 देश शामिल।

(iii) **कम स्वतंत्र** (Moderately Free)–60 से 69.9 के बीच अंक। 58 देश शामिल।

(iv) **प्रायः गैर-स्वतंत्र** (Mostly Unfree)–50 से 59.9 के बीच अंक। 65 देश शामिल।

(v) **दमित** (Repressed)– 50 से कम अंक वाले 23 देश शामिल।

➡ भारत 52.6 अंकों के साथ 143वें स्थान पर है जबकि गत वर्ष (2016 में) यह 56.2 अंकों के साथ 123वें स्थान पर था।

- इस सूचकांक में अंतिम पांच स्थान प्राप्त करने वाले देश हैं-उत्तर कोरिया (180), वेनेजुएला (179), क्यूबा (178), कांगो गणराज्य (177) और इरीट्रिया (176)।
- भारत के पड़ोसी देशों में भूटान को 107वां, चीन को 111वां, श्रीलंका को 112वां, नेपाल को 125वां, बांग्लादेश को 128वां और पाकिस्तान को 141वां स्थान प्राप्त हुआ है।

➡ इस प्रकार इस सूचकांक में भारत अपने पड़ोसी देशों से पीछे है।

झारखंड में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान की स्थापना

भारत में 1970 के दशक में, उच्च उत्पादक बीज प्रजातियों, उर्वरकों एवं सिंचाई के उपयोग से कृषिगत उत्पादन में हुई तीव्र वृद्धि को हरित क्रांति की संज्ञा दी जाती है। इसका श्रेय डॉ. नॉर्मन बोरलाग (वैश्विक संदर्भ में) तथा एम.एस. स्वामीनाथन (भारतीय संदर्भ में) को दिया जाता है। यद्यपि हरित क्रांति ने कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता दोनों को काफी उच्चता प्रदान की, परंतु, इसका एक स्याह पक्ष भी है। यह केवल कुछ खास फसलों (गेहूं और कुछ सीमा तक धान) एवं कुछ खास क्षेत्रों (पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश आदि) तक ही सीमित होकर रह गई। जाहिर तौर पर इस क्रांति को सर्व समावेशी (सभी क्षेत्रों एवं सभी फसलों तक) बनाने की आवश्यकता महसूस की जाने लगी। हाल ही में झारखंड में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान की स्थापना की घोषणा से पूर्वी भारत में द्वितीय हरित क्रांति आने की उम्मीदों को बल मिला है।

➡ 18 जनवरी, 2017 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने झारखंड राज्य में 'भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान' (IARI) की स्थापना को मंजूरी प्रदान की।

- इसकी स्थापना हजारीबाग जिले के बरही ब्लॉक के गौरिया कर्मा (Gauria Karma) गांव में झारखंड सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई 1000 एकड़ जमीन पर की जाएगी।
- इस संस्थान के निर्माण की अनुमानित लागत 200.78 करोड़ रुपये होगी।
- इससे संबंधित संपूर्ण खर्च का वहन 'भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद' (ICAR) करेगी।

➡ यह संस्थान पूर्वी भारत की कृषि चुनौतियों और जटिलताओं पर काम करेगा।

➡ यह संस्थान नई दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान की तरह ही कृषि से संबंधित सभी क्षेत्रों यथा- फसल, बागवानी, कृषि वानिकी, पशुपालन, मत्स्यपालन, मुर्गीपालन, सुअरपालन, रेशम और लाखपालन, शहद उत्पादन आदि में अनुसंधान करेगा।

- समग्र रूप से यह संस्थान मानव संसाधन की गुणवत्ता में सुधार, किसान अनुकूल प्रौद्योगिकियों का विकास, उत्पादकता संवर्धन तथा लाभ में वृद्धि हेतु अनुसंधान, शिक्षा व विस्तार कार्यक्रमों को अंजाम देगा।

राष्ट्रीय आय के द्वितीय अग्रिम अनुमान, 2016-17

केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के तहत 'केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय' (CSO) द्वारा वित्त वर्ष 2016-17 के लिए स्थिर मूल्यों (2011-12) एवं चालू मूल्यों पर राष्ट्रीय आय के द्वितीय अग्रिम अनुमान (IInd A.E.) 28 फरवरी, 2017 को जारी किए गए। वर्ष 2016-17 के लिए यह अनुमान कृषिगत एवं औद्योगिक उत्पादन के नवीनतम आकलनों, सरकारी व्यय तथा मुख्य क्षेत्रकों यथा-संचार, बैंकिंग एवं बीमा, रेलवे भिन्न परिवहन आदि के अब तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुमान पर आधारित हैं। इन अनुमानों के प्रमुख बिंदु निम्न हैं–

➡ **सकल घरेलू उत्पाद (GDP)**

- वर्ष 2016-17 के द्वितीय अग्रिम अनुमानों (IInd A.E.) के अनुसार, स्थिर कीमतों (2011-12) पर सकल घरेलू उत्पाद 121.65 लाख करोड़ रुपये है जबकि 31 जनवरी, 2016 को जारी प्रथम संशोधित अनुमान (Ist R.E.)

में वर्ष 2015-16 के लिए यह 113.58 लाख करोड़ रुपये अनुमानित था।

- वर्ष 2015-16 में 7.9 प्रतिशत की वृद्धि दर की तुलना में वर्ष 2016-17 के दौरान GDP में 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर अनुमानित है।
- द्वितीय अग्रिम अनुमानों के अनुसार, चालू कीमतों पर वर्ष 2016-17 में सकल घरेलू उत्पाद 11.5 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ 152.51 लाख करोड़ रुपये आकलित है, जबकि वर्ष 2015-16 में यह 10 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ 136.75 लाख करोड़ रुपये अनुमानित था।

राष्ट्रीय आय से संबंधित प्रमुख आंकड़े एक दृष्टि में

मद	2011-12 के स्थिर मूल्यों पर		चालू मूल्यों पर	
	2015-16 के प्रथम सं.अ. (रु. लाख करोड़ में)	2016-17 के द्वितीय अ.अ. (रु. लाख करोड़ में)	2015-16 के प्रथम सं.अ. (रु. लाख करोड़ में)	2016-17 के द्वितीय अ.अ. (रु. लाख करोड़ में)
सकल घरेलू उत्पाद (GDP)	113.58 (7.9%)	121.65 (7.1%)	136.75 (10.0%)	152.51 (11.5%)
निवल घरेलू उत्पाद (NDP)	100.8 (8%)	108.03 (7.2%)	122.42 (10.2%)	136.53 (11.5%)
सकल मूल्य वर्धन (GVA) (बुनियादी कीमतों पर)	104.69 (7.8%)	111.68 (6.7%)	124.52 (8.6%)	137.51 (10.4%)
सकल राष्ट्रीय आय (GNI)	112.22 (7.9%)	120.28 (7.2%)	135.15 (10%)	150.83 (11.6%)
शुद्ध राष्ट्रीय आय (NNI)	99.46 (8%)	106.66 (7.2%)	120.83 (10.2%)	134.85 (11.6%)
प्रति व्यक्ति शुद्ध राष्ट्रीय आय (NNI Per Capita) (रुपये में)	77524 (6.6%)	82112 (5.9%)	94178 (8.9%)	103818 (10.2%)

सकल मूल्य संवर्धन (GVA) में क्षेत्रवार वृद्धि (II[nd] A.E. 2016-17) *(प्रतिशत में)*

क्षेत्र	स्थिर कीमतों पर (आधार वर्ष 2011-12)	चालू कीमतों पर
1. कृषि, वानिकी एवं मत्स्यिकी	4.4	9.6
2. खनन एवं उत्खनन	1.3	4.4
3. विनिर्माण	7.7	10.3
4. बिजली, गैस, जलापूर्ति तथा अन्य सेवाएं	6.6	5.2
5. निर्माण	3.1	6.4
6. व्यापार, होटल, परिवहन, संचार एवं प्रसारण संबंधी सेवाएं	7.3	10.6
7. वित्त, रियल स्टेट एवं व्यावसायिक सेवाएं	6.5	10.0
8. लोक प्रशासन, रक्षा एवं अन्य सेवाएं	11.2	16.5
बुनियादी कीमतों पर जीवीए (GVA) में वृद्धि	6.7	10.4

बागवानी फसलों के अंतिम (2015-16) व अग्रिम अनुमान, 2016-17

बागवानी कृषि के अंतर्गत फलों, सब्जियों, कंद, पुष्प, औषधीय एवं सजावटी पौधे, मसाले, चाय, कॉफी, रबर आदि की खेती आती है। भारत जैसे जलवायविक विविधता वाले देश में बागवानी कृषि का काफी महत्व है। राष्ट्रीय आय में महत्वपूर्ण योगदान देने के साथ-साथ यह पोषण, रोजगार, गरीबी निवारण, औद्योगिक विकास, क्षेत्रीय असंतुलन में कमीं, पर्यावरणीय संतुलन आदि की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

17 फरवरी, 2017 को कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा बागवानी फसलों के उत्पादन एवं क्षेत्रफल के संदर्भ में वर्ष 2015-16 के लिए अंतिम अनुमान तथा वर्ष 2016-17 के लिए पहला अग्रिम अनुमान जारी किया गया, जो विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से प्राप्त सूचनाओं पर आधारित है।

➡ 2015-16 अंतिम अनुमान

- वर्ष 2015-16 के दौरान देश में कुल बागवानी उत्पादन करीब 286 मिलियन टन अनुमानित है, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 2 प्रतिशत अधिक है।
- फलों का उत्पादन 90 मिलियन टन होने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष के उत्पादन से लगभग 1 प्रतिशत अधिक है।
- वहीं सब्जियों के उत्पादन (169 मिलियन टन) में गत वर्ष की तुलना में 1.5 प्रतिशत की वृद्धि अनुमानित है।
- इस वर्ष मसालों का उत्पादन 7 मिलियन टन रहा, जो कि गत वर्ष के उत्पादन से 14 प्रतिशत अधिक है।
- प्याज का उत्पादन गत वर्ष की तुलना में 11 प्रतिशत अधिक होकर 20.9 मिलियन टन के स्तर पर रहा।
- आलू का उत्पादन पिछले वर्ष की तुलना में 10 प्रतिशत कम होकर 43.4 मिलियन टन ही रहा।
- टमाटर का उत्पादन 18.7 मिलियन टन अनुमानित है, जो कि पिछले वर्ष के उत्पादन से लगभग 15 प्रतिशत अधिक है।

➡ 2016-17 के प्रथम अग्रिम अनुमान

- वर्ष 2016-17 के दौरान देश में बागवानी उत्पादन लगभग 287 मिलियन टन अनुमानित है, जो कि वर्ष 2015-16 के उत्पादन की तुलना में थोड़ा ही अधिक है।
- फलों का उत्पादन 92 मिलियन टन अनुमानित है, जो कि गत वर्ष की तुलना में लगभग 2 प्रतिशत अधिक है।
- इस वर्ष सब्जियों का उत्पादन लगभग 168.6 मिलियन टन के स्तर पर रहने का अनुमान है, जो गत वर्ष की तुलना में केवल 0.3 प्रतिशत कम है।
- मसालों का उत्पादन लगभग 7 मिलियन टन अनुमानित है, जो लगभग गत वर्ष के लगभग समान ही है।
- प्याज का उत्पादन 19.7 मिलियन टन अनुमानित है। यह गत वर्ष के उत्पादन की तुलना में 6 प्रतिशत कम है। हालांकि गत पांच वर्षों में हुए औसत उत्पादन की तुलना में इस वर्ष का प्याज उत्पादन लगभग 5 प्रतिशत अधिक ही है।
- आलू के उत्पादन में गत वर्ष की तुलना में 1 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। यह वर्ष 2016-17 में 43.9 मिलियन टन अनुमानित है।
- इस वर्ष टमाटर का उत्पादन 18.9 मिलियन टन अनुमानित है, जो गत वर्ष के उत्पादन से 1 प्रतिशत अधिक है।

आईएनएस तिलांचांग भारतीय नौसेना में शामिल

*देश के 'अनन्य आर्थिक क्षेत्र' (**Exclusive Economic Zone**) में गश्ती, समुद्री-डकैती रोधी तथा राहत एवं बचाव अभियानों को संचालित करने के उद्देश्य से कोलकाता स्थित 'गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स' (**GRSE**) द्वारा भारतीय नौसेना हेतु 'कार निकोबार श्रेणी' (**Car Nicobar-Class**) के तीव्र गति वाले 'अपतटीय गश्ती पोतों' (**Offshore Patrol Vessels**) का निर्माण किया गया है। कार निकोबार श्रेणी के पोतों के उन्नत संस्करण के रूप में* ***4*** *पोतों का निर्माण किया गया है, जिन्हें 'फॉलो-ऑन वॉटर जेट तीव्र हमलावर पोतों' (**Follow-on Waterjet Fast Attack Craft - FOWJFAC**) की संज्ञा दी गई है।*

➡ 4 फॉलो-ऑन वॉटर जेट तीव्र हमलावर पोतों की श्रृंखला के तीसरे पोत 'आईएनएस तिलांचांग' (INS Tillanchang) को 9 मार्च, 2017 को कारवाड़ (कर्नाटक) में भारतीय नौसेना में शामिल कर लिया गया।

➲ उल्लेखनीय है कि इस श्रेणी के पहले दो पोतों यथा आईएनएस तारमुगली तथा आईएनएस तिहायु को क्रमशः मई, 2016 एवं अक्टूबर, 2016 में भारतीय नौसेना में शामिल किया जा चुका है और ये दोनों ही पोत विशाखापत्तनम में तैनात हैं।

➡ आईएनएस तिलांचांग की लंबाई लगभग 50 मीटर है और यह तीन वॉटर जेट प्रणोदन प्रणालियों द्वारा चालित है जो इसे 35 नॉट से अधिक की गति प्रदान करती है।

➲ उल्लेखनीय है कि गति परीक्षणों के दौरान इस पोत ने सभी वॉटर जेट तीव्र हमलावर पोतों की तुलना में सबसे तेज गति प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की थी।

➡ यह पोत 30 mm की मुख्य बंदूक के अतिरिक्त कई हल्की एवं भारी मशीन गनों से भी लैस है।

➡ इस पोत से कई मिशनों जैसे तटीय एवं अपतटीय निगरानी, अनन्य आर्थिक क्षेत्र पर नियंत्रण के साथ-साथ असैनिक मिशनों यथा खोज एवं बचाव, मानवीय सहायता तथा आपदा राहत आदि का संचालन किया जा सकेगा।

➡ आईएनएस तिलांचांग कर्नाटक नौसैन्य क्षेत्र के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग के परिचालन नियंत्रण में कारवाड़ में ही तैनात किया जाएगा।

डीआरडीओ के नव-विकसित उत्पाद

*देश की सशस्त्र सेनाओं हेतु सामरिक एवं रक्षात्मक प्रणालियों के विकास में संलग्न 'रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन' (**DRDO**) केंद्रीय रक्षा मंत्रालय के रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के अधीन कार्यरत है।*

➡ 2 मार्च, 2017 को डीआरडीओ द्वारा अपने तीन नव-विकसित उत्पादों को भारतीय थल सेना को सौंप दिया गया।

➡ ये उत्पाद हैं–(i) हथियारों का पता लगाने वाला रडार 'स्वाति', (ii) एनबीसी रेकी वाहन तथा (iii) एनबीसी दवाएं।

➡ स्वाति नामक रडार का विकास डीआरडीओ के **'इलेक्ट्रॉनिक्स एवं रडार विकास प्रतिष्ठान'** (Electronics & Radar Development Establishment-LRDE) द्वारा किया गया है।

➡ डब्ल्यूएलआर (WLR : Weapon Locating Radar) स्वाति गोलाबारी के दौरान 50 किमी. की रेंज में दुश्मन के हथियारों जैसे मोर्टार, गोलों तथा रॉकेटों की सटीक स्थिति की जानकारी त्वरित रूप से उपलब्ध कराता है।

- इस रडार के प्रयोग द्वारा भारतीय सशस्त्र सेनाएं अपने मारक हथियारों को निर्देशित कर दुश्मन के रॉकेट लांचरों आदि को ध्वस्त कर सकती हैं।
- इसके अतिरिक्त यह भारतीय सशस्त्र सेनाओं द्वारा की गई गोलाबारी पर भी नजर रख सकता है।

➡ एनबीसी रेकी वाहन मार्क-I (NBC Recce Vehicle Mk-I) का विकास डीआरडीओ के **'वाहन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान'** (Vehicles Research & Development Establishment-VRDE) द्वारा किया गया है।

- यह वाहन उच्च तकनीक युक्त सेंसरों से लैस है जिनकी मदद से यह नाभिकीय, जैविक एवं रासायनिक रूप से संदूषित क्षेत्रों पर नजर रख सकता है।
- यह वाहन नाभिकीय, जैविक एवं रासायनिक रूप से संदूषित क्षेत्रों से ठोस एवं तरल नमूने एकत्रित कर उन्हें सेना के कमान मुख्यालय को भेजने में भी सक्षम है।

➡ नाभिकीय, जैविक एवं रासायनिक हथियारों के प्रभावों से बचाने वाली जिन दवाओं को भारतीय थल सेना को सौंपा गया,उनका विकास डीआरडीओ की प्रयोगशाला **'नाभिकीय औषधि एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान'** (Institute of Nuclear Medicine & Allied Sciences-INMAS) द्वारा किया गया है।

आईसीजीएस शौनक भारतीय तटरक्षक बल में शामिल

वर्ष 2008 के मुंबई हमलों के बाद भारत सरकार ने समुद्र के रास्ते होने वाली आतंकी घटनाओं तथा समुद्री डकैती इत्यादि से निपटने के लिए 'भारतीय तटरक्षक बल' की परिसंपत्तियों, सैन्य दल एवं अवसंरचना में तिगुने की वृद्धि करने हेतु एक परियोजना को मंजूरी प्रदान की थी। सरकार का लक्ष्य वर्ष 2018 तक भारतीय तटरक्षक बल को लगभग 200 पोतों एवं 100 विमानों से लैस करना है। सरकार की इस पहल के अनुरूप केंद्रीय रक्षा मंत्रालय ने अप्रैल, 2010 में '6 उन्नत अपतटीय गश्ती पोतों' (Advanced Offshore Patrol Vessels-AOPV) की खरीद हेतु प्रक्रिया आरंभ की। तकनीकी मूल्यांकन एवं व्यावसायिक निविदाओं के पश्चात मई, 2012 में केंद्र सरकार ने ऐसे 6 पोतों के निर्माण हेतु 'गोवा शिपयार्ड लिमिटेड' के साथ 400 मिलियन डॉलर (लगभग 1800 करोड़ रु.) के समझौते पर हस्ताक्षर किए। केंद्र सरकार के साथ हुए इस समझौते के तहत वर्तमान में गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा भारतीय तटरक्षक बल हेतु ***'समर्थ श्रेणी के अपतटीय गश्ती पोतों'*** *का निर्माण किया जा रहा है। ये पोत अपने पूर्ववर्ती 'विश्वस्त श्रेणी के अपतटीय गश्ती पोतों' की तुलना में अधिक उन्नत हैं।*

➡ 6 अपतटीय गश्ती पोतों की शृंखला के चौथे पोत 'आईसीजीएस शौनक' को 21 फरवरी, 2017 को भारतीय तटरक्षक बल में शामिल कर लिया गया।

➲ गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा स्वदेश में ही डिजाइन एवं निर्मित इस पोत की लंबाई 105 मीटर है।

➡ यह पोत अत्याधुनिक नैविगेशन एवं संचार उपकरणों, सेंसरों एवं मशीनरी जैसे 30 mm की CRN-91 नौसैन्य बंदूक, एकीकृत ब्रिज प्रणाली, एकीकृत मशीनरी नियंत्रण प्रणाली, ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली तथा उच्च ऊर्जा बाह्य अग्निशमन प्रणाली से लैस है।

➲ बचाव एवं राहत, समुद्री गश्ती आदि अभियानों को संचालित करने के लिए यह पोत एक द्वि-इंजन हल्के हेलिकॉप्टर तथा पांच द्रुत गति से चलने वाली नौकाओं को वहन करने में सक्षम है।

➲ समुद्र में तेल रिसाव के कारण होने वाले प्रदूषण से निपटने के लिए यह पोत 'प्रदूषण प्रतिक्रिया प्रणाली' (Pollution Response Equipment) को वहन करने में भी सक्षम है।

➡ 2500 टन वजनी यह पोत 9100 किलोवॉट के दो डीजल इंजनों द्वारा चालित है जो इसे 26 नॉट (Knots) की अधिकतम गति प्रदान करने में सक्षम हैं।

➡ तटरक्षक बल में शामिल होने के बाद अब इस पोत को विशाखापत्तनम में तैनात किया जाएगा और 'अनन्य आर्थिक क्षेत्र' (EEZ) की निगरानी हेतु इसका व्यापक प्रयोग किया जाएगा।

➲ यह पोत तटरक्षक क्षेत्र (पूर्व) के कमांडर के प्रशासनिक एवं परिचालन नियंत्रण में तैनात किया जाएगा।

➲ इस अत्याधुनिक अपतटीय गश्ती पोत की तटरक्षक बल में तैनाती से पूर्वी समुद्र-तट की विशाल तटरेखा तथा पूर्वी क्षेत्र में स्थित समुद्री राज्यों, विशेष रूप से आंध्र प्रदेश एवं तमिलनाडु की सुरक्षा में वृद्धि होगी।

➡ उल्लेखनीय है कि समर्थ श्रेणी के पहले अपतटीय गश्ती पोत आईसीजीएस समर्थ को 10 नवंबर, 2015, दूसरे पोत आईसीजीएस शूर को 11 अप्रैल, 2016 तथा तीसरे पोत आईसीजीएस सारथी को 9 सितंबर, 2016 को भारतीय तटरक्षक बल में शामिल किया जा चुका है।

रद्द-उल-फ़साद सैन्य अभियान

पाकिस्तान के पड़ोसी देशों के अतिरिक्त अमेरिका, ब्रिटेन, रूस आदि पश्चिमी देशों द्वारा भी यह आरोप लगाया जाता रहा है कि पाकिस्तान प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से विभिन्न आतंकी कार्यवाहियों में लिप्त रहा है। वर्ष 2011 में ओसामा बिन लादेन के पाकिस्तान की राजधानी के पास अमेरिका द्वारा मारे जाने, मलाला यूसुफजई पर आतंकी हमला, पेशावर में स्कूली बच्चों पर हमला आदि घटनाओं ने भी इस आरोप को पुष्ट किया है। प्रमुख इस्लामी आतंकी संस्थाएं जैसे लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, हिज्बुल मुजाहिदीन आदि सभी पाकिस्तान से ही अपनी आतंकी गतिविधियां संचालित करते रहे हैं। आतंकी गतिविधियों एवं उनको बढ़ावा देने वाली संस्थाओं के सफाए हेतु पाकिस्तानी सेना द्वारा हाल ही में 'रद्द-उल-फ़साद सैन्य अभियान' का आयोजन किया गया, जिसके सकारात्मक परिणाम मिलने की उम्मीद की जा सकती है।

➡ 22 फरवरी, 2017 को पाकिस्तानी सेना ने देश में आतंकवादियों, उससे जुड़े संगठनों और कट्टरपंथियों के सफाए के लिए रद्द-उल-फ़साद नाम से एक नए सैन्य अभियान की शुरुआत की।

➡ रद्द-उल-फ़साद एक अरबी शब्द है, जिसका अर्थ है- 'कलह का उन्मूलन'।

➲ यह कदम 16 फरवरी, 2017 को सिंध प्रांत में सूफी दरगाह 'लाल शाहबाज कलंदर' में हुए आत्मघाती हमले के बाद उठाया गया है।

➲ सेना के जनसंपर्क विभाग की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि, इस अभियान का उद्देश्य मुख्यतः कलह का खात्मे करना है, तथा यह अभियान पूरे देश में चलाया जाएगा।

➲ इस अभियान द्वारा पाकिस्तान की सरहदों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

➡ विगत वर्षों में स्थानीय और विदेशी आतंकवादियों के खिलाफ सशस्त्र बलों द्वारा चलाए गए प्रमुख सैन्य अभियान निम्नलिखित हैं–

सैन्य अभियान	वर्ष	स्थान
ऑपरेशन राह-ए-हक-I	2007	स्वात घाटी और शांगला जिला
ऑपरेशन सिरात-ए-मुस्तकीम	2008	खैबर क्षेत्र में
ऑपरेशन ब्लैक थंडरस्टॉर्म	2009	बूनर और शांगला जिला
ऑपरेशन ब्रेखना	2009	मोहमंद एजेंसी
ऑपरेशन राह-ए-निजात	2009	दक्षिण वजीरिस्तान
ऑपरेशन ज़र्ब-ए-अब्ज	2014	पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर उत्तरी वजीरिस्तान में

शीतकालीन कोहरा प्रयोग

बादल में उपस्थित जलीय बूंदें, निम्न ताप पर वायु में मिलकर कोहरे का निर्माण करती हैं। भारत के उत्तरी भागों में प्रायः दिसंबर से फरवरी के मध्य कोहरा अपनी उपस्थिति दर्ज कराता है। पिछले 10-15 वर्षों में कोहरे की आवृत्ति, उपस्थिति व तीव्रता में सतत वृद्धि हुई है। इस वृद्धि का मुख्य कारण बढ़ता प्रदूषण व भूमि के उपयोग का बदलता हुआ पैटर्न है।

➡ कोहरे के कारण दृश्यता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, जिसके फलस्वरूप यातायात व्यवस्था विलंब व दुर्घटनाओं के दुष्चक्र में फंस जाती है।

➡ इन सभी चुनौतियों से निपटने हेतु कोहरे के समय, तीव्रता व आवृत्ति की भविष्यवाणी करने की आवश्यकता उत्पन्न हुई।

➲ इन्हीं आवश्यकताओं के मद्देनजर भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने विभिन्न संस्थाओं के साथ मिलकर 'शीतकालीन कोहरा प्रयोग' (Winter Fog Experiment-WIFEX, 2016-17) आरंभ किया है।

➲ इस प्रयोग का मुख्य उद्देश्य शीतकालीन कोहरे की भविष्यवाणी करके, व्यक्तियों, यातायात व अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों से जान और माल की सुरक्षा करना है।

➲ इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, नई दिल्ली पर पिछली सर्दियों में इस प्रयोग को आरंभ किया गया तथा यह प्रयोग फरवरी, 2017 तक चला।

➲ इसका उद्देश्य कोहरे के जीवन चक्र के बारे में बेहतर समझ विकसित करना था, जो कोहरे से संबंधित भविष्यवाणी करने में सहायक सिद्ध होगा।

➡ यह प्रयोग कोहरे के भौतिक तथा रासायनिक

गुणों पर प्रकाश डालेगा। इससे कोहरे की उत्पत्ति, तीव्रता तथा कालावधि पर प्रभाव डालने वाले कारकों के बारे में अंततोगत्वा वैज्ञानिकों की समझ विकसित हो सकेगी।

➡ उल्लेखनीय है कि इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इस प्रयोग से संबंधित कई प्रकार के उपकरण लगाए गए हैं जिनमें कई सेंसर भी शामिल हैं।

- यह सेंसर विकिरण संतुलन (Radiation Balance), विक्षोभ (Turbulence), एरोसोल के प्रकाशीय गुणों (Optical Properties of Aerosols), एरोसोल व कोहरे के जल के बीच की रासायनिक अभिक्रियाओं तथा साथ ही कोहरे की सूक्ष्म बूंदों इत्यादि के बारे में अध्ययन करेंगे।
- इस प्रयोग में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD), नई दिल्ली; भारतीय उष्ण देशीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM), पुणे; भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (IISER), मोहाली व राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र (NCMRWF), नोएडा इत्यादि शामिल हैं।
- इस प्रयोग में बनाए गए प्रारूप को कोहरे से संबंधित भविष्यवाणी के लिए वर्ष 2017-18 के शीतकाल में परिचालन में लाने की योजना है।

गैलेक्सी-UGC 4879

गैलेक्सी (आकाशगंगा) शब्द की उत्पत्ति ग्रीक भाषा के शब्द गैलेक्सिया से हुई है जिसका अर्थ होता है 'दूधिया'। गैलेक्सी अंतरिक्ष में स्थित गैस, धूल कण तथा असंख्य तारों व उनकी सौर प्रणालियों तथा अदृश्य डार्क मैटर से युक्त गुरुत्वाकर्षण बल से परस्पर आबद्ध एक प्रणाली है। आकाशगंगाओं को उनके रूपाकृति के आधार पर अंडाकार, सर्पिलाकार एवं अनियमित आदि में विभाजित किया जाता है। पृथ्वी 'मिल्की वे' (Milky Way) नामक गैलेक्सी में स्थित है जो कि एक सर्पिलाकार गैलेक्सी है।

➡ हाल ही में हब्बल टेलीस्कोप द्वारा एक नई रहस्यमयी, अनियमित, बौनी आकाशगंगा की खोज की गई है।

➡ इस आकाशगंगा का नाम UGC 4879 रखा गया है।

- गैलेक्सी-UGC 4879 तथा इसकी निकटतम पड़ोसी गैलेक्सी 'लियो' (Leo) के मध्य की दूरी 23 लाख प्रकाश वर्ष है।
- यह दूरी एन्ड्रोमीडा गैलेक्सी तथा मिल्की वे गैलेक्सी के मध्य की दूरी के लगभग बराबर है।
- गैलेक्सी UGC 4879 बूंदों की तरह बिखरे हुए सितारों से युक्त है तथा अन्य आकाशगंगाओं से एकदम अलग एकांत में स्थित है।

➡ इस गैलेक्सी के अध्ययन से पता चला है कि बिग-बैंग के बाद प्रथम 4 अरब वर्षों के मध्य तारों के निर्माण की अधिकांश प्रक्रिया घटित हुई।

- इसके पश्चात 9 अरब वर्षों का एक विचित्र ठहराव रहा तथा 1 बिलियन वर्ष पूर्व ही तारों के निर्माण की प्रक्रिया संपन्न हुई है। इस रहस्योद्‌घाटन ने वैज्ञानिकों को आश्चर्यचकित कर दिया है।
- उल्लेखनीय है कि हब्बल टेलीस्कोप नासा (NASA) तथा यूरोपीय स्पेस एजेंसी का एक सम्मिलित प्रोजेक्ट है जो कि वर्ष 1990 में ब्रह्मांड के अध्ययन हेतु लांच किया गया था।

चर्चित व्यक्ति

❑ उपेंद्र त्रिपाठी

➡ वरिष्ठ आईएएस अधिकारी, भारत सरकार तथा फ्रांस सरकार द्वारा अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) के पूर्णकालिक अंतरिम महानिदेशक नियुक्त। (21 मार्च, 2017)

➲ उल्लेखनीय है कि गुरुग्राम (हरियाणा) स्थित राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान (NISE) में आईएसए का अंतरिम सचिवालय स्थित है।

❑ चीनू मोदी

➡ प्रसिद्ध गुजराती कवि और गजलकार का निधन। (19 मार्च, 2017)

➲ वर्ष 2013 में वह अपने गजल संग्रह 'खारा जरन' (Khara Zaran) हेतु साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित।

❑ मनहर वालजी भाई जाला

➡ राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग (NCSK) के नए अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण। (16 मार्च, 2017)

➲ कार्यकाल-3 वर्ष।

➲ यह आयोग भारत का वैधानिक निकाय है जिसकी स्थापना राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग अधिनियम, 1993 द्वारा हुई थी।

❑ मनजीव सिंह पुरी

➡ भारतीय विदेश सेवा (IFS) के वरिष्ठ अधिकारी; केंद्र सरकार द्वारा नेपाल में भारत के अगले राजदूत नियुक्त। (10 मार्च, 2017)

➲ इस पद पर वह रंजीत रे का स्थान लेंगे।

❑ बी.पी. कानूनगो

➡ भारतीय रिजर्व बैंक के नए डिप्टी गवर्नर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। (3 अप्रैल, 2017)

➲ कार्यकाल-3 वर्ष।

➡ इस पद पर इन्होंने आर. गांधी का स्थान लिया।

❑ जस्टिस सी.एस. कर्णन

➡ कलकत्ता हाईकोर्ट के जज; इनके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट ने वारंट जारी किया। (10 मार्च, 2017)

➲ न्यायमूर्ति कर्णन भारत के किसी हाईकोर्ट के पहले ऐसे न्यायमूर्ति हैं, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट द्वारा सेवा अवधि के दौरान वारंट जारी किया गया है।

❑ नरेंद्र कुमार

➡ केंद्रीय जल अभियांत्रिकी सेवा के वरिष्ठ अधिकारी; केंद्रीय जल आयोग के नए अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण। (10 मार्च, 2017)

❑ प्रो. जॉर्ज ए. ओलाह

➡ प्रसिद्ध अमेरिकी रसायनशास्त्री का निधन। (8 मार्च, 2017)

➲ वर्ष 1994 में कार्बोकेशन (Carbocation) में योगदान हेतु रसायन के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित।

❑ रबि राय

➡ प्रसिद्ध समाजवादी एवं भूतपूर्व लोक सभा अध्यक्ष का निधन। (6 मार्च, 2017)

➲ वह वर्ष 1989-91 तक नौवीं लोक सभा के अध्यक्ष थे।

❑ डॉ. थॉमस स्टार्जल

➡ प्रसिद्ध अमेरिकी सर्जन का निधन। (4 मार्च, 2017)

➲ वे विश्व में पहला लीवर प्रत्यारोपण करने वाले सर्जन थे।

➡ उन्हें 'आधुनिक प्रत्यारोपण का पिता' कहा जाता है।

❑ नूतन गुहा विश्वास

➡ वरिष्ठ आईएएस अधिकारी; केंद्र सरकार द्वारा 'भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण' (IWAI) की नई अध्यक्ष नियुक्त। (3 मार्च, 2017)

➲ **कार्यकाल-** 31 जुलाई, 2018 तक।

❑ तारक मेहता

➡ प्रसिद्ध गुजराती हास्य और नाट्य लेखक का निधन। (1 मार्च, 2017)

➡ उन्हें उनके गुजराती स्तंभ 'दुनिया ने उंधा चश्मा' से कॉफी प्रसिद्धि मिली।

➲ उनका स्तंभ सर्वप्रथम वर्ष 1971 में गुजराती पत्रिका 'चित्रलेखा' में छपा था।

➲ वर्ष 2008 में इस पर 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' नाम से टीवी शृंखला भी बनी।

➡ वह वर्ष 2015 में केंद्र सरकार द्वारा पद्मश्री से सम्मानित किए गए।

❑ जे.एस. दीपक

➡ दूरसंचार सचिव; केंद्र सरकार द्वारा विश्व व्यापार संगठन (WTO) में भारत के राजदूत/स्थायी प्रतिनिधि नियुक्त। (1 मार्च, 2017)

➲ उनकी नियुक्ति 1 जून, 2017 से प्रभावी हो जाएगी। (कार्यकाल-31 जुलाई, 2018 तक)

❑ अमजद हुसैन बी. सियाल

➡ पाकिस्तान के वरिष्ठ राजनयिक; दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) के 13वें महासचिव के रूप में पदभार ग्रहण। (1 मार्च, 2017)

➲ **कार्यकाल-** 28 फरवरी, 2020 तक।

❑ डी.आर. डॉली बर्मन

➡ वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी; केंद्र सरकार द्वारा हैदराबाद स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी की निदेशक नियुक्त। (28 फरवरी, 2017)

➲ इस पद पर वह अकादमी की प्रथम महिला निदेशक अरुणा एम. बहुगुणा का स्थान लेंगी।

❑ विवेक चंद सहगल

➡ ई.वाई. आंत्रप्रेन्योर ऑफ द ईयर अवॉर्ड (EY Entrepreneur of the Year), 2016 के विजेता। (24 फरवरी, 2017)

➲ नंदन नीलेकणि को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड।

➡ विवेक चंद सहगल 'मदरसन समी सिस्टम्स लि.' के चेयरमैन हैं।

❑ केनेथ जे. ऐरो

➡ प्रसिद्ध अमेरिकी अर्थशास्त्री और अर्थशास्त्र में नोबेल पुरस्कार विजेता का निधन। (21 फरवरी, 2017)

- उन्हें वर्ष 1972 में ब्रिटेन के अर्थशास्त्री जॉन हिक्स के साथ अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

❑ उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति

➡ राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी द्वारा भारतीय संविधान के अनुच्छेद 124 के खंड (2) के तहत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए उच्चतम न्यायालय में 5 न्यायाधीशों की नियुक्ति को मंजूरी। (15 फरवरी, 2017)

- इसमें मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति नवीन सिन्हा, केरल उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मोहन एम. शांतानागौदर, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति दीपक गुप्ता और कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति एस. अब्दुल नजीर शामिल हैं।
- उपर्युक्त नियुक्तियों के साथ उच्चतम न्यायालय में भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) सहित न्यायाधीशों की कुल संख्या 28 हो गई है।

अन्य चर्चित व्यक्ति

- **राणा कंवर पाल सिंह—** कांग्रेस विधायक; 15वीं पंजाब विधान सभा के नए अध्यक्ष निर्वाचित। (27 मार्च, 2017)
- **अमूल थापर—** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा यूएस के छठवें सर्किट कोर्ट ऑफ अपील (The U.S. Court of Appeals for the Sixth Circuit) में जज नामित (21 मार्च, 2017)। वह इस शीर्ष न्यायिक पद हेतु नामित होने वाले भारतीय मूल के प्रथम अमेरिकी हैं।
- **डेरेक वॉलकाट्ट—** सेंट लूसिया के प्रसिद्ध कवि एवं नाटककार तथा वर्ष 1992 में साहित्य के नोबेल पुरस्कार विजेता का निधन। (17 मार्च, 2017)
- **चक बेरी—** प्रसिद्ध अमेरिकी रॉक एंड रोल संगीतकार तथा गिटारवादक का निधन। (18 मार्च, 2017)
- **प्रमोद सावंत—** भाजपा विधायक; गोवा विधान सभा के नए अध्यक्ष निर्वाचित। (22 मार्च, 2017)
- **न्यायमूर्ति नवनीति प्रसाद—** केरल उच्च न्यायालय के नए मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण। (20 मार्च, 2017)
- **न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता—** मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के नए मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण। (18 मार्च, 2017)
- **हाजी अब्दुल सलाम—** वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं राज्य सभा सदस्य का निधन। (28 फरवरी, 2017)
- **पी.के. पुरवार—** केंद्र सरकार द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी 'महानगर टेलीफोन निगम लि.' (MTNL) के नए अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नियुक्त। (2 मार्च, 2017)
- **नंद कुमार साय—** छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ आदिवासी नेता और पूर्व सांसद; राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (NCST) के नए अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण। (28 फरवरी, 2017)
- **देव राज सिक्का—** प्रसिद्ध मौसम विज्ञानी, का निधन। (18 मार्च, 2017)
- **अभिलाषा कुमारी—** त्रिपुरा उच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदभार ग्रहण। (फरवरी, 2017)
- **पुनाराम निषाद—** छत्तीसगढ़ के पंडवानी गायक का निधन (11 फरवरी, 2017)। वर्ष 2005 में केंद्र सरकार द्वारा पद्मश्री से सम्मानित।
- **तहमीना जंजुआ—** वरिष्ठ राजनयिक; पाकिस्तान की पहली महिला विदेश सचिव के रूप में पदभार ग्रहण। (20 मार्च, 2017)
- **फ्रांक-वाल्टर श्टेइनमायर—**जर्मनी के नए राष्ट्रपति के रूप में पदभार ग्रहण। (19 मार्च, 2017)

चर्चित स्थल

❑ कर्नाटक

➡ कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया द्वारा वित्तीय वर्ष 2017-18 के राज्य बजट प्रस्तुति के दौरान बंगलुरू शहर के लिए नम्मा कैंटीन की घोषणा। (15 मार्च, 2017)

➲ कैंटीन में 5 रुपये में नाश्ता और 10 रुपये में भोजन प्रदान किया जाएगा।

❑ हैदराबाद

➡ मर्सर क्वालिटी ऑफ लिविंग रैंकिंग, 2017 के अनुसार, जीवन स्तर के संदर्भ में हैदराबाद लगातार तीसरे वर्ष सर्वश्रेष्ठ भारतीय शहर है। (14 मार्च, 2017)

➲ वैश्विक स्तर पर वियना प्रथम स्थान पर है।

❑ गोरौल

➡ केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री राधामोहन सिंह द्वारा गोरौल, वैशाली (बिहार) में केला अनुसंधान केंद्र का शिलान्यास। (11 मार्च, 2017)

➲ भारत में केले का उत्पादन 14.2 मिलियन टन है।

➡ केला उत्पादन में महाराष्ट्र प्रथम तथा तमिलनाडु दूसरे स्थान पर है।

➲ भारत का केला उत्पादन में विश्व में प्रथम तथा क्षेत्रफल की दृष्टि से तीसरा स्थान है।

❑ महाराष्ट्र

➡ महाराष्ट्र टूरिज्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा मुंबई के पहले तैरते होटल 'एबी सेलेस्टिअल' का उद्घाटन। (11 मार्च, 2017)

➡ विश्व बैंक के सीईओ क्रिस्तालिना जार्जिएवा द्वारा अपनी मुंबई यात्रा के दौरान आगामी 2-3 वर्षों में महाराष्ट्र में शहरी परिवहन और जलवायु अनुरूप कृषि के क्षेत्र में 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक के सहायता कार्यक्रम की घोषणा। (28 फरवरी, 2017)

❑ केरल

➡ एनटीपीसी द्वारा भारत का सबसे बड़ा फ्लोटिंग सोलर पीवी प्लांट 'राजीव गांधी कम्बाइंड साइकल पॉवर प्लांट' (RGCCPP) कायमकुलम, केरल में लगाया गया। (10 मार्च, 2017)

❑ अटारी

➡ भारत-पाकिस्तान की सीमा अटारी (पंजाब) में देश का सबसे ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लगाया गया। (मार्च, 2017)

➲ इसकी लंबाई 120 फीट, चौड़ाई 80 फीट तथा ऊंचाई 110 मीटर (360 फीट) है।

❑ पश्चिम बंगाल

➡ संकटग्रस्त जनजातीय भाषा 'कुरुख' (Kurukh) को प. बंगाल में आधिकारिक दर्जा (Official Status) प्रदान किया गया।

➲ 'कुरुख' द्रविड़ भाषा-परिवार की एक भाषा है, जो 'ओरांव' जनजाति में प्रचलित है।

❑ तिब्बत

➡ चीन द्वारा तिब्बत में दूसरे सबसे बड़े हवाई अड्डा टर्मिनल को संचालन के लिए खोला गया। (6 मार्च, 2017)

➲ यह तिब्बत में खुलने वाला छठां टर्मिनल है, जो नईगचीनलिंग एयरपोर्ट का हिस्सा है।

❑ केरल

➡ केरल सरकार द्वारा राज्य में 20 लाख गरीब परिवारों को मुफ्त में इंटरनेट कनेक्शन दिए जाने की घोषणा। (3 मार्च, 2017)

➲ केरल, इंटरनेट को लोगों के अधिकार के रूप में घोषित करने वाला देश का पहला राज्य बना।

❑ विजयवाड़ा व तिरुपति

➡ आंध्र प्रदेश मंत्रिमंडल द्वारा विजयवाड़ा हवाई अड्डे और तिरुपति हवाई अड्डे के नाम परिवर्तित करने के प्रस्तावों को मंजूरी। (2 मार्च, 2017)

➲ विजयवाड़ा हवाई अड्डे का नाम परिवर्तित कर नन्दामुरी तारक रामाराव अमरावती हवाई अड्डा और तिरुपति हवाई अड्डे का नाम श्री वेंकटेश्वर हवाई अड्डा रखा गया।

❑ असम

➡ असम सरकार द्वारा राज्य के सभी स्कूलों में कक्षा 8 तक संस्कृत विषय का अध्ययन एवं कंप्यूटर शिक्षा अनिवार्य किए जाने की घोषणा। (मार्च, 2017)

❑ कनाडा

➡ वैज्ञानिकों द्वारा कनाडा के क्यूबेक प्रांत में विश्व के सबसे पुराने जीवाश्म की खोज का दावा किया गया। (1 मार्च, 2017)

➲ इन जीवाश्मों को 3.77-4.28 बिलियन वर्ष पुराना बताया जा रहा है।

❑ बनासकांठा

➡ केंद्रीय कृषि मंत्रालय के अनुसार, गुजरात का बनासकांठा भारत का सबसे बड़ा आलू उत्पादक जिला बना।

➲ इससे पूर्व यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश के आगरा जिला को प्राप्त थी।

❑ दिल्ली

➡ दिल्ली के रोहिणी में नागरिक उड्डयन मंत्रालय एवं पवन हंस लि. द्वारा देश के पहले एकीकृत हेलिपोर्ट का शुभारंभ किया गया। (28 फरवरी, 2017)

❑ बड़वाई

➡ मध्य प्रदेश जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, मानसिक एवं मंद बुद्धि व्यक्तियों हेतु प्रदेश का पहला स्थायी आश्रम भोपाल के ग्राम बड़वाई में स्थापित किया जाएगा। (28 फरवरी, 2017)।

➲ ऐसे स्थायी आश्रम शीघ्र ही इंदौर, ग्वालियर, सागर और जबलपुर में भी स्थापित किए जाएंगे।

❑ स्लोवेनिया

➡ मध्य यूरोपीय देश स्लोवेनिया द्वारा समलैंगिक विवाह को मंजूरी। (24 फरवरी, 2017)

➲ किंतु समलैंगिक विवाह करने वाले जोड़े को बच्चा गोद लेने की अनुमति नहीं प्रदान की गई है।

➡ इससे पूर्व कई यूरोपीय देशों यथा-ब्रिटेन, फ्रांस और स्पेन आदि में समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता प्रदान की गई है।

❑ कन्नूर

➡ केरल सरकार द्वारा 13वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान कन्नूर में अंतरराष्ट्रीय आयुर्वेदिक अनुसंधान संस्थान स्थापित करने का निर्णय। (22 फरवरी, 2017)

➲ निर्माण लागत राशि 300 करोड़ रुपये ।

➲ परियोजना केंद्रीय सहायता से कार्यान्वित।

❑ आंध्र प्रदेश

➡ मुंबई में आयोजित 'माइक्रोसॉफ्ट फ्यूचर डिकोडेड' समारोह के दौरान आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू एवं माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला के द्वारा समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर। (22 फरवरी, 2017)

➡ समझौते के तहत आंध्र प्रदेश माइक्रोसॉफ्ट की अज्योर स्टेक (Azure Stack) का लाभ उठाने वाला पहला राज्य।

❑ तिरुवनंतपुरम

➡ जनाग्रह सेंटर फॉर सिटीजनशिप एंड डेमोक्रेसी द्वारा जारी भारतीय शहरों के चौथे वार्षिक सर्वेक्षण में तिरुवनंतपुरम को पहला स्थान प्राप्त हुआ। (फरवरी, 2017)

❑ कोलकाता

➡ भारतीय राष्ट्रीय बीज एसोसिएशन द्वारा 7वीं भारतीय बीज कांग्रेस, 2017 का आयोजन कोलकाता में। (12-14 फरवरी, 2017)

थीम—'सीड ऑफ जॉय' (Seed of Joy)

पुरस्कार/सम्मान

❑ 7वां केसी कुलिस इंटरनेशनल मेरिट अवॉर्ड

➡ गंगा नदी में प्रदूषण की समस्या उजागर करने के लिए 'दैनिक जागरण' को वर्ष 2014 का केसी कुलिस इंटरनेशनल मेरिट अवॉर्ड प्रदान किया गया। (20 मार्च, 2017)

❑ टाइम्स ऑफ इंडिया स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स 2017

➡ टाइम्स ऑफ इंडिया स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स समारोह का मुंबई में आयोजन (20 मार्च, 2017)।

➲ यह पुरस्कार खिलाड़ियों द्वारा वर्ष 2016 में किए गए उनके प्रदर्शनों के आधार पर दिया गया है।

- **वर्ष का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी और वर्ष का सर्वश्रेष्ठ बैडमिंटन खिलाड़ी** — पी.वी. सिंधु
- **लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार**— अजीत पाल सिंह (हॉकी)
- **क्रिकेट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी**— रविचंद्रन अश्विन
- **वर्ष का सर्वश्रेष्ठ बॉक्सर (ज्यूरी च्वॉइस)**— विकास कृष्ण
- **वर्ष का सर्वश्रेष्ठ हॉकी खिलाड़ी**— रुपिन्दर पाल सिंह
- **वर्ष का सर्वश्रेष्ठ बिलियर्ड्स खिलाड़ी**— पंकज आडवाणी
- **जिमनास्ट एंड इंस्पिरेशन ऑफ द ईयर**— दीपा करमाकर
- **वर्ष की सर्वश्रेष्ठ पहलवान**— साक्षी मालिक
- **वर्ष की सर्वश्रेष्ठ शंतरज खिलाड़ी**— हरिका द्रोणवल्ली
- **पीपल्स च्वॉइस क्रिकेटर ऑफ द ईयर**— विराट कोहली
- **वर्ष का सर्वश्रेष्ठ स्पोर्टिंग राज्य**— हरियाणा
- **वर्ष का सर्वश्रेष्ठ उभरता खिलाड़ी**— ऋषभ पंत (क्रिकेट)

❑ 2017 आईईईई स्पेक्ट्रम अवॉर्ड

➡ इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मद्रास को वर्ष 2017 का इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स

इंजीनियरिंग स्पेक्ट्रम टेक्नोलॉजी अवॉर्ड प्रदान किया गया। (मार्च, 2017)

- ➲ इस संस्थान को यह पुरस्कार सौर-निर्देशित विद्युत इनवर्टर तंत्र के विकास हेतु प्रदान किया गया है।

❑ वैश्विक शिक्षक पुरस्कार, 2017

➡ वार्की फाउंडेशन द्वारा कनाडा की शिक्षिका मैगी मैकडॉनल (Maggie McDonnell) को। (19 मार्च, 2017)

❑ रिजेनेरॉन विज्ञान प्रतिभा खोज पुरस्कार, 2017

➡ अमेरिका के सबसे पुराने एवं प्रतिष्ठित रिजेनेरॉन विज्ञान प्रतिभा खोज पुरस्कारों की घोषणा। (14 मार्च, 2017)

- ➲ भारतीय मूल की इंद्राणी दास को प्रथम तथा अर्जुन श्रीनिवासन रमैनी को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

❑ 26वां सरस्वती सम्मान, 2016

➡ के.के. बिरला फाउंडेशन द्वारा कोंकणी भाषा के प्रसिद्ध साहित्यकार महाबलेश्वर सैल को। (9 मार्च, 2017)

- ➲ उन्हें यह सम्मान वर्ष 2009 में प्रकाशित उनके प्रसिद्ध उपन्यास 'हावठण' (Hawthan) के लिए प्रदान किया जाएगा।
- ➲ उन्हें उनके लघु कथा संकलन 'तरंगन' के लिए वर्ष 1993 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

❑ BCCI वार्षिक पुरस्कार, 2015-16

➡ भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के वर्ष 2015-16 के वार्षिक पुरस्कारों का वितरण बंगलुरू में किया गया। (8 मार्च, 2017)

- ➲ पूर्व भारतीय क्रिकेटर राजिंदर गोयल एवं पद्माकर शिवालकर, कर्नल सी.के. नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित।

➡ पहली बार महिला खिलाड़ी के लिए सृजित BCCI लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड भारत की प्रथम टेस्ट कप्तान शांता रंगास्वामी को।

- ➲ BCCI विशिष्ट पुरस्कार वी.वी. कुमार एवं रमाकांत देसाई (मरणोपरांत) को।

➡ दिलीप सरदेसाई अवॉर्ड रविचंद्रन अश्विन को।

➲ सर्वश्रेष्ठ भारतीय क्रिकेटर वर्ष 2015-16 के लिए विराट कोहली, पॉली उमरीगर अवॉर्ड से सम्मानित।

- ➲ इससे पूर्व विराट कोहली को वर्ष 2011-12 तथा 2014-15 में भी सबसे सफल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर के लिए पॉली उमरीगर पुरस्कार प्रदान किया गया।
- ➲ वितरित किए गए अन्य प्रमुख पुरस्कार इस प्रकार रहे-

➡ **लाला अमरनाथ अवॉर्ड**

- ➲ रणजी ट्रॉफी के सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर हेतु-जलज सक्सेना (मध्य प्रदेश)
- ➲ घरेलू सीमित ओवर के टूर्नामेंटों के सर्वश्रेष्ठ ऑलरांउडर हेतु-अक्षर पटेल (गुजरात)

➡ **माधवराव सिंधिया अवॉर्ड**

- ➲ रणजी ट्रॉफी में सर्वाधिक रन हेतु-श्रेयश अय्यर (मुंबई)
- ➲ रणजी ट्रॉफी में सर्वाधिक विकेट लेने हेतु-शाहबाज नदीम (झारखंड)

➡ **एम.ए. चिदंबरम ट्रॉफी**

- ➲ U-23 सी.के. नायडू ट्रॉफी, 2015-16 में सर्वाधिक रन हेतु-जय बिष्टा (मुंबई)

➡ U-23 सी.के. नायडू ट्रॉफी, 2015-16 में सर्वाधिक विकेट लेने हेतु-सत्यजीत बछाव (महाराष्ट्र)

➡ **जगमोहन डालमिया अवॉर्ड**

➲ सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर (सीनियर)-मिताली राज

➲ सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर (जूनियर)-दीप्ति शर्मा (उत्तर प्रदेश)

➡ घरेलू क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ अंपायर-नितिन मेनन

➲ BCCI घरेलू टूर्नामेंटों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन-मुंबई क्रिकेट एसोशिएसन

❑ हिंदी अकादमी सम्मान, 2016-17

➡ हिंदी अकादमी (दिल्ली) द्वारा हिंदी अकादमी सम्मान, 2016-17 की घोषणा की गई। (6 मार्च, 2017)

- **शलाका सम्मान—** डॉ. मैनेजर पांडेय
- **दिल्ली शिखर सम्मान—** नूर जहीर
- **संतोष कोली स्मृति सम्मान—** जगमति सांगवान
- **विशिष्ट योगदान सम्मान—** जयप्रकाश कर्दम
- **हिंदी सेवा सम्मान—** डॉ. जानकी प्रसाद शर्मा

❑ यश चोपड़ा मेमोरियल अवॉर्ड, 2017

➡ अभिनेता शाहरुख खान को। (25 फरवरी, 2017)

➲ इस पुरस्कार का यह चौथा संस्करण है।

❑ हॉर्वर्ड यूनिवर्सिटी मानवतावादी पुरस्कार, 2017

➡ बारबडोस में जन्मीं गायिका रॉबिन रिहाना फेंटी को। (28 फरवरी, 2017)

➲ रिहाना को यह पुरस्कार बारबडोस (ब्रिजटाउन) स्थित क्वीन एलिजाबेथ हॉस्पिटल में कैंसर विज्ञान हेतु स्टेट-ऑफ आर्ट सेंटर की स्थापना के लिए दिया गया।

❑ डॉ. सत्यपाल ओझा मेमोरियल अवॉर्ड

➡ आईएमए (Indian Medical Association), उत्तराखंड के सचिव डॉ. डी.डी. चौधरी को। (25 जनवरी, 2017)

❑ ईएसपीएन क्रिकइंफो अवॉर्ड्स, 2016

➡ 10वें ईएसपीएन क्रिकइंफो अवॉर्ड्स, 2016 की घोषणा। (24 फरवरी, 2017)

➲ भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली को 'वर्ष का कप्तान' चुना गया।

➡ **अन्य पुरस्कार प्राप्तकर्ता**

- **सर्वश्रेष्ठ टेस्ट बल्लेबाज—** बेन स्टोक्स (इंग्लैंड)
- **सर्वश्रेष्ठ टेस्ट गेंदबाज—** स्टुअर्ट ब्रॉड (इंग्लैंड)
- **सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय बल्लेबाज—** क्विंटन डी कॉक (द. अफ्रीका)
- **सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय गेंदबाज—** सुनील नारायण (वेस्टइंडीज)
- **सर्वश्रेष्ठ टी-20 बल्लेबाज—** कार्लोस ब्रैथवेट (वेस्टइंडीज)
- **सर्वश्रेष्ठ टी-20 गेंदबाज—** मुस्ताफिजुर रहमान (बांग्लादेश)
- **वर्ष का सर्वश्रेष्ठ पदार्पण—** मेहंदी हसन (बांग्लादेश)
- **सर्वश्रेष्ठ महिला बल्लेबाज—** हैले मैथ्युज (वेस्टइंडीज)
- **सर्वश्रेष्ठ महिला गेंदबाज—** लेइघ कैस्पेरेक (न्यूजीलैंड)
- **स्टैट्सगुरु अवॉर्ड—** विराट कोहली (भारत)

❑ डॉ. बी.सी. राय नेशनल अवॉर्ड, 2016

➡ मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा वर्ष 2016 के लिए डॉ. पी. रघुराम और डॉ. संजय कुलकर्णी को। (24 जनवरी, 2017)

❑ 26वां व्यास सम्मान, 2016

➡ के.के. बिरला फाउंडेशन द्वारा हिंदी के प्रसिद्ध साहित्यकार और नाट्य लेखक सुरेंद्र वर्मा को। (16 फरवरी, 2017)

➲ उन्हें यह सम्मान उनके उपन्यास 'काटना शमी का वृक्ष : पद्मपंखुरी की धार से' के लिए प्रदान किया जाएगा।

❑ कायाकल्प पुरस्कार, 2016-17

➡ केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा द्वारा विभिन्न संस्थानों को कायाकल्प पुरस्कार, 2016-17 प्रदान किया गया। (15 फरवरी, 2017)

- **प्रथम पुरस्कार—** ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली।
- **द्वितीय पुरस्कार—** नार्थ ईस्टर्न इंदिरा गांधी रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड मेडिकल साइंसेज, शिलांग।
- **तृतीय पुरस्कार—** पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़।

❑ 70वां बाफ्टा पुरस्कार

➡ रॉयल अल्बर्ट हॉल, लंदन में आयोजित, पुरस्कार वितरण समारोह में 70वें बाफ्टा पुरस्कार प्रदान किए गए। (12 फरवरी, 2017)

➲ **सर्वश्रेष्ठ फिल्म**-ला ला लैंड (निर्देशक-डेमियन चैज़ले)

➲ **सर्वश्रेष्ठ निर्देशक**-डेमियन चैज़ले (फिल्म-ला ला लैंड)

➲ **सर्वश्रेष्ठ अभिनेता**-केसी एफलेक (फिल्म-मैनचेस्टर बाई द सी)

➲ **सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री**-एमा स्टोन (फिल्म-ला ला लैंड)

➲ **सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता**-देव पटेल (फिल्म-लॉयन)

➲ **सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री**-वियोला डेविस (फिल्म-फेंसेस)

➲ **उत्कृष्ट ब्रिटिश फिल्म**-आई, डेनियल ब्लेक (I, Daniel Blake)

❑ 59वें ग्रैमी अवॉर्ड्स

➡ संगीत के नोबेल पुरस्कार के नाम से प्रतिष्ठित ग्रैमी अवॉर्ड्स के 59वें संस्करण का आयोजन लॉस एंजिल्स, कैलिफोर्निया (अमेरिका) में संपन्न। (12 फरवरी, 2017)

➡ विभिन्न वर्गों में प्रदान किए गए पुरस्कारों में कुछ प्रतिष्ठित पुरस्कार इस प्रकार हैं—

➲ रिकॉर्ड ऑफ द ईयर-'हेलो' (Hello), (गायिका-अडेल)

➲ एल्बम ऑफ द ईयर- 25, (गायिका-अडेल)

➲ सांग ऑफ द ईयर-हेलो (गायिका-अडेल)

➲ बेस्ट न्यू आर्टिस्ट-चांसलर जोनाथन बेनेट (चांस द रैपर)

➲ बेस्ट पॉप सोलो परफॉर्मेंस-हेलो (अडेल)

➡ पटना के तबला वादक संदीप दास 'बेस्ट वर्ल्ड म्यूजिक एल्बम' श्रेणी के विजेता यो यो मा (Yo Yo ma) के एल्बम 'सिंग मी होम' के सह-कलाकार हैं।

➡ एक अन्य भारतीय गायिका एवं सितार वादक अनुष्का शंकर के एल्बम 'लैंड ऑफ गोल्ड' को भी इसी श्रेणी में नामित किया गया था।

➡ इस बार के वार्षिक अवॉर्ड्स में ब्रिटिश गायिका अडेल (Adele) को सर्वाधिक 5 श्रेणियों में विजेता घोषित किया गया।

❑ 67वां बर्लिन अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल, 2017

➡ बर्लिन (जर्मनी) में आयोजित। (9-18 फरवरी, 2017)

➲ **फेस्टिवल में प्रदत्त पुरस्कार—**

➡ सर्वश्रेष्ठ फिल्म का गोल्डेन बीयर पुरस्कार- ऑन बॉडी एंड सोल (On Body & Soul)

➡ सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का सिल्वर बीयर पुरस्कार-अकी कौरिस्मॉकी (फिल्म-द अदर साइड ऑफ होप)

➡ **सर्वश्रेष्ठ अभिनेता-** जॉर्ज फ्रेडरिक (फिल्म-ब्राइट नाइट्स)

➡ **सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री-** किम मिन-ही (फिल्म-ऑन द बीच एट नाइट एलोन)

❑ जेनिसिस प्राइज, 2017

➡ भारतीय मूल के ब्रिटिश मूर्तिकार सर अनीस कपूर को वर्ष 2017 का जेनिसिस प्राइज प्रदान करने की घोषणा की गई। (5 फरवरी, 2017)

➲ वर्ष 2012 में स्थापित इस पुरस्कार को टाइम मैगजीन द्वारा यहूदी नोबेल (Jewish Nobel) कहा जाता है।

❑ 74वां गोल्डेन ग्लोब पुरस्कार

➡ अमेरिका के लॉस एंजिल्स, कैलिफोर्निया में वर्ष 2017 के गोल्डेन ग्लोब पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। (8 जनवरी, 2017)

➡ **मोशन पिक्चर्स; नाट्य वर्ग (Drama)**

➲ **सर्वश्रेष्ठ फिल्म**-मूनलाइट (निर्देशक-बैरी जेनकिन्स)

➲ **सर्वश्रेष्ठ अभिनेता**-केसी एफलेक (फिल्म-मैनचेस्टर बाई द सी)

➲ **सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री**-इसाबेल हुपर्ट (फिल्म-एली)

➡ **मोशन पिक्चर्स; संगीत या हास्य** (Music or Comedy)

➲ **सर्वश्रेष्ठ फिल्म**-ला ला लैंड (निर्देशक-डेमियन चैज़ले)

➲ **सर्वश्रेष्ठ अभिनेता**-रयान गॉस्लिंग (फिल्म-ला ला लैंड)

➲ **सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री**-एमा स्टोन (फिल्म-ला ला लैंड)

➡ **अन्य पुरस्कार**

➲ **सर्वश्रेष्ठ निर्देशक**-डेमियन चैज़ले

➲ **सर्वश्रेष्ठ विदेशी भाषा फिल्म**-एली (फ्रांस)

योजना/परियोजना

❑ दीन दयाल रसोई योजना

➡ मध्य प्रदेश सरकार द्वारा खाद्य सब्सिडी के तहत पं. दीन दयाल उपाध्याय की 100वीं जयंती के अवसर पर दीन दयाल रसोई योजना की शुरुआत। (1 अप्रैल, 2017)

➡ योजनांतर्गत न्यूनतम 5 रुपये में भोजन प्रदान किया जाएगा।

➲ राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2017 को 'गरीब कल्याण वर्ष' के रूप में मनाने का निर्णय किया गया है।

❑ एमओपीएनजी ई-सेवा का शुभारंभ

➡ पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र प्रधान द्वारा 'एमओपीएनजी ई-सेवा' (MoPNG e-Seva) का शुभारंभ। (24 मार्च, 2017)

➲ यह तेल एवं गैस क्षेत्र से जुड़े सभी सवालों एवं शिकायतों के लिए सोशल मीडिया पर एक समर्पित शिकायत निवारण प्लेटफार्म है।

❑ तीर्थ दर्शन योजना

➡ हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा तीर्थ दर्शन योजना की घोषणा। (मार्च, 2017)

➲ योजनांतर्गत 400 से अधिक तीर्थ स्थानों को सम्मिलित किया गया है।

➲ इस योजना के तहत बीपीएल श्रेणी के वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष से ऊपर) की यात्रा का पूरा खर्च राज्य सरकार वहन करेगी।

➡ गरीबी रेखा से ऊपर के वरिष्ठ नागरिकों के यात्रा खर्च का 70 प्रतिशत सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।

❑ डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र

➡ विदेश मंत्रालय द्वारा डाक विभाग की भागीदारी में देश के प्रत्येक जिले में 'पासपोर्ट सेवा केंद्र'

खोलने की नई पहल के पहले चरण के तहत हरियाणा के तीन जिलों में 'डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र', (POPSK) शुरू करने का निर्णय। (मार्च, 2017)

- यह सेवा हिसार, करनाल और फरीदाबाद के मुख्य डाकघरों में शुरू की जाएगी।

❑ एशिया का पहला एयरबस प्रशिक्षण केंद्र

➡ यूरोपियन एयरक्राफ्ट विनिर्माता कंपनी एयरबस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टॉम एंडर्स द्वारा नई दिल्ली स्थित एयरोसिटी में 'एशिया का पहला एयरबस प्रशिक्षण केंद्र' खोलने की घोषणा।

❑ देश का पहला आधार-पे ऐप लांच

➡ आईडीएफसी (IDFC) बैंक द्वारा देश का पहला आधार से जुड़े कैशलेस मर्चेंट सॉल्यूशन (India's First Aadhar Linked Cashless Merchant Solution) 'आईडीएफसी आधार पे ऐप' लांच। (7 मार्च, 2017)

- यह ऐप भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (UIDAI) और भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (NPCI) द्वारा विकसित किया गया है।

❑ अंत्योदय एक्सप्रेस और हमसफर एक्सप्रेस ट्रेन

➡ रेलमंत्री सुरेश प्रभाकर प्रभु ने रेल भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पहली अंत्योदय एक्सप्रेस ट्रेन और चौथी हमफसर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। (27 फरवरी, 2017)

- अंत्योदय एक्सप्रेस (22877/22878) (साप्ताहिक) एर्नाकुलम और हावड़ा के बीच चलेगी।
- चौथी हमसफर ट्रेन (14715/14716) (साप्ताहिक) श्री गंगानगर और तिरुचिरापल्ली के मध्य चलेगी।

❑ अरुण-III जलविद्युत परियोजना

➡ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति द्वारा पूर्वी नेपाल के संखुवासभा जिले में अरुण-III जलविद्युत परियोजना (900 मेगावॉट) के प्रस्ताव को मंजूरी। (22 फरवरी, 2017)

- यह परियोजना अरुण नदी पर स्थापित की जाएगी।
- इस 'रन-ऑफ-रीवर' परियोजना के तहत 70 मीटर ऊंचा कंक्रीट गुरुत्व बांध और 11.74 किमी. की' हेड रेस टनल' (HRT) की परिकल्पना की गई है।
- क्रियान्वयन अवधि 5 वर्ष और अनुमानित लागत 5,723.72 करोड़ रुपये है।

❑ परियोजना 'खादी गांव'

➡ खादी और ग्रामोद्योग आयोग (KVIC) द्वारा परियोजना खादी गांव की स्थापना की घोषणा। (15 फरवरी, 2017)

- **उद्देश्य**-ग्रामीण आबादी को आत्मनिर्भर बनाना और शहरों में उनके प्रवास को रोकना।

➡ परियोजना के तहत 1 वर्ष में प्रत्येक राज्य में 5 खादी गांव स्थापित किए जाएंगे।

❑ ई-जेल परियोजना

➡ जम्मू-कश्मीर के सूचना प्रौद्योगिकी, तकनीकी शिक्षा और युवा सेवाएं एवं खेल राज्य मंत्री मौलवी इमरान रजा अंसारी द्वारा जम्मू में ई-जेल परियोजना का उद्घाटन। (13 फरवरी, 2017)

- परियोजना के तहत 25 जिला जेलों, दो केंद्रीय जेलों और एक उप-जेल का डिजिटलीकरण किया जाएगा।

❑ कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना

➡ वित्त मंत्रालय द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के कर्मचारियों के लिए

कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना (Employee Stock Option Plans) को सैद्धांतिक मंजूरी प्रदान की गई। (मार्च, 2017)

➲ यह सुविधा ऐसे सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को प्रदान की जाएगी, जिन्होंने न केवल लाभ अर्जित किया हो, बल्कि अपनी गैर-निष्पादनकारी परिसंपत्तियों (NPA) के प्रबंधन में सुधार भी किया हो।

ऑपरेशन/अभियान

❑ 'सूर्य किरण' सैन्याभ्यास

➡ भारत और नेपाल की थल सेना के मध्य 11वां संयुक्त सैन्याभ्यास 'सूर्य किरण'

पंचशूल ब्रिगेड के तत्वावधान में पिथौरागढ़ में संपन्न। (7-20 मार्च, 2017)

❑ HCFC फेज आउट मैनेजमेंट प्लान

➡ केंद्रीय पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा वर्ष 2017-23 की अवधि के लिए एचसीएफसी फेज आउट मैनेजमेंट प्लान (HCFC Phase Out Management Plan) का दूसरा चरण प्रारंभ किया गया। (6 मार्च, 2017)

➲ **उद्देश्य**—हाइड्रो-क्लोरो-फ्लोरोकार्बन्स (HCFCs) एवं ओजोन क्षरण करने वाले अन्य हानिकारक तत्वों को दैनिक उपयोग से खत्म करना।

➡ मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के तहत स्थापित एक बहुपक्षीय कोष ने वर्ष 2017-23 की अवधि हेतु भारत की एचसीएफसी प्रबंधन योजना के लिए 44.1 मिलियन डॉलर की धनराशि अनुमोदित की है।

❑ जलीय जीवों की गणना हेतु सर्वेक्षण

➡ भारत सरकार द्वारा जलीय जीवों की गणना हेतु देश का पहला नदी-सर्वेक्षण गंगा नदी में प्रारंभ किया गया। (1 मार्च, 2017)

➲ इन जलीय जीवों में संकटग्रस्त डॉल्फिन (सूस) भी शामिल है।

➲ पहले चरण के तहत नरौरा से बिजनौर तक सर्वेक्षण प्रारंभ।

➡ इस सर्वेक्षण का परिचालन भारतीय वन्य जीव संस्थान द्वारा 'नमामि गंगे' कार्यक्रम के अंतर्गत किया जा रहा है।

❑ ऑपरेशन थंडरबर्ड

➡ 30 जनवरी - 19 फरवरी, 2017 के मध्य, वन्यजीवों के प्रति हो रहे अपराधों की रोकथाम

हेतु 'वन्य जीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो' (WCCB) द्वारा 'ऑपरेशन थंडरबर्ड' (Operation Thunderbird) चलाया गया।

❑ ऑपरेशन 'सेव कूर्म'

➡ 15 दिसंबर, 2016 - 30 जनवरी, 2017 के बीच वन्य जीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो द्वारा कछुओं पर एक प्रजाति-विशेष अभियान 'सेव कूर्म' (Save Kurma) चलाया गया।

❑ अमन-17

➡ छठां बहुराष्ट्रीय नौ-सैनिक अभ्यास अमन-17 उत्तरी अरब सागर में संपन्न। (10-14 फरवरी, 2017)

➲ अमन-17 का स्लोगन 'टुगेदर फॉर पीस' था।

➡ **उद्देश्य**-क्षेत्र में मानव तथा मादक पदार्थों की तस्करी और आतंकवाद को रोकने में मदद करना।

❑ अल-नागाह सैन्याभ्यास

➡ भारत और ओमान की सेनाओं के मध्य धौलाधार श्रेणी में स्थित हिमाचल प्रदेश के बकलोह में द्वितीय संयुक्त सैन्य अभ्यास अल-नागाह संपन्न। (6-19 मार्च, 2017)

➲ पहला संयुक्त सैन्य अभ्यास जनवरी, 2015 में मस्कट, ओमान में आयोजित किया गया था।

आयोग/समिति

❑ मधुकर गुप्ता समिति

➡ सीमा-सुरक्षा से संबंधित खतरों पर गठित। मधुकर गुप्ता समिति ने अपनी रिपोर्ट गृह मंत्रालय को सौंप दी। (14 मार्च, 2017)

❑ माइग्रेशन पर कार्यदल

➡ दूसरे राज्यों से आए लोगों के हितों की रक्षा हेतु पार्थ मुखोपाध्याय की अध्यक्षता में गठित 'उत्प्रवासन (माइग्रेशन) पर कार्यदल' ने अपनी रिपोर्ट केंद्र सरकार को सौंपी।

➲ इस कार्यदल की मुख्य सिफारिशों में देश-भर में दूसरे राज्यों से आए लोगों के हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कानूनी एवं नीतिगत रूपरेखा तैयार करना तथा ऐसे लोगों की जाति आधारित गणना के लिए भारत की महापंजीयक प्रोटोकॉल में संशोधन करना इत्यादि शामिल हैं।

➲ इस कार्यदल का गठन आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय द्वारा वर्ष 2015 में किया गया था।

❑ मीना हेमचंद्र कमेटी

➡ रिजर्व बैंक द्वारा साइबर सुरक्षा पर अंतर-अनुशासनिक स्थायी कमेटी की स्थापना की घोषणा। (28 फरवरी, 2017)

➲ मीना हेमचंद्र की अध्यक्षता वाली इस कमेटी में कुल 11 सदस्य हैं।

सम्मेलन/समारोह

❑ नदी महोत्सव 'नमामि ब्रह्मपुत्र'

➡ भारत के सबसे बड़े नदी महोत्सव 'नमामि ब्रह्मपुत्र' का आयोजन। (31 मार्च से 4 अप्रैल, 2017 तक)

➲ इसका आयोजन असम के 21 जिलों में किया जाएगा।

❑ फिक्की फ्रेम्स, 2017

➡ उद्योग मंडल फिक्की की ओर से मीडिया और मनोरंजन उद्योग का वार्षिक सम्मेलन 'फिक्की फ्रेम्स, 2017' मुंबई में आयोजित। (21-23 मार्च, 2017)

➲ मुख्य विषय (Theme) डिजिटल : डिवाइड ऑर डिविडेंड।

❑ अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन

➡ केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय तथा नव नालंदा महावीर डीम्ड यूनिवर्सिटी द्वारा 'अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन' राजगीर, बिहार में आयोजित। (17-19 मार्च, 2017)

➲ बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा तथा केंद्रीय संस्कृति मंत्री महेश शर्मा ने सम्मेलन का उद्घाटन किया।

❑ कृषि उन्नति मेला, 2017

➡ कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) द्वारा संयुक्त रूप से राष्ट्रीय स्तर के कृषि मेले एवं प्रदर्शनी 'कृषि उन्नति मेला, 2017' का 'भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान' (IARI), पूसा, नई दिल्ली में आयोजन। (15-17 मार्च, 2017)

❑ 12वां सीआईआई-एक्जिम बैंक सम्मेलन

➡ राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी द्वारा नई दिल्ली में भारत-अफ्रीका परियोजना भागीदारी पर 12वें सीआईआई-एक्जिम बैंक सम्मेलन का उद्घाटन। (9 मार्च, 2017)

➲ इसका आयोजन विदेश मंत्रालय और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के सहयोग से सीआईआई-एक्जिम बैंक द्वारा किया गया।

❑ यूक्रेन में भारत महोत्सव

➡ यूक्रेन में भारत महोत्सव का आयोजन। (8 मार्च से 23 अक्टूबर, 2017 तक)

➲ महोत्सव के तहत कार्यक्रम यूक्रेन के विभिन्न शहरों कीव, ओडेसा, माइकोलाइव, खेरसॉन, ल्विव, इवानो- फ्रैंकीविस्क, पोल्टावा और टेरनोपिल में आयोजित होंगे।

❑ आईसीईजीओवी, 2017

➡ इलेक्ट्रॉनिक गवर्नेंस के सिद्धांत एवं कार्यप्रणाली पर 10वां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आईसीईजीओवी, 2017 (ICEGOV, 2017) नई दिल्ली में आयोजित। (7-9 मार्च, 2017)

➲ भारत ने पहली बार इस सम्मेलन की मेजबानी की।

➡ **मुख्य विषय-** 'ज्ञान समाज का निर्माण करना : डिजिटल सरकार से लेकर डिजिटल सशक्तीकरण तक' (Building Knowledge Societies from Digital Government to Digital Empowerment)' था।

➲ यह सम्मेलन भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय और यूनेस्को के सहयोग से आयोजित किया गया।

❑ डेस्टीनेशन नॉर्थ ईस्ट, 2017

➡ चंडीगढ़ में 'डेस्टीनेशन नॉर्थ ईस्ट, 2017' कार्यक्रम आयोजित। (6-8 मार्च, 2017)

➲ इस मेगा कार्यक्रम का आयोजन पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय द्वारा पीएचडी वाणिज्य एवं उद्योग मंडल के सहयोग से किया गया।

➲ **सम्मेलन की विषयवस्तु :** पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास हेतु तकनीकियों का उचित एवं प्रभावशाली तरीके से उपयोग करना।

❑ 13वां आर्थिक सहयोग संगठन सम्मेलन

➡ 1 मार्च, 2017 को 13वें 'आर्थिक सहयोग संगठन' सम्मेलन का आयोजन इस्लामाबाद (पाकिस्तान) में किया गया।

➲ आर्थिक सहयोग संगठन की स्थापना वर्ष 1985 में ईरान, पाकिस्तान और तुर्की द्वारा की गई थी।

➲ वर्तमान में इसके 10 सदस्य हैं।

➡ भारत इसका सदस्य नहीं है।

❑ मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस, 2017

➡ 27 फरवरी से 2 मार्च, 2017 के मध्य मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस, 2017 का आयोजन बार्सिलोना (स्पेन) में किया गया।

❑ तृतीय राष्ट्रीय बांध सुरक्षा सम्मेलन

➡ रुड़की, उत्तराखंड में आयोजित। (18-19 फरवरी, 2017)

- ➲ सम्मेलन का आयोजन केंद्रीय जल आयोग द्वारा उत्तराखंड जलविद्युत निगम एवं आईआईटी रुड़की के सहयोग से किया गया।
- ➲ लगभग 283 बिलियन क्यूबिक मीटर की कुल भंडारण क्षमता के साथ बड़े बांधों की संख्या के हिसाब से भारत का विश्व में चीन और अमेरिका के बाद तीसरा स्थान है।

❑ द्वितीय अंतरराष्ट्रीय मसाला सम्मेलन

➡ कोवलम, केरल में संपन्न। (12-14 फरवरी, 2017)

- ➲ मुख्य विषय (Theme)- '21वीं सदी मसाला उद्योग-बाधित या बाधित होना' (21st Century Spice Industry-Disrupt or be Disrupted)।

➡ प्रथम अंतरराष्ट्रीय मसाला सम्मेलन गोवा में आयोजित हुआ था।

❑ राष्ट्रीय महिला संसद

➡ राष्ट्रीय महिला संसद अमरावती, आंध्र प्रदेश में आयोजित। (10-12 फरवरी, 2017)।

- ➲ मुख्य विषय (Theme)- 'महिला सशक्तीकरण से लोकतंत्र का सुदृढ़ीकरण'।

❑ हुनर हाट का दूसरा संस्करण

➡ हुनर हाट का दूसरा संस्करण कनॉट प्लेस, नई दिल्ली में आयोजित। (11-26 फरवरी, 2017)

- ➲ मुख्य विषय-'शिल्प और व्यंजन का संगम'।

संधि/समझौता

❑ व्यापार सुविधा समझौता लागू

➡ वर्ष 2013 में बाली में विश्व व्यापार संगठन (WTO) की मंत्रिस्तरीय बैठक में हुआ व्यापार सुविधा समझौता (TFA : Trade Facilitation Agreement) 22 फरवरी, 2017 से लागू हो गया।

- ➲ 22 अप्रैल, 2016 को भारत द्वारा इस समझौते का अनुसमर्थन किया गया था।

❑ एलबीएसएनए और एनआईपीएएम के मध्य समझौता

➡ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा मसूरी स्थित 'लाल बहादुर शास्त्री नेशनल एकेडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन' (LBSNAA) और नामीबिया के 'नामीबिया इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट' (NIPAM) के बीच क्षमता निर्माण हेतु समझौता-ज्ञापन को मंजूरी (15 मार्च, 2017)

- ➲ इस समझौते के तहत लोक प्रशासकों के क्षमता निर्माण एवं अन्य प्रशिक्षण गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

❑ रेल मंत्रालय और यूएनईपी के मध्य समझौता

➡ रेल मंत्रालय द्वारा पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में संयुक्त सहयोग को औपचारिक रूप प्रदान करने हेतु संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) के साथ एक आशय-पत्र पर हस्ताक्षर। (9 मार्च, 2017)

❑ भारत-बेल्जियम के मध्य समझौता

➡ भारत और बेल्जियम के मध्य नई दिल्ली में दोहरा कराधान निवारण और वित्तीय अपवंचन की रोकथाम के लिए मौजूदा समझौते में संशोधन करने हेतु प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर। (9 मार्च, 2017)

❑ भारत व पोलैंड के मध्य समझौता

➡ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में सहयोग हेतु भारत व पोलैंड के मध्य समझौते पर हस्ताक्षर को स्वीकृति। (22 फरवरी, 2017)

- ➲ कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र में भारत-पोलैंड द्विपक्षीय सहयोग पर नई दिल्ली में सम्मेलन का आयोजन। (8 मार्च, 2017)

❑ ओला और मध्य प्रदेश सरकार के मध्य समझौता

➡ टैक्सी सेवा प्रदाता कंपनी ओला और मध्य प्रदेश सरकार के मध्य, राज्य में 25,000 लोगों को प्रशिक्षण देने हेतु समझौता। (मार्च, 2017)

➲ इसके लिए ओला कंपनी ने मध्य प्रदेश राज्य कौशल विकास मिशन तथा कौशल विकास निदेशालय (तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास विभाग) के साथ सहमति-पत्र पर हस्ताक्षर किए।

❑ भारत व ग्रीस के मध्य समझौता

➡ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा भारत व ग्रीस के मध्य हवाई सेवा समझौते पर हस्ताक्षर को मंजूरी। (22 फरवरी, 2017)

➲ **उद्देश्य**—नागरिक उड्डयन के क्षेत्र में विकास के द्वारा दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश, पर्यटन एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करना।

❑ भारत व इस्राइल के मध्य समझौता

➡ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा भारत व इस्राइल के मध्य 17,000 करोड़ रुपये राशि के मिसाइल समझौते को मंजूरी। (22 फरवरी, 2017)

➲ इस समझौते के तहत दोनों देशों द्वारा सेना के लिए सतह से हवा में मार करने वाली मध्यम श्रेणी की मिसाइल (एमआर-एसएएम) को संयुक्त रूप से विकसित किया जाएगा।

➲ परियोजना का क्रियान्वयन रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) और इस्राइली एयरक्राफ्ट इंडस्ट्रीज (IAI) द्वारा किया जाएगा।

❑ इंडियन नेवी और नोवॉ इंटीग्रेटेड सिस्टम लि. के मध्य समझौता

➡ सतह निगरानी रडार (Surface Surveillance Radar) की खरीद से संबंधित समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर। (17 फरवरी, 2017)

➲ मेक इन इंडिया पहल के अंतर्गत 'खरीदो और बनाओ' (Buy and Make) श्रेणी के तहत यह पहला समझौता है।

संघ/संगठन

❑ आइडिया-वोडाफोन का विलय

➡ वोडाफोन (इंडिया) और आइडिया दूरसंचार कंपनी के विलय का निर्णय लिया गया। (20 मार्च, 2017)

➲ इस विलय-इकाई में वोडाफोन, आदित्य बिड़ला समूह और आइडिया के शेयरधारकों की भागीदारी क्रमशः 45.1 प्रतिशत, 26.0 प्रतिशत और 28.9 प्रतिशत होगी।

➲ आइडिया के कुमार मंगलम बिड़ला इस विलय-इकाई के अध्यक्ष होंगे।

❑ ब्रिलिएंट सर्विसेज का अधिग्रहण

➡ अमेरिकी कंपनी 'कॉग्निजेंट' द्वारा जापान स्थित उत्पादन एवं समाधान कंपनी ब्रिलिएंट सर्विसेज का अधिग्रहण किया गया। (1 मार्च 2017)

❑ मछुआरा कल्याण बोर्ड

➡ मध्य प्रदेश सरकार द्वारा मछुआरा कल्याण बोर्ड का पुनर्गठन। (28 फरवरी, 2017)

➲ इस बोर्ड का अध्यक्ष डॉ. कैलाश विनय और उपाध्यक्ष सीताराम बॉथम को बनाया गया है।

❑ टेलीनॉर इंडिया का अधिग्रहण

➡ भारत की सबसे बड़ी घरेलू दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी (उपभोक्ता संख्या के आधार पर) भारती एयरटेल (एयरटेल) द्वारा टेलीनॉर इंडिया के अधिग्रहण की घोषणा। (23 फरवरी, 2017)

➲ एयरटेल, टेलीनॉर इंडिया के भारत में चल रहे सर्किलों यथा-आंध्र प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश (पूर्व), उत्तर प्रदेश (पश्चिम) और असम के कारोबार का अधिग्रहण करेगी।

विधि/न्याय

❑ शत्रु संपत्ति (संशोधन और विधिमान्यकरण) विधेयक, 2016

➡ संसद द्वारा शत्रु संपत्ति (संशोधन और विधिमान्यकरण) विधेयक, 2016 पारित कर दिया गया। (मार्च, 2017)

➲ यह विधेयक शत्रु संपत्ति अधिनियम, 1968 में संशोधन करता है।

➲ इसके अनुसार, वर्ष 1962, 1965 एवं 1971 के युद्ध के दौरान चीन और पाकिस्तान चले जाने वाले व्यक्तियों का भारत में स्थित उनकी किसी भी संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं होगा।

❑ ट्रेडमार्क नियम, 2017

➡ ट्रेडमार्क नियम, 2017 प्रभावी हो गया। (6 मार्च, 2017)

➲ यह ट्रेडमार्क नियम, 2002 को प्रतिस्थापित करता है।

❑ पश्चिम बंगाल क्लीनिक स्थापना विधेयक, 2017

➡ पश्चिम बंगाल के राज्यपाल द्वारा पश्चिम बंगाल क्लीनिक स्थापना (पंजीकरण, विनियमन और पारदर्शिता) विधेयक, 2017 पर हस्ताक्षर किया गया। (1 मार्च, 2017)

➲ यह विधेयक, पश्चिम बंगाल क्लीनिक स्थापना (पंजीकरण और विनियमन) अधिनियम, 2010 को निरसित करता है।

वर्ष/दिवस

❑ विश्व क्षय रोग दिवस

➡ तिथि-24 मार्च, 2017

➲ **मुख्य विषय-**'टीबी समाप्त करने के लिए एकजुट हो जाएं' (Unite to End Tuberculosis)।

❑ विश्व मौसम विज्ञान दिवस

➡ तिथि-23 मार्च, 2017

➲ **मुख्य विषय-**'बादलों को समझना' (Understanding Clouds)।

❑ विश्व जल दिवस

➡ तिथि-22 मार्च, 2017

➲ **मुख्य विषय-**'अपशिष्ट जल' (Waste Water)।

❑ अंतरराष्ट्रीय वन दिवस

➡ तिथि-21 मार्च, 2017

➲ **मुख्य विषय-**'जंगल और ऊर्जा' (Forests and Energy)।

❑ अंतरराष्ट्रीय नस्लीय भेदभाव उन्मूलन दिवस

➡ तिथि-21 मार्च, 2017

➲ **मुख्य विषय-** 'उत्प्रवास के संदर्भ में शामिल नस्लीय रूपरेखा और घृणा को प्रोत्साहन' (Racial Profiling and Incitement To Hatred, Including in the Context of Migration) ।

❑ विश्व कविता दिवस

➡ तिथि-21 मार्च, 2017

➲ **उद्देश्य-**कविता के लेखन, प्रकाशन, अध्ययन और अध्यापन को बढ़ावा देना।

❑ अंतरराष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस

➡ तिथि-20 मार्च, 2017।

❑ विश्व गौरैया दिवस

➡ तिथि-20 मार्च, 2017

➲ **उद्देश्य**-संपूर्ण विश्व में गौरैया के संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक बनाना।

❑ विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस

➡ तिथि-15 मार्च, 2017

➲ **मुख्य विषय**-ऐसे डिजिटल विश्व का निर्माण, जिस पर उपभोक्ता विश्वास कर सकें। (Building a Digital World Consumers can Trust)।

❑ वर्ल्ड किडनी डे

➡ तिथि-9 मार्च, 2017

➲ **मुख्य विषय**- किडनी रोग एवं मोटापा।

❑ अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

➡ तिथि-8 मार्च, 2017

➲ मुख्य विषय-कार्य की बदलती दुनिया में महिलाएं : वर्ष 2030 तक धरती पर पुरुष और महिलाओं का 50-50 का अनुपात (Woman in The Changing World of Work : Planet 50-50 by 2030)।

❑ शून्य भेदभाव दिवस

➡ तिथि-1 मार्च, 2017

➲ **मुख्य विषय**-'शून्य भेदभाव के लिए आवाज उठाना' (Make Some Noise for Zero Discrimination)।

पुस्तकें

- **द रांग टर्न : लव एंड बिट्रेएल इन द टाइम ऑफ नेताजी**— संजय चोपड़ा, नमिता रॉय घोष
- **मि. एंड मिस. जिन्नाह : द मैरिज दैट शुक इंडिया** — शीला रेड्डी
- **ह्वेन क्राइम पेज : मनी एंड मसल इन इंडियन पॉलिटिक्स** — मिलन वैश्नव
- **लिंकन इन द बार्डो** — जॉर्ज साउंडर्स
- **नंबर्स डू लाई : 61 हिडेन क्रिकेट स्टोरीज** — इम्पैक्ट इंडेक्स, आकाश चोपड़ा
- **द सीक्रेट डायरी ऑफ कस्तूरबा** — नीलिमा डालमिया आधर
- **ऐज ऑफ एंगर : ए हिस्ट्री ऑफ द प्रजेंट** — पंकज मिश्रा
- **औरंगजेब : द मैन एंड द मिथ** — आद्रे ट्रूस्क
- **सो यू वांट टू नो एबाउट द इन्वायरमेंट** — बिजल वछरजनी
- **ए कॉलोनी इन ए नेशन** — क्रिस हेयेस
- **द नाइट आई फेल फॉर लाइफ** — कृष्ण पांडेय
- **पोर्ट्रेट्स ऑफ करेज : ए कमांडर इन चीफ्स ट्रिब्यूट टू अमेरिका'ज वारियर्स** — जॉर्ज डब्ल्यू. बुश
- **अनशेकेबल : योर फाइनेंशियल फ्रीडम प्लेबुक** — टोनी रॉबिन्स
- **ट्रम्प'स वार : हिज बैटल फॉर अमेरिका** — माइकल होरोविट्ज
- **द हेट यू गिव** — एंजी थॉमस
- **इक्जिट वेस्ट : ए नॉवेल** — मोहसिन हामिद
- **द 1997 मास्टर्स : माई स्टोरी** — टाइगर वुड्स, लोर्न रूबेंस्टीन
- **हॉवर्ट्स लाइब्रेरी** — जे.के. रोलिंग
- **यू आर फ्री : बी हू यू ऑलरेडी आर** — रिबेका लियोन्स
- **द 5 सेकंड रूल** — मेल रॉबिन्स

विविध

❑ नदी को मानव का दर्जा

➡ न्यूजीलैंड की संसद द्वारा उत्तरी द्वीप में स्थित वांगनुई नदी को कानूनी मानवीय अधिकार देने संबंधी विधेयक पारित। (15 मार्च, 2017)

➲ यह विश्व में पहली बार है जब किसी नदी को मनुष्य के समान जीवित व्यक्ति के रूप में कानूनी अधिकार प्रदान किया गया है।

➡ वांगनूई नदी जो न्यूजीलैंड की तीसरी सबसे लंबी नदी है, का प्रतिनिधित्व दो लोगों द्वारा किया जाएगा जिनमें से एक माओरी जनजाति का होगा और दूसरा प्रतिनिधि 'क्राउन' में से एक होगा।

❑ नासा द्वारा चंद्रयान-I की खोज

➡ 29 अगस्त, 2009 से अंतरिक्ष में लापता हुए भारत के चंद्रयान-I को नासा द्वारा खोज लिया गया। (10 मार्च, 2017)

➲ 22 अक्टूबर, 2008 को चंद्रयान-I का प्रक्षेपण श्रीहरिकोटा से किया गया था।

❑ एशिया-पैसिफिक ग्लोबल करप्शन बैरोमीटर रिपोर्ट

➡ 'ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल' द्वारा जारी। (7 मार्च, 2017)

➲ सबसे ज्यादा घूसखोरी दर भारत में (69%) जबकि सबसे कम जापान में (0.2%)।

❑ कॉपरनिकस प्रोग्राम के पांचवें उपग्रह का सफल प्रक्षेपण

➡ यूरोपियन स्पेस एजेंसी द्वारा फ्रेंच गुयाना से कॉपरनिकस प्रोग्राम के 5वें उपग्रह सेंटीनल-2B का सफल प्रक्षेपण। (7 मार्च, 2017)

➲ कॉपरनिकस प्रोग्राम विश्व का अत्याधुनिक एकल पृथ्वी अवलोकन (Single Earth Observation) कार्यक्रम है।

❑ जनजातीय त्योहार 'भागोरिया'

➡ वार्षिक जनजातीय त्योहार 'भागोरिया' पश्चिमी मध्य प्रदेश के झाबुआ एवं 4 अन्य जिलों (अलीराजपुर, धार, खरगौन और बड़वानी) सहित 34 स्थलों पर आयोजित। (6-12 मार्च, 2017)

➡ भागोरिया हाट को जनजातीय युवक-युवतियों का मिलन समारोह कहा जाता है।

❑ रुबिक घन को हल करने का विश्व रिकॉर्ड

➡ जर्मनी के अल्बर्ट बीयर द्वारा बनाए गए रोबोट ने रुबिक घन (Rubik's Cube) को 0.637 सेकंड और 21 चालों में हल करके गिनीज विश्व रिकॉर्ड कायम किया। (5 मार्च, 2017)

➲ पिछला रिकॉर्ड 0.887 सेकंड का था।

❑ सबसे बड़ा 'पेड़ आलिंगन' कार्यक्रम

➡ गुजरात में देवभूमि द्वारका जिले के मीठापुर स्थित टाटाकेम डीएवी पब्लिक स्कूल द्वारा आयोजित सबसे बड़े 'पेड़ आलिंगन' (Tree Hug) कार्यक्रम को गिनीज विश्व रिकॉर्ड में शामिल किया गया। (मार्च, 2017)

➲ यह कार्यक्रम 4 दिसंबर, 2016 को आयोजित किया गया था। इसमें 1316 लोगों ने भाग लिया था।

❑ होर्मुज-2 का सफल परीक्षण

➡ ईरान द्वारा बैलिस्टिक मिसाइल होर्मुज -2 (Hormuz-2) का सफल परीक्षण। (मार्च, 2017)

➲ इसकी मारक क्षमता 300 किमी. है।

❑ ईवा का शुभारंभ

➡ HDFC बैंक द्वारा उपभोक्ता सेवा हेतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence) आधारित भारत के पहले चैटबोट 'ईवा' (Electronic Virtual Assistant : EVA) का शुभारंभ। (1 मार्च, 2017)

❑ एनपीएस के कोष आवंटन में परिवर्तन

➡ पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (PFRDA) द्वारा निवेश नियमों में परिवर्तन। (1 मार्च, 2017)

- ➲ नए नियम के तहत राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (NPS) में अंशधारकों को एक वित्त वर्ष में अपनी संपत्ति आवंटन में दो बार परिवर्तन करने की अनुमति होगी।

➡ यह नियम 1 अप्रैल, 2017 से लागू हो गया।

❑ भारत का आर्थिक सर्वेक्षण, 2017

➡ ओईसीडी (Organisation for Economic Co-operation and Development) द्वारा भारत का आर्थिक सर्वेक्षण, 2017 प्रस्तुत किया गया। (28 फरवरी, 2017)

- ➲ इस सर्वेक्षण के अनुसार, 7.5% की विकास दर के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था G-20 की सबसे अधिक तेजी से विकास करने वाली अर्थव्यवस्था है।

❑ नई रेलवे कैटरिंग पॉलिसी, 2017

➡ रेलमंत्री सुरेश प्रभाकर प्रभु द्वारा भारतीय रेल में नई रेलवे कैटरिंग पॉलिसी, 2017 को लागू करने की घोषणा। (27 फरवरी, 2017)

- ➲ कैटरिंग की जिम्मेदारी आईआरसीटीसी को सौंपी गई है।
- ➲ इस नीति के तहत खाना पकाने और भोजन वितरण के काम को अलग कर दिया गया है।

❑ 'भीम' ऐप

➡ 'भीम' (Bharat Interface for Money) ऐप ने 2 माह में 17 मिलियन डाउनलोड का विश्व-रिकॉर्ड बनाया। (फरवरी, 2017)

❑ यौन अपराध पीड़ित बच्चों के लिए मुआवजा कोष

➡ केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री मेनका गांधी द्वारा निर्भया योजना के तहत एक मुआवजा कोष गठित करने की घोषणा। (22 फरवरी, 2017)

- ➲ इस कोष के माध्यम से यौन अपराधों से पीड़ित बच्चों को वित्तीय मदद मुहैया कराई जाएगी।

❑ वर्ष 2017 'ईयर ऑफ एप्पल'

➡ जम्मू एवं कश्मीर की मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने घरेलू और विदेशी बाजारों में मशहूर कश्मीरी सेब को बढ़ावा देने हेतु वर्ष 2017 को 'ईयर ऑफ एप्पल' घोषित किया। (18 फरवरी, 2017)

➡ मुख्यमंत्री ने श्रीनगर में उन्नत सघनता सेब बागान योजना (High Density Apple Plantation Scheme) शुरू की।

- ➲ योजना के तहत सरकार द्वारा किसानों को 50 प्रतिशत सब्सिडी मुहैया कराई जाएगी।

➡ ज्ञातव्य है कि जम्मू एवं कश्मीर भारत का सबसे बड़ा सेब उत्पादक राज्य है।

- ➲ यह 11.2 मीट्रिक टन सेब का उत्पादन करता है, जो राष्ट्रीय उत्पादन का 71 प्रतिशत है।

❑ कैंसर अस्पताल का उद्घाटन

➡ केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा द्वारा गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज से संबद्ध प्रथम कैशलेस कैंसर अस्पताल का उद्घाटन (17 फरवरी, 2017)

- ➲ इस कैंसर अस्पताल को राज्य कैंसर संस्थान घोषित किया गया।

❑ 'बजाज ऑटो' कंपनी

➡ बीएस IV (भारत स्टेज-IV) उत्सर्जन मानकों के अनुरूप वाहन निर्माण करने वाली भारत की पहली कंपनी बनी। (15 फरवरी, 2017)

❑ देश की पहली कैशलेस टाउनशिप

➡ गुजरात नर्मदा वैली फर्टीलाइजर्स एंड केमिकल्स (GNFC) टाउनशिप सभी वित्तीय लेन-देन को शत-प्रतिशत कैशलेस करने वाली देश की पहली टाउनशिप बनी। (13 फरवरी, 2017)

- ➲ यह टाउनशिप गुजरात राज्य के भरूच जिले में स्थित है।

टेनिस

❑ BNP परिबास ओपन

➡ BNP परिबास ओपन, जिसे इंडियन वेल्स मास्टर्स के नाम से भी जाना जाता है, **कैलिफोर्निया (अमेरिका)** में संपन्न। (6 -19 मार्च, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - रोजर फेडरर (स्विट्जरलैंड)

उपविजेता - स्टेनिस्लास वावरिंका (स्विट्जरलैंड)

➲ **महिला एकल**

विजेता - एलेना वेस्नीना (रूस)

उपविजेता - स्वेतलाना कुजनेत्सोवा (रूस)

➡ यह रोजर फेडरर का पांचवां इंडियन वेल्स मास्टर्स खिताब था।

❑ डेलरे बीच ओपन, 2017

➡ पुरुष टेनिस प्रतियोगिता; डेलरे बीच, (अमेरिका) में संपन्न। (20 - 26 फरवरी, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - जैक सोक (अमेरिका)

उपविजेता - मिलोस राओनिक (कनाडा)

➲ **पुरुष युगल**

विजेता - रावेन क्लासेन (द. अफ्रीका) एवं **राजीव राम** (अमेरिका)

उपविजेता - ट्रीट हुए (फिलीपींस) एवं मैक्स मिरनई (बेलारूस)

❑ रियो ओपन, 2017

➡ पुरुष टेनिस प्रतियोगिता; रियो डी जनेरियो (ब्राजील) में संपन्न। (20 - 26 फरवरी, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - डॉमिनिक थिएम (ऑस्ट्रिया)

उपविजेता - पाब्लो कर्रेनो बुस्ता (स्पेन)

➲ **पुरुष युगल**

विजेता - पाब्लो कर्रेनो बुस्ता (स्पेन) एवं **पाब्लो कुएवास** (उरुग्वे)

उपविजेता - जुआन सेबैस्टियन काबाल एवं रॉबर्ट फराह (दोनों कोलंबिया)

❑ दुबई टेनिस चैंपियनशिप, 2017

➡ दुबई टेनिस चैंपियनशिप, जिसे प्रायोजक कारणों से दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस चैंपियनशिप के नाम से भी जाना जाता है, दुबई (यूएई) में संपन्न। (20 फरवरी - 4 मार्च, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - एंडी मरे (ब्रिटेन)

उपविजेता - फर्नान्डो वडस्को (स्पेन)

➲ **महिला एकल**

विजेता - एलिना स्वितोलिना (यूक्रेन)

उपविजेता - कैरोलीन वोज्निएकी (डेनमार्क)

➲ **पुरुष युगल**

विजेता - जीन जूलियन रॉजर (नीदरलैंड्स) एवं **होरिया टेकाऊ** (रोमानिया)

उपविजेता - रोहन बोपन्ना (भारत) एवं मार्सिन मातकोवस्की (पोलैंड)

➲ **महिला युगल**

विजेता - कैटरीना माकारोवा एवं **एलेना वेस्नीना** (दोनों रूस)

उपविजेता - आंद्रिया हलावकोवा (चेक गणराज्य) एवं पेंग शुएई (चीन)

❑ एबिर्टो मेक्सिकानो टेलसेल ओपन, 2017

➡ अकापुल्को, मेक्सिको में संपन्न। (27 फरवरी - 4 मार्च, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - सैम क्यूर्रे (अमेरिका)

उपविजेता - राफेल नडाल (स्पेन)

➲ **महिला एकल**

विजेता - लेसिया त्सुरेंको (यूक्रेन)

उपविजेता - क्रिस्टीना म्लाडेनोविक

❑ ब्राजील ओपन, 2017

➡ ATP टूर की पुरुष टेनिस प्रतियोगिता; साओ पाउओ, ब्राजील में संपन्न। (27 फरवरी - 6 मार्च, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - पाब्लो कुएवास (उरुग्वे)

उपविजेता - अल्बर्ट रामोस विनोलास (स्पेन)

➲ **पुरुष युगल**

विजेता - रोजेरियो दुत्रा सिल्वा एवं **आंद्रे सा** (दोनों ब्राजील)

उपविजेता - मार्कस डैनिएल (न्यूजीलैंड) एवं मार्सेलो डेमोलाइनर (ब्राजील)

क्रिकेट

❑ विजय हजारे ट्रॉफी, 2016-2017

➡ सूची-A की भारत की घरेलू एकदिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता विजय हजारे ट्रॉफी (प्रायोजक - Paytm) का 15वां संस्करण फाइनल 20 मार्च, 2017 को फिरोजशाह कोटला स्टेडियम, दिल्ली में संपन्न।

➲ फाइनल मैच में तमिलनाडु ने बंगाल को 37 रनों से पराजित कर प्रतियोगिता का खिताब जीत लिया।

➲ तमिलनाडु के कप्तान **विजय शंकर** एवं बंगाल के कप्तान **मनोज तिवारी** थे।

➲ फाइनल मैच के **'Paytm मैन ऑफ द मैच'** का पुरस्कार दिनेश कार्तिक (तमिलनाडु) को उनकी शतकीय पारी (112 रन) के लिए प्रदान किया गया।

❑ पाकिस्तान सुपर लीग, 2017

➡ पाकिस्तान सुपर लीग (PSL) क्रिकेट प्रतियोगिता का दूसरा संस्करण यूएई तथा पाकिस्तान में संपन्न। (9 फरवरी- 5 मार्च, 2017)

➲ **प्रायोजक** - HBL

➡ **प्रतिभागी टीमें (5)-** इस्लामाबाद यूनाइटेड, पेशावर जाल्मी, लाहौर कलंदर्स, कराची किंग्स एवं क्वेटा ग्लैडिएटर्स।

➲ **फाइनल - गद्दाफी स्टेडियम,** लाहौर में संपन्न।

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

विजेता - पेशावर जाल्मी (58 रनों से)

कप्तान - डैरेन समी (वेस्टइंडीज)

उपविजेता - क्वेटा ग्लैडिएटर्स

कप्तान - सरफराज अहमद

- **'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' - कामरान अकमल** (पेशावर जाल्मी)
- **टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन** - कामरान अकमल (353 रन), ग्रीन कैप
- **टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट - सोहेल खान** (कराची किंग्स), मैरून कैप

❑ भारत-इंग्लैंड U-19 एकदिवसीय श्रृंखला, 2017

➡ भारत U-19 एवं इंग्लैंड की U-19 टीम के मध्य 5 एकदिवसीय (वनडे) तथा 2 टेस्ट मैचों की श्रृंखला संपन्न। (30 जनवरी - 24 फरवरी, 2017)

➡ **एकदिवसीय श्रृंखला**

- **आयोजन स्थल** - वानखेड़े एवं ब्रेबोर्न क्रिकेट स्टेडियम, मुंबई।

➡ भारतीय U-19 टीम ने यह श्रृंखला 3-1 से जीत ली।

- 8 फरवरी को वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया श्रृंखला का पांचवां एवं अंतिम मैच टाई (Tied) समाप्त हुआ।
- श्रृंखला में सर्वाधिक रन - **शुभम गिल** (351 रन), भारत U-19 ।
- श्रृंखला में सर्वाधिक विकेट - **हेनरी ब्रुक्स** (10 विकेट), इंग्लैंड U-19 ।

➡ **टेस्ट श्रृंखला**

- श्रृंखला में हुए दोनों टेस्ट मैच ड्रा रहे।
- श्रृंखला में सर्वाधिक रन - **जॉर्ज एन्थोनी बार्टलेट** (323 रन) (इंग्लैंड U-19)
- श्रृंखला में सर्वाधिक विकेट - **सिजोमोन जोसेफ** (7 विकेट) (भारत - U-19)

❑ IPL - 10 : खिलाड़ियों की नीलामी

➡ इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के 10वें संस्करण हेतु खिलाड़ियों की नीलामी बंगलुरू में संपन्न। (20 फरवरी, 2017)

- इस बार इंग्लैंड के हरफनमौला खिलाड़ी **बेन स्टोक्स** नीलामी में सबसे महंगे खिलाड़ी रहे, जिन्हें राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स ने 14.5 करोड़ रुपये में खरीदा।

- उत्तर प्रदेश के **कर्ण शर्मा** भारतीयों में सबसे ज्यादा महंगे बिकने वाले खिलाड़ी बने।
- गेंदबाज **कर्ण शर्मा** को मुंबई इंडियंस ने 3.2 करोड़ रुपये में खरीदा।
- IPL - 2017 की नीलामी में शीर्ष 5 महंगे खिलाड़ी इस प्रकार रहे-

खिलाड़ी	कीमत (रु. में)
1. **बेन स्टोक्स**	14.5 करोड़
	(टीम - **राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स**)
2. **टायमल मिल्स**	12 करोड़
	(टीम - **रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरू**)
3. **कगीसो रबाडा**	5 करोड़
	(टीम - **दिल्ली डेयरडेविल्स**)
4. **ट्रेंट बोल्ट**	5 करोड़
	(टीम - **कोलकाता नाइटराइडर्स**)
5. **पैट कमिंस**	4.5 करोड़
	(टीम -**दिल्ली डेयरडेविल्स**)

➡ 14.5 करोड़ रुपये में बिकने के साथ बेन स्टोक्स IPL इतिहास के सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी तथा दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी बने।

- ध्यातव्य है कि सबसे ज्यादा महंगे बिकने वाले खिलाड़ियों में भारत के युवराज सिंह (16 करोड़ रुपये), जिन्हें वर्ष 2015 में दिल्ली डेयर डेविल्स ने खरीदा था, शीर्ष पर हैं।

➡ नीलामी में अफगानिस्तान के दो क्रिकेटरों यथा राशिद खान एवं मोहम्मद नबी को सनराइजर्स हैदराबाद ने खरीदा।

- यह प्रथम अवसर होगा जब आईपीएल में अफगानिस्तान के क्रिकेटर प्रतिभाग करेंगे।

फुटबॉल

❑ संतोष ट्रॉफी, 2016-17

➡ भारत की राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप संतोष ट्रॉफी के 71वें संस्करण का फाइनल गोवा में संपन्न। (26 मार्च, 2017)

➲ फाइनल मैच में पश्चिम बंगाल ने मेजबान गोवा को अतिरिक्त समय में 1-0 से पराजित कर संतोष ट्रॉफी का खिताब रिकॉर्ड 32वीं बार जीत लिया।

➲ बंगाल के लिए फाइनल में विजयी गोल करने वाले **मानवीर सिंह** को '**प्लेयर ऑफ द फाइनल**' चुना गया।

➡ प्रतियोगिता के अन्य पुरस्कार

➲ **बेस्ट गोलकीपर** - ब्रुनो कोलाको (गोवा)

➲ **बेस्ट डिफेंडर** - प्रोवत लाक्रा (बंगाल)

➲ **बेस्ट मिडफील्डर** - कजेतन फर्नांडीस (गोवा)

➲ **बेस्ट स्ट्राइकर** - बसंत सिंह (पश्चिम बंगाल)

❑ भारत-कंबोडिया मैत्री मैच

➡ नोमपेन्ह में आयोजित एक फीफा अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में भारत ने कंबोडिया को 3-2 से पराजित किया। (22 मार्च, 2017)

➲ भारतीय फुटबॉल टीम की विदेश में जून, 2005 के बाद यह पहली जीत है।

❑ EFL कप, 2017

➡ EFL कप, 2017 का फाइनल (वेम्बले स्टेडियम) लंदन में संपन्न। (26 फरवरी, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **विजेता - मैनचेस्टर यूनाइटेड** (3-2 से)

➲ उपविजेता - साउथैम्पटन

➲ यह मैनचेस्टर यूनाइटेड का 5वां EFL कप खिताब था।

➲ मैनचेस्टर यूनाइटेड के **ज्लाटन इब्राहिमोविच** को उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु '**एलन हार्डाकेर ट्रॉफी**' प्रदान की गई।

हॉकी

❑ हॉकी इंडिया लीग, 2017

➡ हॉकी इंडिया द्वारा आयोजित **हॉकी इंडिया लीग** (HIL) के पांचवें संस्करण का आयोजन 21 जनवरी - 26 फरवरी, 2017 के मध्य भारत के विभिन्न शहरों में किया गया। (प्रायोजक - कोल इंडिया)

➲ डबल राउंड रॉबिन एवं नॉकआउट प्रारूप में खेली गई इस लीग में कुल 34 मैच खेले गए एवं 206 गोल किए गए।

➲ लीग में शामिल टीमें- **दिल्ली वेवराइडर्स** (दिल्ली), **दबंग मुंबई** (मुंबई), **कलिंगा लांसर्स** (भुवनेश्वर), **रांची रेज** (रांची), **उत्तर प्रदेश विजाड्र्स** (लखनऊ) एवं **जेपी पंजाब वारियर्स** (मोहाली)।

➡ फाइनल मैच चंडीगढ़ हॉकी स्टेडियम में संपन्न। (26 फरवरी, 2017)

➲ **विजेता - कलिंगा लांसर्स** (4-1 से)

➲ **उपविजेता** - दबंग मुंबई

➲ यह कलिंगा लांसर्स का पहला हॉकी इंडिया लीग खिताब था।

➲ फाइनल मैच में '**मैन ऑफ द मैच**' - **मोरित्ज फ्युर्स्ते** (कलिंगा लांसर्स)

➲ **तीसरा स्थान** - उत्तर प्रदेश विजाड्र्स

➡ फाइनल मैच में कलिंगा लांसर्स के कप्तान **मोरित्ज फ्युर्स्ते** तथा दबंग मुंबई के कप्तान **फ्लोरियन फुच्स** थे।

➡ **टूर्नामेंट के अन्य पुरस्कार**

➲ **मोस्ट वैल्युएबल प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट - फ्लोरियन फुच्स** (दबंग मुंबई)

➲ **सर्वाधिक गोल (ध्रुव बत्रा अवॉर्ड) - मोरित्ज फ्युर्स्ते** एवं **ग्लेन टर्नर** (कलिंगा लांसर्स, संयुक्त रूप से)

➲ **फेयर प्ले ट्रॉफी**- कलिंगा लांसर्स

➲ टूर्नामेंट का उभरता हुआ खिलाड़ी (पोंटी चड्ढा पुरस्कार) - **हरमनप्रीत सिंह** (दबंग मुंबई)

➲ टूर्नामेंट का प्रेरक खिलाड़ी (हीरो अचीवर अवॉर्ड) - **फ्लोरियन फुच्स** (दबंग मुंबई)

शतरंज

❑ महिला विश्व शतरंज चैंपियनशिप, 2017

➡ 64 महिला शतरंज खिलाड़ियों का यह नॉकआउट टूर्नामेंट तेहरान, ईरान में संपन्न। (10 फरवरी - 4 मार्च, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **स्वर्ण पदक - तान झोंगयी** (चीन)

➲ **रजत पदक** - अन्ना म्युजीचुक (यूक्रेन)

➲ **कांस्य पदक** - हरिका द्रोणावल्ली (भारत)

➲ **कांस्य पदक** - अलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक (रूस)

❑ 37वीं राष्ट्रीय शतरंज टीम चैंपियनशिप

➡ 2-8 फरवरी, 2017 के मध्य भोपाल (मध्य प्रदेश) में संपन्न।

➲ **विजेता - इंडियन रेलवे A**

➲ द्वितीय स्थान - एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (AAI)

बैडमिंटन

❑ स्विस ओपन ग्रैंड प्रिक्स गोल्ड, 2017

➡ बासेल (Basel) स्विट्जरलैंड में संपन्न। (14 - 19 मार्च, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - लिन डान (चीन)

उपविजेता - शी युकी (चीन)

➲ **महिला एकल**

विजेता - चेन शियाओशिन (चीन)

उपविजेता - चेन युफेई (चीन)

❑ योनेक्स ऑल इंग्लैंड ओपन, 2017

➡ बर्मिंघम (इंग्लैंड) स्थित बार्कक्लेकार्ड एरेना में संपन्न। (7-12 मार्च, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - ली चोंग वेई (मलेशिया)

उपविजेता - शी युकी (चीन)

➲ **महिला एकल**

विजेता - ताई जू-यिंग (चीनी ताइपे)

उपविजेता - रत्चानोक इंतानोन (थाइलैंड)

➲ **पुरुष युगल**

विजेता - मार्कस फर्नाल्डी गिडिओन एवं **केविन संजय सुकामुल्जो** (दोनों इंडोनेशिया)

उपविजेता - ली जुनहुई एवं लियु युचेन (दोनों चीन)

➲ **महिला युगल**

विजेता - चांग ये ना एवं **ली सू-ही** (दोनों दक्षिण कोरिया)

उपविजेता - कैमिला रिटर जुह्ल एवं क्रिस्टीना पेडर्सन (दोनों डेनमार्क)

➲ **मिश्रित युगल**

विजेता - लू काइ एवं **हुआंग याकीओंग** (दोनों चीन)

उपविजेता - पेंग सून चान एवं लियु यिंग गोह (दोनों मलेशिया)

❑ जर्मन ओपन ग्रैंड प्रिक्स गोल्ड, 2017

➡ जर्मनी में संपन्न। (28 फरवरी-5 मार्च, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - चोउ तिएन-चेन (चीनी ताइपे)

उपविजेता - वांग त्जु-वेई (चीनी ताइपे)

➲ **महिला एकल**

विजेता - अकाने यामागुची (जापान)

उपविजेता - कैरोलिना मारिन (स्पेन)

गोल्फ

❑ हीरो महिला पेशेवर गोल्फ टूर, 2017

➡ इस प्रतियोगिता के 6वें चरण का आयोजन पुणे में किया गया। (24 मार्च, 2017)

➲ **विजेता - वाणी कपूर** (नई दिल्ली)

❑ WGC मेक्सिको चैंपियनशिप, 2017

➡ PGA सत्र, 2017 की चार विश्व गोल्फ चैंपियनशिपों (WGC) में से एक; मेक्सिको में संपन्न। (2-5 मार्च, 2017)

➲ **चैंपियनशिप विजेता- डस्टिन जॉनसन** (अमेरिका)

❑ द होंडा क्लासिक

➡ 64 लाख डॉलर इनामी पीजीए टूर गोल्फ प्रतियोगिता; फ्लोरिडा, अमेरिका में संपन्न। (23-26 फरवरी, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **विजेता - रिकी फाउलर** (अमेरिका)

टेबल टेनिस

❑ ITTF वर्ल्ड टूर इंडिया ओपन

➡ नई दिल्ली में संपन्न। (14-19 फरवरी, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - दिमित्रीज ओवचेरोव (जर्मनी)

उपविजेता - तोमोकाजू हारीमोतो (जापान)

➲ **महिला एकल**

विजेता - साकुरा मोरी (जापान)

उपविजेता - मातिल्दा इक्होल्म (स्वीडन)

➲ भारतीय शीर्ष खिलाड़ी अचंत शरत कमल पुरुष एकल के सेमीफाइनल में हारीमोतो से पराजित हो गए।

बिलियड्‌र्स/स्नूकर/स्क्वैश

❑ EDEN विश्व महिला स्नूकर चैंपियनशिप, 2017

➡ सिंगापुर में संपन्न। (13-16 मार्च, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

विजेता - नग आन यी (हांगकांग)

उपविजेता - विद्या पिल्लई (भारत)

❑ वेल्श ओपन, 2017

➡ वेल्स के **कॉर्डिफ** शहर में वेल्श ओपन स्नूकर प्रतियोगिता संपन्न। (13-19 फरवरी, 2017)

➡ **प्रायोजक - कोरल**

विजेता - स्टुअर्ट बिंगह्म (इंग्लैंड)

उपविजेता - जेड ट्रंप (इंग्लैंड)

एथलेटिक्स

❑ वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स, 2017

➡ 9वीं फाजा पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप, जिसे वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स भी कहा जाता है, दुबई में संपन्न। (20-23 मार्च, 2017)

➲ इसमें 40 देशों/क्लबों के कुल 370 से अधिक खिलाड़ियों ने विभिन्न 23 प्रतिस्पर्धाओं में भाग लिया।

➲ भारत ने 3 स्वर्ण, 1 रजत तथा 4 कांस्य पदक सहित कुल 8 पदक प्राप्त कर पदक तालिका में सातवें स्थान पर रहा।

➡ **प्रतियोगिता में भारत**

➡ **स्वर्ण पदक -**

➲ **सुंदर सिंह गुर्जर** (जेवलिन थ्रो, F-46 एवं डिस्कस थ्रो T44-46)

➲ **नरेंदर** (जेवलिन थ्रो F-40-44)

➡ **रजत पदक - आनंदन गुणशेकरन** (400 मी. पुरुष स्पर्धा, T-42/44/46/47)

➡ **कांस्य पदक**

➲ **रामकरन सिंह** (800 मी. पुरुष स्पर्धा, T-13/20)

➲ **सुरजीत सिंह** (शॉटपुट, पुरुष स्पर्धा, F-40/41/42)

➲ **रोहित** (400 मी. पुरुष स्पर्धा, T-11/12/13)

➲ **प्रमोद कुमार यादव** (400 मी. पुरुष स्पर्धा, T-42/44/46/47)

फार्मूला वन

❑ फॉर्मूला वन सत्र, 2017

➡ फॉर्मूला वन सत्र, 2017 फॉर्मूला वन मोटर रेसिंग का 71वां और FIA की फॉर्मूला वन विश्व चैंपियनशिप का 68वां सत्र है।

➲ इस सत्र में 10 टीमें प्रतिभाग कर रही हैं, जिसमें भारत की सहारा फोर्स इंडिया F1 टीम भी शामिल है।

➲ फोर्स इंडिया टीम के ड्राइवर सर्जियो पेरेज और एस्टेबन ओकॉन हैं।

➲ 20 चक्रों का यह सत्र 26 मार्च, 2017 को ऑस्ट्रेलियन ग्रैंड प्रिक्स से आरंभ होकर 26 नवंबर, 2017 को अबूधाबी ग्रैंड प्रिक्स के साथ समाप्त होगा।

❑ ऑस्ट्रेलियन ग्रैंड प्रिक्स, 2017

➡ 26 मार्च, 2017 को मेलबर्न में संपन्न।

➲ **विजेता - सेबेस्टियन वेट्टल** (टीम-फेरारी)।

➲ उपविजेता - लुईस हैमिल्टन (टीम-मर्सिडीज)

➲ फोर्स इंडिया के ड्राइवर सर्जियो पेरेज सातवें और एस्टेबन ओकॉन दसवें स्थान पर रहे।

विविध

❑ शीतकालीन विशेष ओलंपिक गेम्स, 2017

➡ 14-25 मार्च, 2017 के मध्य ऑस्ट्रिया में संपन्न।

➲ **आदर्श वाक्य (motto) - 'हार्टबीट ऑफ द वर्ल्ड'।**

➲ 4 वर्षों पर आयोजित होने वाली इस

प्रतियोगिता में 107 देशों के 2700 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

➲ इसमें 9 विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

➲ फ्लोर बॉल (Floor ball) को इस प्रतियोगिता में पहली बार शामिल किया गया है।

➲ भारत ने इस प्रतियोगिता में कुल 73 पदक जीते।

➲ शीतकालीन विशेष ओलंपिक, 2017 में भारत को पहला स्वर्ण पदक हिमाचल प्रदेश की मेघा ने दिलाया।

❑ एशियन 20 किमी. रेस वॉकिंग चैंपियनशिप, 2017

➡ नोमी (जापान) में संपन्न। (19 मार्च, 2017)

➲ **पुरुष वर्ग विजेता**

स्वर्ण पदक - **किम ह्यून सब** (दक्षिण कोरिया)

रजत पदक - जॉर्जी शेको (कजाख्स्तान)

कांस्य पदक - इरफान कोलोठुम थोडी (भारत)

➲ महिला वर्ग में भारत की प्रियंका चौथे स्थान पर रहीं।

❑ नेशनल पैदल चाल चैंपियनशिप

➡ चौथी नेशनल पैदल चाल चैंपियनशिप नई दिल्ली में संपन्न। (18 - 19 फरवरी, 2017)

➲ पुरुषों की 50 किमी. पैदल चाल 3 घंटे, 55 मिनट एवं 59 सेकंड में पूरी कर हरियाणा के **संदीप कुमार** ने स्वर्ण पदक जीता।

➲ जितेंद्र सिंह एवं चंदन सिंह (दोनों सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड) को क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

➲ पुरुषों की 20 किमी. पैदल चाल का स्वर्ण पदक SSCB के **इरफान कोलोठुम थोडी** ने जीता।

➲ महिलाओं की 20 किमी. पैदल चाल का स्वर्ण पदक ONGC की **प्रियंका** ने जीता।

❑ फोरफियस

➡ जापानी इलेक्ट्रॉनिक कंपनी ओमरान (Omron) द्वारा विकसित रोबोट फोरफियस (FORPHEUS) को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा विश्व के पहले रोबोट टेबल टेनिस ट्यूटर के रूप में प्रमाणित किया गया। (25 फरवरी, 2017)

❑ ऑपो 'OPPO'

➡ चीनी मोबाइल निर्माता एवं विपणन कंपनी ऑपो (OPPO) की भारतीय इकाई ऑपो मोबाइल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को भारतीय क्रिकेट टीम का नया प्रायोजक घोषित किया गया। (7 मार्च, 2017)

➲ ऑपो ने अगले 5 वर्षों के लिए प्रायोजन अधिकार 1079 करोड़ रुपये की बोली लगाकर प्राप्त किया।

➲ यह करार 1 अप्रैल, 2017 से अगले 5 वर्षों तक रहेगा।

❑ ISSF विश्व कप, 2017 (दिल्ली)

➡ इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन (ISSF) के 5 वार्षिक विश्व कपों में से पहला विश्व कप नई दिल्ली में संपन्न। (22 फरवरी - 4 मार्च, 2017)

➲ **स्थान** - डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज

➲ इसमें पुरुष एवं महिला खिलाड़ियों की राइफल, पिस्टल एवं शॉटगन की स्पर्धाएं आयोजित की गईं।

- मेजबान भारत ने एक स्वर्ण सहित कुल 5 पदक जीते। इनमें 2 रजत एवं 2 कांस्य पदक शामिल हैं (पदक तालिका में 5वां स्थान)।
- **भारत का एकमात्र स्वर्ण पदक - जीतू राय** (पुरुषों की 50 मीटर पिस्टल स्पर्धा में नए विश्व रिकॉर्ड के साथ)

- **अमनप्रीत सिंह** (50 मी. पिस्टल) एवं **अंकुर मित्तल** (डबल ट्रैप, शॉटगन) रजत पदक विजेता रहे।
- **जीतू राय** (10 मी. एयर पिस्टल) एवं महिला निशानेबाज **पूजा घाटकर** (10 मी. एयर राइफल) कांस्य पदक विजेता रहे।
- ओवरऑल **चीन** ने कुल 12 पदक (6 स्वर्ण, 6 रजत) जीतकर पदक तालिका में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- दूसरा स्थान - **इटली** (2 स्वर्ण, 3 रजत)

❑ ISSF विश्व कप शॉटगन

➡ आईएसएसएफ विश्व कप शॉटगन का आयोजन अकापुल्को, मेक्सिको में संपन्न। (17 - 27 मार्च, 2017)

➡ इस प्रतियोगिता में शीर्ष पांच विजेता देशों का विवरण निम्नवत है-

क्र. देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
1. अमेरिका	2	2	0	4
2. स्पेन	1	1	0	2
3. भारत	1	0	0	1
3. इटली	1	0	0	1
5. ऑस्ट्रेलिया	0	1	1	2

- उल्लेखनीय है कि भारत की ओर से एकमात्र स्वर्ण पदक पुरुष वर्ग की डबल ट्रैप स्पर्धा में अंकुर मित्तल ने जीता।
- जबकि इस प्रतियोगिता का रजत व कांस्य पदक क्रमशः जेम्स विलेट (ऑस्ट्रेलिया) व यिंग की (चीन) ने जीता।

चर्चित खेल व्यक्ति एवं स्थल

❑ चेतेश्वर पुजारा

➡ चेतेश्वर पुजारा किसी टेस्ट मैच की एक पारी में सर्वाधिक गेंदों का सामना करने वाले (सबसे लंबी व्यक्तिगत पारी) भारतीय बल्लेबाज बने।

➡ इन्होंने ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध खेली गई टेस्ट श्रृंखला के तीसरे टेस्ट मैच में भारत की पहली पारी के दौरान 525 गेंदों पर 202 रन बनाए।

- इसके पूर्व किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा सर्वाधिक गेंदें खेलने का रिकॉर्ड राहुल द्रविड़ (495 गेंद) के नाम था।
- सर्वाधिक लंबी टेस्ट पारी का रिकॉर्ड इंग्लैंड के लियोनॉर्ड हटन (847 गेंद) के नाम दर्ज है।

❑ शाहिद आफरीदी

➡ पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर शाहिद आफरीदी को 5वें नेत्रहीन विश्व कप का ब्रांड एम्बेसेडर नियुक्त किया गया है।

➡ उल्लेखनीय है कि 5वें नेत्रहीन विश्व कप का आयोजन जनवरी, 2018 में पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में किया जाएगा।

❑ शॉन टेट

➡ विश्व के दूसरे सबसे तेज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज शॉन टेट को प्रवासी भारतीय नागरिकता (Overseas Citizen of India) प्रदान की गई।

➡ 27 मार्च, 2017 को इन्होंने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की।

❑ सचिन तेंदुलकर

➡ सचिन तेंदुलकर को आईसीसी (ICC) द्वारा आगामी महिला विश्व कप का ब्रांड एम्बेसेडर नियुक्त किया गया है।

➲ महिला विश्व कप 24 जून-23 जुलाई, 2017 के मध्य इंग्लैंड में आयोजित किया जाएगा।

❑ अंकुर खन्ना

➡ आईसीसी (ICC) के मुख्य वित्तीय अधिकारी नियुक्त। (20 मार्च, 2017)

❑ सैंटियागो निएवा

➡ स्वीडन के सैंटियागो निएवा भारत के पुरुष मुक्केबाजों के नए विदेशी कोच नियुक्त। (19 मार्च, 2017)

➲ उल्लेखनीय है कि वर्ष 2014 में क्यूबा के बी. आई. फर्नांडीज के पद छोड़ने के बाद से यह स्थान रिक्त था।

❑ लक्ष्य सेन

➡ उत्तराखंड के 15 वर्षीय बैडमिंटन खिलाड़ी; बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (BWF) द्वारा जारी जूनियर रैंकिंग में विश्व के नंबर एक जूनियर बैडमिंटन खिलाड़ी बने। (2 फरवरी, 2017)

❑ विराट कोहली

➡ 9-13 फरवरी, 2017 के मध्य राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम (हैदराबाद) में बांग्लादेश के विरुद्ध खेले गए शृंखला के एकमात्र टेस्ट मैच में भारत की पहली पारी में विराट कोहली ने दोहरा शतक (204 रन) बनाया।

➲ इसी के साथ कोहली लगातार चार टेस्ट शृंखलाओं में चार दोहरे शतक लगाने वाले विश्व के पहले बल्लेबाज बन गए।

➲ उल्लेखनीय है कि इसके पूर्व कोहली ने वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड एवं इंग्लैंड के साथ खेली गई टेस्ट शृंखलाओं में भी दोहरा शतक लगाया था।

➲ उन्होंने लगातार तीन टेस्ट शृंखलाओं में तीन दोहरे शतक बनाने के डॉन ब्रैडमैन एवं राहुल द्रविड़ के रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

➡ विराट कोहली ने जर्मनी के प्रसिद्ध स्पोर्ट्स ब्रांड प्यूमा (Puma) के साथ 110 करोड़ रुपये का आठ वर्षीय करार किया। (21 फरवरी, 2017)

➲ इस करार के साथ वे भारतीय खेल जगत की पहली हस्ती बने हैं जिन्हें किसी एक करार से 100 करोड़ रुपये या अधिक की आय हासिल होगी।

❑ ज्वाला गुट्टा

➡ भारत की महिला युगल में सबसे सफल खिलाड़ी ज्वाला गुट्टा को भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) का सदस्य नियुक्त किया गया। (17 मार्च, 2017)

❑ रविचंद्रन अश्विन

➡ हैदराबाद में बांग्लादेश के विरुद्ध खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच के दौरान भारतीय ऑफ स्पिन गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया के महान तेज गेंदबाज डेनिस लिली के 48 टेस्ट मैचों में 250 विकेट लेने के रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

➲ अश्विन ने 45 टेस्ट मैचों में 250 विकेट लेने के साथ अभी तक सबसे कम टेस्ट मैचों में 250 विकेट लेने का कीर्तिमान स्थापित किया।

➲ उल्लेखनीय है कि अभी तक सबसे कम टेस्ट मैचों में 250 विकेट लेने का भारतीय रिकॉर्ड अनिल कुंबले (55 टेस्ट मैचों में) के नाम था।

❑ सोर्ड मारिज्ने

➡ हॉकी इंडिया ने हालैंड महिला टीम के पूर्व कोच सोर्ड मारिज्ने को भारतीय महिला हॉकी टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया। (28 फरवरी, 2017)

➲ मारिज्ने अगले चार वर्ष तक महिला टीम से जुड़े रहेंगे।

➲ सोर्ड से पूर्व महिला टीम के कोच नील हॉगुड थे।

❑ एबी डि विलियर्स

➡ दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट कप्तान एबी डि विलियर्स ने एकदिवसीय अंतर-राष्ट्रीय मैचों में सबसे तेज 9000 रन बनाने का विश्व रिकॉर्ड (205वीं पारी) बनाया।

➲ न्यूजीलैंड के विरुद्ध एकदिवसीय शृंखला के तीसरे मैच में। (25 फरवरी, 2017)

➲ इन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली का रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने 228 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी।

❑ ड्वेन स्मिथ

➡ वेस्टइंडीज के क्रिकेटर ड्वेन स्मिथ ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की। (1 मार्च, 2017)

➲ स्मिथ ने वर्ष 2003-04 में अपने पदार्पण टेस्ट में शतक (105 रन) बनाया था जो इनके कॅरियर का एकमात्र शतक रहा। (उच्चतम वनडे स्कोर- 97 रन)

❑ गांधीनगर

➡ पैरालंपिक खिलाड़ियों को खेल-प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से देश का पहला संस्थान गुजरात की राजधानी गांधीनगर में स्थापित किया जा रहा है।

➲ केंद्रीय युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) विजय गोयल ने 50 करोड़ की लागत से पैरा एथलीटों के लिए बन रहे प्रशिक्षण केंद्र की आधारशिला रखी। (5 फरवरी, 2017)

वर्षांत समीक्षा-2016 (भाग-2)

*प्रतियोगितात्मक परीक्षाओं के पाठ्यक्रम के अंतर्गत जिन दिन-प्रतिदिन की घटनाओं से परिचित होने की अभ्यर्थियों से अपेक्षा की जाती है उनमें सरकार की गतिविधियां प्रमुख हैं। सरकार निरंतर जनकल्याणकारी कार्यों में सन्नद्ध रहती है। इनमें से कुछ अत्यंत महत्त्वपूर्ण एवं उल्लेखनीय होते हैं तथा इन पर संघ लोक सेवा आयोग एवं विभिन्न राज्य सेवा आयोगों की परीक्षाओं और अन्य विभिन्न चयन परीक्षाओं में निरंतर प्रश्न पूछे जाते रहे हैं। वर्ष भर की उल्लेखनीय घटनाओं एवं गतिविधियों का प्रस्तुतीकरण केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों/विभागों ने **वर्षांत समीक्षा-2016** (Year End Review-2016) शीर्षक के अंतर्गत अपनी-अपनी आधिकारिक वेबसाइटों पर जारी किया है। वर्ष भर के आधिकारिक आंकड़ों एवं तथ्यों के संदर्भ में विभिन्न परीक्षाओं के दृष्टिगत ये वर्षांत समीक्षाएं अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। प्रतियोगी छात्रों के लिए विगत अंक में 8 मंत्रालयों/विभागों की वर्षांत समीक्षा के परीक्षोपयोगी तथ्यों को प्रस्तुत किया गया था जबकि इस अंक में 10 मंत्रालयों की वर्षांत समीक्षा के महत्वपूर्ण तथ्यों को संकलित किया गया है। शेष मंत्रालयों की वर्षांत समीक्षा अगले अंकों में प्राप्त होगी।*

❑ कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय

➡ कंपनी (संशोधन) विधेयक, 2016 को लोक सभा में 16 मार्च, 2016 को पेश किया गया था, जिसमें कंपनी अधिनियम, 2013 (सीए-13) में संशोधन करने का प्रस्ताव किया गया था।

➡ गांधीनगर, जहां देश का पहला अंतरराष्ट्रीय वित्त सेवा केंद्र (आईएफएससी) स्थापित किया गया है, गुजरात स्थित इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) के अनुरोध पर मसौदा अधिसूचनाएं मानसून सत्र 2016 के दौरान संसद में पेश की गईं।

- ➲ इस मसौदे में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अथवा भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) या भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) द्वारा दिए गए परिचालन लाइसेंस प्राप्त कंपनियों के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 के विभिन्न प्रावधानों में संशोधनों एवं अनुपालन और इनसे छूट देने का प्रस्ताव किया गया है।
- ➲ यह विशेष आर्थिक जोन अधिनियम, 2005 के तहत स्थापित स्वीकृत बहु सेवा विशेष आर्थिक जोन में अवस्थित सभी अन्य आईएफएससी पर लागू होगा, जिसे बाद में स्थापित किया जा सकता है।

➡ दिवाला और दिवालियापन संहिता, 2016 (कोड) को 28 मई, 2016 को सरकारी राज-पत्र में प्रकाशित किया गया था और भारत सरकार (कार्य आवंटन) नियम, 1961 को 1 अगस्त, 2016 को संशोधित एवं अधिसूचित किया गया था।

- ➲ जिसमें कंपनी मामलों के मंत्रालय को संहिता पर अमल की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।
- ➲ संहिता के तहत भारतीय दिवाला एवं दिवालियापन बोर्ड (आईबीबीआई) की स्थापना की गई और बोर्ड के अध्यक्ष की नियुक्ति की गई।

➡ कंपनी अधिनियम, 2013 के अध्याय-XXVII का वास्ता राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) और राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय

न्यायाधिकरण (एनसीएएलटी) के गठन से है। एनसीएलटी और एनसीएएलटी के गठन को 1 जून, 2016 को अधिसूचित किया गया है।

❑ सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय

➡ सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने एक राष्ट्र और सहकारी संघवाद के विजन को प्रोत्साहित करने के लिए दिसंबर, 2016 में राज्यों के सूचना मंत्रियों के दो दिन के सम्मेलन (सिमकॉन) का आयोजन किया।

➡ भारत को फिल्म निर्माण स्थल के रूप में प्रोत्साहित करने के लिए सर्वाधिक फिल्म अनुकूल राज्य पुरस्कार के तहत एक करोड़ रुपये नकद राशि देने की घोषणा की गई।

➡ देश में कम्युनिटी रेडियो आंदोलन को प्रोत्साहित करने के लिए सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने कम्युनिटी रेडियो स्टेशन स्थापित करने में पूर्वोत्तर राज्यों में सब्सिडी 50 प्रतिशत से 90 प्रतिशत तक बढ़ाने और अन्य राज्यों में 75 प्रतिशत तक बढ़ाने की घोषणा की।

- ➲ इस वृद्धि की अधिकतम सीमा 7.5 लाख रुपये रखी गई।

➡ जून, 2014 से दिसंबर, 2016 तक कुल 170 चैनलों को लाइसेंस दिए गए। इनमें से 25 लाइसेंस न्यूज चैनलों को और 145 लाइसेंस गैर-न्यूज चैनलों को दिए गए।

➡ केबल टीवी के डिजिटलीकरण से पूरा देश डिजिटल प्रणाली के अंतर्गत आ जाएगा।

- ➲ डिजिटलीकरण के तीसरे चरण को लागू करने की अंतिम सीमा 31 दिसंबर, 2015 थी जबकि चौथे चरण की क्रियान्वयन सीमा 31 दिसंबर, 2016 थी। हाल ही में मंत्रालय ने चौथे चरण की अंतिम सीमा को 31 मार्च, 2017 तक बढ़ा दिया।

➡ **आकाशवाणी मैत्री** - आकाशवाणी द्वारा बांग्लादेश और बंगाली समुदाय के लिए यह विशेष सेवा लांच की गई।

➡ **फिल्म संवर्द्धन कोष** - अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में स्पर्धा के लिए चयनित फिल्मों या विदेशी फिल्म श्रेणी में अकादमी फिल्म पुरस्कारों के लिए भारत के अधिकारिक रूप से मनोनीत फिल्मों की गतिविधियों को प्रोत्साहित करने में वित्तीय सहायता देना।

➡ दिल्ली में पहली बार ब्रिक्स फिल्म समारोह आयोजित।

➡ **राष्ट्रीय फिल्म विरासत मिशन (एनएफएचएम)**:- यह राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार के माध्यम से फिल्मों और फिल्म सामग्रियों की बहाली, डिजिटलीकरण और अभिलेख तैयार करने की नई योजना है।

❑ वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

➡ **लक्ष्य और अभियान**

➡ वाणिज्य विभाग का दूरगामी लक्ष्य वर्ष 2020 तक भारत को वैश्विक स्तर पर मुख्य हिस्सेदार बनाना और साथ ही अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक संगठनों के स्तर पर भारत के बढ़ते महत्व के अनुरूप नेतृत्वकारी भूमिका में लाना है।

➡ वाणिज्य विभाग का लक्ष्य भारत के उत्पाद निर्यात और सेवाओं को मौजूदा 465.9 बिलियन यूएस डॉलर (2013-14) से वर्ष 2019-20 तक 900 बिलियन यूएस डॉलर तक बढ़ाना है।

➡ विश्व निर्यात के स्तर पर भारत की हिस्सेदारी को 2 प्रतिशत से बढ़ाकर 3.5 प्रतिशत करने का लक्ष्य है।

➡ **निर्यात उपलब्धि में वृद्धि**

➡ दिसंबर, 2014 के बाद से 18 महीनों तक नकारात्मक बढ़ोत्तरी के बाद जून, 2016 में निर्यात आंकड़ों में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई।

➡ सितंबर, अक्टूबर और नवंबर के महीने में निर्यात में सकारात्मक वृद्धि देखी गई। अप्रैल से नवंबर, 2016 के दौरान 174.9 बिलियन यूएस डॉलर का निर्यात हुआ जबकि इसी अवधि के दौरान 2015 में 174.7 बिलियन यूएस डॉलर का निर्यात हुआ था।

➡ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दामों और सोने के निर्यात में अहम गिरावट से जनवरी, 2016 के शुरुआत से ही व्यापार घाटा एक अंकों में रहा।

➡ **सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम)**-अगस्त, 2016 में शुरू किया गया और अक्टूबर, 2016 से पूरी तरह कार्य कर रहा है।

➡ **व्यापार सुविधा समझौता**

➡ डब्ल्यूटीओ का व्यापार सुविधा समझौता एक अंतरराष्ट्रीय ढांचा तैयार कर व्यापार में लागत को कम करने की दिशा में मील का पत्थर है।

➡ व्यापार सुविधा समझौता (टीएफए) में सामानों की आवाजाही, उनकी निकासी और पारगमन की प्रक्रिया में तेजी लाने के प्रावधान हैं।

➡ इस समझौते में व्यापार सुविधा और कस्टम के अनुपालन से जुड़े मुद्दों पर कस्टम एवं अन्य उपयुक्त प्राधिकरणों में कारगर सहयोग के लिए विभिन्न उपायों का भी उल्लेख किया गया है। ये उद्देश्य भारत की 'कारोबार में सुगमता' वाली पहल के अनुरूप हैं।

➡ विशेष और अलग व्यवहार के अनुरूप विकासशील व कम विकसित देशों को अलग श्रेणियों 'ए', 'बी' और 'सी' में बांटा गया है।

➡ 'ए' श्रेणी में उन वचनबद्धताओं को रखा गया है जिसे अधिसूचित देश को टीएफए के लागू होने के साथ ही पूरा करना होता है।

➡ 'बी' श्रेणी में उन वचनबद्धताओं को शामिल किया गया है जिसे पूरा करने के लिए अधिसूचित देश थोड़ा समय मांग सकता है।

➡ जबकि श्रेणी 'सी' में शामिल वचनबद्धताओं के लिए विकासशील व कम विकसित देश तकनीकी सहायता पाने के हकदार होंगे।

➡ फरवरी, 2016 में मंत्रिमंडल से मंजूरी मिलने के बाद भारत ने मार्च, 2016 में डब्ल्यूटीओ को टीएफए के अंतर्गत 'ए' श्रेणी की वचनबद्धताओं को अधिसूचित कर अप्रैल, 2016 में इसे मंजूरी दे दी। टीएफए के अंतर्गत कुल प्रावधानों का तकरीबन 70 प्रतिशत 'ए' श्रेणी में अधिसूचित किया गया है। भारत ने 'सी' श्रेणी में किसी भी प्रावधान को नहीं रखा है।

➡ मंत्रिमंडल ने इन प्रावधानों को लागू करने व घरेलू समन्वय के लिए मंत्रिमंडल सचिव की अध्यक्षता में व्यापार सुविधा पर राष्ट्रीय समिति (एनसीटीएफ) के गठन को भी मंजूरी दे दी है।

➡ भारत ने 12-14 अक्टूबर, 2016 के मध्य नई दिल्ली के भारत व्यापार प्रोत्साहन संगठन, प्रगति मैदान में ब्रिक्स देशों के पहले व्यापार मेले का आयोजन किया।

- मेले में प्रमुख क्षेत्रों जैसे कि कृषि व कृषि प्रसंस्करण, ऑटो और ऑटो उपकरणों, रसायनों, स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा, स्वास्थ्य और औषधि, कपड़ा तथा परिधान, बुनियादी ढांचा, सूचना प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग सामान, पर्यटन, रत्न एवं आभूषणों का प्रतिनिधित्व रहा।

➡ भारतीय गणराज्य के वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय तथा रूसी संघ के आर्थिक विकास मंत्रालय के बीच द्विपक्षीय व्यापार व आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए सहमति-पत्र पर 15 अक्टूबर, 2016 को हस्ताक्षर हुए।

➡ भारत और भूटान के बीच व्यापार, वाणिज्य व पारगमन पर प्रस्तावित सहमति-पत्र पर 12 नवंबर, 2016 को हस्ताक्षर हुए।

➡ भारत-ग्रीस जेईसी का 7वां सत्र नई दिल्ली में 23 नवंबर, 2016 को संपन्न हुआ।

➡ इननोप्रोम, रूस के येकातेरिनबर्ग में प्रति वर्ष होने वाला सबसे बड़ा व्यापार मेला है। 11-14 जुलाई, 2016 तक चले 'इननोप्रोम, 2016' में भारत ने 'साझेदार देश' के रूप में 117 भारतीय कंपनियों के साथ हिस्सा लिया।

❑ जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय

➡ केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत हाइब्रिड वार्षिक वृत्ति आधार पर सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के प्रस्ताव को अपनी मंजूरी दे दी थी। इसका उद्देश्य भारत में अपशिष्ट जल क्षेत्र में सुधार लाना है।

➡ नमामि गंगे कार्यक्रम को लागू करने में तेजी लाने की दिशा में एक प्रमुख पहल के रूप में गंगा टास्क फोर्स बटालियन की पहली कंपनी को गढ़मुक्तेश्वर में तैनात किया गया था।

➡ नमामि गंगे कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में भारत सरकार ने प्रवासी भारतीयों, अनिवासी

भारतीयों, भारतीय मूल के व्यक्तियों, संस्थाओं और कॉर्पोरेट्स को गंगा संरक्षण में योगदान देने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए 'स्वच्छ गंगा कोष' की स्थापना की।

➡ 4 मार्च, 2016 तक स्वच्छ गंगा कोष में कुल 87.69 करोड़ रुपये का योगदान प्राप्त हुआ।

➡ नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत गंगा संरक्षण के लिए एक कार्यान्वयन समझौते पर 16 अप्रैल, 2016 को जल संसाधन मंत्रालय, नदी विकास और गंगा संरक्षण तथा जर्मनी की जर्मन इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन के बीच नई दिल्ली में हस्ताक्षर किए गए थे।

➡ जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय ने गंगा अधिनियम मसौदा तैयार करने के लिए एक समिति का गठन किया है। न्यायमूर्ति श्री गिरधर मालवीय (सेवानिवृत्त) को इस समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

➡ केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गंगा नदी (संरक्षण, सुरक्षा और प्रबंधन) प्राधिकरण आदेश, 2016 को मंजूरी दे दी है।

➲ इस आदेश में त्वरित तरीके से नीति और कार्यान्वयन के लिए एक नए संस्थागत ढांचे का प्रावधान किया गया है और राष्ट्रीय स्वच्छ मिशन को स्वतंत्र और जवाबदेह तरीके से अपने कार्य का निर्वहन करने के लिए सशक्त बनाया गया है।

➡ केंद्रीय जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्री सुश्री उमा भारती ने घोषणा की है कि जल मंथन सम्मेलन अब प्रति वर्ष आयोजित किया जाएगा।

➡ 'सतत जल प्रबंधन के लिए एकीकृत दृष्टिकोण' विषय पर जल मंथन-2 सम्मेलन नई दिल्ली में 24 फरवरी, 2016 को आयोजित किया गया था।

➡ भारत जल सप्ताह के चौथे संस्करण का 4-8 अप्रैल, 2016 तक आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्री सुश्री उमा भारती ने नई दिल्ली में किया था।

➡ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अफगानिस्तान के राष्ट्रपति डॉ. अशरफ गनी के साथ 10 जून, 2016 को पश्चिमी अफगानिस्तान के हेरात प्रांत के चिस्त-ए-शरीफ में अफगान-भारत मैत्री बांध (सलमा बांध) का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया था।

➡ सरकार ने नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत 'गंगा ग्राम' नामक नई पहल की शुरुआत की है।

➲ इस कार्यक्रम के तहत स्थायी स्वच्छता के बुनियादी ढांचे और साफ-सफाई प्रक्रियाओं के विकास से गांवों को मॉडल गांवों के रूप में विकसित किया जाएगा।

➲ पहले चरण में सरकार ने 306 गांवों में गंगा ग्राम पहल की शुरुआत कर दी है।

➡ सुश्री उमा भारती और श्री एम. वेंकैया नायडू ने दस महत्वपूर्ण शहरों में स्मार्ट गंगा नगर योजना का शुभारंभ किया। यह शहर हैं- हरिद्वार, ऋषिकेश, मथुरा-वृंदावन, वाराणसी, कानपुर, इलाहाबाद, लखनऊ, पटना, साहिबगंज और बैरकपुर।

❑ महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

➡ वर्ष 2016 के दौरान पॉक्सो ई-बॉक्स की शुरुआत, महिला ई-हाट, मातृत्व लाभ संशोधन विधेयक, 2016 का राज्य सभा में पारित होना, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना का विस्तार, किशोर न्याय मॉडल नियम 2016, महिला पंचायत प्रशिक्षण की शुरुआत महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की प्रमुख उपलब्धियां रहीं।

➡ मंत्रालय ने **निर्भया फंड** से महिलाओं को चिकित्सकीय, कानूनी और मनोवैज्ञानिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए 'वन स्टॉप सेंटर' स्थापित करने की योजना शुरू की है। वर्ष 2015-16 के दौरान 33 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में ऐसे केंद्र स्थापित करने के लिए धन मंजूर किया गया।

➲ **'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ'** सरकार द्वारा शुरू की गई एक महत्वपूर्ण योजना है। इसका उद्देश्य लिंगानुपात बढ़ाने और महिला

सशक्तीकरण पर जोर देना है। इस योजना को 22 जनवरी, 2015 को 100 चुनिंदा जिलों में शुरू किया गया था।

- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अनुरोध पर विदेश मंत्रालय ने पासपोर्ट नियमों में संशोधन किया है। इसके तहत पासपोर्ट आवेदन करते समय माता, पिता या कानूनी संरक्षक का नाम दिया जा सकता है। माता-पिता दोनों का नाम देना अब आवश्यक नहीं होगा।
- तलाकशुदा व्यक्तियों को अपने जीवन साथी का विवरण देना आवश्यक नहीं होगा।

➡ **जेंडर चैंपियन योजना**

➡ शैक्षिक संस्थाओं के माध्यम से युवा छात्रों को कानूनी अधिकारों और लैंगिक विषयों पर बने कानून के प्रति जागरूक किया जाएगा।

➡ **महिला पुलिस स्वयंसेवक योजना**

➡ पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के साथ महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने महिला पुलिस स्वयंसेवक के लिए दिशा-निर्देश बनाया है।

- महिला पुलिस स्वयंसेवकों का कार्य महिलाओं के खिलाफ हिंसा, बाल विवाह और दहेज उत्पीड़न जैसी घटनाओं को संबंधित अधिकारियों के पास दर्ज करवाना है।
- 14 दिसंबर, 2016 को हरियाणा, महिला पुलिस स्वयंसेवक योजना लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया। इसे करनाल और महेंद्रगढ़ जिलों में लागू किया गया है।
- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने पुलिस बल में महिलाओं की 33 प्रतिशत हिस्सेदारी सुनिश्चित करने के लिए सभी राज्य सरकारों को एडवाइजरी जारी की।
- इसके फलस्वरूप 13 राज्यों ने महिलाओं के लिए आरक्षण की सीमा बढ़ाई।

➡ **मोबाइल फोन में पैनिक बटन**

➡ महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की सिफारिश पर दूरसंचार विभाग ने 'पैनिक बटन एवं जीपीएस रूल, 2016' (मोबाइल हैंडसेट के लिए) जारी किया। इसके तहत नए वर्ष से फीचर फोन में 5 और 9 अंक के बटन और स्मार्ट फोन में ऑन/ऑफ बटन को तीन बार दबाने पर वह पैनिक बटन की तरह कार्य करेगा।

- महिला हेल्पलाइन के लिए अखिल भारतीय एक समान नंबर आवंटित करने का प्रस्ताव स्वीकृत। दूरसंचार विभाग ने सभी राज्यों और संघ क्षेत्रों को 181 नंबर प्रदान किया।
- देश में महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ी पहलों को लागू करने के लिए वित्त मंत्रालय द्वारा निर्भया फंड की स्थापना। इसके लिए 2 हजार करोड़ रु. आवंटित किए गए।

➡ मई, 2016 में राष्ट्रीय महिला आयोग ने महिला पंचायत प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण देने की शुरुआत राजस्थान के झालावाड़ जिले में 40 प्रतिनिधियों के साथ की।

➡ महिला ई-हाट की शुरुआत मार्च, 2016 में की गई।

- महिला ई-हाट को 9 सितंबर, 2016 को स्कॉच गोल्ड अवॉर्ड भी प्रदान किया गया।
- वर्ष 2016 की 100 शीर्ष भारतीय परियोजनाओं में इसे शामिल किया गया।

➡ पॉक्सो ई-बॉक्स को स्कॉच सिल्वर अवॉर्ड और स्कॉच ऑर्डर-ऑफ मेरिट अवॉर्ड प्रदान किया गया।

➡ किशोर न्याय (बाल संरक्षण) अधिनियम, 2015, 15 जनवरी, 2016 से लागू।

- 11-18 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों के बहुमुखी विकास के लिए सबला योजना देश के 205 जिलों में चलाई जा रही है।
- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा खोया-पाया पोर्टल की शुरुआत। इसके तहत लापता बच्चों के बारे में उपलब्ध जानकारी प्रदान की जाएगी।
- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने वर्ष 2019 तक चार लाख आंगनवाड़ी भवन बनाने का लक्ष्य रखा है।
- बिल एवं मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के सहयोग से सूचना प्रौद्योगिकी आधारित रियल टाइम मॉनिटरिंग व्यवस्था की शुरुआत। (25 मई, 2016)

➲ एकीकृत बाल विकास योजना के तहत दिए जा रहे खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता की जांच के लिए फरीदाबाद में केंद्रीय जांच प्रयोगशाला की स्थापना।

❑ अल्पसंख्यक मामले मंत्रालय

➡ भारत सरकार ने अल्पसंख्यक मामले मंत्रालय का बजट गत वर्ष के 3712.78 करोड़ रु. से बढ़ाकर वर्ष 2016-17 के दौरान 3800 करोड़ रु. कर दिया।

➲ इसके अलावा विभिन्न मंत्रालयों द्वारा चलाई जा रही योजनाओं में न्यूनतम 15 प्रतिशत अल्पसंख्यक कल्याण हेतु खर्च करना लक्षित किया।

➡ 20 जनवरी, 2016 को श्रीनगर में बालिकाओं के लिए 'नई मंजिल' योजना का शुभारंभ।

➲ इसके तहत लड़कियों को 3 माह का कौशल विकास प्रशिक्षण दिया जाता है। साथ ही प्रशिक्षुओं को 4500 रु. की छात्रवृत्ति भी प्रदान की जाती है।

➡ मौलाना आजाद राष्ट्रीय कौशल अकादमी द्वारा नवोन्मेषी उद्यमिता एवं कौशल विकास कार्यक्रम हेतु नोएडा और दरियागंज में दो केंद्र खोले गए।

➡ अल्पसंख्यक समुदाय के कारीगरों द्वारा तैयार हस्तकरघा एवं कढ़ाई शिल्प हेतु दिल्ली में हुनर हाट का आयोजन।

➡ हज यात्रा संबंधी कार्य प्रबंधन को 1 अक्टूबर, 2016 से विदेश मंत्रालय से अल्पसंख्यक मामले के मंत्रालय को स्थानांतरित कर दिया गया।

➲ हज संबंधी मामलों के लिए त्रिभाषीय वेबसाइट का शुभारंभ।

➲ इसमें हिंदी, उर्दू व अंग्रेजी भाषा में हज यात्रा हेतु आवेदन किया जा सकता है और यात्रा संबंधी नियमों का विवरण प्राप्त किया जा सकता है।

➡ अल्पसंख्यक कल्याण हेतु उठाए गए कदमों की जानकारी देने के लिए प्रगति पंचायत का शुभारंभ।

❑ पर्यटन मंत्रालय

➡ विदेशी पर्यटकों का आगमन जनवरी-नवंबर, 2016 के दौरान 78.53 लाख था। यह पिछले वर्ष की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक था।

➡ विदेशी मुद्रा प्राप्ति जनवरी-नवंबर, 2016 के दौरान 1 लाख, 38 हजार, 845 करोड़ रु. थी। यह पिछले वर्ष की तुलना में 14.7 प्रतिशत अधिक थी।

➲ जनवरी-नवंबर, 2016 के दौरान ई-पर्यटक वीजा पर आने वाले पर्यटकों की संख्या 9 लाख, 17 हजार, 446 थी। इसमें गत वर्ष की तुलना में 168.5 प्रतिशत का इजाफा हुआ।

➡ पर्यटन मंत्रालय ने 8 फरवरी, 2016 को चौबीस घंटे बहुभाषी पर्यटक हेल्पलाइन शुरू की।

➡ पर्यटन मंत्रालय ने स्वच्छ पर्यटन ऐप की शुरुआत की।

➡ पर्यटन मंत्रालय ने 7-9 नवंबर, 2016 के मध्य लंदन में हुए विश्व पर्यटन बाजार सम्मेलन में हिस्सा लिया।

➡ थीम आधारित पर्यटन सर्किट का विकास करने के लिए स्वदेश दर्शन योजना शुरू की गई है। योजना के तहत 13 पर्यटन सर्किट का विकास किया जाना चिह्नित किया गया है।

➡ प्रसाद (Pilgrimage Rejuvenation and Spiritual Augmentation Drive) योजना के अंतर्गत 25 धार्मिक स्थलों को शामिल किया गया है।

➡ दिल्ली के विज्ञान भवन में 21-23 सितंबर, 2016 के मध्य अतुल्य भारत पर्यटन निवेशक समिट, 2016 का आयोजन किया गया।

➡ 2-6 अक्टूबर, 2016 के मध्य 5वां अंतरराष्ट्रीय बौद्ध कॉन्क्लेव आयोजित किया गया।

➡ 23-25 नवंबर, 2016 के मध्य इम्फाल में 5वें अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मार्ट, 2016 का आयोजन किया गया।

➡ नई दिल्ली में लाल किले में 26-31 जनवरी, 2016 के मध्य 'भारत पर्व' का आयोजन।

- **पर्यटन सहयोग हेतु हस्ताक्षरित समझौते**
- 10 अप्रैल, 2016 को भारत और मालदीव की सरकार ने पर्यटन क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने के लिए समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया।
- 5 जून, 2016 को भारत व कतर ने भी पर्यटन क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने संबंधी घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर किया।
- 8 जुलाई, 2016 को भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दक्षिण अफ्रीका यात्रा के दौरान भारत और दक्षिण अफ्रीका ने पर्यटन क्षेत्र में सहयोग हेतु समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया।
- 20 दिसंबर, 2016 को पर्यटन क्षेत्र में सहयोग हेतु भारत व किरगिज गणतंत्र के मध्य समझौता।

संयुक्त कार्यदल बैठक

28 अप्रैल, 2016 को पर्यटन सहयोग पर प्रथम भारत-कम्बोडिया संयुक्त कार्यदल की बैठक नई दिल्ली में।

- दूसरे भारत-श्रीलंका संयुक्त कार्यदल की बैठक 23 जून, 2016 को कोलंबो में।
- पहली भारत-जापान संयुक्त कार्यदल की बैठक 25 अक्टूबर, 2016 को नई दिल्ली में।

संस्कृति मंत्रालय

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के अंतर्गत टिकट वाले 116 स्मारक और 32 संग्रहालय हैं जिनके लिए केनरा बैंक के सहयोग से ई-टिकट सेवा का शुभारंभ किया गया है।

लद्दाख में सासेर ला दर्रे (Saser La Pass) के पास एक प्राचीन स्थल की खुदाई का कार्य किया गया जिसमें समुद्र तल से 13.5 से 14 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित एक प्राचीनतम ज्ञात (9245 BC) शिविर स्थल की खोज हुई।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण हेतु पोर्टल का शुभारंभ।

26 अप्रैल, 2016 को राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण (NMA) द्वारा वेब पोर्टल NOAPS की शुरुआत। पोर्टल में इसरो की तकनीकी दक्षता का प्रयोग किया गया है।

- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने इसरो के नेशनल रिमोट सेंसिंग केंद्र के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया।
- इसके तहत प्रतिबंधित एवं विनियमित क्षेत्रों को दर्शाता उपग्रह आधारित मानचित्र तैयार किया जाएगा।

मौसम परियोजना

इसे पर्यटन मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया है और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा कार्यान्वित किया जाएगा।

- इसके तहत हिंद महासागर क्षेत्र में पुरातात्विक एवं ऐतिहासिक अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाएगा जिससे पूर्वी अफ्रीका, अरब, श्रीलंका व दक्षिण एशिया के साथ वाणिज्यिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक संबंधों का दस्तावेज तैयार किया जा सके।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित स्थलों को पॉलीथीन मुक्त क्षेत्र घोषित किया गया।

- 25 आदर्श स्मारकों पर किए गए स्वच्छता सर्वेक्षण में 'रानी की वाव' (गुजरात) को स्वच्छतम ऐतिहासिक स्थल घोषित किया गया।

फरवरी, 2016 में स्वच्छ पर्यटन मोबाइल ऐप की शुरुआत।

- 28 अक्टूबर, 2016 को पं. दीन दयाल पुरातत्व संस्थान का ग्रेटर नोएडा में शिलान्यास।
- सांस्कृतिक कार्यक्रमों को दिखाने के लिए मंत्रालय द्वारा 'संस्कृति' मोबाइल ऐप की शुरुआत।

भारत के विभिन्न क्षेत्रों के सांस्कृतिक संगठनों, कलाकारों को प्रदान किए जाने वाले अनुदान छात्रवृत्ति, पेंशन एवं अन्य सहायताओं में पारदर्शिता लाने के लिए **'कल्चरल मैपिंग ऑफ इंडिया'** योजना की शुरुआत।

21 मई, 2016 को अंतरराष्ट्रीय बुद्ध पूर्णिमा दिवस, 2016 का आयोजन किया गया।

- 15-24 अक्टूबर, 2016 के मध्य द्वितीय राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव का आयोजन नई दिल्ली में।

➲ तृतीय राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव का आयोजन 17-24 दिसंबर, 2016 के मध्य बीएचयू, वाराणसी में।

➡ भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार द्वारा 11 मार्च, 2015 को अपने 125वें स्थापना दिवस के अवसर पर 'अभिलेख पटल' पोर्टल का शुभारंभ किया गया।

➡ 17 जून, 2016 को गंगा-डैन्यूब संस्कृति महोत्सव बुडापेस्ट, हंगरी में आयोजित।

➲ नालंदा महाविहार के पुरातात्विक अवशेष 15 जुलाई, 2016 को यूनेस्को द्वारा विश्व ऐतिहासिक धरोहर स्थल घोषित।

➲ कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान और चंडीगढ़ कैपिटोल कॉम्प्लेक्स को भी विश्व धरोहर स्थल में शामिल किया गया।

➲ योग को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत घोषित किया गया।

➲ 11 अप्रैल, 2016 को भारत और मालदीव के बीच मालदीव में प्राचीन मस्जिदों के 'संरक्षण व पुनरुद्धार और सर्वेक्षण कार्यक्रम हेतु' समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर।

➡ **सांस्कृतिक सहयोग के लिए हस्ताक्षरित समझौते**

➲ भारत-उज्बेकिस्तान के बीच वर्ष 2015-17 के लिए।

➲ भारत और किरगिज़ गणराज्य के बीच।

➲ भारत और ताजिकिस्तान के बीच वर्ष 2016-18 के लिए।

➲ भारत और बुल्गारिया के बीच वर्ष 2015-17 के लिए।

➡ नेताजी सुभाष चंद्र बोस के 119वें जन्म दिन के अवसर पर 23 जनवरी, 2016 को प्रधानमंत्री ने 100 फाइलों को सार्वजनिक किया।

➡ 28 अक्टूबर, 2016 को लाला लाजपत राय की स्मृति में 10 रु. के सिक्के जारी किए गए।

➡ 18 अप्रैल, 2016 को तात्या टोपे की शहादत दिवस के अवसर पर 10 रु. के सिक्के जारी किए गए।

➡ 9 मई, 2016 को महाराणा प्रताप की 475वीं जयंती के उपलक्ष्य में 10 रु. के सिक्के जारी किए गए।

➲ 14-25 नवंबर, 2016 के मध्य नई दिल्ली में जश्ने-बचपन कार्यक्रम का आयोजन।

➡ 14 फरवरी-13 मार्च, 2016 के बीच गंगोत्री से गंगासागर तक 262 स्थलों पर गंगा संस्कृति यात्रा का आयोजन किया गया।

➡ 13वें विश्व रोबोट ओलम्पियाड का आयोजन 26-27 नवंबर, 2016 के मध्य ग्रेटर नोएडा में।

➡ राष्ट्रीय अभिलेखागार का प्रचार वाक्य (Tagline)-वयं अभिलेखान रक्षामः।

➲ राष्ट्रीय अभिलेखागार के 125वें स्थापना दिवस के अवसर पर (7-11 मार्च, 2016) साप्ताहिक महोत्सव का आयोजन।

❑ मानव संसाधन विकास मंत्रालय

➡ सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों को वर्ष 2010-11 के 19594.07 करोड़ रु. की अपेक्षा वर्ष 2015-16 में 21590 करोड़ रु. आवंटित किया गया।

➡ **शैक्षिक संकेतकों में सुधार**

➲ जनगणना-2011 के अनुसार, 6-13 वर्ष की आयु वर्ग के 20.78 करोड़ बच्चे हैं।

➲ UOISE 2015-16 के अनुसार, 14.49 लाख प्राथमिक स्कूलों में पंजीकृत छात्रों की संख्या 19.67 करोड़ थी।

➲ 6-14 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों में स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की संख्या में उल्लेखनीय कमी हुई है जो कि वर्ष 2005 में 134.6 लाख से घटकर वर्ष 2014 में 61 लाख हो गई।

➲ प्राथमिक स्तर पर वार्षिक औसत ड्राप आउट रेट वर्ष 2009-10 के 9.11 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2015-16 में 4.13 प्रतिशत रह गया।

➲ प्राथमिक से उच्च प्राथमिक का संक्रमण दर वर्ष 2009-10 के 83.53 प्रतिशत से वर्ष 2015-16 में 90.14 प्रतिशत हो गया है।

➲ छात्र-अध्यापक अनुपात (PTR) वर्ष 2009-10 के 32 से वर्ष 2015-16 में 24 हो गया है।

➡ स्कूल शिक्षा विभाग तथा नीति आयोग संयुक्त रूप से सभी राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदशों के परामर्श से एक 'स्कूली शिक्षा गुणवत्ता सूचकांक' (SEQI) का विकास कर रहे हैं।

➡ शगुन पोर्टल (Shagun Portal) का विकास मंत्रालय द्वारा सर्व शिक्षा अभियान की निगरानी हेतु किया जा रहा है।

➡ सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत कुछ उप-कार्यक्रम हैं–

1. पढ़े भारत, बढ़े भारत (PBBB)
2. राष्ट्रीय आविष्कार अभियान
3. विद्यांजलि

➡ वर्ष 2017 से राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वे तीन वर्ष में एक बार के स्थान पर प्रति वर्ष आयोजित किया जाएगा।

➡ 5-18 वर्ष की आयु वर्ग के सभी स्कूल जाने वाले बच्चों को आधार के अंतर्गत लाया जा रहा है।

➡ 30 जून, 2016 को मंत्रालय द्वारा एक मजबूत निरीक्षण मैकेनिज्म हेतु एक शिक्षक शिक्षा पोर्टल 'परीक्षक' शुरू किया गया है।

➡ राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के अंतर्गत शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने हेतु कुछ महत्वपूर्ण पहल निम्नलिखित हैं–

i. शाला सिद्धी
ii. शाला दर्पण
iii. ई-पाठशाला
iv. कला उत्सव
v. राष्ट्रीय आविष्कार अभियान
vi. सीमा दर्शन आदि।

➲ शिक्षा की गुणवत्ता के मापन हेतु राष्ट्रीय संस्थात्मक रैंकिंग फ्रेमवर्क के अंतर्गत 4 अप्रैल, 2016 को देश में पहली बार 'इंडिया रैंकिंग, 2016' की घोषणा की गई।

➡ 'स्वयं प्रभा' की परिकल्पना उच्च गुणवत्ता के कार्यक्रमों का 32 डीटीएच चैनलों के माध्यम से 24×7 आधार पर प्रसारण हेतु एक परियोजना के रूप में की गई है।

➡ 'विद्या लक्ष्मी' स्कीम के अंतर्गत सभी विद्यार्थियों को ट्यूशन फीस के लिए ब्याज मुक्त ऋण की सुविधा होगी।

➡ 'एक राष्ट्रीय परिसंपत्ति निर्माण की दिशा में भारत के राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय का विकास' नामक प्रोजेक्ट NMEICT (National Mission on Education through Information and Communication Technology) के अंतर्गत IIT खड़गपुर के लिए मंजूर किया गया है।

➲ भुवन-रूसा पोर्टल (BHUVAN-RUSA Portal)- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (NRSC) द्वारा जियो-टैग फोटो को अपलोड करने हेतु विकसित किया गया है।

➡ 1 दिसंबर, 2016 को श्री प्रकाश जावड़ेकर द्वारा वित्तीय साक्षरता अभियान (VISAKA) का शुभारंभ किया गया।

➲ इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य लोगों में डिजिटल अर्थव्यवस्था एवं कैशलेस लेन-देन के लिए जागरूकता बढ़ाना है।

➲ 30 सितंबर, 2016 को ब्रिक्स के शिक्षा मंत्रियों की चौथी मीटिंग के दौरान शिक्षा पर नई दिल्ली घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।

❑ सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय

➡ 16 दिसंबर, 2016 को संसद ने 'दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार विधेयक, 2016' को पारित किया।

➲ इस विधेयक में विकलांगता को एक विकसित एवं गतिशील अवधारणा पर परिभाषित किया गया है तथा विभिन्न विकलांगता के प्रकारों को 7 से बढ़ाकर 21 कर दिया गया है।

➲ केंद्र सरकार को विकलांगता के और अन्य प्रकारों को इसमें शामिल करने का अधिकार प्रदान किया गया है।

➲ सरकारी प्रतिष्ठानों में रिक्तियों में आरक्षण, बेंचमार्क विकलांगता के साथ कुछ व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्ग के लिए 3 प्रतिशत से बढ़ाकर 4 प्रतिशत कर दिया गया है।

➲ विकलांग व्यक्तियों के मुख्य आयुक्त कार्यालय को और मजबूत किया गया है जिसकी सहायता हेतु 2 आयुक्त तथा विभिन्न

विकलांगताओं के अधिकतम 11 विशेषज्ञों से मिलकर बनाई गई एक सलाहकार समिति होगी।

- बेंचमार्क विकलांगता से युक्त प्रत्येक बच्चे को, जिसकी उम्र 6-18 वर्ष के मध्य हो, मुफ्त शिक्षा का अधिकार प्राप्त होगा।

➡ मंत्रालय ने जागरूकता सृजन और प्रचार योजना के अंतर्गत रियो पैरालिंपिक्स, 2016 के पदक विजेताओं को कुल 90 लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया।

- रियो पैरालिंपिक, 2016 के स्वर्ण पदक विजेता मरियप्पन थंगावेलू तथा देवेंद्र झाझरिया को 30-30 लाख रुपये, रजत पदक विजेता दीपा मलिक को 20 लाख रुपये तथा कांस्य पदक विजेता वरुण सिंह भाटी को 10 लाख रुपये प्रदान किए गए।
- रियो पैरालिंपिक, 2016 में अब तक का सबसे बड़ा भारतीय दल (19 एथलीट) भेजा गया था।

➡ 17 सितंबर, 2016 को नवसारी, गुजरात में आयोजित सामाजिक अधिकारिता शिविर में तीन गिनीज विश्व रिकॉर्ड बनाए गए।

- पहला रिकॉर्ड 16 सितंबर, 2016 को 989 दिव्यांगजनों द्वारा एक स्थान पर एक ही समय में सर्वाधिक तेल के दीपक जलाने का बनाया गया।
- दूसरा रिकॉर्ड 17 सितंबर, 2016 को 1000 दिव्यांगजनों द्वारा सबसे बड़े 'व्हीलचेयर लोगो' का निर्माण करके पूर्व के 346 लोगों द्वारा मूरहेड, मिनीसोटा, USA में बनाए गए रिकॉर्ड को तोड़कर बनाया गया।
- इसके अंतर्गत प्रतिभागियों ने तीन रंगों के व्हीलचेयर के द्वारा 'Happy Birthday PM' लोगो बनाया।

➡ तीसरा विश्व रिकॉर्ड आठ घंटे में सर्वाधिक लोगों को श्रवण यंत्र लगाकर बनाया गया।

➡ 24 अगस्त, 2016 को कानून एवं न्याय तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रविशंकर प्रसाद ने देखने में अक्षम व्यक्तियों हेतु एक ऑनलाइन लाइब्रेरी 'सुगम्य पुस्तकालय : सुलभ डिजिटल इंडिया की दिशा में एक कदम' का शुभारंभ किया।

➡ प्रति वर्ष 3 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस मनाया जाता है।

➡ 1 अक्टूबर, 2016 को अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति ने 'वयोश्रेष्ठ सम्मान, 2016' प्रदान किया।

➡ 7-8 सितंबर, 2016 के मध्य मंत्रालय द्वारा दो दिवसीय 'दिव्यांगजन हेतु रोजगार मेला' का आयोजन किया गया।

➡ 14 अप्रैल, 2016 को बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर के जन्मदिवस के अवसर पर मंत्रालय ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) संशोधन नियम, 2016 को अधिसूचित किया।

- अनुसूचित जाति एवं जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 संसद द्वारा वर्ष 2016 में संशोधित किया गया था।

➡ 27 जनवरी, 2016 को मंत्रालय ने दिव्यांगजनों हेतु समर्पित जॉब पोर्टल शुरू किया।

➡ राष्ट्रीय दिव्यांगजन वित्त एवं विकास कॉर्पोरेशन के सहयोग से 'यस वी कैन' नामक पुस्तक का प्रकाशन पेंगुइन प्रकाशन ने किया।

➡ सरकार ने अपने प्रमुख अभियान 'सुगम्य भारत अभियान' के अगले अध्याय को चिह्नित करने के लिए 30 मार्च, 2016 को 'समग्रता और पहुंच सूचकांक' (Inclusivness and Accessibility Index) शुरू किया।

- यह सूचकांक भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग संघ (FICCI) के साथ मिलकर बनाया गया है।
- मंत्रालय ने 27 जून, 2016 को पहली बार अनअधिसूचित खानाबदोश और अर्द्ध खानाबदोश जनजातियों के लिए एक ड्राफ्ट लिस्ट जारी किया।
- 24 जुलाई, 2016 को इंडिया गेट पर 'गरजते पहिए' (Roaring wheels) नामक उत्सव का आयोजन किया गया।

वैदिक सभ्यता

13 अंकों में आविष्कार/खोज, 4 अंकों में राष्ट्रगान, 5 अंकों में संसद, 3 अंकों में मुद्राओं तथा 11 अंकों में धरातलीय आकृतियों के पश्चात अब ज्ञानिकी के तहत पृथक-पृथक शीर्षकों में जानकारियां प्रदान की जा रही हैं। 21 अंकों में परिवहन के विभिन्न घटकों, महासागरीय नितल के उच्चावच स्थानीय पवन, आर्द्रता, कुहरा एवं बादल, वर्षा, चक्रवात, भूकंप, बाढ़ एवं सूखा, भारत की प्रमुख बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजनाओं, भारत के प्रमुख अनुसंधान संस्थानों/केंद्रों, पाषाण काल तथा हड़प्पा काल पर जानकारी प्रस्तुत करने के बाद गत अंक में वैदिक सभ्यता के विषय में तथ्यों को प्रस्तुत किया गया था। इस अंक में भी भारतीय इतिहास के अंतर्गत वैदिक सभ्यता से संबंधित जानकारी प्रस्तुत की जा रही है।

❑ सामाजिक जीवन

➡ परिवार

➡ ऋग्वैदिक समाज की सबसे छोटी इकाई परिवार या कुल होती थी।

➲ परिवार के लिए 'गृह' शब्द प्रयुक्त हुआ है।

➡ ऋग्वैदिक समाज पितृसत्तात्मक समाज था।

➲ पिता अथवा बड़ा भाई परिवार का स्वामी होता था।

➲ ऋग्वेद से ज्ञात होता है कि पिता के अधिकार असीमित होते थे। वह परिवार के सदस्यों को कठोर से कठोर दंड दे सकता था।

➡ वरुण सूक्त के शुनःशेप आख्यान से ज्ञात होता है कि पिता अपनी संतान को बेच सकता था।

➡ वर्ण व्यवस्था

➡ ऋग्वैदिक कालीन समाज प्रारंभ में वर्ग-विभेद से रहित था।

➲ सभी व्यक्ति 'जन' के सदस्य समझे जाते थे तथा सबकी समान सामाजिक प्रतिष्ठा थी।

➲ जन के निर्माण के पूर्व के लोगों को 'अर्य' तथा 'कृष्टि' अथवा 'चर्षणि' कहा गया है।

➡ ऋग्वेद में 'वर्ण' शब्द रंग के अर्थ में तथा कहीं-कहीं व्यवसाय चयन के अर्थ में प्रयुक्त हुआ है।

➡ ऋग्वेद के दसवें मंडल के पुरुष सूक्त में सर्वप्रथम 'शूद्र' शब्द मिलता है।

➲ इसमें 'विराट पुरुष' के विभिन्न अंगों से चारों वर्णों की उत्पत्ति बताई गई है।

➲ विराट पुरुष के मुख से ब्राह्मण, भुजाओं से राजन्य (क्षत्रिय), उरु (जंघा) भाग से वैश्य तथा पैरों से शूद्र उत्पन्न हुए।

आर्यों द्वारा अनार्यों को दिए गए विभिन्न नाम

अब्रह्मन	वेदों को न मानने वाले
अयज्वन्	यज्ञ न करने वाले
अनासः	बिना नाक वाले
अदेवयु	देवताओं को न मानने वाले
अव्रत	वैदिक व्रतों का पालन न करने वाले
मृधवाक्	कटु वाणी वाले

➡ स्त्रियों की दशा

➡ शतपथ ब्राह्मण में पत्नी को पति की अर्धांगिनी कहा गया है।

➡ ऋग्वेद में 'जायेदस्तम' अर्थात पत्नी ही गृह है, कहकर उसके महत्व को स्वीकार किया गया है।

➡ कन्या के विदाई के समय जो उपहार एवं द्रव्य दिए जाते थे उसे 'वहतु' कहा जाता था।

➡ स्त्रियों में पुनर्विवाह एवं नियोग प्रथा प्रचलित थी।

➲ नियोग प्रथा से उत्पन्न संतान 'क्षेत्रज' कहलाती थी।

➡ समाज में सती प्रथा के प्रचलन का उदाहरण नहीं मिलता है।

➡ जो कन्याएं जीवन भर कुंवारी रहती थीं, उन्हें 'अमाजू' कहा जाता था।

➡ ऋग्वेद में घोषा, लोपा, मुद्रा, विश्ववारा, अपाला आदि स्त्रियां शिक्षित थीं तथा जिन्होंने कुछ मंत्रों की रचना भी की थी।

➡ **भोजन एवं वस्त्र**

➡ आर्य मांसाहारी तथा शाकाहारी दोनों प्रकार के भोजन करते थे।

➡ भोजन में दूध, घी, दही आदि का विशेष महत्व था।

➲ दूध में पकी हुई खीर (क्षीरपाकौदन) का उल्लेख मिलता है।

➲ जौ की सत्तू को दही में मिलाकर 'करंभ' नामक खाद्य पदार्थ बनाया जाता था।

➡ ऋग्वैदिक काल में तीन प्रकार का वस्त्र प्रचलित था। ये था–नीवी, वासस् एवं अधिवासस्।

➡ स्त्री-पुरुष दोनों आभूषण पहनते थे।

➡ **आमोद-प्रमोद**

➡ ऋग्वैदिक आर्य आमोद-प्रमोद का जीवन व्यतीत करते थे।

➡ रथदौड़, घुड़दौड़ तथा पासा खेलना भी उनके मनोरंजन के साधन थे।

➲ जुआ (द्यूत) भी खेला जाता था।

➡ वाद्यों में झांझ-मंजीरे, दुंदुभि, कर्करि, वीणा, बांसुरी आदि का उल्लेख मिलता है।

❑ आर्थिक जीवन

➡ **कृषि एवं पशुपालन**

➡ आर्यों की संस्कृति मूलतः ग्रामीण थी।

➲ कृषि और पशुपालन उनके आर्थिक जीवन का मूल आधार था।

➲ ऋग्वेद में पशुपालन की तुलना में कृषि का उल्लेख बहुत कम मिलता है।

➲ ऋग्वेद के मात्र 24 मंत्रों में ही कृषि का उल्लेख प्राप्त होता है।

➡ 'उर्वरा' या 'क्षेत्र' कृषि योग्य भूमि को कहा जाता था।

➡ बुआई, कटाई, मड़ाई आदि क्रियाओं से लोग परिचित थे।

➡ ऋग्वेद में कुल्या (नहर), कूप तथा अवट (खोदकर बने हुए गड्ढे), अश्मचक्र (रहट की चरखी) आदि का उल्लेख है।

ऋग्वैदिक कालीन शब्दावली एवं अर्थ	
नीवी	कमर के नीचे पहना जाने वाला वस्त्र
वासस्	कमर के ऊपर पहना जाने वाला वस्त्र
अधिवासस्	ऊपर से धारण किया जाने वाला चादर या ओढ़नी
तक्षा	बढ़ई
कर्मा	धातु कर्म करने वाले
वेकनाट	सूदखोर
अरित्र	पतवार
अरितृ	नाविक

➡ **उद्योग-धंधे एवं व्यापार**

➡ ऋग्वैदिक समाज में व्यवसाय आनुवंशिक (Hereditary) नहीं थे।

➡ ऋग्वेद में तक्षा (बढ़ई), स्वर्णकार, चर्मकार, वाय (जुलाहे), कर्मा (धातु कर्म करने वाले), कुंभकार आदि का उल्लेख मिलता है।

➡ कताई-बुनाई का कार्य स्त्री-पुरुष दोनों करते थे।

➡ सूत, रेशम तथा ऊन से वस्त्र बनाए जाते थे।

➡ ऋग्वेद से पता चलता है कि सिंध तथा गंधार प्रदेश सुंदर ऊनी वस्त्रों के लिए विख्यात थे।

➡ व्यापार अदल-बदल प्रणाली पर आधारित था।

➡ विनिमय के माध्यम के रूप में 'निष्क' का उल्लेख हुआ है।

➡ व्यापार-वाणिज्य प्रधानतः 'पणि' वर्ग के लोग करते थे।

➡ ऋग्वैदिक आर्य लोहे से परिचित नहीं थे।

❑ धार्मिक जीवन

➡ वैदिक साहित्य में ऋग्वेद प्राचीनतम ग्रंथ है जिसमें हमें सर्वप्रथम बहुदेववाद के दर्शन प्राप्त होते हैं।

➡ यास्क के निरुक्त के अनुसार, ऋग्वैदिक देवताओं की संख्या मात्र 3 बताई गई है।

➡ ऋग्वेद में एक अन्य स्थल पर प्रत्येक लोक में 11 देवताओं का निवास मानकर उनकी संख्या 33 बताई गई है।

➡ ऋग्वैदिक देवताओं का वर्गीकरण तीन वर्गों में किया गया है–

➲ **पृथ्वी के देवता**–पृथ्वी, अग्नि, बृहस्पति, सोम आदि।

➲ **आकाश के देवता**–वरुण, सूर्य, मित्र, पूषन, विष्णु, द्यौ, अश्विन आदि।

➲ **अंतरिक्ष के देवता**–इंद्र, पर्जन्य, रुद्र,आप, वायु, वात आदि।

➡ इंद्र को विश्व का स्वामी कहा गया है।

➲ इन्हें पुरंदर अर्थात 'किलों को तोड़ने वाला' कहा गया है।

➲ ऋग्वेद में सर्वाधिक सूक्त (250) इंद्र को समर्पित हैं।

➲ इंद्र को आर्यों का युद्ध नेता तथा वर्षा का देवता माना जाता है।

➡ ऋग्वेद में अग्नि को 200 सूक्त समर्पित हैं और वह इस काल के दूसरे सर्वाधिक महत्वपूर्ण देवता हैं।

➡ ऋग्वैदिक देवताओं में वरुण को तीसरा स्थान प्राप्त था।

➲ वरुण को समुद्र का देवता एवं ऋत का नियामक माना जाता है।

➲ वरुण को वैदिक सभ्यता में नैतिक व्यवस्था का प्रधान माना जाता था। इसी कारण उन्हें 'ऋतस्यगोपा' भी कहा जाता था।

➡ ऋग्वेद के नौवें मंडल के सभी 114 मंत्र 'सोम' को समर्पित हैं।

➡ वनस्पतियों एवं औषधियों का देवता पूषन है। इनके रथ को बकरे द्वारा खींचते हुए प्रदर्शित किया गया है।

➡ जंगल की देवी 'अरण्यानी' जबकि ज्ञान की देवी 'सरस्वती' थीं।

➡ देवताओं की उपासना यज्ञों द्वारा की जाती थी।

➡ ऋग्वेद में धर्म शब्द विधि (Laws) के अर्थ में प्रयुक्त हुआ है।

➡ देवोपासना मुख्यतः भौतिक कल्याण के लिए की जाती थी, उपासना का लक्ष्य पारमार्थिक सुख नहीं था।

❑ उत्तर वैदिक काल

➡ उत्तर वैदिक काल में अनु, द्रुह्य, तुर्वश, क्रिवि, पुरु तथा भरत आदि जनों का लोप हो गया।

➡ शतपथ ब्राह्मण में कुरु और पांचाल को वैदिक सभ्यता का सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि बताया गया है।

➡ छांदोग्योपनिषद से ज्ञात होता है कि कुरु जनपद में कभी ओले नहीं पड़े और न ही टिड्डियों के उपद्रव के कारण अकाल ही पड़ा।

➡ उत्तर वैदिक काल में काशी, कोशल, कुरु, पांचाल, विदेह, मगध, अंग आदि प्रमुख राज्य थे।

विभिन्न दिशाओं में राजा के विभिन्न नाम	
पूर्व	सम्राट
पश्चिम	स्वराट्
उत्तर	विराट
दक्षिण	भोज
मध्य	राजा

Q. 'विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट, 2017' के अनुसार, विश्व के सबसे खुशहाल देशों की सूची में भारत का स्थान कौन-सा है?

A. 122वां।

Q. 17-19 मार्च, 2017 के मध्य 'अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन' का आयोजन कहां किया गया?

A. राजगीर, बिहार में।

Q. 15 फरवरी, 2017 को 'भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन' (ISRO) ने ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपणयान से कितने उपग्रहों का सफल प्रक्षेपण किया?

A. रिकॉर्ड 104 उपग्रहों का।

Q. 10 मार्च, 2017 को केंद्रीय मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने भारतीय रिजर्व बैंक के नए डिप्टी गवर्नर के रूप में किसकी नियुक्ति को स्वीकृति प्रदान की?

A. बी.पी. कानूनगो की।

Q. 26वां सरस्वती सम्मान, 2016 किसे प्रदान किया जाएगा?

A. कोंकणी लेखक महाबलेश्वर सैल को।

Q. 8 मार्च, 2017 को बंगलुरू में BCCI के वार्षिक पुरस्कारों में महिला खिलाड़ी हेतु प्रथम लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड किसे प्रदान किया गया?

A. शांता रंगास्वामी को।

Q. 5 मार्च, 2017 को देश का सबसे ऊंचा (360 फीट) राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगा) कहां पर फहराया गया?

A. अटारी (पंजाब) में।

Q. 17 मार्च, 2017 में एशिया का प्रथम एयरबस प्रशिक्षण केंद्र कहां खोलने की घोषणा की गई है?

A. नई दिल्ली में।

Q. मार्च-अक्टूबर, 2017 तक 'भारत महोत्सव' का आयोजन किस देश में किया जा रहा है?

A. यूक्रेन में।

Q. वर्ष 2016 के लिए 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय कृषि विज्ञान प्रोत्साहन' पुरस्कार किस संस्थान को प्रदान किया गया?

A. भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा (नई दिल्ली) को।

Q. मार्च, 2017 में केंद्रीय जल आयोग का चेयरमैन किसे नियुक्त किया गया?

A. नरेंद्र कुमार को।

Q. 10-12 फरवरी, 2017 के मध्य राष्ट्रीय महिला संसद का आयोजन कहां किया गया?

A. अमरावती (आंध्र प्रदेश) में।

Q. 28 फरवरी, 2017 को किसने राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष का पदभार संभाला?

A. नंद कुमार साईं ने।

Q. प्रसिद्ध अमेरिकी थिंक टैंक 'द हेरिटेज फाउंडेशन' द्वारा जारी 'आर्थिक स्वतंत्रता सूचकांक, 2017' में भारत का कौन-सा स्थान है?

A. 143वां।

Q. 16 फरवरी, 2017 को 'भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड' (BEL) द्वारा भारतीय सशस्त्र बलों के लिए नए संचार रेडियो का अनावरण किया गया। इसका नाम क्या है?

A. STARS-V मार्क III।

Q. 26 फरवरी, 2017 को संपन्न हॉकी इंडिया लीग, 2017 टूर्नामेंट में 'मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर' का पुरस्कार किसे प्रदान किया गया?

A. फ्लोरिएन फुच्स (दबंग मुंबई) को।

Q. फरवरी, 2017 में गैबन में संपन्न अफ्रीका कप ऑफ नेशंस फुटबॉल प्रतियोगिता, 2017 का खिताब किस देश ने जीता?

A. कैमरून ने।

Q. 6 फरवरी, 2017 को IBSF ने भारत को विश्व बिलियर्ड्स चैंपियनशिप की मेजबानी अगले कितने वर्षों के लिए सौंपी है?

A. चार वर्षों के लिए।

Q. फिडे (FIDE) ने किस जूनियर खिलाड़ी (7 वर्षीय) को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कैंडिडेट मास्टर का खिताब प्रदान किया?

A. कुश भगत को।

Q. 20 मार्च को संपन्न 'विजय हजारे ट्रॉफी, 2016-17' का खिताब किस टीम ने जीता?

A. तमिलनाडु ने।

Q. 20 मार्च, 2017 को उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने अपने एक ऐतिहासिक निर्णय में देश की किन दो पवित्र नदियों को जीवित मानव का दर्जा देने की घोषणा की है?

A. गंगा और यमुना को।

Q. 15 मार्च, 2017 को न्यूजीलैंड की संसद ने किस नदी को इंसान के रूप में कानूनी दर्जा प्रदान किया?

A. वानगानुई नदी को।

Q. 11 मार्च, 2017 को केंद्र सरकार ने 'केला अनुसंधान केंद्र' का शिलान्यास कहां पर किया?

A. गोरौल, वैशाली (बिहार) में।

Q. मार्च, 2017 में भारतीय रेलवे का कौन-सा रेलवे स्टेशन पूर्णतः निजी रूप से प्रबंधित पहला रेलवे स्टेशन बन गया?

A. हबीबगंज रेलवे स्टेशन (भोपाल)।

Q. विश्व जल दिवस कब मनाया जाता है?

A. 22 मार्च को।

Q. वर्ष 2017 में अंतरराष्ट्रीय वन दिवस (21 मार्च) का मुख्य विषय (Theme) क्या था?

A. वन और ऊर्जा।

Q. 20 मार्च, 2017 को केरल उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में किसने शपथ ग्रहण किया?

A. न्यायमूर्ति नवनीति प्रसाद सिंह ने।

Q. 16 मार्च, 2017 को राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के चेयरमैन के रूप में किसने पदभार ग्रहण किया?

A. मनहर वालजी भाई जाला।

Q. 16 फरवरी, 2017 को आरबीआई ने क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की गोल्ड लोन देने की सीमा 1 लाख रुपये से बढ़ाकर कितनी कर दी है?

A. दो लाख रुपये।

Q. वर्ष 2016-17 के लिए दूसरे अग्रिम अनुमानों के अनुसार, देश में कुल खाद्यान्न उत्पादन कितना होने का अनुमान है?

A. 271.98 मिलियन टन।

Q. 15 मार्च, 2017 से पाकिस्तान में कितने वर्ष बाद जनगणना प्रारंभ की गई है?

A. 19 वर्ष बाद।

Q. बजट 2017-18 में नम्मा कैंटीन खोलने की घोषणा किस राज्य ने की?

A. कर्नाटक ने।

Q. बजट 2017-18 में गरीबों हेतु दीन दयाल थाली योजना का शुभारंभ किस राज्य ने किया?

A. मध्य प्रदेश ने।

Q. 9 मार्च, 2017 को रेल मंत्रालय ने किसके साथ पर्यावरण संरक्षण से संबंधित आशय-पत्रों पर हस्ताक्षर किए?

A. संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के साथ।

मुद्रक, प्रकाशक और स्वामी संतोष कुमार चौधरी द्वारा उन्हीं के लिए अमर मुद्रणालय 15/1/17 कटरा रोड माधो कुंज इलाहाबाद से मुद्रित एवं 188A/128 एलनगंज, चर्चलेन, इलाहाबाद से प्रकाशित। संपादक-संतोष कुमार चौधरी।

सम-सामयिक **घटना चक्र**

अतिरिक्तांक

निःशुल्क

मार्च-अप्रैल, 2017

अंक के साथ

परीक्षा परिशिष्ट

एम.पी. (प्रा.) परीक्षा - 2017

व्याख्यात्मक हल प्रश्न पत्र

एम.पी. पी.सी.एस.(प्रा.) परीक्षा, 2017

प्रथम प्रश्न-पत्र

सीरीज - A **परीक्षा तिथि - 12/02/2017**

सम-सामयिक घटना चक्र द्वारा अपने पाठकों के लिए मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (प्रा.) परीक्षा, 2017 का हल प्रश्न-पत्र व्याख्यात्मक उत्तरों के साथ प्रस्तुत किया जा रहा है। प्रत्येक प्रश्न के हल हेतु व्याख्या के लिए उत्तर के मूल स्रोत तक पहुंचने का प्रयास किया गया है। इन मूल स्रोतों अर्थात उत्तर को प्रमाणित करने वाली व्याख्या हेतु प्रयुक्त अधिकांश पाठ्य सामग्री हमारे पास संरक्षित है। इन्हीं मूल स्रोतों के आधार पर हम इस हल प्रश्न-पत्र की अधिकतम शुद्धता का दावा करते हैं। यदि कहीं किसी प्रश्न के उत्तर हेतु हमारी व्याख्या से न संतुष्ट हो पा रहे हों, तो दूरभाष सं. 9335140296 पर मध्याह्न 12 बजे से सायं 8 बजे के मध्य हमसे संपर्क करें। हम आपको वस्तुस्थिति से अवगत करा देंगे।

1. गाजी मलिक किस वंश का संस्थापक था?

(a) तुगलक (b) खिलजी
(c) सैय्यद (d) लोदी

उत्तर—(a)

अलाउद्दीन के सेनापतियों में ग्यासुद्दीन तुगलक या 'गाजी मलिक' तुगलक वंश का प्रथम शासक था। उसने तुगलक वंश की स्थापना की। उसकी माता हिंदू जाट महिला थी तथा पिता एक करौना तुर्क था, जो बलबन का दास था। ग्यासुद्दीन तुगलक अलाउद्दीन खिलजी के शासनकाल में कई महत्वपूर्ण अभियानों का अध्यक्ष था तथा उसे दीपालपुर का राज्यपाल नियुक्त किया गया था। 29 अवसरों पर उसने मंगोलों के विरुद्ध युद्ध किया, उन्हें भारत से बाहर खदेड़ा, इसलिए वह 'मलिक-उल-गाजी' के नाम से प्रसिद्ध हुआ। खुसरो शाह को समाप्त करके उसने दिल्ली के सिंहासन पर अधिकार कर लिया तथा 8 सितंबर, 1320 को सुल्तान बना।

2. 'भारतीय पुरातत्व का जनक' किसे कहा जाता है?

(a) अलेक्जेंडर कनिंघम (b) जॉन मार्शल
(c) मार्टीमर व्हीलर (d) जेम्स प्रिंसेप

उत्तर—(a)

अलेक्जेंडर कनिंघम (1814-1893) को एक ब्रिटिश सेनाधिकारी के रूप में बंगाल इंजीनियर्स के साथ काम करने के लिए तैनात किया गया था। उन्हें ही 'भारतीय पुरातत्व के जनक' के रूप में जाना जाता है। 1861 ई. में सेना से सेवानिवृत्ति के पश्चात उन्हें भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण का पहला महानिदेशक नियुक्त किया गया था।

3. राममोहन राय को 'राजा' की उपाधि से किसने विभूषित किया?

(a) औरंगजेब
(b) रॉबर्ट क्लाइव
(c) महात्मा गांधी
(d) मुगल सम्राट अकबर द्वितीय

उत्तर—(d)

मुगल बादशाह अकबर द्वितीय ने राममोहन राय को 'राजा' की उपाधि के साथ अपने दूत के रूप में 1830 ई. में तत्कालीन ब्रिटिश सम्राट विलियम चतुर्थ के दरबार में भेजा था। राममोहन राय को इंग्लैंड में सम्राट से मुगल बादशाह अकबर द्वितीय को मिलने वाली पेंशन की मात्रा बढ़ाने पर बातचीत करनी थी। इंग्लैंड के ब्रिस्टल में ही 27 सितंबर, 1833 को राजा राममोहन राय की मृत्यु हो गई जहां उनकी समाधि स्थापित है।

4. 1909 का अधिनियम संबंधित था-

(a) पृथक मताधिकार-क्षेत्र के लागू करने से
(b) विकेंद्रीकरण से
(c) द्वैध-शासन से
(d) विधान परिषद से

उत्तर—(a)

1909 के अधिनियम द्वारा मुसलमानों के लिए पृथक मताधिकार तथा पृथक निर्वाचन क्षेत्रों की स्थापना की गई। लॉर्ड मिंटो ने पृथक निर्वाचन मंडल स्थापित करके लॉर्ड मॉर्ले को लिखा था- ''हम नाग के दांत (Dragon's Teeth) बो रहे हैं और इसका फल भीषण होगा।''

5. 1194 के चंदावर के युद्ध में मुहम्मद गोरी ने किसे हराया था?

(a) कुमारपाल (b) जयचंद

(c) गोविंदराज (d) भीम द्वितीय

उत्तर—(b)

1194 ई. में चंदावर के युद्ध में मुहम्मद गोरी ने कन्नौज के गहड़वाल राजा जयचंद को पराजित किया था। चंदावर, वर्तमान फिरोजाबाद जिले के यमुना तट पर स्थित है।

6. दिल्ली सल्तनत के किस वंश ने सबसे कम समय तक शासन किया?

(a) खिलजी (b) तुगलक

(c) सैय्यद (d) लोदी

उत्तर—(a)

दिल्ली सल्तनत के गुलाम वंश के सुल्तानों ने 1206 से 1290 ई. तक शासन किया। खिलजी वंश ने 1290 से 1320 ई. तक शासन किया। तुगलक वंश के शासकों ने 1320 से 1414 ई. तक शासन किया। सैय्यद वंश के शासकों ने 1414 से 1450 ई. तथा लोदी वंश ने 1451 से 1526 ई. तक शासन किया। इस प्रकार खिलजी वंश के शासकों ने सबसे कम समय तक शासन किया।

7. लॉर्ड डफरिन के वायसराय काल की एक महत्वपूर्ण घटना थी-

(a) रामकृष्ण मिशन की स्थापना

(b) ढाका में मुस्लिम लीग की स्थापना

(c) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना

(d) प्रथम जनगणना की शुरुआत

उत्तर—(c)

वायसराय लॉर्ड डफरिन (कार्यकाल 1884-1888) के कार्यकाल की एक महत्वपूर्ण घटना भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (1885) की स्थापना थी। डफरिन ने कांग्रेस का यह कहकर मजाक उड़ाया था कि यह 'सूक्ष्मदर्शी अल्पसंख्यकों की संस्था' है।

8. इनमें से कौन सबसे कम आयु में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष बनने वाला व्यक्ति था?

(a) जवाहरलाल नेहरू (b) अबुल कलाम आजाद

(c) आनंद मोहन बोस (d) भूपेंद्र नाथ बोस

उत्तर—(b)

मौलाना अबुल कलाम आजाद (1888-1958 ई.) वर्ष 1923 में दिल्ली में आयोजित भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विशेष सत्र में अध्यक्ष बनाए गए। वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष पद धारण करने वाले सबसे कम उम्र के व्यक्ति थे। अबुल कलाम आजाद वर्ष 1940-46 तक लगातार छः वर्षों तक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष थे। आजादी के पूर्व यह सबसे लंबा कार्यकाल था। जवाहर लाल नेहरू (1889-1964 ई.) ने 1929 ई. में कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन की अध्यक्षता की थी। आनंद मोहन बोस (1847-1906 ई.) ने 1898 ई. में कांग्रेस के मद्रास अधिवेशन की जबकि भूपेंद्र नाथ बोस (1859-1924 ई.) ने 1914 ई. में कांग्रेस के मद्रास अधिवेशन की अध्यक्षता की।

9. भारत में नियमित एवं वैज्ञानिक ढंग से जनगणना किस वर्ष से प्रारंभ हुई?

(a) 1861 (b) 1871

(c) 1881 (d) 1891

उत्तर—(c)

भारत में जनगणना की शुरुआत 1872 ई. से लॉर्ड मेयो के शासनकाल में हुई थी, जो देश के विभिन्न भागों में गैर-समक्रमिक (Non-Synchronously) ढंग से की गई थी। लेकिन नियमित एवं वैज्ञानिक ढंग से प्रथम जनगणना 1881 ई. में लॉर्ड रिपन के शासनकाल में प्रारंभ की गई। 1881 ई. के बाद से प्रत्येक 10 वर्ष में एक बार समक्रमिक तथा विधिवत ढंग से जनगणना की जाती है। वर्ष 2011 की जनगणना स्वतंत्र भारत की 7वीं तथा विधिवत 14वीं (कुल 15वीं) जनगणना रही।

10. इनमें से किसने द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में भाग नहीं लिया था?

(a) महादेव देसाई (b) प्यारेलाल नैय्यर

(c) मदन मोहन मालवीय (d) जवाहरलाल नेहरू

उत्तर—(d)

द्वितीय गोलमेज सम्मेलन लंदन में 7 सितंबर से 1 दिसंबर, 1931 तक चला। इसमें कांग्रेस के एकमात्र प्रतिनिधि के रूप में महात्मा गांधी ने हिस्सा लिया। इनके अलावा सरोजिनी नायडू, एनी बेसेंट, मदन मोहन मालवीय, महादेव देसाई, बी.आर. अंबेडकर सहित 31 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस सम्मेलन में जवाहरलाल नेहरू ने भाग नहीं लिया था। प्यारेलाल नैय्यर ने गांधीजी के निजी सचिव के रूप में भाग लिया।

11. निम्नलिखित में से कौन-सा देश कैस्पियन सागर से सीमा नहीं बनाता है?

(a) अजरबैजान (b) ईरान

(c) इराक (d) कजाख्स्तान

उत्तर—(c)

कैस्पियन सागर, पश्चिमी एशिया में यूरोप के पूर्वी छोर पर स्थित है। यह विश्व की सबसे बड़ी झील है। कुल 5 देशों की सीमाएं कैस्पियन सागर से मिलती हैं। इनमें अजरबैजान, रूस, कजाख्स्तान, तुर्कमेनिस्तान तथा ईरान शामिल हैं।

12. कयाल क्या है?

(a) तराई मैदान (b) गंगा डेल्टा
(c) दक्कन पठार की रेगड़ (d) केरल के लैगून

उत्तर—(d)

केरल स्थित लैगून झीलों को कयाल के नाम से संबोधित किया जाता है। यहां कई कयाल (लैगून) पाए जाते हैं, जैसे- पुन्नामाद कयाल, अष्टमुदी कयाल, वेम्बानाद कयाल आदि।

13. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?

(a) कैनियन-नदी (b) ज्यूजेन-वायु
(c) इन्सेलबर्ग-हिमनद (d) मोरेन-हिमनद

उत्तर—(c)

कैनियन का निर्माण नदियों द्वारा होता है। यह V आकार की घाटी के रूप में होती है जिनमें किनारे की दीवाल अत्यंत बड़े ढाल वाली होती है तथा चौड़ाई की अपेक्षा गहराई अधिक होती है। मोरेन का निर्माण हिमनद की निक्षेपजनित क्रिया द्वारा होता है। हिमनद अपने साथ बारीक कणों वाले पदार्थों से लेकर बड़े-बड़े शिलाखंडों का परिवहन करता है। इन पदार्थों को जब हिमनद बहाकर नहीं ले जा पाता है, तो उनका निक्षेप हो जाता है। इसी निक्षेप को हिमोढ़ या मोरेन कहते हैं। इसके अलावा ज्यूजेन तथा इन्सेलबर्ग का निर्माण पवन द्वारा किया जाता है। मरुस्थलों में अपक्षय तथा अपरदन से कोमल चट्टान आसानी से कट जाती है, परंतु कठोर चट्टानें अवशेष के रूप में टीलों के रूप में बच जाती हैं, जिन्हें इन्सेलबर्ग कहा जाता है। पवन की अपरदन प्रक्रिया के फलस्वरूप मरुस्थलीय भाग में चट्टानों से ढक्कनदार दावात के समान आकृतियों का निर्माण होता है। ऐसे स्थलरूपों को 'ज्यूजेन' कहा जाता है। अतः स्पष्ट है कि विकल्प (c) सुमेलित नहीं है।

14. स्ट्रॉम्बोली है, एक-

(a) प्रसुप्त ज्वालामुखी (b) जागृत ज्वालामुखी
(c) निर्वापित ज्वालामुखी (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर—(b)

स्ट्रॉम्बोली एक जागृत ज्वालामुखी है, जो कि सामान्यतया पिछले 2000 वर्षों से लगातार जागृत अवस्था में है। इसे 'भूमध्य सागर का प्रकाश स्तंभ' भी कहा जाता है। यह भूमध्य सागर में इटली के सिसली द्वीप के पास स्थित है।

15. जल प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण अधिनियम किस वर्ष लागू किया गया?

(a) 1980 (b) 1974
(c) 1981 (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर—(b)

जल प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण अधिनियम, वर्ष 1974 में लागू किया गया, इसे वर्ष 1988 में संशोधित किया गया।

16. 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत में जनसंख्या घनत्व है-

(a) 325 (b) 335
(c) 382 (d) 385

उत्तर—(c)

वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत का जनसंख्या घनत्व 382 है।

17. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?

(a) लिपुलेख-उत्तराखंड (b) नाथूला- अरुणाचल प्रदेश
(c) रोहतांग - हिमाचल प्रदेश (d) पालघाट - केरल

उत्तर—(b)

नाथूला दर्रा, भारत के सिक्किम राज्य को चीन के तिब्बत से जोड़ता है। इसकी ऊंचाई लगभग 14450 फीट है। यह दर्रा सिक्किम की राजधानी गंगटोक से पूर्व की ओर लगभग 56 किमी. दूर स्थित है जबकि अन्य सभी विकल्प सही सुमेलित हैं।

18. समप्राय मैदान संबंधित है-

(a) वायु से (b) भूमिगत जल से
(c) हिमनद से (d) नदी से

उत्तर—(d)

समप्राय मैदान (Peneplain) का निर्माण नदी द्वारा होता है। इसका निर्माण उस समय होता है जब नदी की अंतिम अवस्था में क्षैतिज अपरदन द्वारा सतह की असमानताएं दूर हो जाती हैं। इस समय क्षैतिज अपरदन तथा निक्षेप दोनों मिलकर समप्राय मैदान का निर्माण करते हैं। 'पेनीप्लेन' शब्द का प्रयोग मॉरिस डेविस ने किया है।

19. निम्नलिखित में से कौन-सा क्षेत्र 'टोडा जनजाति' का मूल निवास-क्षेत्र है?

(a) जौनसार पहाड़ियां (b) गारो पहाड़ियां
(c) नीलगिरि पहाड़ियां (d) जयंतिया पहाड़ियां

उत्तर—(c)

दक्षिण भारत में स्थित नीलगिरि पहाड़ियां, टोडा जनजाति के मूल निवास क्षेत्र हैं। इसके आवास को 'मुंड' कहा जाता है। ये पशुपालक होते हैं, विशेष रूप से भैंस-पालन करते हैं। इनमें बहुपतित्व प्रथा पाई जाती है।

20. रास तनुरा तेल शोधनशाला कहां स्थित है?

(a) ईरान (b) संयुक्त राज्य अमेरिका

(c) सऊदी अरब (d) इराक

उत्तर—(c)

रास तनुरा तेल शोधनशाला, फारस की खाड़ी के तटीय क्षेत्र की सर्वाधिक पुरानी तेल शोधनशाला है। यह सऊदी अरब में जुबैल बंदरगाह नगर के निकट स्थित है। इस शोधनशाला की शुरुआत वर्ष 1945 में हुई थी।

21. अफीम का वानस्पतिक नाम क्या है?

(a) एम्बलिका ऑफिसिनैलिस (b) पैपैवर सोम्नीफेरम
(c) रौवॉल्फिया सर्पेन्टाइना (d) सिनकोना स्पीशीज

उत्तर—(b)

पैपैवर सोम्नीफेरम (Papaver somniferum) पैपैवरेसी (Papaveraceae) कुल का प्रमुख पौधा है। इसका फल अनेक बीजयुक्त कैप्सूल (Capsule) होता है जो छिद्र अथवा कपाट द्वारा स्फुटित होता है। इसके अपरिपक्व कैप्सूल के दूधिए लैटेक्स से अफीम अर्थात ओपियम (Opium) प्राप्त होती है। अफीम से अनेक एल्कलॉयड जैसे - मॉर्फीन, कोडीन, पैपैवरीन आदि प्राप्त किए जाते हैं।

22. विश्व से चेचक का उन्मूलन घोषित हुआ-

(a) 1975 में (b) 1980 में
(c) 1996 में (d) 2008 में

उत्तर—(b)

चेचक (Smallpox) एक विषाणुजनित रोग है जो वैरिओला (Variola) नामक विषाणु से होता है। इसके टीके का आविष्कार एडवर्ड जेनर ने किया था। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा 'विश्व से चेचक का उन्मूलन' वर्ष 1980 में घोषित हुआ।

23. जीवाणुभोजी (बैक्टीरियोफेज) है-

(a) पूंछयुक्त जीवाणु
(b) नवनिर्मित जीवाणु
(c) विषाणु को संक्रमित करने वाला जीवाणु
(d) जीवाणु को संक्रमित करने वाला विषाणु

उत्तर—(d)

जीवाणुभोजी (Bacteriophage) एक प्रकार का वायरस होता है जो जीवाणुओं को संक्रमित करता है। अन्य प्रकार के वायरस की भांति इसमें प्रोटीन की पर्त तथा इसके भीतर न्यूक्लिक अम्ल (DNA या RNA) पाया जाता है।

24. पौधों में अर्धसूत्री विभाजन के अध्ययन के लिए सबसे उपयुक्त भाग होगा-

(a) प्ररोह शीर्ष (b) मूल शीर्ष
(c) परागकोश (d) पर्ण कोशिका

उत्तर—(c)

पौधों में अर्धसूत्री विभाजन (Meiosis) के अध्ययन के लिए उपर्युक्त विकल्पों में सबसे उपयुक्त भाग परागकोश (Anthers) है। इसमें अर्धसूत्री विभाजन के बाद परागकणों का निर्माण होता है जो वास्तव में अपरिपक्व (Immature) नर युग्मकोदभिद् (Male gametophyte) हैं। प्रजनन के लिए पौधों पर पुष्प उत्पन्न होते हैं। पुंकेसर (Stamens) नर जननांग तथा अंडप (Carpels) मादा जननांग के रूप में होते हैं। पुंकेसर में पुतंतु व परागकोश होता है तथा अंडप में अंडाशय (Ovary) ,वर्तिका (Style) एवं वर्तिकाग्र (Stigma) होते हैं।

25. ध्वनि तरंगों का सबसे तीव्र प्रगमन होता है-

(a) ठोस में (b) द्रव में
(c) गैस में (d) निर्वात में

उत्तर—(a)

ध्वनि तरंगें किसी भौतिक माध्यम (जैसे- वायु या गैस, द्रव तथा ठोस) में ही संचरित होती हैं। विभिन्न माध्यमों में ध्वनि की चाल भिन्न-भिन्न होती हैं। द्रवों में ध्वनि की चाल गैसों की अपेक्षा अधिक होती है, जबकि ठोसों में ध्वनि की चाल सर्वाधिक होती है (ठोस > द्रव > गैस)।

26. मनुष्य की आंख में किसी वस्तु का प्रतिबिंब बनता है-

(a) कॉर्निया में (b) परितारिका (आइरिस) में
(c) पुतली में (d) दृष्टिपटल (रेटिना) में

उत्तर—(d)

मनुष्य की आंख फोटोग्राफिक कैमरे की भांति कार्य करती है। जिस वस्तु को हम देखते हैं उससे चलने वाली किरणें कॉर्निया और नेत्रोद द्रव से होकर पुतली के रास्ते से लेंस पर पड़ती हैं। दृष्टिपटल (Retina) इसे फोकस कर देता है, जहां पर वस्तु का छोटा तथा उल्टा प्रतिबिंब बन जाता है।

27. मानवों में गुर्दे निम्नलिखित में से किस प्रणाली के अंग हैं?

(a) न्यूट्रीशन (b) ट्रांसपोर्टेशन
(c) एक्सक्रीशन (d) रेस्पिरेशन

उत्तर—(c)

मानवों में गुर्दे या किडनी (Kidneys) उत्सर्जन तंत्र (Excretory System) के प्रमुख अंग हैं। रुधिर को छानकर इसमें से अनावश्यक और अपशिष्ट पदार्थों को हटाना गुर्दे का मूल कार्य होता है।

28. निम्नलिखित में से कौन-सा रोग प्रोटोजोआ द्वारा होता है?

(a) हैजा (b) डिफ्थीरिया
(c) निमोनिया (d) मलेरिया

उत्तर—(d)

मलेरिया रोग प्लाज्मोडियम (Plasmodium) नामक प्रोटोजोआ परजीवी के कारण होता है तथा इसकी वाहक मादा एनाफिलीज (Anopheles) मच्छर होती है, जो कि द्वितीयक पोषद (Secondary host) है। इससे प्रभावित होने वाला अंग प्लीहा (Spleen) है जिसमें संक्रमण से आकार बढ़ जाता है। इस रोग के उपचार हेतु एटाब्रिन, क्लोरोक्वीन, कामाक्विन इत्यादि औषधियों का उपयोग किया जाता है।

29. संवहन द्वारा ऊष्मा का स्थानांतरण हो सकता है-

(a) ठोस एवं द्रव में (b) ठोस एवं निर्वात में
(c) गैस एवं द्रव में (d) निर्वात एवं गैस में

उत्तर—(c)

संवहन (Convection) द्वारा ऊष्मा का स्थानांतरण केवल द्रवों तथा गैसों में होता है। संवहन की प्रक्रिया में पदार्थ के कण स्वयं स्थानांतरित होते हैं। उदाहरणार्थ- आग पर रखी पतीली का जल संवहन द्वारा गर्म होता है।

30. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?

(a) विटामिन A - मैकुलन (b) विटामिन B - मैकुलन
(c) विटामिन C - जेम्स लिंड (d) विटामिन D - पॉल मूलर

उत्तर—(d)

जेम्स लिंड (James Lind) ने 1747 ई. में बताया कि खट्टे फलों के प्रयोग से स्कर्वी रोग से बचाव किया जा सकता है। खट्टे फलों में विटामिन C पाया जाता है। पॉल मूलर (Paul Muller) विटामिन D से संबंधित नहीं हैं, ये DDT के कीटनाशक गुणों की खोज व मलेरिया एवं पीत ज्वर जैसे वेक्टर रोगों के रोकथाम में इसकी उपयोगिता के लिए जाने जाते हैं। विटामिन A एवं विटामिन B की खोज एल्मर मैककुलम (Elmer McCollum) द्वारा की गई है जबकि विकल्प (a) एवं (b) में मैकुलन (Maculan) नाम दिया गया है जो कि त्रुटिपूर्ण है।

31. लेंस की शक्ति मापी जाती है-

(a) डायोप्टर में (b) इअन में
(c) ल्यूमन में (d) कैंडेला में

उत्तर—(a)

एक लेंस की क्षमता या शक्ति (P), फोकस दूरी (f) के प्रतिलोम (Reciprocal) के बराबर होती है जबकि फोकस दूरी मीटर में मापी गई हो।

$$P = \frac{1}{f(\text{मीटर})}$$

लेंस क्षमता का मात्रक डायोप्टर (Dioptre) होता है। इसे संकेत (D) से प्रदर्शित करते हैं। उत्तल लेंस की क्षमता धनात्मक एवं अवतल लेंस की ऋणात्मक होती है।

32. निम्नलिखित में से किसे एक स्नेहक (ल्यूब्रीकेंट) के रूप में भी प्रयोग किया जाता है?

(a) क्यूप्राइट (b) ग्रेफाइट
(c) हेमाटाइट (d) क्रायोलाइट

उत्तर—(b)

ग्रेफाइट कार्बन का शुद्ध क्रिस्टलीय अपररूप (Allotropes) है। यह स्नेहक (Lubricant) के रूप में भी प्रयोग किया जाता है। इसके क्रिस्टल में कार्बन परमाणु समषट्भुजों (Regular hexagons) की परतों में व्यवस्थित होते हैं। इनके परतों के मध्य क्षीण वॉन्डरवाल्स बल उपस्थित होने के कारण ग्रेफाइट नर्म (Soft) और स्नेहक होता है।

33. 'हास गैस' है-

(a) हाइड्रोजन परऑक्साइड (b) नाइट्रस ऑक्साइड
(c) कार्बन मोनोऑक्साइड (d) सल्फर डाइऑक्साइड

उत्तर—(b)

नाइट्रस ऑक्साइड (N_2O) को हास या हास्य गैस (Laughing Gas) कहते हैं। इसे सूंघने पर हंसी आती है। इसे शल्य क्रिया के समय निश्चेतक (Anesthesia) के रूप में भी प्रयोग किया जाता है।

34. तड़ित (बिजली चमकना) से वृक्ष में आग भी लग सकती है, क्योंकि इसमें अत्यधिक मात्रा में होती है-

(a) ऊष्मीय ऊर्जा (b) विद्युत ऊर्जा
(c) रासायनिक ऊर्जा (d) नाभिकीय ऊर्जा

उत्तर—(b)

बिजली तथा गड़गड़ाहट के साथ वाली आंधी (Thunderstorm) के दौरान उत्पन्न तड़ित (Lightning) में विद्युत ऊर्जा (Electric energy) अत्यधिक मात्रा में होती है जिसके कारण वृक्षों में आग लगने की संभावना होती है।

35. जम्मू-कश्मीर की आठ वर्षीया तजाम्मुल इस्लाम किस खेल से संबंधित हैं?

(a) स्क्वॉश (b) किकबॉक्सिंग
(c) तैराकी (d) फुटबॉल

उत्तर—(b)

तजाम्मुल इस्लाम किकबॉक्सिंग के खेल से संबंधित हैं। आठ वर्षीया बालिका तजाम्मुल ने नवंबर, 2016 में इटली में हुई विश्व किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है। वह यह पदक जीतने वाली कश्मीर की पहली खिलाड़ी हैं।

36. इनमें से कौन मध्य प्रदेश का हॉकी खिलाड़ी था?

(a) समीर दाद (b) कीर्ति पटेल
(c) माइकेल नाथ (d) अमित बनर्जी

उत्तर—(a)

दिए गए विकल्पों में मध्य प्रदेश के हॉकी खिलाड़ी समीर दाद हैं। जर्मनी के खिलाफ वर्ष 1998 में हॉकी टेस्ट सीरीज से उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय कॅरियर की शुरुआत की थी। इसके अलावा वह वर्ष 2000 के ओलंपिक खेलों में भी भारतीय टीम की तरफ से भाग ले चुके हैं। कीर्ति पटेल मध्य प्रदेश की क्रिकेट खिलाड़ी हैं।

37. पारसी क्लब की स्थापना से किस खेल की परंपरा प्रारंभ हुई?

(a) हॉकी (b) फुटबॉल
(c) क्रिकेट (d) टेबल टेनिस

उत्तर—(c)

भारतीयों द्वारा क्रिकेट खेलने की शुरुआत बंबई के जरथुस्त्रियों (पारसियों) के छोटे से समुदाय द्वारा की गई थी। व्यापार के चलते वह सबसे पहले अंग्रेजों के संपर्क में आए और पश्चिमीकृत होने वाले पहले भारतीय समुदाय के रूप में पारसियों ने 1848 ई. में क्रिकेट क्लब की स्थापना बंबई में की, जिसका नाम था-ओरिएंटल क्रिकेट क्लब।

38. रूप सिंह स्टेडियम कहां स्थित है?

(a) ग्वालियर (b) इंदौर
(c) भोपाल (d) जबलपुर

उत्तर—(a)

रूप सिंह स्टेडियम ग्वालियर, मध्य प्रदेश में स्थित है। यह भारत का एक प्रमुख क्रिकेट स्टेडियम है। यहां अब तक कुल बारह एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय (ODI) क्रिकेट मैच आयोजित हो चुके हैं। इस स्टेडियम में पहला क्रिकेट मैच 22 जनवरी, 1988 को भारत और वेस्टइंडीज के मध्य खेला गया था।

39. अभिताभ विजयवर्गीय किस खेल से संबंधित हैं?

(a) हॉकी (b) फुटबॉल
(c) क्रिकेट (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर—(c)

अमिताभ विजयवर्गीय मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध क्रिकेट खिलाड़ी (प्रथम श्रेणी) हैं।

40. 1987 में खेले गए क्रिकेट विश्व कप का क्या नाम था?

(a) रिलायंस कप (b) बेंसन एंड हेजेज कप
(c) विल्स कप (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर—(a)

वर्ष 1987 में खेले गए चौथे विश्व कप को रिलायंस कप (प्रायोजक के नाते) के नाम से भी जाना जाता है। इसकी मेजबानी भारत एवं पाकिस्तान ने संयुक्त रूप से की थी। 1987 का क्रिकेट विश्व कप ऑस्ट्रेलिया ने जीता था।

41. सचिन तेंदुलकर को अर्जुन पुरस्कार किस वर्ष प्रदान किया गया?

(a) 1990 (b) 1994
(c) 1997 (d) 1999

उत्तर—(b)

भारतीय क्रिकेट टीम के महानतम बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को वर्ष 1994 के अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

42. राष्ट्रमंडल खेलों का प्रारंभ किस वर्ष हुआ?

(a) 1922 (b) 1925
(c) 1927 (d) 1930

उत्तर—(d)

राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन सर्वप्रथम वर्ष 1930 में किया गया था। द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण वर्ष 1942 और 1946 में राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन नहीं हो सका। इसके बाद से प्रत्येक चार वर्ष के अंतराल पर इसका आयोजन किया गया। राष्ट्रमंडल के सदस्यों की संख्या 52 है।

43. निम्नलिखित में से कौन-सा देश टी-20 क्रिकेट विश्व कप (पुरुष) में कभी भी विजेता नहीं रहा है?

(a) भारत (b) ऑस्ट्रेलिया
(c) इंग्लैंड (d) पाकिस्तान

उत्तर—(b)

टी-20 क्रिकेट विश्व कप (पुरुष) के विजेता देश इस प्रकार हैं-

वर्ष	विजेता
2007	भारत
2009	पाकिस्तान
2010	इंग्लैंड
2012	वेस्टइंडीज
2014	श्रीलंका
2016	वेस्टइंडीज

44. निम्नलिखित में से किस वर्ष का ओलंपिक लंदन में नहीं हुआ था?

(a) 2012 (b) 1968
(c) 1948 (d) 1908

उत्तर—(b)

लंदन में ओलंपिक खेलों का आयोजन वर्ष 1908, 1948 और 2012 में किया गया था। वर्ष 1968 के ओलंपिक खेलों का आयोजन मेक्सिको सिटी (मेक्सिको) में किया गया था।

45. इंटरनेट की उस सेवा को, जो 'ऑडियो' एवं 'वीडियो' वार्तालाप प्रदान करती है, कहते हैं-

(a) चैट (b) ई-मेल

(c) वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (d) वीडियो चैट

उत्तर—(c)

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आधुनिक संचार तकनीक है, जिसके माध्यम से दो या इससे अधिक स्थानों से एक साथ ऑडियो-वीडियो के माध्यम से कई लोग जुड़ सकते हैं। इसका प्रयोग खासकर किसी बैठक या सम्मेलन के लिए तब किया जाता है, जब कई लोग अलग-अलग स्थानों पर बैठे हों। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में वीडियो कैमरा या वेब कैम, कंप्यूटर मॉनीटर, टेलीविजन या प्रोजेक्टर माइक्रोफोन, लाउडस्पीकर और इंटरनेट की आवश्यकता होती है।

46. निम्नलिखित में से कौन-सा ब्राउजर नहीं है?

(a) ओपेरा
(b) गूगल ऐप्स
(c) विवाल्डी
(d) मोजिला फायरफॉक्स

उत्तर—(b)

वेब ब्राउजर एक प्रकार का सॉफ्टवेयर होता है, जो कि विश्वव्यापी वेब या स्थानीय सर्वर पर उपलब्ध लेख, छवियों, चलचित्रों, संगीत और अन्य जानकारियों इत्यादि को देखने तथा अन्य इंटरनेट सुविधाओं के प्रयोग करने में प्रयुक्त होता है। ओपेरा, विवाल्डी एवं मोजिला फायरफॉक्स वेब ब्राउजर के उदाहरण हैं जबकि गूगल ऐप्स वेब ब्राउजर नहीं है।

47. कंप्यूटर सुरक्षा के संदर्भ में क्रैकर्स किस नाम से जाने जाते हैं?

(a) ब्लैक हैट हैकर्स (b) व्हाइट हैट हैकर्स
(c) एलीट हैकर्स (d) स्क्रिप्ट किड्डी

उत्तर—(a)

एक ब्लैक हैट हैकर, जिसे कभी-कभी 'क्रैकर' कहा जाता है, कोई ऐसा व्यक्ति होता है जो किसी प्राधिकार के बिना कंप्यूटर सुरक्षा का भेदन करता है और प्रौद्योगिकी (सामान्यतः कोई कंप्यूटर, फोन सिस्टम या नेटवर्क) का प्रयोग जान-बूझकर सामानों को क्षति पहुंचाने, क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी करने, पहचान चुराने और अन्य प्रकार की गैर-कानूनी गतिविधियों के लिए करता है।

48. डकडकगो (DuckDuckGo) है, एक -

(a) सर्च इंजन (b) वेब ब्राउजर
(c) वायरस (d) न्यूज वेबसाइट

उत्तर—(a)

डकडकगो एक सर्च इंजन है। यह सर्च इंजन यूरोप में काफी लोकप्रिय है। इसकी विशेषता है कि यह उपयोगकर्ताओं से संबंधित जानकारियों को अन्य सर्च इंजनों जैसे गूगल की भांति एकत्रित नहीं करता है।

49. ईथरनेट (Ethernet) एक उदाहरण है-

(a) मेन (MAN) का (b) लेन (LAN) का
(c) वेन (WAN) का (d) वाई-फाई (Wi-fi) का

उत्तर—(b)

ईथरनेट, लोकल एरिया नेटवर्क (LAN) तैयार करने का एक प्रोटोकॉल होता है। इसकी अभिकल्पना वर्ष 1973 में बॉब मेटकॉफ ने की थी। बाद में डिजिटल, इंटेल और जेरॉक्स के प्रयासों से यह लोकल एरिया नेटवर्क का एक मानक प्रतिरूप बन गया। ईथरनेट केबलों के माध्यम से विस्तारित किया जाता है।

50. मोडेम (Modem) परिवर्तित करता है-

(a) ऐनालॉग सिग्नलों को डिजिटल सिग्नलों में
(b) डिजिटल सिग्नलों को ऐनालॉग सिग्नलों में
(c) दोनों (a) तथा (b)
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर—(c)

मोडेम (Modem) मॉडुलेटर- डीमॉडुलेटर का संक्षिप्त रूप है। यह एक ऐसी युक्ति (Device) है जो किसी आंकिक (Digital) सूचना को मॉडुलेट करके एनालॉग प्रारूप में भेजता है और जो ऐनालॉग प्रारूप में इसे सिग्नल मिलता है, उसे डीमॉडुलेट करके डिजिटल रूप में ग्रहण करता है। यह किसी संचरण के माध्यम (Transmission Media) और आंकिक मशीन के बीच संचार स्थापित करने के लिए आवश्यक अवयव है।

51. निम्नलिखित में से किस अधिनियम द्वारा 'संवैधानिक निरंकुशता का सिद्धांत' प्रवृत्त किया गया?

(a) 1909 का भारतीय काउंसिल अधिनियम
(b) 1919 का भारत सरकार अधिनियम
(c) 1935 का भारत सरकार अधिनियम
(d) 1947 का भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम

उत्तर—(c)

संवैधानिक निरंकुशता सिद्धांत भारत सरकार अधिनियम, 1935 द्वारा प्रवृत्त किया गया। यह अधिनियम ब्रिटिश संसद द्वारा सर्वाधिक विस्तृत अधिनियम था। साथ ही यह भारत के लिए तैयार संवैधानिक प्रस्तावों में से सबसे जटिल दस्तावेज था। इसी अधिनियम में भारत संघ की स्थापना, संघीय न्यायपालिका, केंद्र और राज्यों के मध्य शक्तियों का विभाजन आदि की व्यवस्था की गई थी।

52. www का आविष्कारक कौन है?

(a) बिल गेट्स (b) टिम बर्नर्स-ली
(c) टिमोथी बिल (d) रे टोमलिंसन

उत्तर—(b)

www या World Wide Web या विश्व व्यापी वेब जिसे सामान्यतः वेब कहा जाता है, आपस में परस्पर जुड़े हुए हाइपरटेक्स्ट दस्तावेजों को इंटरनेट द्वारा प्राप्त करने की प्रणाली है। अंग्रेज वैज्ञानिक टिम बर्नर्स-ली ने वर्ष 1989 में विश्व व्यापी वेब का आविष्कार किया था।

53. किसी बल्लेबाज द्वारा क्रिकेट की गेंद को मारने पर गेंद समतल जमीन पर लुढ़कती है। कुछ दूर लुढ़कने के पश्चात गेंद रुक जाती है। गेंद रुकने के लिए धीमी होती है, क्योंकि-

(a) बल्लेबाज ने गेंद को पर्याप्त प्रयास से हिट नहीं किया
(b) वेग, गेंद पर लगाए गए बल के समानुपाती है
(c) गेंद पर गति की दिशा के विपरीत एक बल कार्य कर रहा है
(d) गेंद पर कोई असंतुलित बल कार्यरत नहीं है, अतः गेंद विरामावस्था में आने के लिए प्रयासरत है

उत्तर—(c)

किसी गेंद को जमीन पर लुढ़काए जाने या बल्लेबाज द्वारा क्रिकेट की गेंद को मारने पर गेंद जमीन पर कुछ दूर लुढ़कने के पश्चात रुक जाती है या उसकी गति कम हो जाती है, क्योंकि गेंद पर उसकी गति की विपरीत दिशा में सतह का घर्षण बल कार्य करने लगता है। यदि यह घर्षण बल न हो, तो गेंद उसी गति से अनंत समय तक चलती रहेगी।

54. मांडू में स्थित जंतर महल का निर्माण इनमें से किस शासक ने करवाया था?

(a) महमूद शाह खिलजी (b) अलाउद्दीन खिलजी
(c) भोज परमार (d) होशंगशाह

उत्तर—(*)

मांडू में 'जहाज महल' एक लोकप्रिय स्मारकीय इमारत है। इस महल का निर्माण सुल्तान ग्यासुद्दीन खिलजी के शासनकाल में किया गया। मांडू में कोई जंतर महल नहीं है बल्कि जहाज महल है। यही कारण है कि मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग ने इस प्रश्न को निरसित (Delete) कर दिया है।

55. आइन-उल-मुल्क मुल्तानी ने इनमें से किस शासक के अधीन सेवा नहीं की थी?

(a) अलाउद्दीन खिलजी (b) मुहम्मद बिन तुगलक
(c) फिरोज तुगलक (d) इल्तुतमिश

उत्तर—(d)

आइन-उल-मुल्क मुल्तानी ने अलाउद्दीन खिलजी, मुहम्मद बिन तुगलक एवं फिरोज शाह तुगलक के अधीन अपनी सेवा प्रदान की। अलाउद्दीन खिलजी ने 1305 ई. में आइन-उल-मुल्क मुल्तानी को मध्य भारत भेजा, जहां उसने मालवा पर विजय प्राप्त की। वह अपने अंतिम दिनों में दक्षिण विजय में व्यस्त रहा।

56. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?

(a) स्विट्जरलैंड का राष्ट्रपति - जोहान श्नाइडर-अम्मान
(b) मेक्सिको का राष्ट्रपति - एनरिक पेना नीटो
(c) नामीबिया का राष्ट्रपति - हेग गीन्गोब
(d) कोटे डी आइवरी का राष्ट्रपति - एंजेला मर्केल

उत्तर—(a & d)

विकल्प (a) और (d) युग्म सही सुमेलित नहीं है। कोटे डी आइवरी के राष्ट्रपति आलासान ओत्तारा हैं जबकि एंजेला मर्केल 22 नवंबर, 2005 से जर्मनी की चांसलर हैं। 31 दिसंबर, 2016 तक स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति जोहान श्नाइडर अम्मान थे। जबकि 1 जनवरी, 2017 से स्विट्जरलैंड की राष्ट्रपति डोरिस ल्यूथार्ड हैं। अतः विकल्प (a) भी सही सुमेलित नहीं है।

57. निम्नलिखित में से कौन-सी पर्वत श्रृंखला भारत में केवल एक राज्य में फैली है?

(a) अरावली (b) सतपुड़ा
(c) अजंता (d) सह्याद्रि

उत्तर—(c)

सह्याद्रि पर्वत श्रृंखला अर्थात पश्चिमी घाट का विस्तार उत्तर में गुजरात से लेकर दक्षिण में केरल तक लगभग 1600 किमी. तक विस्तृत है। सतपुड़ा श्रेणी का विस्तार पश्चिम में गुजरात से लेकर पूर्व में छत्तीसगढ़ तक है। अरावली श्रेणी का विस्तार गुजरात से लेकर दिल्ली तक है जबकि अजंता श्रेणी का विस्तार महाराष्ट्र में ही सीमित है। यह सह्याद्रि श्रेणी का पूर्वी विस्तार है।

58. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष का कार्यकाल होता है-

(a) 3 वर्ष (b) 4 वर्ष
(c) 5 वर्ष (d) 6 वर्ष

उत्तर—(c)

मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम की धारा 6(1) के अनुसार, अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया व्यक्ति अपने पद ग्रहण करने की तिथि से 5 वर्ष की अवधि तक अथवा 70 वर्ष की आयु (में से जो पहले हो) प्राप्त कर लेने तक अपना पद धारण करेगा। मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 की धारा 3 में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के गठन का प्रावधान है। इसके अनुसार, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का अध्यक्ष वही व्यक्ति होगा जो उच्चतम न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश रह चुका हो।

59. इनमें से वह प्रथम नेता कौन था, जिसने भारत में मजदूर आंदोलन को संगठित किया?

(a) बी.पी. वालिया (b) लाला लाजपत राय
(c) एन.एम. लोखंडे (d) एन.जी. रंगा

उत्तर—(c)

नारायण मेघाजी लोखंडे (1848-1897) भारत में श्रम आंदोलन के अग्रदूत माने जाते हैं। उन्होंने न केवल 19वीं शताब्दी में कपड़ा मिल में काम करने वाले कामगारों की परिस्थितियों में सुधार के लिए प्रयास किया, अपितु जाति और सांप्रदायिक मुद्दों पर साहसी पहल के लिए भी उन्हें याद किया जाता है। भारत सरकार ने वर्ष 2005 में उनकी तस्वीर के साथ एक डाक टिकट जारी किया था।

60. जो रूट किस खेल से संबंधित हैं?

(a) क्रिकेट (b) शतरंज
(c) पोलो (d) गोल्फ

उत्तर—(a)

जो रूट (जोसेफ एडवर्ड रूट), इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाड़ी हैं। उन्होंने अपने क्रिकेट कॅरियर की शुरुआत वर्ष 2012 में भारत के खिलाफ खेली गई टेस्ट श्रृंखला से की थी।

61. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैकोब जूमा से जुलाई, 2016 में मिले, जो हैं-

(a) नामीबिया के राष्ट्रपति (b) कतर के राष्ट्रपति
(c) मेक्सिको के राष्ट्रपति (d) दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति

उत्तर—(d)

जुलाई, 2016 में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जैकोब जूमा से मुलाकात की, जो दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति हैं। वे पहली बार वर्ष 2009 में राष्ट्रपति चुने गए थे। वर्ष 2014 में उन्हें दुबारा दक्षिण अफ्रीका का राष्ट्रपति चुना गया।

62. फुटबॉल के मोहन बागान क्लब की स्थापना किस वर्ष हुई थी?

(a) 1850 (b) 1879
(c) 1889 (d) 1901

उत्तर—(c)

फुटबॉल के मोहन बागान क्लब की स्थापना 1889 ई. में हुई थी। इसके संस्थापक भूपेंद्र नाथ बोस थे और यह भारत का सबसे पुराना फुटबॉल क्लब है। वर्ष 1989 में इसे तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी द्वारा 'भारत के राष्ट्रीय क्लब' की उपाधि प्रदान की गई थी।

63. मई, 2016 में निम्नलिखित में से किस देश में पहली बार महिला राष्ट्रपति बनी?

(a) ताइवान (b) म्यांमार
(c) अंगोला (d) नामीबिया

उत्तर—(a)

20 मई, 2016 को पदभार ग्रहण करने वाली साई इंग-वेन ताइवान की पहली महिला राष्ट्रपति हैं। वह डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (DPP) से संबंधित हैं।

64. 2016 के फ्रेंच ओपन का पुरुष एकल का खिताब किसने जीता?

(a) इवान डोडिज (b) नोवाक जोकोविक
(c) एंडी मरे (d) रोजर फेडरर

उत्तर—(b)

वर्ष 2016 के फ्रेंच ओपन का पुरुष एकल का खिताब नोवाक जोकोविक ने एंडी मरे को पराजित कर अपने नाम किया।

65. मनोहर आइच को 'पॉकिट हर्क्यूलिस' कहा जाता था। वे थे, एक-

(a) मुक्केबाज (b) एथलीट
(c) तैराक (d) बॉडी बिल्डर

उत्तर—(d)

मनोहर आइच भारत के प्रसिद्ध बॉडी बिल्डर थे। वर्ष 1952 में वे 'मिस्टर यूनिवर्स' चुने गए थे। वर्ष 2015 में पश्चिम बंगाल सरकार ने उन्हें 'बंग विभूषण अवॉर्ड' से सम्मानित किया। 5 जून, 2016 (उम्र 104 वर्ष) को इनकी मृत्यु हो गई।

66. 'रंजीत सब-1' एवं 'बहादुर सब-1' क्या हैं?

(a) दो लड़ाकू विमान
(b) दो पनडुब्बियां
(c) धान की दो नई किस्में
(d) गेहूं की दो नई किस्में

उत्तर—(c)

'रंजीत सब-1' एवं 'बहादुर सब-1' असम कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई धान की दो नई किस्में हैं। इन किस्मों की विशेषता यह है कि ये अंशतः जलमग्न क्षेत्रों में भी अच्छी पैदावार देते हैं।

67. मई, 2016 में रॉड्रिगो ड्यूटर्ट किस देश के राष्ट्रपति निर्वाचित हुए?

(a) थाईलैंड (b) स्विट्जरलैंड
(c) मेक्सिको (d) फिलीपींस

उत्तर—(d)

मई, 2016 में रॉड्रिगो ड्यूटर्ट फिलीपींस के राष्ट्रपति निर्वाचित हुए। 30 जून, 2016 को उन्होंने देश के 16वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। 9 मई को आयोजित राष्ट्रपति चुनाव में उन्होंने 16,601,997 वोटों से जीत हासिल की थी।

68. 27 मई, 2016 को ममता बनर्जी को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री की शपथ किसने दिलवाई?

(a) राम नाईक (b) केशरीनाथ त्रिपाठी
(c) टी.एस. ठाकुर (d) पी. सदाशिवम

उत्तर—(b)

27 मई, 2016 को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को वहां के राज्यपाल केशरीनाथ त्रिपाठी ने शपथ दिलाई। ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल की दूसरी बार मुख्यमंत्री बनी हैं। केशरीनाथ त्रिपाठी ने 24 जुलाई, 2014 को इस राज्य के राज्यपाल के रूप में शपथ ली थी।

69. स्टेट डाटा सेंटर (एस.डी.सी.) प्रारंभ करने वाला पहला भारतीय राज्य है-

(a) तेलंगाना (b) राजस्थान
(c) छत्तीसगढ़ (d) हिमाचल प्रदेश

उत्तर–(d)

जून, 2016 में हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह ने स्टेट डाटा सेंटर (एस.डी.सी.) का शुभारंभ किया। यह सेंटर प्रारंभ करने वाला हिमाचल प्रदेश देश का पहला राज्य है। यह सेंटर शिमला में स्थापित है। एस.डी.सी. को ग्रीन कॉन्सेप्ट की अवधारणा के आधार पर डिजाइन किया गया है।

70. 2016 में भारतीय जनता पार्टी ने निम्नलिखित में से किस राज्य में पहली बार सरकार बनाई?

(a) असम (b) राजस्थान
(c) केरल (d) ओडिशा

उत्तर–(a)

वर्ष 2016 में भारतीय जनता पार्टी ने पहली बार असम में सरकार बनाई। 24 मई, 2016 को सर्बानंद सोनोवाल ने राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

71. भवानी प्रसाद मिश्र का जन्म-स्थान था-

(a) सागर (b) उज्जैन
(c) इंदौर (d) होशंगाबाद

उत्तर–(d)

भवानी प्रसाद मिश्र का जन्म मध्य प्रदेश के होशंगाबाद जिले में 29 मार्च, 1913 को हुआ था। ये हिंदी के प्रसिद्ध कवि तथा गांधीवादी विचारक थे।

72. सुनील लनबा हैं-

(a) मसीहा उपन्यास के लेखक
(b) हिंदी के एक प्रसिद्ध उपन्यासकार
(c) भारत के 23वें नौसेना प्रमुख
(d) सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक

उत्तर–(c)

एडमिरल सुनील लनबा भारत के 23वें नौसेना प्रमुख हैं। इन्हें 31 मई, 2016 को भारत का नौसेना प्रमुख नियुक्त किया गया।

73. जून, 2016 में इनमें से किन्हें विश्व के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन 'इंटरनेशनल चेंबर ऑफ कॉमर्स' का अध्यक्ष चुना गया?

(a) मुकेश अंबानी
(b) आदि गोदरेज
(c) लक्ष्मी नारायण मित्तल
(d) सुनील भारती मित्तल

उत्तर–(d)

15 जून, 2016 को सुनील भारती मित्तल को विश्व के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन 'इंटरनेशनल चेंबर ऑफ कामर्स' (ICC) का अध्यक्ष चुना गया। इसी दिन जॉन डब्ल्यू.एच. डेंटन (John W. H. Denton) को आईसीसी का पहला वाइस -चेयरमैन चुना गया।

74. भारतीय स्टेट बैंक की स्थापना कब हुई?

(a) 1954 (b) 1955
(c) 1956 (d) 1957

उत्तर–(b)

अखिल भारतीय ग्रामीण साख सर्वेक्षण समिति (1952) जिसे ए.डी. गोरवाला समिति के नाम से जाना जाता है, ने इंपीरियल बैंक के साथ कुछ राज्य-संबद्ध बैंकों को मिलाकर भारतीय स्टेट बैंक की स्थापना की संस्तुति की। 1 जुलाई, 1955 को इंपीरियल बैंक की सभी संपत्तियों तथा देनदारियों का अधिग्रहण करके भारतीय स्टेट बैंक ने कार्य करना शुरू किया। यह देश का पहला सबसे बड़ा राष्ट्रीयकृत बैंक है।

75. दिल्ली के पूर्व पुलिस आयुक्त, बी.एस. बस्सी को मई, 2016 में किस पद पर नियुक्त किया गया?

(a) संघ लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष
(b) मेघालय का गवर्नर
(c) सीमा सुरक्षा बल का महानिदेशक
(d) संघ लोक सेवा आयोग का सदस्य

उत्तर–(d)

31 मई, 2016 को दिल्ली के पूर्व पुलिस आयुक्त बी.एस. बस्सी को संघ लोक सेवा आयोग का सदस्य नियुक्त किया गया। डेविड आर. सिम्लिह ने 4 जनवरी, 2017 को संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया।

76. राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने मई, 2016 में निम्नलिखित में से किस देश की यात्रा की?

(a) जापान (b) म्यांमार
(c) चीन (d) फ्रांस

उत्तर–(c)

24-27 मई, 2016 के मध्य राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने चीन की यात्रा संपन्न की।

77. सानिया मिर्जा के मिक्सड डबल्स का पार्टनर इवान डोडिज किस देश से हैं?

(a) स्वीडन (b) स्विट्जरलैंड
(c) रूस (d) क्रोएशिया

उत्तर—(d)

क्रोएशिया के इवान डोडिज सानिया मिर्जा के मिक्सड डबल्स के पार्टनर हैं। यह जोड़ी ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस, 2017 में मिक्सड डबल्स श्रेणी में उपविजेता रही।

78. सुहेल सेठ की उस पुस्तक का नाम क्या है, जिसका विमोचन जून, 2016 में लंदन में हुआ?

(a) मंत्राज फॉर सक्सेस (b) डार्क हॉर्स
(c) विंग्स ऑफ फायर (d) मसीहा

उत्तर—(a)

सुहेल सेठ की पुस्तक 'मंत्राज फॉर- सक्सेस' का विमोचन लंदन के 'लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स' में ब्रिटेन के विश्वविद्यालय और विज्ञान मंत्री जो जॉनसन द्वारा किया गया। इस अवसर पर ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त नवतेज सरना भी उपस्थित थे। यह पुस्तक सुहेल सेठ व पत्रकार सनी सेन द्वारा लिखी गई है।

79. खजुराहो मंदिर से चोरी हुई उस प्रतिमा का क्या नाम था, जिसे कनाडा के प्रधानमंत्री ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सौंपा?

(a) गोल्डन पैरट (b) सिंगिंग पैरट
(c) टॉकेटिव पैरट (d) पैरट लेडी

उत्तर—(d)

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14-17 अप्रैल, 2015 के मध्य कनाडा की यात्रा पर रहे। इस यात्रा के दौरान कनाडा के प्रधानमंत्री स्टीफन हार्पर ने भारतीय प्रधानमंत्री को खजुराहो मंदिर से चोरी हुई प्रतिमा 'पैरट लेडी' भेंट की। यह प्रतिमा 800 वर्ष पुरानी है।

80. निम्नलिखित में से कौन-सी पुस्तक कालिदास द्वारा लिखित नहीं है?

(a) मेघदूतम् (b) कुमारसम्भवम्
(c) उत्तररामचरितम् (d) ऋतुसंहारम्

उत्तर—(c)

कालिदास संस्कृत भाषा के महान कवि और नाटककार थे। उन्होंने भारत की पौराणिक कथाओं और दर्शन को आधार बनाकर रचनाएं की। 'मेघदूतम्' और 'ऋतुसंहारम्' उनके प्रसिद्ध खंडकाव्य हैं, जबकि 'कुमारसम्भवम्' महाकाव्य की श्रेणी में आता है। 'उत्तररामचरितम्' महाकवि 'भवभूति' का प्रसिद्ध संस्कृत नाटक है।

81. मध्य प्रदेश का सबसे पुराना संगीत महाविद्यालय, 'माधव संगीत महाविद्यालय', कहां स्थित है?

(a) रायपुर (b) इंदौर
(c) भोपाल (d) ग्वालियर

उत्तर—(d)

मध्य प्रदेश का सबसे पुराना संगीत महाविद्यालय, 'माधव संगीत महाविद्यालय' ग्वालियर में स्थित है।

82. एक 'बंद अर्थव्यवस्था' वह अर्थव्यवस्था है, जिसमें-

(a) मुद्रा-पूर्ति पूर्ण रूप से नियंत्रित है
(b) घाटा वित्तीयन होता है
(c) केवल निर्यात होते हैं
(d) न निर्यात और न ही आयात होते हैं

उत्तर—(d)

बंद अर्थव्यवस्था (Closed Economy) से तात्पर्य ऐसी अर्थव्यवस्था से है जो विदेश व्यापार से अलग होती है। ऐसी अर्थव्यवस्था में अन्य अर्थव्यवस्थाओं के साथ न तो निर्यात होता है और न ही आयात। दूसरे शब्दों में, बंद अर्थव्यवस्था वाले देश का अन्य देशों के साथ वस्तुओं, सेवाओं, पूंजी आदि का आदान-प्रदान नहीं होता है।

83. 12वीं पंचवर्षीय योजना की अवधि है-

(a) 2007-2012 (b) 2012-2017
(c) 2010-2015 (d) 2006-2011

उत्तर—(b)

तीव्र, अधिक समावेशी एवं सतत विकास' के लक्ष्य के साथ 12वीं पंचवर्षीय योजना की अवधि 2012-17 है। इस योजना में सकल घरेलू उत्पाद (GDP) की वास्तविक वृद्धि दर 8.0%, कृषि में 4% की वृद्धि दर तथा विनिर्माण क्षेत्र में 10% की वृद्धि दर का लक्ष्य रखा गया है। वित्तीय वर्ष 2016-17 12वीं पंचवर्षीय योजना का अंतिम वर्ष था। इसके साथ ही पंचवर्षीय योजना के युग समाप्त हो गया। इसके स्थान पर नीति आयोग ने 15 वर्षीय दृष्टिकोण पत्र तैयार किया है।

84. 'इंडिया विजन 2020' किसके द्वारा तैयार किया गया है?

(a) एस.पी. गुप्ता समिति (b) पंत समिति
(c) मल्होत्रा समिति (d) नरसिम्हा समिति

उत्तर—(a)

योजना आयोग ने जून, 2000 में 'इंडिया विजन 2020' पर एक समिति गठित की थी जिसके अध्यक्ष योजना आयोग के सदस्य डॉ.एस.पी. गुप्ता थे।

85. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?

(a) प्रथम विश्व जलवायु सम्मेलन -1979

(b) प्रथम पृथ्वी शिखर सम्मेलन- एजेंडा 21

(c) पृथ्वी शिखर सम्मेलन + 5– 1997

(d) कार्बन व्यापार- मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल

उत्तर—(d)

मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल ओजोन परत की क्षीणता से संबंधित है। यह संधि वर्ष 1987 में हस्ताक्षरित हुई थी। जबकि प्रथम विश्व जलवायु सम्मेलन 1979 में जेनेवा में, प्रथम पृथ्वी शिखर सम्मेलन 1992 रियो डी जनेरियो में एजेंडा-21 को पारित किया गया तथा पृथ्वी शिखर सम्मेलन (1992) + 5 अर्थात 1997 में आयोजित किया गया था।

86. 'अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष' के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(a) यह किसी भी देश को ऋण प्रदान कर सकता है।

(b) यह केवल विकसित देशों को ही ऋण प्रदान कर सकता है।

(c) यह केवल सदस्य देशों को ही ऋण प्रदान करता है।

(d) यह किसी देश के केंद्रीय बैंक को ऋण प्रदान करता है।

उत्तर—(c)

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) की प्रमुख जिम्मेदारी सदस्य देशों को भुगतान संबंधी समस्याओं से निपटने के लिए ऋण प्रदान करना है। यह वित्तीय सहायता देशों को अपने अंतरराष्ट्रीय भंडार का पुनर्निर्माण करने, अपनी मुद्राओं को स्थिर रखने, आयात के लिए भुगतान जारी रखने तथा मजबूत आर्थिक विकास की स्थिति को बहाल रखने में सक्षम बनाती है। विकास बैंकों के विपरीत अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष विशिष्ट परियोजनाओं के लिए ऋण नहीं प्रदान करता।

87. 2016 में हुई भारत-जिम्बॉब्वे एकदिवसीय क्रिकेट श्रृंखला में 'मैन ऑफ द सीरीज' किसे घोषित किया गया?

(a) जसप्रीत बुमराह (b) विराट कोहली

(c) अजिंक्य रहाणे (d) के.एल. राहुल

उत्तर—(d)

जून, 2016 में भारत-जिम्बॉब्वे के मध्य 3 एकदिवसीय मैच और 3 टी-20 मैच खेले गए। एकदिवसीय सीरीज भारत ने 3-0 से जीती, इस एकदिवसीय सीरीज में के.एल. राहुल को 'मैन ऑफ द सीरीज' चुना गया था।

88. आई.पी.एल.-9 (2016) का फाइनल मैच किस राज्य के स्टेडियम में खेला गया था?

(a) कर्नाटक (b) महाराष्ट्र

(c) हरियाणा (d) पश्चिम बंगाल

उत्तर—(a)

29 मई, 2016 को आई.पी.एल.- 9 (2016) का फाइनल मैच एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम, बंगलुरू, कर्नाटक में खेला गया। फाइनल मैच में सनराइजर्स हैदराबाद ने रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरू को 8 रनों से पराजित कर यह खिताब जीता था।

89. रश्मिरेखा नामक पुस्तक का लेखक कौन था?

(a) गजानन माधव 'मुक्तिबोध' (b) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'

(c) हरिशंकर परसाई (d) भवानी प्रसाद मिश्र

उत्तर—(b)

हिंदी साहित्य में प्रगतिशील लेखन के अग्रणी कवि पंडित बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' का जन्म 1897 ई. में ग्वालियर राज्य के भयाना नामक ग्राम में हुआ था। इनकी प्रमुख रचनाएं हैं- 'कुंकुम', 'अपलक', 'क्वासि', 'उर्मिला', 'रश्मिरेखा', 'हम विषपायी जनम के' एवं 'विनोवा स्तवन'।

90. चंद्रशेखर आजाद का जन्म मध्य प्रदेश के किस जिले में हुआ था?

(a) खरगौन (b) ग्वालियर

(c) झाबुआ (d) सतना

उत्तर—(c)

चंद्रशेखर आजाद का जन्म 23 जुलाई, 1906 को मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले के भावरा नामक स्थान पर हुआ था। इनके पिता का नाम पंडित सीताराम तिवारी एवं माता का नाम जगरानी देवी था। आजाद का जन्म स्थान 'भावरा' अब 'आजाद नगर' के नाम से जाना जाता है।

91. इनमें से कौन परमार वंश का शासक नहीं था?

(a) उपेंद्र (b) मुंज

(c) गांगेयदेव (d) उदयादित्य

उत्तर—(c)

गांगेयदेव कलचुरी वंश का एक शक्तिशाली शासक था जिसने 'विक्रमादित्य' की उपाधि धारण की। पूर्व मध्यकाल में स्वर्ण सिक्कों के विलुप्त हो जाने के पश्चात इन्होंने सर्वप्रथम इसे प्रारंभ करवाया। उपेंद्र, मुंज एवं उदयादित्य ये सभी परमारवंशी शासक थे।

92. धंगदेव किस वंश का शासक था?

(a) जेजाकभुक्ति के चंदेल (b) मालवा के परमार

(c) महिष्मति के कलचुरी (d) त्रिपुरी के कलचुरी

उत्तर—(a)

जेजाकभुक्ति के चंदेलों में धंगदेव सबसे प्रसिद्ध एवं शक्तिशाली राजा हुआ। उसके लंबे राज्यकाल में खजुराहो के दो प्रसिद्ध मंदिर विश्वनाथ तथा पार्श्वनाथ बने। कंदरिया महादेव मंदिर का निर्माण धंगदेव द्वारा 999 ई. में किया गया। धंग ने प्रयाग के संगम में शिव की आराधना करते हुए शरीर का त्याग किया।

93. हबीब तनवीर का जन्म निम्नलिखित में से किस स्थान पर हुआ था?

(a) रायपुर (b) झाबुआ
(c) इंदौर (d) रतलाम

उत्तर—(a)

प्रसिद्ध पटकथा लेखक, नाट्य निर्देशक, कवि और अभिनेता हबीब तनवीर का जन्म 1 सितंबर, 1923 को छत्तीसगढ़ के रायपुर में हुआ था। वह हिंदुस्तानी रंगमंच के शलाका पुरुष थे। उन्होंने लोकधर्मी रंगकर्म को पूरी दुनिया में प्रतिष्ठित किया।

94. अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निरोधक) अधिनियम, 1989 के अंतर्गत किस धारा में विशेष न्यायालय की व्यवस्था का प्रावधान है?

(a) 14 (b) 17
(c) 21 (1) (d) 21 (3)

उत्तर—(a)

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निरोधक) अधिनियम, 1989 के अध्याय IV की धारा 14 में शीघ्र न्याय एवं परीक्षण के लिए प्रत्येक जनपद में एक विशेष न्यायालय की व्यवस्था का प्रावधान है। जबकि धारा 15 में विशेष सार्वजनिक अभियोजक की व्यवस्था की गई है।

95. अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निरोधक) अधिनियम, 1989 के अंतर्गत किए गए अपराधों के लिए जांच अधिकारी कितने दिनों में अपनी रिपोर्ट सौंपेगा?

(a) 15 (b) 20
(c) 25 (d) 30

उत्तर—(d)

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निरोधक) अधिनियम, 1989 के अंतर्गत किए गए अपराधों के लिए जांच अधिकारी 30 दिनों में अपनी रिपोर्ट पुलिस अधीक्षक को तथा पुलिस अधीक्षक राज्य के पुलिस महानिदेशक को सौंपेगा।

96. निम्नलिखित में से कौन-सा ब्राह्मण ग्रंथ ऋग्वेद से संबंधित है?

(a) ऐतरेय ब्राह्मण (b) गोपथ ब्राह्मण
(c) शतपथ ब्राह्मण (d) तैत्तिरीय ब्राह्मण

उत्तर—(a)

ब्राह्मण ग्रंथ यज्ञों तथा उनके अनुष्ठान के विधि-विधानों के संबंध में जानकारी देते हैं। ऐतरेय ब्राह्मण तथा कौशीतकी ब्राह्मण ऋग्वेद से, ताण्डय ब्राह्मण, पंचविश ब्राह्मण तथा जैमिनीय ब्राह्मण सामवेद से, शतपथ ब्राह्मण युजर्वेद से जबकि गोपथ ब्राह्मण अथर्ववेद से संबद्ध है।

97. 'वस्तु एवं सेवा कर' एक टास्क फोर्स द्वारा प्रस्तावित किया गया था, जिसके अध्यक्ष थे

(a) विजय केलकर (b) मोंटेक सिंह अहलूवालिया
(c) अरुण जेटली (d) नरसिम्हा

उत्तर—(a)

वर्ष 2003 में विजय केलकर की अध्यक्षता में अप्रत्यक्ष कर पर गठित समिति ने वैट सिद्धांत पर आधारित एक व्यापक 'वस्तु एवं सेवा कर' (GST) का सुझाव दिया था।

98. मूल कर्तव्यों का उल्लेख संविधान में कब किया गया?

(a) संविधान निर्माण के समय
(b) 26 जनवरी, 1950 को
(c) 42वें संविधान संशोधन में
(d) 41वें संविधान संशोधन में

उत्तर—(c)

42वें संविधान संशोधन, 1976 द्वारा भारतीय नागरिकों के लिए भारतीय संविधान के भाग 4(क) में अनुच्छेद 51(क) शामिल करके इसमें 10 मौलिक कर्तव्यों की व्यवस्था की गई। 86वें संविधान संशोधन, 2002 द्वारा इसमें एक मौलिक कर्तव्य बढ़ा दिया गया जिससे इनकी संख्या 11 हो गई है।

99. राज्य और केंद्रीय सरकार को प्राधिकार प्राप्त होता है-

(a) भारत के संविधान से (b) भारत के राष्ट्रपति से
(c) भारत के प्रधानमंत्री से (d) भारत की संसद से

उत्तर—(a)

राज्य और केंद्रीय सरकार को भारत के संविधान से प्राधिकार प्राप्त होता है, क्योंकि भारतीय प्रणाली का स्रोत उसका संविधान है। भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और संसद का उल्लेख भी भारतीय संविधान में ही है।

100. निम्नलिखित में से किसे एक दबाव समूह माना जा सकता है?

(a) लोक सभा के सदस्य (b) पंचायत के सदस्य
(c) मंत्रिमंडल के सदस्य (d) मजदूर संघ के सदस्य

उत्तर—(d)

मजदूर संघ के सदस्य को दबाव समूह माना जा सकता है। जब कोई संगठन अपने सदस्यों के हितों की पूर्ति के लिए राजनीतिक सत्ता को प्रभावित करता है और हितों की पूर्ति के लिए दबाव बनाता है, तो उस संगठन को दबाव समूह कहते हैं। इसे हित समूह, अनौपचारिक संगठन आदि भी कहते हैं। इसमें मजदूर संघ, किसान संगठन, महिला संगठन, व्यापारी संगठन, विद्यार्थी संगठन आदि को शामिल किया जा सकता है।

एम.पी. पी.सी.एस.(प्रा.) परीक्षा, 2017

द्वितीय प्रश्न-पत्र

सीरीज - C **परीक्षा तिथि - 12/02/2017**

1. सरकार ने स्वच्छ भारत अभियान को लागू करने के लिए बहुत-से कदम उठाए हैं। इस आंदोलन का राजदूत बनने के लिए कई सुप्रसिद्ध व्यक्तियों से अनुरोध किया गया है। यह दर्शाता है कि -

(a) सुप्रसिद्ध व्यक्ति सरकार से बेहतर काम करेंगे
(b) सुप्रसिद्ध व्यक्ति इस कार्यक्रम को आर्थिक योगदान देंगे
(c) सुप्रसिद्ध व्यक्तियों के द्वारा और अधिक नागरिकों को इस कार्यक्रम के लिए प्रेरित किया जा सकता है
(d) सरकार इस कार्यक्रम को क्रियान्वित करने में बहुत गंभीर नहीं है

उत्तर—(c)

सरकार ने स्वच्छ भारत अभियान को लागू करने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। इस आंदोलन का राजदूत बनने के लिए सुप्रसिद्ध व्यक्तियों से अनुरोध इसलिए किया जा रहा है कि सुप्रसिद्ध व्यक्तियों के द्वारा अधिक से अधिक नागरिक इस कार्यक्रम के लिए प्रेरित होंगे।

2. सभी चमकने वाली वस्तुएं सोना नहीं होती। इसका अर्थ है कि -

(a) किसी व्यक्ति को उसके रूप-रंग के आधार पर आंकना नहीं चाहिए
(b) किसी व्यक्ति के बारे में सही अनुमान उसके रूप-रंग से हमेशा हो जाता है
(c) एक कांतिवान व्यक्ति निश्चित रूप से अच्छा होता है
(d) एक कांतिवान व्यक्ति कभी अच्छा नहीं होगा

उत्तर—(a)

सभी चमकने वाली वस्तुएं सोना नहीं होती, का अर्थ है कि किसी व्यक्ति को उसके रूप-रंग के आधार पर आंकना नहीं चाहिए।

निर्देश- (प्रश्न सं. 3 से 8) : निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न में पहले एक कथन है और उसके नीचे दो पूर्वधारणाएं I और II दिए गए हैं। आपको दिए गए पूर्वधारणाओं पर विचार करके तय करना है कि कौन-सी पूर्वधारणा/पूर्वधारणाएं कथन में प्रभावशाली है/हैं। दिए गए विकल्पों में से एक सही उत्तर चुनिए।

3. कथन :

आजकल नदियों का संरक्षण बहुत महत्वपूर्ण है।

पूर्वधारणा I :

यह जल संकट को कम करेगा।

पूर्वधारणा II :

यह हमारे पारिस्थितिक जीवन-तंत्र की रक्षा करेगा।

(a) पूर्वधारणा I प्रभावशाली है।
(b) पूर्वधारणा II प्रभावशाली है।
(c) पूर्वधारणाएं I और II प्रभावशाली हैं।
(d) न तो पूर्वधारणा I और न ही II प्रभावशाली है।

उत्तर—(c)

आजकल नदियों का संरक्षण बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि नदियों का संरक्षण हमारे पारिस्थितिक जीवन-तंत्र की रक्षा करता है तथा जल संकट को कम भी करता है। इस प्रकार पूर्वधारणा I और II दोनों ही प्रभावशाली हैं।

4. कथन :

बहुत-सी सरकारी सेवाओं को अब सूचना के अधिकार (आर.टी.आई.) अधिनियम के अंतर्गत लाया गया है।

पूर्वधारणा I :

इससे और अधिक पारदर्शिता आएगी।

पूर्वधारणा II :

इससे और अधिक जवाबदेही आएगी।

(a) पूर्वधारणा I प्रभावशाली है।
(b) पूर्वधारणा II प्रभावशाली है।
(c) पूर्वधारणाएं I और II प्रभावशाली हैं।
(d) न तो पूर्वधारणा I और न ही II प्रभावशाली है।

उत्तर—(c)

बहुत-सी सरकारी सेवाओं को अब सूचना के अधिकार (आर.टी.आई.) अधिनियम के अंतर्गत लाया गया है। इस अधिनियम से सरकारी सेवाओं में और अधिक पारदर्शिता आएगी और इनकी जवाबदेही भी होगी। अतः पूर्वधारणा I और II प्रभावशाली हैं।

5. कथन :

सभी नागरिकों को निचले न्यायालय के निर्णयों को

उच्च न्यायालय में चुनौती देने का अधिकार है।

पूर्वधारणा I :

निचले न्यायालय कुशल नहीं हैं, जबकि उच्च न्यायालय बेहतर हैं।

पूर्वधारणा II :

निर्णय में त्रुटि की संभावना हो सकती है।

(a) पूर्वधारणा I प्रभावशाली है।

(b) पूर्वधारणा II प्रभावशाली है।

(c) पूर्वधारणाएं I और II प्रभावशाली हैं।

(d) न तो पूर्वधारणा I और न ही II प्रभावशाली है।

उत्तर—(b)

सभी नागरिकों को निचले न्यायालय के निर्णयों को उच्च न्यायालय में चुनौती देने का अधिकार है। इस कथन से यह कल्पना नहीं की जा सकती कि निचले न्यायालय कुशल नहीं हैं और उच्च न्यायालय बेहतर हैं जबकि यह कल्पना की जा सकती है कि निर्णय में त्रुटि की संभावना हो सकती है। इस प्रकार केवल पूर्वधारणा II प्रभावशाली है।

6. कथन :

बहुत-से देशों में संसदीय लोकतंत्र काम करता है।

पूर्वधारणा I :

यह जनता की समग्र राय का प्रतिनिधित्व करता है।

पूर्वधारणा II :

यह हमेशा लोगों की आकांक्षाओं को परिपूर्ण करता है।

(a) पूर्वधारणा I प्रभावशाली है।

(b) पूर्वधारणा II प्रभावशाली है।

(c) पूर्वधारणाएं I और II प्रभावशाली हैं।

(d) न तो पूर्वधारणा I और न ही II प्रभावशाली है।

उत्तर—(a)

संसदीय लोकतंत्र जनता की समग्र राय का प्रतिनिधित्व करता है जबकि यह कल्पना नहीं की जा सकती है कि संसदीय लोकतंत्र हमेशा लोगों की आकांक्षाओं को परिपूर्ण करता है। इस प्रकार पूर्वधारणा I प्रभावशाली है।

7. कथन :

लगभग सभी नियुक्तियों में पहले के एक अथवा दो वर्ष परिवीक्षा के होते हैं और नौकरी का स्थायीकरण परिवीक्षा की अवधि के बाद होता है।

पूर्वधारणा I :

नियोक्ता को कर्मचारी के बारे में ज्यादा पता नहीं होता।

पूर्वधारणा II :

नियोक्ता परिवीक्षा अवधि के दौरान अधिक काम करवाना चाहता है।

(a) पूर्वधारणा I प्रभावशाली है।

(b) पूर्वधारणा II प्रभावशाली है।

(c) पूर्वधारणाएं I और II प्रभावशाली हैं।

(d) न तो पूर्वधारणा I और न ही II प्रभावशाली है।

उत्तर—(a)

दिए गए कथन से केवल पूर्वधारणा I ही निकाला जा सकता है जबकि पूर्वधारणा II दिए गए कथनानुसार नहीं है। इस प्रकार पूर्वधारणा I प्रभावशाली है।

8. कथन :

आजकल कई प्रवेश परीक्षाएं 'ऑफलाइन' से 'ऑनलाइन' परीक्षाओं में धीरे-धीरे परिवर्तित हो रही हैं।

पूर्वधारणा I :

ऑनलाइन प्रणाली अधिक कुशल है।

पूर्वधारणा II :

ऑनलाइन प्रणाली और अधिक रोजगार के अवसर पैदा करती हैं।

(a) पूर्वधारणा I प्रभावशाली है।

(b) पूर्वधारणा II प्रभावशाली है।

(c) पूर्वधारणाएं I और II प्रभावशाली हैं।

(d) न तो पूर्वधारणा I और न ही II प्रभावशाली है।

उत्तर—(a)

आजकल कई प्रवेश परीक्षाएं 'ऑफलाइन' से 'ऑनलाइन' परीक्षाओं में धीरे-धीरे परिवर्तित हो रही हैं। इससे यह कल्पना की जा सकती है कि ऑनलाइन परीक्षा प्रणाली अधिक कुशल है जबकि इससे यह कल्पना नहीं की जा सकती है कि ऑनलाइन प्रणाली और अधिक रोजगार के अवसर पैदा करती हैं। इस प्रकार केवल पूर्वधारणा I सही है।

निर्देश- (प्रश्न सं. 9 से 12) : निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न में पहले एक कथन है और उसके नीचे दो तर्क I और II दिए गए हैं। आपको दिए गए तर्कों पर विचार करके तय करना है कि कौन-सा/से तर्क प्रभावशाली है/हैं। दिए गए विकल्पों में से एक सही उत्तर चुनिए।

9. कथन :

मेट्रो शहरों के सभी घरों में जल आपूर्ति में कमी है। यह आंशिक रूप से पाइपलाइनों में जल के भारी रिसाव के कारण है।

तर्क I :

अनुरक्षण 24 × 7 होना चाहिए और जल रिसाव को बंद करना चाहिए।

तर्क II :

हमको और अधिक जल उसी अथवा कम खर्चे पर पंप

करना चाहिए।

(a) तर्क I प्रभावशाली है।

(b) तर्क II प्रभावशाली है।

(c) तर्क I और II प्रभावशाली हैं।

(d) न तो तर्क I और न ही II प्रभावशाली है।

उत्तर–(a)

दिए गए कथन से यह तर्क निकाला जा सकता है कि अनुरक्षण 24×7 होना चाहिए और जल रिसाव को बंद करना चाहिए जबकि तर्क II तर्कसंगत नहीं है। अतः केवल तर्क I प्रभावशाली है।

10. कथन :

ड्राइविंग के समय मोबाइल फोनों के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया जाना चाहिए।

तर्क I :

हां, इसके कारण सड़क दुर्घटनाएं होती हैं।

तर्क II :

नहीं, इससे व्यापार में बाधा आएगी।

(a) तर्क I प्रभावशाली है।

(b) तर्क II प्रभावशाली है।

(c) तर्क I और II प्रभावशाली हैं।

(d) न तो तर्क I और न ही II प्रभावशाली है।

उत्तर–(a)

ड्राइविंग के समय मोबाइल फोन के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया जाना चाहिए। इससे सड़क दुर्घटना होने की संभावना अधिक बढ़ जाती है जबकि इससे व्यापार में बाधा होगी यह तर्क II प्रभावशाली नहीं है। इस प्रकार केवल तर्क I प्रभावशाली है।

11. कथन :

बहुत-से राज्यों में 6 वर्ष की आयु से कम के बच्चों को कक्षा I में भर्ती नहीं किया जा सकता।

तर्क I :

बच्चे में आवश्यक मानसिक और शारीरिक विकास होना चाहिए।

तर्क II :

प्रारंभिक वर्षों में बच्चे को अपने माता-पिता के साथ होना चाहिए।

(a) तर्क I प्रभावशाली है।

(b) तर्क II प्रभावशाली है।

(c) तर्क I और II प्रभावशाली हैं।

(d) न तो तर्क I और न ही II प्रभावशाली है।

उत्तर–(a)

दिए गए कथन से तर्क I निकलता है अर्थात बच्चे में आवश्यक शारीरिक एवं मानसिक विकास होना चाहिए जबकि तर्क II तर्कसंगत नहीं है, इस प्रकार केवल तर्क I प्रभावशाली है।

12. कथन :

क्या शिक्षा को कक्षा XII तक के सभी बच्चों के लिए अनिवार्य कर देना चाहिए?

तर्क I :

नहीं, इससे विद्यालय की शिक्षा को बीच में ही छोड़ने वाले बच्चों को रोजगार देने वाले उद्योगों पर प्रभाव पड़ेगा।

तर्क II :

हां, विद्यालय की शिक्षा, उच्च शिक्षा और बेहतर भविष्य के लिए आधार बनाती है।

(a) तर्क I प्रभावशाली है।

(b) तर्क II प्रभावशाली है।

(c) तर्क I और II प्रभावशाली हैं।

(d) न तो तर्क I और न ही II प्रभावशाली है।

उत्तर–(b)

दिए गए कथन से यह तर्क निकाला जा सकता है कि विद्यालय की शिक्षा, उच्च शिक्षा और बेहतर भविष्य के लिए आधार बन सकती है जबकि तर्क I तर्कसंगत नहीं है।

13. नीचे दी गई तालिका के स्तंभों के अंकों में एक निश्चित संबंध पर विचार कीजिए-

6	18	15
4	3	x
3	2	5
8	27	9

कौन-सा अंक 'x' के स्थान पर लुप्त है?

(a) 11 (b) 2

(c) 6 (d) 3

उत्तर–(d)

उपर्युक्त तालिका में प्रथम पंक्ति में तृतीय पंक्ति से भाग देकर प्राप्त संख्या का गुणा द्वितीय पंक्ति में करने पर चतुर्थ पंक्ति की संख्या प्राप्त हो रही है।

अर्थात $\frac{6}{3}=2,\ 2\times4=8$

$\frac{18}{2}=9,\ 3\times9=27$

तथा $\frac{15}{5}=3,\ 3\times x=9$

$\therefore x=\frac{9}{3}\Rightarrow 3$

14. निम्न चित्रों में से कौन-सा एक बेमेल है?

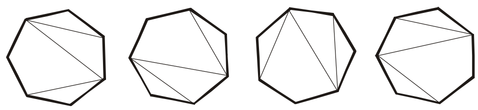

(1) (2) (3) (4)

(a) (1) (b) (2)
(c) (3) (d) (4)

उत्तर—(a)

दिए गए सभी चित्रों में विकल्प (a) का चित्र बेमेल है, क्योंकि शेष विकल्पों के चित्र वामावर्त दिशा में घूमने से प्राप्त हो रहे हैं और विशेष नियम का पालन कर रहे हैं जबकि विकल्प (a) का चित्र दक्षिणावर्त दिशा में घूम रहा है।

15. चित्र (P), (Q), (R), (S) में एक विशेष लक्षण की समानता है। नीचे चित्र (1), (2), (3), (4) में से किसी एक चित्र की पहचान कीजिए, जिसमें उसी लक्षण की समानता हो।

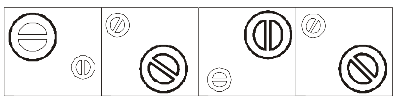

(P) (Q) (R) (S)

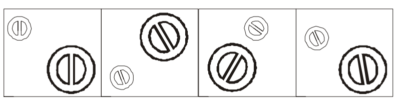

(1) (2) (3) (4)

(a) (1) (b) (2)
(c) (3) (d) (4)

उत्तर—(c)

दिए गए सभी चित्र में बड़े वृत्त और छोटे वृत्त में दो अर्द्धवृत्त बने हैं और बड़े वृत्त में बना अर्द्धवृत्त 90^0 घूमकर छोटे वृत्त में बन जा रहा है। अर्थात दोनों वृत्तों के अंदर बने अर्द्धवृत्त तथा एक-दूसरे से समकोण पर हैं। इस नियम का पालन चित्र विकल्प (c) करता है।

16. निम्नलिखित शब्द की एक ऊर्ध्वाकार दर्पण में प्रतिबिंब को पहचानिए :

(a) INDOЯƎ (b) IИDOЯƎ
(c) INDORE (d) ƎЯOДИI

उत्तर—(d)

दिए गए शब्द INDORE का ऊर्ध्वाकार दर्पण में प्रतिबिंब ƎЯOДИI होगा।

17. मान लीजिए कि (i) अभय, भास्कर से लंबा है (ii) चंद्र, अभय से लंबा है; (iii) ईश्वर, चंद्र से लंबा है और धीरज सबसे लंबा है। यदि इन सबको उनकी लंबाई के अनुसार बैठाया जाता है, तो मध्य स्थान पर कौन बैठेगा?

(a) अभय (b) भास्कर
(c) चंद्र (d) धीरज

उत्तर—(c)

प्रश्नानुसार
अभय > भास्कर
चंद्र > अभय
ईश्वर > चंद्र
धीरज > सबसे लंबा है।
सभी को एक साथ करने पर धीरज > ईश्वर > चंद्र > अभय > भास्कर। उपर्युक्त से स्पष्ट है कि मध्य स्थान पर चंद्र होगा।

18. जब एक पासे को चार बार फेंका जाता है, तो प्रत्येक बार निम्न परिणाम आते हैं -

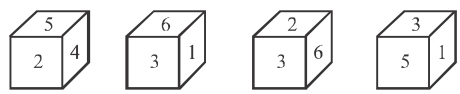

(i) (ii) (iii) (iv)

निम्न संख्याओं में से कौन-सी संख्या पासे में '3' के विपरीत पार्श्व में है?

(a) 1 (b) 4
(c) 5 (d) 6

उत्तर—(b)

पासा द्वितीय और तृतीय से स्पष्ट है कि 2 का विपरीत 1 है, क्योंकि दोनों पासों के दो फलकों का अंक समान है। इसी प्रकार पासा एक और चार से स्पष्ट है कि 3 के विपरीत या 4 होगा या 2, किंतु 3 का विपरीत अंक 2 नहीं हो सकता, क्योंकि 2,1 का विपरीत अंक है। इसलिए अंक 3 का विपरीत अंक 4 होगा।

19. एक विशेष संकेत भाषा में DAM को WZN लिखा जाता है। उसी संकेत भाषा में TABLE को कैसे लिखा जाएगा?

(a) GZYOV (b) EYXNU
(c) FZXNU (d) HZANW

उत्तर—(a)

सांकेतिक भाषा में DAM को WZN लिखा जाता है। अर्थात

अंग्रेजी वर्णमाला क्रम से	D	A	M
	↓	↓	↓
	4	1	13
अंग्रेजी वर्णमाला के विपरीत क्रम से	W	Z	N
	↓	↓	↓
	4	1	13

इसी प्रकार सांकेतिक भाषा में TABLE शब्द को GZYOV लिखा जाएगा।

निर्देश - निम्नलिखित जानकारी के आधार पर प्रश्न सं. 20 से 23 का उत्तर दीजिए।

दो परिवार के लोग एक गोल मेज के चारों तरफ बैठकर रात के खाने का आनंद ले रहे हैं। ये सब लोग इस प्रकार से बैठे हैं कि सबका मुख मेज के केंद्र की तरफ है और किसी भी दो बगल के लोगों के बीच की दूरी एक समान है। दोनों परिवारों का विवरण नीचे दिया गया है -

परिवार I :	अरुण (पति)	आशा (पत्नी)	अरूप (पुत्र)	अंजली (पुत्री)
परिवार II :	भास्कर (पति)	बीना (पत्नी)	बीजू (पुत्र)	बृंदा (पुत्री)

ऊपर के लोगों के बैठने का विवरण निम्नलिखित है -

- अरुण और भास्कर ठीक आमने-सामने बैठे हैं।
- आशा और बीना ठीक आमने-सामने बैठी हैं।
- आशा मेज के सबसे पूर्वी स्थान पर बैठी है।
- भास्कर अपनी पत्नी के ठीक दाहिनी तरफ बैठा है।
- पुत्र अपने-अपने पिताओं के बगल में बैठे हैं।
- पुत्रियां अपनी-अपनी माताओं के बगल में बैठी हैं।

20. मेज के सबसे उत्तरी स्थान पर कौन बैठा है?

(a) बीजू (b) अरूप
(c) भास्कर (d) अरुण

उत्तर—(b)

दोनों परिवारों के दिए गए सभी विवरण को साथ करके परिवार के सभी सदस्यों को गोल मेज के चारों ओर निम्न प्रकार से बैठाया जा सकता है-

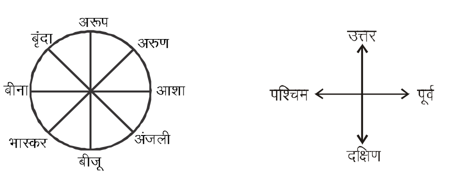

उपर्युक्त चित्र से स्पष्ट है कि मेज के सबसे उत्तरी छोर पर अरूप बैठा है।

21. बीजू के दाहिनी तरफ कौन बैठा है?

(a) अंजली (b) बृंदा
(c) अरुण (d) भास्कर

उत्तर—(a)

उपर्युक्त चित्र से स्पष्ट है कि बीजू के दाहिनी ओर अंजली और बाईं ओर भास्कर बैठा है। अतः विकल्प (a) सही है।

22. भास्कर के ठीक बगल में बैठे लोग हैं-

(a) बीजू और आशा (b) बीजू और बीना
(c) अरूप और बीना (d) बीजू और बृंदा

उत्तर—(b)

उपर्युक्त चित्र से स्पष्ट है कि भास्कर के ठीक बगल में बीजू और बीना बैठी हैं।

23. बीना के ठीक उत्तर-पूर्व दिशा में कौन बैठा है?

(a) अरूप (b) बीजू
(c) अंजली (d) बृंदा

उत्तर—(a)

उपर्युक्त चित्र से स्पष्ट है कि बीना के ठीक उत्तर-पूर्व दिशा में अरूप बैठा है।

24. एक गोल डायल वाली घड़ी में घंटा, मिनट और सेकंड की तीन सुइयां हैं। तीनों सुइयां 12:00 बजे ठीक एक के ऊपर एक होती हैं। 12:10 बजे घंटा और सेकंड वाली सुइयों के बीच का कोण कितने डिग्री होगा?

(a) 25 (b) 2
(c) 5 (d) 55

उत्तर—(c)

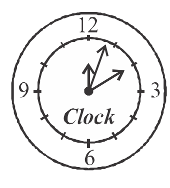

स्पष्ट है कि 12:10 बजे सेकंड वाली सुई ठीक 12 पर होगी तथा घंटा वाली सुई 12 और 1 के बीच में।

घंटे वाली सुई 12 घंटे में कोण बनाती है $= 360^0$

घंटे वाली सुई 1 घंटा (60 मिनट) में कोण बनाती है $= 30^0$

घंटे वाली सुई 10 मिनट में कोण बनाएगी $= \left(\frac{30}{60}\right)^0 \times 10$

$= 5^0$

अतः 12:10 बजे घंटा और सेकंड के बीच 5^0 का कोण बनेगा।

25. कंचन बिंदु A पर खड़ा है और उसका मित्र कुमार बिंदु B पर खड़ा है, जो कंचन के ठीक पूर्व दिशा में है। कंचन सीधे उत्तर दिशा की ओर चलना आरंभ करता है। ठीक उसी समय कुमार भी कंचन की दोगुनी गति से सीधे चलना आरंभ कर देता है। कंचन के 5 किमी. चलने के बाद, कंचन और कुमार दोनों एक-दूसरे से मिल जाते हैं। A और B के बीच की दूरी कितनी है?

(a) $5\sqrt{3}$ किमी. (b) $3\sqrt{5}$ किमी.
(c) $2\sqrt{3}$ किमी. (d) $3\sqrt{2}$ किमी.

उत्तर—(a)

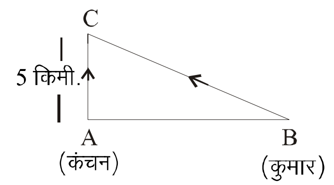

माना बिंदु C पर कंचन और कुमार मिलते हैं।
B से C तक कुमार द्वारा चली गई दूरी $= 2 \times 5$
$= 10$ किमी.
($\because$ कुमार की गति, कंचन से दोगुनी है)

A और B के बीच की दूरी $= \sqrt{(10)^2 - (5)^2}$
$= \sqrt{100 - 25}$
$= \sqrt{75}$
$= 5\sqrt{3}$ किमी.

26. यदि $6 \times 4 = 12, 7 \times 5 = 20, 5 \times 8 = 21$, तब $5 \times 7 = ?$

(a) 20 (b) 18
(c) 24 (d) 35

उत्तर—(b)

जिस प्रकार
$6 \times 4 = (6-2) \times (4-1) = 4 \times 3 \Rightarrow 12$
$7 \times 5 = (7-2) \times (5-1) = 5 \times 4 \Rightarrow 20$
$5 \times 8 = (5-2) \times (8-1) = 3 \times 7 \Rightarrow 21$
उसी प्रकार
$5 \times 7 = (5-2) \times (7-1) = 3 \times 6 \Rightarrow 18$
अतः विकल्प (b) सही है।

निर्देश - निम्नलिखित जानकारी के आधार पर प्रश्न सं. 27 और 28 का उत्तर दीजिए।

छः व्यक्ति (A, B, C, D, E और F) एक उपन्यास को पढ़ते हैं लेकिन उनके पास पुस्तक की केवल एक ही प्रति है। इसलिए उपन्यास को एक समय, एक ही व्यक्ति पढ़ सकता है, उनके उपन्यास को पढ़ने की विधि को ध्यान से देखने पर निम्नलिखित बातें सामने आती हैं -

- दो व्यक्तियों ने E से पहले उपन्यास को पढ़ लिया है।
- C अंतिम व्यक्ति को उपन्यास देता है।
- F के पढ़ने के पहले, B और D ने उपन्यास को पढ़ना समाप्त कर दिया है।
- A और F के बीच तीन व्यक्ति हैं,जो पुस्तक पढ़ चुके हैं।
- A को D से उपन्यास नहीं मिलता।

27. उपन्यास को पढ़ने वाला पहला व्यक्ति कौन है?

(a) D (b) A
(c) B (d) F

उत्तर—(c)

	1	2	3	4	5	6
A		✓				
B	✓					
C					✓	
D				✓		
E			✓			
F						✓

दिए गए छः व्यक्तियों को प्रश्नानुसार व्यवस्थित करने पर स्पष्ट है कि E तीसरे स्थान पर तथा C पांचवें स्थान पर होगा।
$\because$ A और F के बीच तीन व्यक्ति हैं।
$\therefore$ F छठें स्थान पर होगा तो A का स्थान दूसरा होगा।
A को D से उपन्यास नहीं मिलता अर्थात B से मिलेगा, B का प्रथम स्थान होगा। इस प्रकार उपन्यास पढ़ने का क्रम $B > A > E > D > C > F$ है। अतः उपन्यास पढ़ने वाला पहला व्यक्ति B है।

28. उपन्यास को पढ़ने वाला चौथा व्यक्ति कौन था?

(a) D (b) A
(c) B (d) F

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्नानुसार ग्राफ से स्पष्ट है कि उपन्यास पढ़ने वाला चौथा व्यक्ति D है।

29. आज, पिता की उम्र अपने पुत्र की उम्र से दोगुनी है। बीस साल बाद पिता की उम्र, अपने पुत्र की आज की उम्र से तीन गुनी हो जाएगी। आज पुत्र की उम्र कितने वर्ष है?

(a) 10 वर्ष (b) 20 वर्ष
(c) 30 वर्ष (d) 40 वर्ष

उत्तर—(b)

माना पुत्र की वर्तमान उम्र x वर्ष है।
तो पिता की वर्तमान उम्र $2x$ वर्ष होगी।
20 साल बाद पिता की उम्र $= (2x + 20)$ वर्ष

प्रश्नानुसार
$2x+20=3x$
$\therefore\ x=20$ वर्ष
अतः आज पुत्र की उम्र 20 वर्ष है।

30. एक विशेष पासा इस प्रकार से बनाया गया है कि प्रत्येक पार्श्व पर 1 से 6 तक की संख्याओं में से एक संख्या अंकित है। इस पासे को फेंकने के बाद यह स्थिर हो जाता है। इस स्थिति में यह देखा गया कि ऊपर और नीचे वाले पार्श्व को छोड़कर, सभी पार्श्वों की संख्याओं का योग 10 के बराबर आता है। पासे के ऊपर और नीचे वाले पार्श्वों पर कौन-सी संख्याएं होंगी?

(a) 4 और 5 (b) 4 और 6
(c) 5 और 6 (d) 2 और 6

उत्तर—(c)

दिया गया है, ऊपर और नीचे के पार्श्वों को छोड़कर सभी पार्श्वों की संख्याओं का योग 10 है। अतः

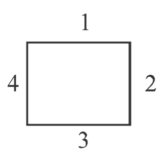

ऐसी एकमात्र संभावना $1+2+3+4=10$ बनेगी
अतः स्पष्ट है पासे के ऊपर और नीचे के पार्श्वों पर बने अंक 5 और 6 हैं।

31. एक कार्यालय में कक्षों की संख्या विषम है। हर एक कक्ष में पंखे एवं बल्ब लगे हैं। हर एक कक्ष में लगे बल्बों की संख्या, उस कक्ष में लगे पंखों की संख्या की दोगुनी है। सारे कक्षों में बल्बों की संख्या समान है। सारे कक्षों के कुल पंखों व बल्बों की संख्या मिलाकर तीस है। कार्यालय में कुल कक्षों की संख्या कितनी है?

(a) 3 (b) 5
(c) 7 (d) 9

उत्तर—(b)

माना कक्षों की संख्या x है
$\therefore$ कुल पंखों की संख्या $=x$ तथा बल्बों की संख्या $=2x$
प्रश्नानुसार
$x+2x=30$
$3x=30$
$x=10$
चूंकि दिया है कार्यालय में कक्षों की संख्या विषम है।
यदि एक कक्ष में दो पंखे लगे हों, तो कुल पंखों की संख्या $=2x$
$\therefore$ कुल बल्बों की संख्या $=4x$ होगी

प्रश्नानुसार
$2x+4x=30$
$6x=30$
$x=\frac{30}{6}\Rightarrow 5$
अतः कार्यालय में कुल कक्षों की संख्या 5 है।

32. जिरॉक्स मशीन से एक पेज पर बने एक चित्र को मूल आकार से कम करके 75% कर दिया गया। इस प्रतिलिपि को फिर 20% और छोटा किया गया। अंतिम प्रतिलिपि में मूल चित्र के कितने प्रतिशत का आकार था?

(a) 15 (b) 10
(c) 12 (d) 18

उत्तर—(*)

प्रश्नानुसार
प्रारंभिक कमी की गई $=25\%$
इसके पश्चात की गई कमी $=20\%$
प्रतिलिपि में कुल की गई कमी $=-25-20+\frac{25\times20}{100}$
$=-40\%$
अंतिम प्रतिलिपि में मूल चित्र का आकार
$=(100-40)\%$
$=60\%$

द्वितीय विधि -
माना पेज का मूल आकार x था।
मूल आकार से कम करने के बाद बचा पेज $=\frac{x\times75}{100}$
20% कम करने पर शेष बची प्रतिलिपि $=x\times\frac{75}{100}\times\frac{80}{100}$
$=x\times\frac{3}{5}$
$=60\%$
अतः दिए गए विकल्प उत्तर से मेल नहीं खाते।

मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग ने अपने उत्तर पत्रक में सही उत्तर विकल्प (a) अर्थात 15 माना है, जो कि गलत है।

33. एक दो-अंकीय संख्या का वर्गमूल लेने पर रूढ़ संख्या आती है। ऐसी संख्या के दोनों अंकों का योग है-

(a) 8 (b) 13
(c) 10 (d) 15

उत्तर—(b)

5 एवं 7 ऐसी रूढ़ संख्याएं हैं जिनका वर्ग दो अंकों में होगा-
$5=\sqrt{25}\Rightarrow 2+5=7$
$7=\sqrt{49}\Rightarrow 4+9=13$
दिए गए विकल्पों में 7 नहीं है। अतः अभीष्ट योग 13 होगा।

34. एक के बाद एक आने वाली पांच संख्याओं का योग 665 से अधिक लेकिन 675 से कम है। इन पांच संख्याओं के सेट में सम-संख्याओं का योग है-

(a) 406 (b) 404

(c) 402 (d) 400

उत्तर—(c)

माना पहली संख्या x है, तो
एक के बाद एक आने वाली पांच संख्याओं का योग
$x+(x+1)+(x+2)+(x+3)+(x+4)=5x+10$
चूंकि $5x+10$ का मान = 665 से अधिक और 675 से कम है।
दी गई दोनों संख्याओं के बीच 5 का गुणक संख्या 670 है
अतः $5x+10=670$
$5x=660$
$x=132$
पांचों संख्याएं होंगी = 132, 133, 134, 135, 136
इनमें सम संख्याओं (132, 134, 136) का योग
= 132 + 134 + 136
= 402
अतः विकल्प (c) सही है।

35. एक टोकरी में लाल और नीली गेंदें हैं। इस टोकरी में से यदि एक लाल और एक नीली गेंद निकाल दी जाए, तो शेष गेंदों में लाल गेंदों की संख्या नीली गेंदों की संख्या से दोगुनी हो जाती है। इसके बाद बची हुई गेंदों में से 3 लाल और 3 नीली गेंदें और निकाल दी जाती हैं। अवशेष लाल गेंदों की अंतिम संख्या, शेष नीली गेंदों की अंतिम संख्या से तीन गुनी पाई जाती है। टोकरी की आरंभिक स्थिति में नीली गेंदों की संख्या है-

(a) 7 (b) 13

(c) 14 (d) 26

उत्तर—(a)

माना टोकरी में लाल गेंदों की संख्या R तथा नीली गेदों की संख्या B है।
टोकरी में से 1 लाल और 1 नीली गेंद निकालने पर
$(R-1)=2(B-1)$ ....(i)
बची गेंदों में से 3 लाल तथा 3 नीली गेंद निकालने पर
$(R-1)-3=3[(B-1)-3]$
$=3B-12$
समी. (i) से (R–1) का मान रखने पर
$2(B-1)-3=3B-12$
$2B-5=3B-12$
$B=7$
अतः टोकरी में आरंभिक स्थिति में नीली गेंदों की संख्या 7 है।

36. एक झील से एक शहर को जल आपूर्ति होती है। यह देखा गया है कि पहले और दूसरे महीने में शहर एक ही मात्रा में जल का उपभोग करता है। अगले चार महीनों में जल उपभोग की मासिक दर, पहले दो महीनों की तुलना में आधी रह जाती है। इसके बाद यह पर्यवेक्षित किया गया कि झील में शेष जल, आरंभिक मूल आयतन का आधा है। दूसरे महीने में उपभोग किए गए जल और झील के आरंभिक जल के आयतन का अनुपात है-

(a) $\frac{1}{6}$ (b) $\frac{1}{8}$

(c) $\frac{1}{12}$ (d) $\frac{1}{10}$

उत्तर—(b)

माना पहले महीने जल उपभोग की मात्रा x है
तो दूसरे महीने जल उपभोग की मात्रा x होगी
अगले चार महीनों में जल उपभोग की मात्रा
$=\frac{x}{2}+\frac{x}{2}+\frac{x}{2}+\frac{x}{2}$
$=2x$
जल उपभोग की कुल मात्रा = प्रथम दो + अगले चार महीनों में
$=2x+2x$
$=4x$
झील में आरंभिक जल की मात्रा $=2\times 4x \Rightarrow 8x$
दूसरे महीने में उपभोग जल की मात्रा और झील का आरंभिक
आयतन का अनुपात $=\frac{x}{8x}\Rightarrow\frac{1}{8}$
अतः विकल्प (b) सही है।

37. किसी संख्या के घन और वर्ग में अंतर, उसकी दोगुनी संख्या के वर्ग के बराबर देखी गई। संख्या है-

(a) 4 (b) 5

(c) 6 (d) 8

उत्तर—(b)

माना वह संख्या x है।
प्रश्नानुसार
$x^3-x^2=(2x)^2$
$x^3-x^2=4x^2$
$x^3=5x^2$
$\therefore \quad x=5$
अतः संख्या 5 है।

38. रमेश अपनी मासिक आय का 40% आहार पर खर्च करता है। अपने पास बचे शेष धन से वह 10% फोन के

बिल पर, 20% बिजली के बिल पर और 10% कपड़े धुलाई के बिल पर खर्च करता है। इन सब खर्चों के बाद उसके पास रु. 7,200 बच जाते हैं। रमेश की मासिक आय है-

(a) रु. 16,364 (b) रु. 36,000

(c) रु. 20,000 (d) रु. 22,909

उत्तर—(c)

माना रमेश की मासिक आय $= x$ रु.

40% आहार पर खर्च करने के बाद शेष बची आय

$$= x \times \frac{60}{100} = \frac{3x}{5} \text{ रु.}$$

अब शेष धन का 10% फोन बिल पर खर्च करता है

$$= \frac{3x}{5} \times \frac{10}{100}$$

$$= \frac{3x}{50} \text{ रु.}$$

बिजली के बिल पर व्यय $= \frac{3x}{5} \times \frac{20}{100} = \frac{3x}{25}$ रु.

धुलाई पर व्यय $= \frac{3x}{5} \times \frac{10}{100} = \frac{3x}{50}$ रु.

प्रश्नानुसार

$$\frac{3x}{5} - \left(\frac{3x}{50} + \frac{3x}{25} + \frac{3x}{50}\right) = 7200$$

$$\frac{3x}{5} - \left(\frac{3x + 6x + 3x}{50}\right) = 7200$$

$$\frac{3x}{5} - \frac{12x}{50} = 7200$$

$$\frac{30x - 12x}{50} = 7200$$

$$18x = 7200 \times 50$$

$$x = \frac{7200 \times 50}{18} \Rightarrow 20000$$

अतः रमेश की मासिक आय 20,000 रुपये है।

39. एक घड़ी का वर्तमान चिह्नित मूल्य उसकी असली निर्माण लागत से 20% अधिक है। यदि दुकानदार घड़ी को चिह्नित मूल्य से 10% कम कीमत पर बेचने का निर्णय लेता है, तो दुकानदार कितने प्रतिशत लाभ कमाएगा?

(a) 8 (b) 10

(c) 12 (d) 14

उत्तर—(a)

माना घड़ी का लागत मूल्य = 100 रु.

$\therefore$ चिह्नित मूल्य $= 100 \times \frac{120}{100} \Rightarrow 120$ रु.

$\because$ दुकानदार चिह्नित मूल्य से 10% कम में बेचता है।

$\therefore$ विक्रय मूल्य $= 120 \times \frac{90}{100} \Rightarrow 108$ रु.

$\therefore$ लाभ $= 108 - 100 \Rightarrow 8$

अभीष्ट लाभ % $= \frac{8}{100} \times 100 \Rightarrow 8\%$

40. तीन संख्याओं का एक अनुक्रम इस प्रकार से बनाया गया है कि अनुक्रम की अगली संख्या, पिछली संख्या का वर्ग है। इस अनुक्रम में तीन संख्याओं के कुल योग का परिमाण 50 और 99 के बीच में है। योग के पहले और दूसरे अंकों के अनुपात का परिमाण कितना है?

(a) 2 (b) 0.5

(c) 3 (d) 0.33

उत्तर—(c)

पहली संख्या 3 लेने पर

प्रश्नानुसार

$= 3 + 3^2 + 3^4$

$= 3 + 9 + 81 = 93$ (50 और 99 के बीच है)

अतः योग के पहले और दूसरे अंक का अनुपात $= \frac{9}{3}$

$= 3$

41. चार व्यक्तियों P, Q, R और S का औसत भार 40 किग्रा. है। Q का भार P से दोगुना, S का भार R से 10 किग्रा. कम और Q तथा R के भार में अंतर 55 किग्रा. है। P और S का किग्रा. में भार है, क्रमश-

(a) 15 और 40 (b) 40 और 15

(c) 25 और 80 (d) 80 और 25

उत्तर—(b)

P, Q, R और S का कुल भार $= 40 \times 4 \Rightarrow 160$ किग्रा.

$\therefore P + Q + R + S = 160$ ....(i)

Q का भार $= 2 \times P$ ....(ii)

$S = R - 10$ ....(iii)

$Q - R = 55$

$55 + R = 2P$

$\therefore P = \frac{55 + R}{2}$ ....(iv)

समी. (i) में समी. (ii), (iii) एवं (iv) से P, Q एवं S का मान रखने पर

$$\left(\frac{55+R}{2}\right)+2.\left(\frac{55+R}{2}\right)+R+R-10=160$$

$$\frac{55+R}{2}+55+R+R+R-10=160$$

$$\frac{55+R}{2}+3R+45=160$$

$$\frac{55+R+6R+90}{2}=160$$

$$7R+145=320$$

$$7R=320-145\Rightarrow 175$$

$$R=\frac{175}{7}\Rightarrow 25$$

समी. (iv) में R का मान रखने पर

$$P=\frac{55+25}{2}=\frac{80}{2}\Rightarrow 40$$

$$\therefore \quad Q=2P=2\times 40\Rightarrow 80$$

$$\therefore \quad S=R-10=25-10\Rightarrow 15$$

अतः P एवं S का भार क्रमशः 40 एवं 15 किग्रा. होगा।

42. एक कक्षा का औसत अंक 40 है। कक्षा के एक छात्र को हटाने पर यह पाया गया कि कक्षा का नया औसत 30 हो जाता है। यह भी देखा गया कि इन बचे हुए छात्रों के अंकों का कुल योग, पूर्ण कक्षा के कुल योग का 60% है। कक्षा में कुल छात्रों की संख्या है-

(a) 10　　(b) 8
(c) 5　　(d) 4

उत्तर—(c)

विकल्प (c) से
माना छात्रों की संख्या = 5
कुल अंक = $40\times 5\Rightarrow 200$
अब एक छात्र कम होने पर कुल अंक $30\times 4=120$
$\because$ यह छात्रों के अंकों के कुल योग का 60% है।

अर्थात $200\times\frac{60}{100}=120$

अतः कक्षा में छात्रों की कुल संख्या 5 होगी।

43. एक रसायन-विज्ञानी द्वारा एक घोल तैयार किया गया, जिसमें जल का आयतन, कुल आयतन का 30% है। इस घोल में 5 लीटर जल डालने पर यह देखा गया कि जल का आयतन बढ़कर 40% हो गया है। प्रारंभिक घोल में जल कितने लीटर था?

(a) 35　　(b) 30
(c) 14　　(d) 9

उत्तर—(d)

माना घोल की कुल मात्रा = x ली.

घोल में जल की मात्रा = $x\times\frac{30}{100}=\frac{3x}{10}$ ली.

$(x+5)$ लीटर घोल में जल की मात्रा

$$=(x+5)\times\frac{40}{100}\Rightarrow\left(\frac{2x}{5}+2\right) \text{ ली.}$$

$$\therefore \frac{3x}{10}+5=\frac{2x}{5}+2$$

$$\frac{2x}{5}-\frac{3x}{10}=5-2$$

$$\frac{4x-3x}{10}=3$$

$$\therefore x=10\times 3\Rightarrow 30$$

$\therefore$ प्रारंभिक घोल में जल की मात्रा $=30\times\frac{30}{100}\Rightarrow 9$ लीटर

निर्देश - प्रश्न संख्या 44 से 48 का उत्तर निम्नलिखित पाई चार्ट का अध्ययन करने के बाद दीजिए। यह पाई चार्ट रु. 36,000 मासिक आय वाले परिवार के प्रतीकात्मक मासिक बजट को दिखाती है।

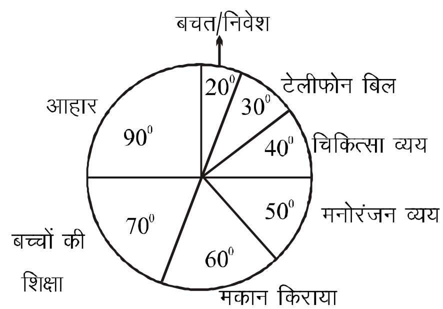

44. आहार और चिकित्सा के खर्चे के लिए बजट की राशियों का अंतर कितना है?

(a) रु. 18,000　　(b) रु. 14,400
(c) रु. 5,000　　(d) रु. 9,000

उत्तर—(c)

आहार पर व्यय $=\frac{90}{360}\times 36000\Rightarrow 9000$ रु.

चिकित्सा पर व्यय $=\frac{40}{360}\times 36000\Rightarrow 4000$

$\therefore$ अभीष्ट अंतर $=9000-4000\Rightarrow 5{,}000$

45. उस परिवार ने वर्तमान महीने में टेलीफोन बिल पर रु. 3,800 खर्च किए। मान लीजिए बाकी सभी खर्चे यदि बजट के अनुसार हैं, तो परिवार ने इस वर्तमान महीने में कितने रुपये बचत/निवेश किए?

(a) रु. 2,000 (b) रु. 1,200

(c) रु. 2,800 (d) रु. 7,200

उत्तर—(b)

टेलीफोन बिल पर वर्तमान में खर्च $= 3800$

पहले टेलीफोन बिल खर्च पर होता था $= \frac{30}{360} \times 36000$

$= 3000$ रु.

बढ़ा हुआ खर्च $= 800$ रु.

$\because$ अन्य सभी खर्च पूर्ववत हैं।

$\therefore$ प्रत्येक माह बचत $= \frac{20}{360} \times 36000 \Rightarrow 2000$ रु.

इसलिए वर्तमान माह में बचत $= 2000 - 800$

$= 1,200$ रु.

46. किसी विशेष महीने में उस परिवार ने रु. 4,500 आहार पर खर्च किए। इस माह बजट राशि का कितना प्रतिशत आहार पर खर्च किया गया?

(a) 40 (b) 50

(c) 60 (d) 80

उत्तर—(b)

प्रत्येक माह आहार पर खर्च $= \frac{90}{360} \times 36000$

$= 9000$ रु.

विशेष माह में हुआ खर्च (आहार पर) $= 4500$

$\therefore$ अभीष्ट प्रतिशत $= \frac{9000 - 4500}{9000} \times 100$

$= \frac{4500}{9000} \times 100 \Rightarrow 50\%$

47. किसी विशेष महीने में उस परिवार ने मनोरंजन की बजट राशि का केवल 80% खर्च किया, तो व्यय है-

(a) रु. 4,600 (b) रु. 4,000

(c) रु. 14,400 (d) रु. 14,600

उत्तर—(b)

प्रत्येक माह मनोरंजन पर व्यय $= \frac{50}{360} \times 36000$

$= 5000$ रु.

$\because$ विशेष माह में राशि का केवल 80% खर्च हुआ है।

$\therefore$ व्यय $= \frac{5000 \times 80}{100}$

$= 4000$ रु.

48. नवंबर के महीने में परिवार का वेतन, पिछले महीने के मकान किराया, बच्चों की शिक्षा और टेलीफोन बिल के लिए कुल बजट की राशि के बराबर बढ़ जाता है। नवंबर महीने के दौरान परिवार, मकान किराया और बच्चों की शिक्षा के लिए पिछले वेतन (बढ़ने के पहले) पर आधारित बजट राशि के एकदम बराबर खर्चा करता है। नवंबर में बढ़े हुए वेतन के आधार पर, मकान किराए और बच्चों की शिक्षा पर कुल मिलाकर कितने प्रतिशत व्यय किए गए?

(a) 10 (b) 15

(c) 20 (d) 25

उत्तर—(d)

अक्टूबर माह में मकान किराया $= \frac{60}{360} \times 36000$

$= 6000$ रु.

बच्चों की शिक्षा का व्यय $= \frac{70}{360} \times 36000$

$= 7000$ रु.

टेलीफोन बिल पर खर्च $= \frac{30}{360} \times 36000 \Rightarrow 3000$ रु.

कुल खर्च $= 6000 + 7000 + 3000 \Rightarrow 16000$

नवंबर माह में वृद्धि के बाद कुल आय

$= 36000 + 16000 \Rightarrow 52000$

नवंबर माह में खर्च $= \frac{(60 + 70)}{360} \times 36000$

(पूर्ववत बजट के आधार पर)

$= 130 \times 100 \Rightarrow 13000$ रु.

$\therefore$ अभीष्ट प्रतिशत $= \frac{13000}{52000} \times 100$

$= 25\%$

49. किसी दो-अंकीय संख्या का वर्गमूल, उसके दोनों अंकों के जोड़ के बराबर है। एक कक्षा के कुल विद्यार्थियों की संख्या ऐसी ही दो-अंकीय संख्या है। कक्षा में प्रेमा का स्थान ऐसा है कि उसके नीचे के विद्यार्थियों की संख्या, उसके ऊपर के विद्यार्थियों की संख्या की चार गुनी है। कक्षा में प्रेमा का स्थान है-

(a) 13 (b) 15

(c) 17 (d) 19

उत्तर—(c)

माना दो अंकों की संख्या में इकाई का अंक 1 तथा दहाई का अंक 8 है। इसलिए संख्या = 81
तथा पुनः माना प्रेमा का कक्षा में स्थान P है।
प्रश्नानुसार
प्रेमा के नीचे विद्यार्थियों की संख्या = 16 तथा ऊपर विद्यार्थियों की संख्या $= 16 \times 4 \Rightarrow 64$
अतः प्रेमा का कक्षा में स्थान = 16 + 1 = 17
अतः विकल्प (c) अभीष्ट उत्तर है।

50. वरुण 5 किमी. की दूरी 30 किमी. प्रति घंटा की चाल से तय करता है। फिर अगले 10 किमी. की दूरी वह 40 किमी. प्रति घंटा की चाल से तय करता है। अंततः वह आखिरी 35 किमी. की दूरी 60 किमी. प्रति घंटा की चाल से तय करता है। पूरी यात्रा के दौरान वरुण की औसत चाल, किमी. प्रति घंटा में है-

(a) 35 (b) 40
(c) 45 (d) 50

उत्तर—(d)

कुल तय की गई दूरी $= 5 + 10 + 35 \Rightarrow 50$
5 किमी. दूरी 30 किमी./घंटा से तय करने में लगा समय

$$= \frac{5}{30} \Rightarrow \frac{1}{6} \text{ घंटा}$$

10 किमी. दूरी 40 किमी./घंटा से तय करने में लगा समय

$$= \frac{10}{40} \Rightarrow \frac{1}{4} \text{ घंटा}$$

35 किमी. दूरी 60 किमी./घंटा से तय करने में लगा समय

$$= \frac{35}{60} \Rightarrow \frac{7}{12} \text{ घंटा}$$

$$\therefore \text{ औसत चाल } = \frac{50}{\frac{1}{6}+\frac{1}{4}+\frac{7}{12}}$$

$$= \frac{50}{\frac{2+3+7}{12}} = \frac{50}{\frac{12}{12}}$$

= 50 किमी./घंटा

51. आप एक पुलिस अधिकारी हैं। एक मरीज का अस्पताल में निधन हो गया है और रिश्तेदारों को लगता है कि इसका जिम्मेदार डॉक्टर है। आपको सूचित किया जाता है कि रिश्तेदार डॉक्टर पर हमला कर रहे हैं। आप क्या करेंगे?

(a) हमला समाप्त होने तक प्रतीक्षा करेंगे
(b) तुरंत अस्पताल पहुंचेंगे और रिश्तेदारों को डॉक्टर पर हमला करने से रोकेंगे
(c) अपने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित करेंगे और आदेश की प्रतीक्षा करेंगे
(d) अपने अधीनस्थों को कुछ समय बाद अस्पताल का दौरा करने के लिए कहेंगे

उत्तर—(b)

एक पुलिस अधिकारी का कर्तव्य है कि परिस्थितियों का आंकलन कर उचित निर्णय ले। ऐसी परिस्थिति में आप एक पुलिस अधिकारी होने के नाते तुरंत अस्पताल पहुंचेंगे और रिश्तेदारों को डॉक्टर पर हमला करने से रोकेंगे। अन्य विकल्प परिस्थितिजन्य उत्तर प्रस्तुत नहीं करते हैं।

52. आप एक निजी अस्पताल में डॉक्टर हैं। आपके पास ऐसा मरीज आता है जिसके पास कुछ लाख की बीमा सुरक्षा है। आपके सहयोगी कुछ ऐसे परीक्षणों के लिए आदेश देना चाहते हैं जो वास्तव में आवश्यक नहीं हैं। आप क्या करेंगे?

(a) अपने सहयोगी को परीक्षण के लिए आदेश की अनुमति देंगे
(b) अपनी तरफ से कुछ और परीक्षणों का सुझाव देंगे
(c) अपने सहयोगी की सूची में कुछ परीक्षणों को कम कर देंगे
(d) केवल आवश्यक परीक्षणों के लिए आदेश देंगे और अपने सहयोगी को ऐसा करने की आवश्यकता के प्रति संवेदनशील बनाएंगे

उत्तर—(d)

एक डॉक्टर होने के नाते यह आपका नैतिक उत्तरदायित्व है कि आप अपने सहयोगियों को केवल आवश्यक परीक्षण के लिए आदेश दें और ऐसा करने की आवश्यकता के प्रति उन्हें संवेदनशील बनाएं।

53. आप नगर निगम में एक अधिकारी हैं। एक गैर-सरकारी संगठन के कुछ स्वयंसेवकों ने एक विद्यालय में चित्रकारी कर दी है, मगर उन्होंने चित्रकारी के पहले आपसे अनुमति नहीं ली। आप क्या करेंगे?

(a) स्वयंसेवकों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्यवाही करेंगे
(b) स्वयंसेवकों से मिलेंगे और समझाएंगे कि अनुमति लेना क्यों आवश्यक है और पूर्वप्रभावी अनुमति दे देंगे
(c) स्वयंसेवकों को चित्रकारी को साफ कर पूर्ववत् करने को कहेंगे
(d) सरकारी संपत्ति को विरूप करने के आरोप में स्वयंसेवकों को गिरफ्तार करेंगे

उत्तर—(b)

ऐसा हो सकता है कि गैर-सरकारी संगठन के स्वयंसेवकों को यह जानकारी न हो कि विद्यालय में चित्रकारी करना गैर-कानूनी है। अतः सर्वप्रथम आप नगर निगम के अधिकारी की हैसियत से स्वयंसेवकों से मिलेंगे और समझाएंगे कि अनुमति लेना क्यों आवश्यक है और पूर्वप्रभावी अनुमति दे देंगे।

54. आप एक सरकारी अधिकारी हैं। आपके ऊपर स्थानीय राजनीतिक गुट के द्वारा अपने एक अधीनस्थ का स्थानांतरण करने के लिए दबाव डाला जा रहा है, क्योंकि उसने उनके नेता को ठेका देने से मना कर दिया। आप क्या करेंगे?

(a) अपने सहयोगी के निर्णय का समर्थन करेंगे और उसका स्थानांतरण नहीं करेंगे

(b) सहयोगी का स्थानांतरण कर देंगे ताकि राजनीतिक गुट आपके लिए मुसीबत न पैदा करे

(c) अपने सहयोगी को छुट्टी पर जाने को कहेंगे और उसकी अनुपस्थिति में राजनीतिक गुट के नेता का पक्षपात करेंगे

(d) अन्य राजनीतिक गुटों को इस दबाव के बारे में सूचित करेंगे ताकि राजनीतिक दबाव हट जाए

उत्तर—(a)

एक सरकारी अधिकारी की हैसियत से आप गैर-कानूनी कार्यों का समर्थन नहीं करेंगे। अतः आप राजनैतिक गुट के दबाव को अस्वीकार करेंगे तथा अपने सहयोगी के निर्णय का समर्थन करेंगे और उसका स्थानांतरण नहीं करेंगे।

55. आप एक सरकारी अधिकारी हैं। आपसे आर.टी.आई. (RTI) अधिनियम के अंतर्गत कुछ जानकारी मांगी गई है। आपको विश्वास है कि आप जानकारी मांगने वाले व्यक्ति को जानते हैं और आप आश्वस्त हैं कि जानकारी का दुरुपयोग किया जाएगा। आप क्या करेंगे?

(a) आप जानकारी न देने के लिए उपाय ढूंढ़ेंगे

(b) जानकारी दे देंगे

(c) गलत जानकारी देंगे ताकि उसके दुरुपयोग की संभावना को कम-से-कम किया जा सके

(d) जानकारी देने में जितनी संभव हो सके उतनी देरी करेंगे

उत्तर—(b)

सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत मांगी गई जानकारी का उत्तर देना आपकी जिम्मेदारी है। अतः आप जानकारी दे देंगे।

56. आप एक कंपनी की सलाहकार परिषद के सदस्य हैं, जिसके विरुद्ध एक शिकायत दर्ज कराई गई है। स्थानीय नगर निगम ने आपको तथ्यान्वेषी समिति का एक सदस्य बना दिया है। आप क्या करेंगे?

(a) समिति का काम स्वीकार करने से पहले परिषद की सदस्यता से त्यागपत्र दे देंगे

(b) हितों के टकराव का हवाला देते हुए समिति की सदस्यता अस्वीकार कर देंगे

(c) उपर्युक्त विकल्पों में से (a) अथवा (b)

(d) समिति की सदस्यता को स्वीकार करेंगे ताकि समिति की रिपोर्ट कंपनी के अनुकूल हो

उत्तर—(c)

ऐसी परिस्थिति में आप या तो समिति का काम स्वीकार करने से पहले परिषद की सदस्यता से त्यागपत्र दे देंगे या हितों के टकराव का हवाला देते हुए समिति की सदस्यता अस्वीकार कर देंगे।

57. आप एक शैक्षिक संस्थान के शासी मंडल के सदस्य हैं। आप स्थानीय नगर निगम के भी सदस्य हैं। शासी मंडल के अन्य सदस्य आपसे आग्रह करते हैं कि आप नगर निगम में अपनी सदस्यता का उपयोग शैक्षिक संस्थान को बढ़ावा देने में करें। आप क्या करेंगे?

(a) इनकार कर देंगे क्योंकि यह अनैतिक है

(b) बढ़ावा देने को सहमत हो जाएंगे परंतु किसी तरह की पहल नहीं करेंगे

(c) बढ़ावा देने को सहमत हो जाएंगे और सक्रिय कदम उठाएंगे

(d) सार्वजनिक रूप से इनकार कर देंगे परंतु निजी रूप से सक्रिय बढ़ावा देंगे

उत्तर—(a)

नगर निगम में अपनी सदस्यता का उपयोग कर एक ऐसे शैक्षिक संस्थान को बढ़ावा देना जिसके खुद सदस्य हैं, एक अनैतिक कार्य है। अतः सदस्यों के आग्रह को इनकार करना उचित है।

58. आप एक प्रकाशन में स्वतंत्र पत्रकार हैं। आपका एक मित्र अपने उत्पाद को बढ़ावा देना चाहता है और आपको धन का प्रस्ताव देता है, यदि आप उसकी प्रचार सामग्री अपने नाम से प्रकाशित करें। आप क्या करेंगे?

(a) प्रकाशित करने को तैयार हो जाएंगे लेकिन धन लेने से मना कर देंगे क्योंकि आप अपने मित्र की सहायता कर रहे हैं

(b) बढ़ावा देने को तैयार हो जाएंगे और धन ले लेंगे

(c) सहमत नहीं होंगे क्योंकि यह अनैतिक है

(d) सहमत नहीं होंगे; अपने मित्र को किसी दूसरे पत्रकार के पास भेज देंगे

उत्तर—(c)

एक पत्रकार की हैसियत से अपने मित्र की प्रचार सामग्री को अपने नाम से प्रकाशित करना पूर्णतया अनैतिक है। अतः आप सहमत नहीं होंगे और उसे मना कर देंगे।

59. आप एक सिनेमाघर में हैं। चलचित्र के पहले राष्ट्रगान बजाया जाता है। जब राष्ट्रगान चल रहा होता है, तो भी कुछ कॉलेज के छात्र सीटों पर बैठे हैं और बात कर रहे हैं। आप क्या करेंगे?

(a) छात्रों से मारपीट करेंगे

(b) उनका चित्र लेकर फेसबुक पर डाल देंगे

(c) उनसे बातचीत न करने का अनुरोध करेंगे और पूछेंगे कि उनको खड़े होने में कोई कठिनाई है

(d) चलचित्र प्रदर्शन बंद करवा देंगे जब तक कि छात्रों को हॉल से हटा नहीं दिया जाता

उत्तर—(c)

ऐसी परिस्थिति में आप उनसे बातचीत न करने का अनुरोध करेंगे और यह जानने का प्रयास करेंगे कि वे क्यों नहीं खड़े हो रहे हैं, क्योंकि हो सकता है कि वे छात्र शारीरिक विकृति के कारण खड़े होने में असमर्थ हों।

60. आपकी प्रयोगशाला में सहायक के रूप में काम करने वाला एक व्यक्ति गरीब परिवार से आता है और वास्तव में पीएच.डी. करने को इच्छुक है। आप उसको अपने संस्थान के पीएच.डी. कार्यक्रम में लेने के लिए उसकी कैसे सबसे अच्छी तरह से सहायता करेंगे?

(a) चयन समिति के प्रमुख से बात करेंगे और उनसे इस प्रत्याशी का पक्ष लेने के लिए अनुरोध करेंगे क्योंकि वह कठिन परिश्रमी है और जरूरतमंद भी

(b) प्रत्याशी को प्रवेश परीक्षा के लिए अच्छी तैयारी करने में सहायता देंगे और उसको सुसंगत पाठ्य पुस्तकें देंगे

(c) कुछ भी नहीं करेंगे, क्योंकि चयन परीक्षा में उत्तीर्ण होना उसके ऊपर है

(d) चयन प्रक्रिया के बाद, चयन सूची में प्रत्याशी का नाम डालने के लिए समिति के सदस्यों से लड़ेंगे

उत्तर—(b)

चूंकि प्रयोगशाला सहायक गरीब है। अतः प्रत्याशी को प्रवेश परीक्षा के लिए अच्छी तैयारी में सहायता देना और उसको सुसंगत पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध कराना ही सकारात्मक सहयोग है। सहायक की सहायता करने के लिए अन्य विकल्प उचित नहीं हैं।

निर्देश - (प्रश्न संख्या 61 से 64): निम्नलिखित प्रत्येक शब्द के लिए एक संदर्भ दिया गया है। दिए गए विकल्पों में से वह शब्द अथवा वाक्यांश चुनिए जो तत्संबंधित संदर्भ में शब्द के अर्थ में सर्वाधिक निकट है।

61. सहायक : मंत्री की ओर से उनके सहायक ने प्रश्नों का उत्तर दिया।

(a) अनुगामी (b) सहयोगी

(c) विरोधी (d) मित्र

उत्तर—(b)

'सहायक' शब्द के लिए दिए गए संदर्भ में सर्वाधिक निकट शब्द 'सहयोगी' है।

62. याचना : कातिल ने पीड़ित परिवार से दया याचना की।

(a) मांगना (b) दोष देना

(c) खंडन करना (d) अस्वीकार करना

उत्तर—(a)

'याचना' शब्द के लिए दिए गए संदर्भ के सर्वाधिक निकट शब्द 'मांगना' है।

63. हतोत्साह : प्रबंधक, प्रोग्रामर के प्रदर्शन से हतोत्साहित हो गया।

(a) अप्रसन्न, क्योंकि अपेक्षा के अनुरूप काम नहीं हुआ

(b) प्रसन्न, क्योंकि अपेक्षा के अनुरूप काम हुआ

(c) प्रदर्शन से प्रभावित

(d) भयभीत

उत्तर—(a)

'हतोत्साह' शब्द के संदर्भ में सर्वाधिक निकट है- अप्रसन्न, क्योंकि अपेक्षा के अनुरूप काम नहीं हुआ।

64. भंग : टेनिस खिलाड़ी ने पिछले विश्व रिकॉर्ड को भंग कर दिया।

(a) तोड़ना (b) मिलने से चूकना

(c) खेलने से इंकार कर दिया (d) धोखा दिया

उत्तर—(a)

'भंग' शब्द के लिए दिए गए संदर्भ के लिए सर्वाधिक निकट शब्द 'तोड़ना' है।

निर्देश - (प्रश्न संख्या 65 से 69) : निम्नलिखित लेखांश को पढ़िए और उसके अंत में दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। इन प्रश्नों के उत्तर लेखांश पर आधारित होने चाहिए।

तेंदुए, बाघ से ज्यादा चालाक होते हैं। जिम कॉर्बेट ने कहा था कि सब कुछ कहने और करने के बाद भी बाघ सज्जन हैं। तेंदुआ की बाघ की अपेक्षा गांव अथवा घरों में भी प्रवेश करने की संभावना ज्यादा है। वह झोपड़ी की बगल में लेटा हुआ इसका इंतजार करता है कि कब एक खतरे से अनजान बच्चा बाहर आए और तब वह उसको गर्दन से दबोच ले। कोई भी आवाज नहीं होगी और बच्चा यूं ही गायब हो जाएगा। एक बाघ एक बच्चे के लिए अपने को कभी-कभार तकलीफ नहीं देगा क्योंकि उसके लिए यह बहुत कम है। यह व्यय-लाभ का प्रश्न है। बाघ बच्चे को पकड़ने और मारने में जितनी ऊर्जा व्यय करेगा उसकी अपेक्षा उसे बहुत कम भोजन उपलब्ध होगा। इसके बजाय वह एक भैंसे अथवा किसी खुरवाले जंगली शिकार को मारेगा, जिससे उसको काफी अधिक मात्रा में भोजन उपलब्ध होगा। एक बाघ का वजन 180-230 किग्रा. होता है जबकि तेंदुआ लगभग 50 किग्रा. के

आस-पास। अपने सामान्य भोजन जैसे कि कुत्ते, बकरियां और मुर्गे आराम से सुलभ होने पर भी, तेंदुए बच्चों को उठाने पर उतर आते हैं।

65. बाघ एक बच्चे के बजाय एक भैंसे को मारेगा-

(a) क्योंकि एक भैंसे को मारना आसान है

(b) क्योंकि एक बच्चे को मारना कठिन है

(c) क्योंकि बाघ चालाक नहीं होते

(d) क्योंकि बाघ, बच्चे को पकड़ने और मारने में जितनी ऊर्जा खर्च करेगा उसकी अपेक्षा उसे बहुत कम भोजन मिलेगा

उत्तर—(d)

प्रस्तुत गद्यांश में स्पष्ट इंगित है कि बाघ एक बच्चे के बजाय एक भैंसे को मारेगा क्योंकि बाघ, बच्चे को पकड़ने और मारने में जितनी ऊर्जा खर्च करेगा उसकी अपेक्षा उसे बहुत कम भोजन मिलेगा।

66. तेंदुए बच्चों को उठाने पर उतर आते हैं-

(a) जब सामान्य भोजन उपलब्ध नहीं होता

(b) सामान्य भोजन उपलब्ध होने के बावजूद

(c) जब बाघ, भैंसों का शिकार करते हैं

(d) जब वे गांव में प्रवेश करते हैं

उत्तर—(b)

गद्यांश के पठनोपरांत ज्ञात होता है कि सामान्य भोजन उपलब्ध होने के बावजूद तेंदुए बच्चों को उठाने पर उतर आते हैं।

67. निम्न कथनों में से कौन-सा असत्य है?

(a) बाघों की गांव अथवा घरों में भी प्रवेश करने की संभावना अधिक होती है।

(b) तेंदुओं की गांव अथवा घरों में भी प्रवेश करने की संभावना अधिक होती है।

(c) बाघ बच्चों का शिकार शायद ही करेगा।

(d) तेंदुओं का सामान्य भोजन कुत्ते, बकरियां और मुर्गे होते हैं।

उत्तर—(a)

विकल्प (a) में प्रस्तुत वाक्य असत्य है, क्योंकि तेंदुओं की बाघों की अपेक्षा गांव अथवा घरों में भी प्रवेश करने की संभावना अधिक होती है।

68. जिम कॉर्बेट ने कहा था कि-

(a) तेंदुए चालाक जानवर हैं (b) बाघ चालाक जानवर हैं

(c) तेंदुए सज्जन हैं (d) बाघ सज्जन हैं

उत्तर—(d)

जिम कॉर्बेट ने कहा था कि बाघ सज्जन हैं।

69. तेंदुए-

(a) केवल बच्चों को खाते हैं

(b) केवल कुत्तों और बकरियों को खाते हैं

(c) केवल मुर्गों को खाते हैं

(d) कुत्ते, बकरियों, मुर्गों और बच्चों को खाते हैं

उत्तर—(d)

तेंदुए कुत्ते, बकरियों, मुर्गों और बच्चों को खाते हैं।

निर्देश- (प्रश्न सं. 70 से 74) : निम्नलिखित लेखांश को पढ़िए और उसके अंत में दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। इन प्रश्नों के उत्तर लेखांश पर आधारित होने चाहिए।

उष्णकटिबंधीय कीटों के विभिन्न समूहों में तितलियों और चीटियों को वर्गीकरण विज्ञान में, शायद सबसे अच्छी तरह से जाना जाता है। जबकि तितलियां पर्यावरण बदलाव की सबसे अच्छी संकेतक हो सकती हैं, वयस्क तितलियां केवल कुछ पारिस्थितिक उपयुक्त स्थान को भरती हैं। अधिकांश प्रजातियां परागणकर्ता अथवा सफाई करने वाली होती हैं। इसके विपरीत, चीटियां किसी भी पारिस्थितिक व्यवस्था में एक बहुत अधिक परिवर्तनशील भूमिका निभाती हैं। चीटियों को अधिकांश स्थलीय जगत को चलाने में एक मुख्य मिट्टी को उलट-पलट करने वाली और ऊर्जा चैनल को देने वाली मानी जाती है। किसी भी स्थलीय पारिस्थितिक व्यवस्था में, चीटियां भी परभक्षी, परागणकर्ता, फसल काटने वाली और अपघटनकर्ता की भूमिका निभाती हैं।

70. निम्न में से कौन-सा कथन सत्य है?

(a) चीटियां और तितलियां दोनों परागणकर्ता की भूमिका निभाती हैं।

(b) तितलियां परागणकर्ता की भूमिका निभाती हैं, पर चीटियां नहीं।

(c) चीटियां परागणकर्ता की भूमिका निभाती हैं, पर तितलियां नहीं।

(d) न ही चीटियां और न तितलियां परागणकर्ता की भूमिका निभाती हैं।

उत्तर—(a)

विकल्प (a) में प्रस्तुत वाक्य सत्य है, क्योंकि चीटियां और तितलियां दोनों परागणकर्ता की भूमिका निभाती हैं।

71. तितलियां-

(a) वर्गीकरण विज्ञान में अच्छी तरह से नहीं जानी जाती हैं

(b) पर्यावरण बदलाव की अच्छी संकेतक हैं

(c) परभक्षी, परागणकर्ता, फसल काटने वाली और अपघटनकर्ता होती हैं

(d) अधिकांश स्थलीय व्यवस्था को चलाती हैं

उत्तर–(b)

गद्यांश की तीसरी पंक्ति में स्पष्ट है कि तितलियां पर्यावरण बदलाव की अच्छी संकेतक हैं।

72. चीटियों को अधिकांश स्थलीय व्यवस्था को चलाने वाला माना जाता है, क्योंकि-

(a) वे परागणकर्ता और सफाई करने वाली होती हैं
(b) वे वर्गीकरण विज्ञान में अच्छी तरह से जानी जाती हैं
(c) वे पारिस्थितिक व्यवस्था में एक परिवर्तनशील भूमिका निभाती हैं
(d) वे मुख्य रूप से मिट्टी को उलट-पलट करने वाली और ऊर्जा चैनल को देने वाली होती हैं।

उत्तर–(d)

गद्यांश की पांचवीं से चौथी पंक्ति में स्पष्ट है कि चीटियों को अधिकांश स्थलीय व्यवस्था को चलाने वाला माना जाता है, क्योंकि वे मुख्य रूप से मिट्टी को उलट-पलट करने वाली और ऊर्जा चैनल को देने वाली होती हैं।

73. चीटियां और तितलियां-

(a) पर्यावरण बदलाव की अच्छी संकेतक हैं
(b) उष्णकटिबंधीय कीट हैं
(c) वर्गीकरण विज्ञान में अच्छी तरह से नहीं जानी जाती हैं
(d) पारिस्थितिक व्यवस्था में कोई भूमिका नहीं निभाती

उत्तर–(b)

गद्यांश की पहली पंक्ति में ही स्पष्ट है कि चीटियां और तितलियां उष्णकटिबंधीय कीट हैं।

74. तितलियों की अधिकांश जातियां परागणकर्ता और सफाई करने वाली होती हैं। अतः-

(a) वे चीटियों की अपेक्षा, पारिस्थितिक व्यवस्था में एक परिवर्तनशील भूमिका निभाती हैं
(b) वे अधिकांश स्थलीय व्यवस्था को चलाती हैं
(c) उनको वर्गीकरण विज्ञान में अच्छी तरह से जाना जाता है
(d) वे केवल कुछ ही पारिस्थितिक उपयुक्त स्थान को भरती हैं

उत्तर–(d)

गद्यांश के पठनोपरांत यह ज्ञात होता है कि तितलियों की अधिकांश जातियां परागणकर्ता और सफाई करने वाली होती हैं। अतः वे केवल कुछ ही पारिस्थितिक उपयुक्त स्थान को भरती हैं।

75. भारत को गंभीर ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ रहा है। पर्यावरण-संबंधी चिंताओं से समझौता किए बिना इस संकट का सामना करने के लिए सरकार के समक्ष सबसे अच्छा विकल्प है-

(a) लोगों को खाना पकाने के लिए पेड़ काटने की अनुमति देना
(b) सौर पैनलों को बड़े क्षेत्रों में स्थापित किया जाना
(c) परमाणु सुरक्षा के मुद्दों के बारे में चिंता किए बिना परमाणु ऊर्जा का उपयोग किया जाना
(d) लोगों को और अधिक डीजल जेनरेटरों के उपयोग की अनुमति देना

उत्तर–(b)

भारत के ऊर्जा संकट को दूर करने के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प सौर पैनलों को बड़े क्षेत्रों में स्थापित किया जाना है, क्योंकि इससे पर्यावरणीय ह्रास के बिना भारत की ऊर्जा आवश्यकता को पूरा किया जा सकता है।

76. एक व्यक्ति ने अपने मित्र से उसकी नई खरीदी हुई कार का रजिस्ट्रेशन नंबर पूछा। सीधा उत्तर देने के बजाय, उसने इस प्रकार से उत्तर दिया- रजिस्ट्रेशन नंबर में चार अक्षर और छः अंक हैं। पहले दो अक्षर मेंबर ऑफ पार्लियामेंट और अंतिम तीन अक्षर एक लेखन उपकरण को दर्शाते हैं। सभी अंकों का योग करने पर 20 आता है और पहले दो अंकों का योग 3 है। रजिस्ट्रेशन का नंबर है-

(a) MP12AT5435 (b) MP12AW5345
(c) MP12EN3456 (d) MP03EN5435

उत्तर–(d)

प्रश्नानुसार, रजिस्ट्रेशन नं. में चार अक्षर और छः अंक हैं। रजिस्ट्रेशन के प्रथम दो अक्षर एम पी (MP) = मेंबर ऑफ पार्लियामेंट (Member of Parliament) को दर्शाते हैं।
इसी प्रकार
अंतिम तीन अक्षर PEN = कलम (अर्थात लेखन उपकरण को दर्शाते हैं)
तथा छः अंकों का योग $0 + 3 + 5 + 4 + 3 + 5 = 20$ है।
प्रथम दो अंकों का योग $= 0 + 3 = 3$
अतः विकल्प (d) सही है।

77. खेती को प्रोत्साहित करने के लिए जिला प्रशासन ने मुफ्त बीज और रियायती उर्वरकों की आपूर्ति करने का निर्णय लिया। इसका अर्थ है कि-

(a) उर्वरक सस्ते हैं
(b) बीज, उर्वरकों से सस्ते हैं
(c) बहुत-से लोग खेती पंसद करते हैं
(d) बहुत-से लोग खेती छोड़कर जा रहे हैं

उत्तर–(d)

खेती को प्रोत्साहित करने के लिए जिला प्रशासन ने मुफ्त बीज और रियायती उर्वरकों की आपूर्ति करने का निर्णय लिया है। इसका अर्थ है कि बहुत-से लोग खेती छोड़कर जा रहे हैं।

78. लगभग सभी देशों की सरकारों के राष्ट्राध्यक्षों ने CO_2 उत्सर्जन को कम करने के लिए तत्काल पहल करने का निर्णय लिया है, क्योंकि अब तक उठाए गए कदमों के अच्छे परिणाम नहीं निकले। यह दर्शाता है कि-

(a) अतीत में कोई कदम नहीं उठाया गया

(b) अतीत में लिए गए कदम बहुत अच्छे थे

(c) आज CO_2 उत्सर्जन के कारण चुनौती बहुत गंभीर हो गई है

(d) अतीत में CO_2 उत्सर्जन के कारण कोई चुनौती नहीं थी

उत्तर—(c)

लगभग सभी देशों की सरकारों के राष्ट्राध्यक्षों ने CO_2 उत्सर्जन को कम करने के लिए तत्काल पहल करने का निर्णय लिया है, क्योंकि अब तक उठाए गए कदमों के अच्छे परिणाम नहीं निकले। यह दर्शाता है कि आज CO_2 उत्सर्जन के कारण चुनौती बहुत गंभीर हो गई है।

79. मैत्री महत्वपूर्ण है, लेकिन सही मित्र चुनना और अधिक महत्वपूर्ण है। अन्यथा, मैत्री एक बोझ बन जाती है। इसका तात्पर्य है कि-

(a) बहुत से मित्र होने चाहिए

(b) मैत्री हमेशा अच्छी होती है

(c) यदि अच्छे मित्र नहीं मिलते, तो इससे अच्छा है कि कोई मित्र न हो

(d) मैत्री हमेशा एक बोझ होती है

उत्तर—(c)

मैत्री महत्वपूर्ण है, लेकिन सही मित्र चुनना और अधिक महत्वपूर्ण है। अन्यथा, मैत्री एक बोझ बन जाती है। इसका तात्पर्य है कि यदि अच्छे मित्र नहीं मिलते, तो इससे अच्छा है कि कोई मित्र न हो।

80. विद्यालय के नए प्रधानाचार्या ने स्कूल के प्रत्येक छात्र से आग्रह किया है कि वह कम-से-कम एक पाठ्यक्रम इतर गतिविधि को ले। उनकी राय है कि पढ़ाई और पाठ्यक्रम इतर गतिविधियां एक साथ चलनी चाहिए। प्रधानाचार्या सोचती हैं कि-

(a) पाठ्यक्रम इतर गतिविधियां, पढ़ाई के समान महत्वपूर्ण हैं

(b) उनके प्रधानाचार्य पद ग्रहण के पूर्व पढ़ाई को उपेक्षित किया गया

(c) विद्यालय में पाठ्यक्रम इतर गतिविधियों के लिए अच्छी प्रतिभा है

(d) प्रत्येक छात्र कई पाठ्यक्रम इतर गतिविधियों में भाग लेगा

उत्तर—(a)

प्रधानाचार्या सोचती हैं कि पाठ्यक्रम इतर गतिविधियां, पढ़ाई के समान महत्वपूर्ण हैं।

निर्देश - (प्रश्न सं. 81 से 85) : दिए गए गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

गद्यांश - 1

हिंदी के प्रसार के लिए तथा संपूर्ण भारत की एक भाषा के रूप में इसे स्थापित करने के लिए केंद्रीय स्तर पर बहुत सारे प्रयास किए गए हैं। सन् 1960 में स्थापित केंद्रीय हिंदी निदेशालय की स्थापना की गई तथा सन् 1961 में वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग का गठन किया गया। सरकारी कार्यालयों और बैंकों में भी हिंदी में लगातार काम किए जाने के प्रयासों पर जोर दिया गया। कट्टरपंथी भाषायी आंदोलनों के बावजूद दक्षिण भारत में हिंदी का खूब प्रचार-प्रसार हुआ है, जिसमें हिंदी सिनेमा और मीडिया का महत्वपूर्ण योगदान है। हिंदी आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई देशों में बोली और समझी जा रही है। फिजी, नेपाल, पाकिस्तान, मॉरीशस और कई अमेरिकी एवं यूरोपीय देशों में हिंदी को पढ़ाया जा रहा है।

81. केंद्रीय हिंदी निदेशालय की स्थापना कब हुई?

(a) 1961 (b) 1960

(c) 1958 (d) 1963

उत्तर—(b)

गद्यांश की तीसरी पंक्ति में यह स्पष्ट है कि केंद्रीय हिंदी निदेशालय की स्थापना सन् 1960 में हुई।

82. भाषायी आंदोलनों के बावजूद हिंदी का प्रचार-प्रसार कहां हुआ है?

(a) पूर्वी भारत (b) पश्चिमी भारत

(c) पूर्वोत्तर भारत (d) दक्षिण भारत

उत्तर—(d)

गद्यांश की सातवीं एवं आठवीं पंक्ति से यह स्पष्ट होता है कि भाषायी आंदोलनों के बावजूद हिंदी का प्रचार-प्रसार दक्षिण भारत में हुआ।

83. हिंदी के प्रचार-प्रसार में किसका महत्वपूर्ण योगदान है?

(a) समाचार-पत्रों का (b) पत्रिकाओं का

(c) समाज (d) मीडिया और सिनेमा का

उत्तर—(d)

गद्यांश की अंतिम से चौथी से पांचवीं पंक्ति में यह स्पष्ट है कि हिंदी के प्रचार-प्रसार में मीडिया और सिनेमा का महत्वपूर्ण योगदान है।

84. वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग का गठन कब हुआ?

(a) 1961 (b) 1960

(c) 1958 (d) 1964

उत्तर—(a)

गद्यांश की चौथी पंक्ति में स्पष्ट इंगित है कि वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग का गठन सन् 1961 में हुआ।

85. कौन-सा देश भारत के ज्यादा करीब है?

(a) पाकिस्तान (b) श्रीलंका

(c) मॉरीशस (d) अमेरिका

उत्तर—(a)

गद्यांश की अंतिम तीसरी से पहली पंक्ति से स्पष्ट है कि विभिन्न देशों में भारत के ज्यादा करीब देश पाकिस्तान है।

निर्देश- (प्रश्न सं. 86 से 90) : दिए गए गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

गद्यांश - 2

रोमांटिक और आधुनिक दृष्टिकोणों का एक और अंतर उनके अपने सामाजिक परिवेशों के कारण है। रोमांटिसिज्म का विकास विशेष रूप से उदारतावादी युग में हुआ, जबकि आधुनिकता का उदय प्रजातांत्रिक पद्धतियों के अंतर्गत होता है। उदारतावाद और रोमांटिसिज्म में व्यक्ति की स्वाधीनता का सर्वोपरि महत्व है; प्रजातंत्र इस व्यक्तिगत स्वातंत्र्य को मानते हुए भी सामाजिक दायित्वों को एक स्वीकारात्मक दृष्टि के रूप में लेता है; स्वातंत्र्य और दायित्व इस पद्धति में अविच्छिन्न मूल्य हैं। आधुनिकता को मानने वाला सृजनात्मक मूल्यों के संचरण में विश्वास रखता है।

86. रोमांटिसिज्म का विकास किस युग में हुआ?

(a) पूंजीवादी युग (b) उदारतावादी युग

(c) प्रयोगवादी युग (d) प्रगतिवादी युग

उत्तर—(b)

गद्यांश की दूसरी से तीसरी पंक्ति में स्पष्ट उल्लेख है कि रोमांटिसिज्म का विकास विशेष रूप से उदारतावादी युग में हुआ।

87. आधुनिकता का उदय किस पद्धतियों के अंतर्गत हुआ?

(a) प्रजातांत्रिक (b) लोकतांत्रिक

(c) तानाशाही (d) राजशाही

उत्तर—(a)

गद्यांश की तीसरी से चौथी पंक्ति में स्पष्ट उल्लेख है कि आधुनिकता का उदय प्रजातांत्रिक पद्धतियों के अंतर्गत हुआ।

88. उदारतावाद और रोमांटिसिज्म में किसका सर्वोपरि महत्व है?

(a) उदारतावाद (b) व्यक्तिवाद

(c) व्यक्ति पराधीनता (d) व्यक्ति की स्वाधीनता

उत्तर—(d)

गद्यांश की पांचवीं पंक्ति में स्पष्ट उल्लेख है कि उदारता और रोमांटिसिज्म में व्यक्ति की स्वाधीनता का महत्व सर्वोपरि है।

89. आधुनिकता को मानने वाला किन मूल्यों के संचरण में विश्वास रखता है?

(a) आर्थिक मूल्य (b) वर्णनात्मक मूल्य

(c) सृजनात्मक मूल्य (d) वर्जनात्मक मूल्य

उत्तर—(c)

गद्यांश की अंतिम पंक्ति में स्पष्ट उल्लेख है कि आधुनिकता को मानने वाला सृजनात्मक मूल्यों के संचरण में विश्वास रखता है।

90. प्रजातंत्र व्यक्तिगत स्वातंत्र्य को मानते हुए भी किसको स्वीकारात्मक दृष्टि के रूप में लेता है?

(a) सामाजिक दायित्व (b) राजनैतिक दायित्व

(c) प्रजातांत्रिक दायित्व (d) लोकतांत्रिक दायित्व

उत्तर—(a)

गद्यांश की छठीं से सातवीं पंक्ति में उल्लेख है कि प्रजातंत्र व्यक्तिगत स्वातंत्र्य को मानते हुए भी सामाजिक दायित्व स्वीकारात्मक दृष्टि के रूप में लेता है।

निर्देश- (प्रश्न सं. 91 से 95) : दिए गए गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

गद्यांश - 3

किसी भी देश की प्रगति वैज्ञानिक उपलब्धियों के सहारे किए गए औद्योगिकीकरण पर निर्भर है। यही किसी भी उन्नत देश की कसौटी मानी जाती है। जहां पर पूर्ण रूप से औद्योगिकीकरण नहीं हुआ है, वहां उसी अनुपात में गरीबी और पिछड़ापन रहता है। विज्ञान ने मानव को पूरी तरह बदल दिया है, उसे भौतिक स्तर पर समुन्नत बनाया है, परंतु एक सत्य यह भी है कि हमें नानाप्रकार की भौतिक सुविधाएं देकर उसने हमारी कोमल मानवीय संवेदनाओं को नष्ट कर दिया है। अगर ऐसा ही होता रहा, तो क्या हम ईमानदारी से अपने को मानव कह पाएंगे।

91. विज्ञान हमें क्या देता है?

(a) सामाजिक उपलब्धियां

(b) भौतिक उपलब्धियां

(c) आध्यात्मिक उपलब्धियां

(d) राजनैतिक उपलब्धियां

उत्तर—(b)

गद्यांश के पठन से स्पष्ट है कि विज्ञान हमें भौतिक उपलब्धियां देता है।

92. विज्ञान के विकास के साथ-साथ हम क्या खोते जा रहे हैं?

(a) हिंसा (b) क्रूरता
(c) प्रेम (d) संवेदना

उत्तर—(d)

गद्यांश की अंतिम तीसरी से दूसरी पंक्ति में स्पष्ट है कि विज्ञान के विकास के साथ-साथ हम कोमल मानवीय संवेदनाओं को खोते जा रहे हैं।

93. किसी भी देश को किसके बल पर उन्नत कहा जा सकता है?

(a) समाजीकरण (b) औद्योगिकीकरण
(c) राजनीतिकरण (d) भूमंडलीकरण

उत्तर—(b)

गद्यांश की दूसरी से तीसरी पंक्ति में स्पष्ट उल्लेख है कि किसी भी देश को औद्योगिकीकरण के बल पर उन्नत कहा जा सकता है।

94. विज्ञान ने मानव को किस प्रकार बदला है?

(a) आंशिक रूप से (b) बहुत हद तक
(c) पूर्ण रूप से (d) किसी रूप में नहीं

उत्तर—(c)

गद्यांश के पांचवीं पंक्ति में स्पष्ट है कि विज्ञान ने मानव को पूर्ण रूप से बदल दिया है।

95. गरीबी और पिछड़ेपन का मापदंड क्या है?

(a) सही नेतृत्व का न होना
(b) औद्योगिकीकरण का न होना
(c) व्यापारीकरण का न होना
(d) सही समाज का न होना

उत्तर—(b)

गद्यांश के चौथी पंक्ति में उल्लेख है कि औद्योगिकीकरण का न होना गरीबी और पिछड़ेपन का मापदंड है।

निर्देश- (प्रश्न सं. 96 से 100) : दिए गए गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

गद्यांश - 4

कालक्रम की दृष्टि से 'कला जीवन के लिए' का सिद्धांत बहुत ही पुराना है। साहित्य-सृजन के शुरुआती दौर से ही कला को नैतिक उद्देश्यपूर्ति का साधन बनाया गया है। कला को जीवनोपयोगी मानने संबंधी धारणा का प्राधान्य सबसे अधिक पश्चिम में रहा है। जबकि यह धारणा आदिकालीन एवं देशातीत है। पश्चिम में कला का आरंभिक स्वरूप उपदेशात्मक रहा, जिसका कारण यह है कि पश्चिम की शास्त्रीय कला धर्म के संरक्षण में पनपी और विकसित हुई। शुद्ध कलावादी दृष्टि का इस युग में प्रायः अभाव ही रहा। धर्म से प्रेरित कला-साहित्य का उपदेशात्मक होना स्वाभाविक ही है।

96. साहित्य-सृजन को प्राचीनकाल से किसकी पूर्ति का साधन बनाया गया?

(a) राजनैतिक उद्देश्य (b) धार्मिक उद्देश्य
(c) आध्यात्मिक उद्देश्य (d) नैतिक उद्देश्य

उत्तर—(d)

गद्यांश की दूसरी से तीसरी पंक्ति में स्पष्ट है कि साहित्य-सृजन को प्राचीनकाल से ही नैतिक उद्देश्य की पूर्ति का साधन बनाया गया।

97. पश्चिम में कला का प्रारंभिक स्वरूप कैसा रहा?

(a) आध्यात्मिक (b) उपदेशात्मक
(c) कलात्मक (d) शास्त्रीय

उत्तर—(b)

गद्यांश की छठीं पंक्ति से स्पष्ट है कि पश्चिम में कला का प्रारंभिक स्वरूप उपदेशात्मक रहा।

98. पश्चिम की शास्त्रीय कला किसके संरक्षण में विकसित हुई?

(a) धर्म के संरक्षण में
(b) राजनीति के संरक्षण में
(c) मानव के संरक्षण में
(d) संतों के संरक्षण में

उत्तर—(a)

गद्यांश की अंतिम चौथी पंक्ति से स्पष्ट है कि पश्चिम की शास्त्रीय कला धर्म के संरक्षण में विकसित हुई।

99. पश्चिम की कला संबंधी धारणा क्या थी?

(a) धर्मोपयोगी (b) जीवनोपयोगी
(c) समाजोपयोगी (d) अर्थोपयोगी

उत्तर—(b)

गद्यांश की पहली पंक्ति से ही स्पष्ट है कि पश्चिम की कला संबंधी धारणा जीवनोपयोगी थी।

100. पश्चिम की कला में किस दृष्टि का अभाव रहा?

(a) पूंजीवादी (b) मार्क्सवादी
(c) कलावादी (d) रसवादी

उत्तर—(c)

गद्यांश की अंतिम तीसरी से दूसरी पंक्ति से स्पष्ट है कि पश्चिम की कला में कलावादी दृष्टि का अभाव रहा।